भारत में ग्रहण की गणना

-अरुण कुमार उपाध्याय, कटक-७५३००१ (ओड़िशा)

०६७१-२३०४१७२/२३०४४३३, (मो) ०९४३७०३४१७२

E mail <arunupadhyay30@yahoo.in>

(सारांश)

सूर्य सिद्धान्त तथा अन्य सभी सिद्धान्त ग्रन्थों में किसी स्थान पर चन्द्र तथा सूर्य ग्रहण की गणना विधि बतायी गयी है। किसी भी ग्रन्थ में यह नहीं बताया गया है कि किस क्षेत्र में चन्द्र ग्रहण होगा या सूर्य ग्रहण का मार्ग क्या होगा। पर भागवत पुराण (१०/८२) में यह उल्लेख है कि द्वारका से भगवान् कृष्ण तथा अन्य यादव सूर्य-ग्रहण देखने के लिये आये थे तो उनकी भेंट वृन्दावन से आये नन्द जी से हुयी थी। यह पहले से सूक्ष्म गणना द्वारा ही पता चल सकता है द्वारका में नहीं वरन् कुरुक्षेत्र में ग्रहण होगा। वृन्दावन तथा मथुरा के बीच बहुत कम दूरी है, वहां का अन्तर जानने के लिये बहुत सूक्ष्म गणना की जरूरत है। इसके अतिरिक्त सूर्य तथा तारा ग्रहों की दूरी सूर्य सिद्धान्त लिखित मान से प्रायः २७ गुणा है, तथा चन्द्रकक्षा में सूर्य के कारण परिवर्त्तनों की गणना नहीं है। इस अवस्था में ग्रहण गरना कैसे ठीक होती थी इस विषय में चर्चा है।

****

१. ग्रहण पद्धति-सूर्य सिद्धान्त तथा अन्य गणित ज्योतिष ग्रन्थों में किसी स्थान पर ग्रहण की सम्भावना, ग्रहण का मध्यकाल, ग्रास मान तथा स्पर्श-मोक्ष की दिशा तथा उनके परिलेख की विधियां बतायी गयी हैं। किन्तु चन्द्र-ग्रहण किस क्षेत्र में होगा या सूर्य ग्रहण में चन्द्रमा की छाया का मार्ग क्या होगा इसकी विधि नहीं दी गयी है। ये विधियां पूर्व काल में ज्ञात थीं, इसका प्रमाण है कि श्रीमद्भागवत पुराण, १/८२ अध्याय के अनुसार भगवान् कृष्ण तथा अन्य यादव गण द्वारका से कुरुक्षेत्र में सूर्य-ग्रहण देखने के लिये महाभारत से कुछ पूर्व आये थे। उसी समय वृन्दावन से नन्द जी भी गोप गणों के साथ आये थे। तब उनकी भेंट हुयी थी। इससे स्पष्ट है कि उस काल में भी यह पता था कि किस स्थान में सूर्य ग्रहण कब होगा। विशेषकर मथुरा के बदले कुरुक्षेत्र में दीखेगा या अधिक अंश दीखेगा, इसका भी ज्ञान था। मथुरा तथा कुरुक्षेत्रके बीच सीधी दूरी २५० कि.मी. से अधिक नहीं है। सूर्यग्रहण का क्षेत्र प्रायः इतना ही होता है। महाभारत काल में आर्यभट के महा सिद्धान्त (२/२) के अनुसार २ प्रकार के मत प्रचलित थे-आर्य-मत तथा पराशर-मत। आर्य मत के अनुसार आर्यभट ने २ ग्रन्थ लिखे-आर्यभट-सिद्धान्त (अनुपलब्ध) तथा आर्यभट-तन्त्र या आर्यभटीय। आर्यभट ने अपना समय जन्म-काल ३२७ कलि दिया था (६० वर्ष के ६ चक्र पूर्ण होने पर २३ वर्ष आयु)। पर पाश्चात्यों को यह सहन नहीं हुआ, तथा ६० वर्ष के ६ चक्रों को ६० चक्र बनाया गया। उस काल में पाटलिपुत्र नहीं था तथा शिक्षा का केन्द्र कुसुमपुर कहलाता था। पराशर मत का वर्णन विष्णु-पुराण में है, जिसके आधार पर ब्रह्मगुप्त ने ब्राह्म-स्फुट-सिद्धान्त लिखा। उनके पिता जिष्णु-गुप्त का उल्लेख वराहमिहिर ने बृहद् जातक (आयुर्दाय) में किया है (विष्णुगुप्त) जिसे कालिदास ने ज्योतिर्विदाभरण (२०/८-९) में जिष्णु कहा है। वे सभी उज्जयिनी के परमार राजा विक्रमादित्य (८२ ई.पू.-१९ ई. तक) के समकालीन थे। पर सभी का काल इनकी मृत्यु के १०० वर्ष बाद अरम्भ हुये शालिवाहन शक (७८ ई.) में लिखा गया है। वराहमिहिर ने अपने काल के शक का आरम्भ ६१२ ई.पू. में बताया है (बृहत् संहिता १३/३)। ब्रह्मगुप्त द्वारा विष्णु पुराण का स्रोत दिया गया है पर अभी विष्णु पुराण के १८,००० श्लोकों में केवल ५,४०० उपलब्ध हैं। सूर्य सिद्धान्त तथा ब्राह्म-स्फुट-सिद्धान्त की सामग्री विष्णु-धर्मोत्तर पुराण में तथा संक्षेप में नारद पुराण में मिलती है। इन सभी पुस्तकों में ग्रहण के स्थानीय परिस्थितियों का ही वर्णन है।

२. अन्य भूलें-इसके अतिरिक्त सूर्य सिद्धान्त तथा आर्यभटीय में सूर्य की दूरी वास्तविक का २७ वां भाग दी गयी है। दोनों ने उत्तरी ध्रुव को जल के भीतर बताया है जबकि १९०९ ई. में बाल गंगाधर तिलक ने आर्यों का मूल निवास उत्तरी ध्रुव में प्रमाणित करने के लिये पुस्तक लिखी। स्पष्टतः महाभारत काल में उच्च कोटि का ज्ञान था, जिसे बाद के लेखक समझने मे असमर्थ रहे। अंग्रेजी शासन में तिलक

जैसे देशभक्त विद्वान् भी अंग्रेजी मिथ्या प्रचार के जाल में फंस गये। उनकी पुस्तक से यही निष्कर्ष निकल सकता है कि बीसवीं शताब्दी में यह पता नहीं था कि उत्तरी ध्रुव समुद्र में है, जो आर्यभट काल में पता था । इसके अतिरिक्त इन सबने न्यूजीलैण्ड के दक्षिण पश्चिमी तट (उज्जैन से ९०॰ पूर्व का एकमात्र भूखण्ड), रोमक पत्तन (उज्जैन से ९०॰ पश्चिम-मोरक्को का रबात या उसके निकट), तथा सिद्धपुर (उज्जैन से १८०॰ पूर्व, जहां वाल्मीकि रामायण किष्किन्धा काण्ड, ४०/५४,६४ के अनुसार ब्रह्मा ने पूर्व दिशा का अन्त सूचित करने के लिये द्वार =पिरामिड बनाया था) का भी उल्लेख किया है जहां जाने का उनके पास कोई साधन नहीं था। नैमिषारण्य में शौनक की महाशाला (विश्वविद्यालय) में पुराणों का सङ्कलन होने से विष्णु पुराण द्वारा पराशर मत सुरक्षित हो गया। अतः मगध में प्रचलित आर्यमत को सुरक्षित रखने के लिये आर्यभट ने कुसुमपुर में मान्य मत के अनुसार आर्यभटीय लिखा। पर ये लोग अलग अलग प्रकार की इकाइयों का अन्तर नहीं समझ पाये। इसका प्रमाण है कि सौर मण्डल की चक्राकार ग्रहकक्षा को इन्होने पृथ्वी ग्रह मान लिया तथा उसके द्वीपों तथा पृथ्वी के द्वीपों का अन्तर नहीं जान पाये। आकाश में सौर मण्डल, आकाशगंगा तथा उससे बड़े लोकों की विभिन्न इकाइयों में माप का रहस्य भी अज्ञात रहा। पर जो कुछ भी पता था, उसे सुरक्षित रखने के लिये लिपिबद्ध कर दिया। कालमान में भी मुख्य भूल हुयी कि ज्योतिषीय युग तथा ऐतिहासिक युगों का अन्तर की ज्योतिष पुस्तकों में चर्चा तक नहीं हुयी। पुराणों में दिव्य वर्ष के २ अर्थ है-सप्त र्षि सम्वत्सर के प्रसंग में यह सौर वर्ष तथा ज्योतिषीय युग के लिये ३६० सौर वर्ष है। इसी प्रकार अयन गति का रूप स्पष्ट नहीं होने के कारण पुराण वर्णित सप्तर्षि, ध्रुव वत्सर तथा अयनाब्द युगों की चर्चा तक नहीं हुयी। गणित पद्धतियों का प्रयोग पञ्चाङ्ग निर्माता करते रहे पर उनका रहस्य अज्ञात था। आर्यभटीय की व्याख्या में भास्कर-१ ने लिखा है कि उनकी पद्धतियां महाभारत काल के ४ मुख्य गणित पुस्तकों पर आधारित थी-पूरण, पूतन, मस्करी और मुद्गल। भास्कर-२ ने भी सिद्धान्त शिरोमणि में बीज संस्कार के २४,००० वर्षीय चक्र के बारे में यही लिखा है कि यह आगम (पुराण परम्परा) से चला आ रहा है, इसके अतिरिक्त कुछ भी ज्ञात नहीं है। ब्रह्मगुप्त ने भी पूरा शास्त्र ही विष्णु पुराण पर आधारित माना है।

३. ग्रहण की भूलें-(१) सूर्य की दूरी काफी कम मानने पर भी कोणीय दूरी ठीक होने के कारण ग्रहण का समय ठीक ज्ञात होता है। लम्बन के कारण अल्प दोष होगा जो बिना दूरवीक्षण के नहीं दीखेगा।

(२) चन्द्र कक्षा में सूर्य के आकर्षण के कारण अन्तर होता है पर उसके कारण पूर्णिमा और अमावास्या को चन्द्रमा की दिशा में कोई अन्तर नहीं होगा। ग्रहण इसी समय होता है, अतः इसकी गणना में ज्यादा भूल नहीं होती।

(३) पृथ्वी का व्यास विषुवत रेखा पर अधिक है, यह महाभारत काल के बाद ज्ञात नहीं था। सिद्धान्त शिरोमणि में २ प्रकार की परिधि की चर्चा है, पर भास्कराचार्य यह समझ नहीं पाये कि एक विषुवत तथा दूसरी ध्रुवीय परिधि है। उन्होंने ध्रुवीय परिधि को अधिक सूक्ष्म मान माना है। दिल्ली के विष्णुध्वज (कुतुबमीनार या मेगास्थनीज के अनुसार हरकुलस-स्तम्भ) में केन्द्र रेखा तथा शङ्कु सतह के बीच का कोण दिल्ली के स्पष्ट तथा मध्यम अक्षांश के अन्तर के बराबर है। यह महाभारत पूर्व के ज्ञान पर सम्भवतः ४५६ ई.पू. में श्रीहर्ष द्वारा बना था। आज भी ग्रहण क्षेत्र ज्ञात करने के लिये पृथ्वी को पूर्ण गोल माना जात है। अतः यह ज्ञान नहीं रहने के कारण कोई भूल नहीं होती।

(४) बर्जेस की सूर्य सिद्धान्त टीका (१८६५) की नकल पर सभी भारतीय लेखकों ने लिखा कि भारतीय ज्योतिष में सूर्य की ठीक दूरी ज्ञात नहीं थी। प्रख्यात बीजगणितज्ञ वैण्डर वार्डेन ने भारतीय ग्रह-गणना को चतुर अनुमान बताया। इसके बाद किसी ने स्पष्ट ग्रह की गणना का गणित समझने की चेष्टा नहीं की। सर्वप्रथम श्री धूलिपाल अर्क सोमयाजी ने १९७८ में धारवाड़ विश्वविद्यालय के शोध-प्रबन्ध में दिखाया कि सूर्य सिद्धान्त में शीघ्र परिधि का मान दिखाता है कि ग्रह कक्षाओं का अनुपात ठीक पता था। उनकी सिद्धान्त शिरोमणि टीका (तिरुपति) में इसका वर्णन है। उससे आगे पूर्ण व्याख्या सिद्धान्त-दर्पण की व्याख्या में अरुण कुमार उपाध्याय ने (१९९९) में आधुनिक ज्यो तिष में २ बार अनन्त श्रेणीके प्रयोग द्वारा दीर्घवृत्त कक्षा की गणना तथा भारत में परिवर्तनशील मन्द परिधि द्वारा गणना को समतुल्य प्रमा णित किया। २ कक्षाओं के कारण तारा ग्रहों की गणना के ४ क्रमों की भी प्रथम बार सीडेल के अन्तराल-विभाजन (Bisecting the interval-Seidel) द्वारा की। बाद में विभिन्न प्रकार के योजन मानों के अनुसार सौरमण्डल के सभी क्षेत्रों, आकाश-गंगा, तपः लोक

(Visible universe) की विभिन्न मापों को ज्ञात किया।

(५) आज भी दीर्घवृत्तीय कक्षा की सटीक गणना विधि नहीं है। इसकी शुद्धता क्रमशः बढ़ायी जाती है। गणितीय सिद्धान्त के अनुसार भारतीय विधि अधिक सूक्ष्म है तथा बहुत कम परिश्रम द्वारा सम्भव है। उसके अतिरिक्त कक्षाओं के तल का झुकाव, तथा निकटवर्त्ती ग्रहों का प्रभाव के लिये संशोधन करना पड़ता है। चन्द्र ग्रहण में और अधिक कठिनाई है-चन्द्र कक्षा का ५॰ झुकाव, पृथ्वी की अक्ष गति तथा कक्षा गति (या सूर्य की प्रत्यक्ष गति)-इन सबकी गणना करनी पड़ती है। अतः अधिक अनुमान तथा स्थूलता होती है।

४. ग्रहण गणना का विकास-(१) ऐतिहासिक क्रम में प्रथम उपलब्ध ग्रहण सूची है-हेमाङ्गद ठक्कुर (१५३०-१५९० ई.) कृत ग्रहण-माला। इसमें १५४२-२६३० शालिवाहन शक तक के सभी ग्रहणों की सूची दी गयी है। यह न्यूटन तथा केपलर से प्रायः २०० वर्ष पूर्व की रचना है। इसमें प्रति शक में द्युवृन्द (वर्षारम्भ से अहर्गण) चान्द्रमास तिथि, ग्रहण का स्पर्श, स्थित्यर्ध तथा मुक्ति काल दिया गया है। (कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभङ्गा, १९८३ ई.)। सूची बनाने की विधि नहीं दी गयी है।

(२) इसके बाद थियोडोर वान ओपोलजर (Theodor Von Oppolzer, Austria, 26-10-1841to 26-12-1885) द्वारा कैनन डर फिन्स्लरनिस (Canon der Finslernisse, 1887) उनकी ४५ वर्ष में मृत्यु के बाद प्रकाशित हुआ। इसमें उन्होंने १२०० ई.पू. से २१६१ ई. तक के सभी ग्रहणों की सूची बनायी। प्रत्येक गहण का समय तथा क्षेत्र भी दिया। ग्रहणों के ऐतिहासिक उल्लेखों के आधार पर उन्होंने चन्द्रगति प्रचीन काल में तीव्र होने की गति निकाली। प्रत्येक ग्रहण के समय सूर्योदय, मध्याह्न, अस्त काल (या स्थान) की गणना की। कई प्रकर के स्थूल अनुमानों द्वारा ग्रहण पथ निकाला जिसमें ५०० से १००० कि.मी. तक की भूल है। इसका अंग्रेजी अनुवाद १९२७ में कैनन औफ इक्लिप्स (Canon of Eclipse) के नाम से प्रकाशित हुआ। मूल पुस्तक का पुनर्मुद्रण १९६२ में हुआ।

(३) पृथ्वी का अक्ष-भ्रमण ज्वार भाटा के घर्षण के कारण धीमा हो रहा है तथा उसके कारण चन्द्रमा धीरे धीरे दूर हट रहा है। प्राचीन ग्रहणों तथा अन्य अध्ययनों के आधार पर कई अनुमान किये गये हैं तथा आधुनिक युग में ३ मुख्य पुस्तकें अमेरिकी ज्योतिष संस्था (NASA)द्वारा प्रकाशित हैं-(क) जान मीयुस तथा हरमन मैक-कैनन आफ इक्लिप्स-१९७९, (ख) बाओ लिन लिउ-कैनन आफ लूनर इक्लिप्स-१५००ई.पू. से ३००० ई. तक, (ग) फ्रेड एस्पेनाक तथा जान मीयुस-फाइव मिलेनियम आफ सोलर इक्लिप्स-२००० ई.पू. से ३००० ई. तक-नासा अक्टूबर, २००६।

(४) आइसक असिमोव ने-इण्टेलिजेण्ट मैन्स गाइड टु साइंस (१९५५) में लिखा था कि पृथ्वी के अक्ष-भ्रमण धीमा होने की गति के निर्धारण में २ प्रमुख ग्रहण थे-३१३९ ई.पू. में कुरुक्षेत्र का ग्रहण जिसके बाद महाभारत युद्ध हुआ-कार्त्तिक कृष्ण त्रयोदशी जिस दिन अमावास्या भी थी (१६-१०-३१३९ ई.पू. को)। युद्ध आरम्भ के दिन भी चन्द्र तथा सूर्य राहु से ग्रस्त थे, अतः सूर्य ग्रहण निश्चय था, पर वह कुरु क्षेत्र में ही था-यह नहीं लिखा है। उसके बाद कई लोगों ने युद्ध के १५वें दिन जयद्रथ वध के समय भी सूर्य-ग्रहण की कल्पना की है, पर अमावास्या के १५वें दिन यह सम्भव नहीं है-क्षय तिथि के बाद १७ दिन का शुक्ल पक्ष था, जिस दिन चन्द्र-गहण हो सकता है। उस दिन कुरुक्षेत्र में चन्द्रमा का मलिन होना ही लिखा है। इसके ३६ वर्ष बाद द्वारका में भी १३ दिन के कृष्ण पक्ष का आरम्भ हुआ था-इन सभी को मिलाकर ३ ग्रहण की चर्चा है जिसको एक ही मास में मानकर तथा कथित वैज्ञानिकों द्वारा मनमानी गणना द्वारा महाभारत का लिखित काल बदलने की चेष्टा होती रहती है। इसके बाद मुख्य ग्रहण ९९२ ई में लन्दन में हुआ था । ये सभी ग्रहण वर्त्तमान गणना के अनुसार पूर्व में होने चाहिये क्योंकि पृथ्वी प्राचीन काल में अधिक गति से घूम रही थी। २००४ में प्रकाशित एल.वी.मौर्नसन तथा एफ.आर. स्टीफेनसन के लेख में अब तक के१० प्रकार के सिद्धान्तों का उल्लेख है। वास्तविक ग्रहण या तिथि द्वारा इनकी शुद्धि की जाती है न कि मनमाना सूत्र लेकर उससे तिथि में ही १५०० वर्ष तक की भूल उत्पन्न की जाती है। शुद्ध गणना के लिये सेकण्ड की परिभाषा है-सीजियम १३३ भार के अणु की आधार उर्जा स्तर के विकिरण के अवर्त्त काल का ९१९२६३१.७७० गुण समय। चन्द्रमा की गति में ज्वार के कारण गति में कमी २६″ प्रति शताब्दी है। विश्व समय में संशोधन को डेलटा टी कहते हैं जो पञ्चाङ्ग समय मेय विश्व समय को घटाने से मिलता है-ΔT = TAI-UTI +32.184 Sec. $\Delta T = -20+32\,(year-1820/100)_2$ Sec.

इन अनुमानों के आधार पर शोधन तथा मध्यम भूल का मान है-

१०००ई.पू. २५४०० सेकण्ड ६४० सेकण्ड

५०० ई.पू. १७१९० सेकणड ४३० सेकण्ड

३१०२ ई.पू. में १० वैकल्पिक सूत्रों के अनुसार संशोधन १२६१ से १५७४ मिनट तक है। इन सभी में अशुद्धि का कोई अनुमान नहीं है। पर इन सूत्रों में समान गति से पृथ्वी के अक्ष भ्रमण कम होना माना गया है, उस के कारण चन्दमा कक्षा का कोण तथा उसकी दूरी का अनुमान नहीं है। कुछ गति अन्तरकी गणना है। हिमयुगीय जल-प्लावन के कारण भी पृथवी का अक्ष-भ्रमण प्राय: १००० वर्षों के लिये धीमा होता है, उसका कोइ अनुमान नहीं है। महाभारत काल में युद्ध के कारण या सूर्य के अधिक विकिरण के कारण अस्थायी जलप्लावन हुआ था-उसी काल को विश्व की अधिकांश प्रचीन कथाओं में जल-प्लावन माना गया है। उस काल में कैलिफोर्निया के सेकोइया वृक्षों में तथा सूडान के कुछ खनिजों में अधिक विकिरण के प्रमाण हैं। यह आणविक युद्ध के कारण भी सम्भव है।

(५) वेङ्कटेश बापूजी केतकर ने आधुनिक गणित द्वारा कुछ संशोधन कर केतकी ग्रह गणितम् लिखा (१८९६ ई.) जिसकी टीका उनके पुत्र श्री रामकृष्ट ने लिखी। उसी पुस्तक के अधार पर -भारत भूमण्डलीय सूर्यग्रहण गणितम्- लिखा। इसमें १-१ घण्टा के अन्तर पर अलग अलग अक्षांशों पर ग्रहण के स्थानीय मान निकाले गये हैं। इनसे ग्रहण मार्ग की गणना की जा सकती है।

(६) १९२७ में बेसेल ने नये प्रकार के नियामकों द्वारा ग्रहण गणना की। इसमें पृथ्वी का भ्रमण अक्ष को एक नियामक, पृथ्वी-चन्द्र के केन्द्र को मिलाने वाली रेखा तथा इस रेखा के तल में लम्ब रेखा दूसरा नियामक, तथा इन दोनों पर लम्ब विषुवत रेखा की दिशा में तीसरा नियामक होगा। इन नियामकों के अनुसार सूर्य गति की गणना प्रति १० मिनट पर की जाती है ता पृथ्वी की सतह पर छाया की गति निकालते है।

सन्दर्भ-(१) सिद्धान्त दर्पण, सांख्य सिद्धान्त-दोनों अरुण कुमार उपाध्याय-नाग प्रकाशन दिल्ली। (२) सूर्यग्रहण गणित-कल्याण दत्त शर्मा-सम्पूर्णानन्द सं.वि.वि.,वाराणसी, (३)Astronomical Applications of Vedic mathematics-Kenneth Williams-Motilal Banarsidass, Delhi-2003, (४)Canon of Eclipse-Jean Meus, 1979.

॥ श्रीसूर्याय नमः ॥

महामहोपाध्याय-हेमाङ्गदठक्कुरकृता

ग्रहणमाला



सम्पादकः

पं० श्रीब्रजकिशोर झा

सम्मानित-प्राध्यापकः

का० सि० द० सं० वि० वि०, दरभंगा

प्रकाशकः

कामेश्वरसिंह-दरभङ्गा-संस्कृत-विश्वविद्यालयः

कामेश्वरनगरम्, दरभङ्गा

शकाब्दः १९०५, १९८३ ई०   मूल्यम् २०.०० (विंशतिरूप्यकाणि)

।। श्री सूर्याय नमः।।

महामहोपाध्याय हेमाङ्गद ठक्कुरकृता

ग्रहणमाला

सम्पादकः

पं. श्री ब्रजकिशोर झा

सम्मानित प्राध्यापकः

का.सिं.द.वि.वि., दरभङ्गा

प्रकाशकः

कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालयः,

कामेश्वरनगरम्, दरभङ्गा

शकाब्दः १९०५ मूल्यम् - २०.०० रु.

प्रथम संस्करणम्-१०००

प्रकाशन वर्षम्-१९८३ ई.

सम्पादक:

पं. श्री ब्रजकिशोर झा

सम्मानित प्राध्यापक:

का.सिं. द.सं.वि.वि., दरभङ्गा

प्रकाशक:

कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय:,

कामेश्वरनगरम्, दरभङ्गा।

मूल्यम् -२०.०० (विंशति रुप्यकाणि)

मुद्रक-रमण प्रेस, बंगलागढ़, दरभङ्गा

आमुखम्

अथायं प्रकाश्यते मिथिला महीमण्डलमण्हनभूति-खण्डवलाकुलपुण्डरीक-मार्त्तण्ड-पदवाक्यप्रमाणपारावारीण मिथिलाराज्योपार्जक-महामहोपाध्याय महेशठक्कुरस्य पौत्रेण महामहोपाध्याय गोपालठक्कुरात्मजेन महामहोपाध्याय हेमाङ्गद ठक्कुरेण निर्मितो ग्रहणमालाख्यो ग्रन्थः।

अत्र १५४२ शकाब्दमारभ्य २६३० शकाब्दं यावत्सर्वेषां ज्योतिःशास्त्र-प्रत्यक्षकारणीभूतानां चन्द्रसूर्यग्रहणानां स्पर्शमोक्षादिकालनिरूपण तत्तदिवसीय तिथिनक्षत्रयोगादीनां मानकथनञ्च केषां दैवज्ञानां न स्यान्मनोहरमाश्चर्यकरञ्च ?

एतद्ग्रन्थसम्पादकेभ्यः कृतभूरिपरिश्रमेभ्यः त्रिस्कन्धज्योतिःशास्त्रमर्मज्ञेभ्यो झोपा ̂ पं. श्री ब्रजकिशोर - शर्म्मभ्यः सधन्यवादं कृतज्ञता ज्ञापयति एष विश्वविद्यालय परिवारः।

दैवज्ञमूर्धन्यः महामहोपाध्याय हेमाङ्गद ठक्कुर लिखिता ग्रहणमालेयं कल्पतां ज्योतिर्विदां मनोविनोदाय जगन्मङ्गलाय चेति शम्।

विदुषां वशंवदः

जयमन्त मिश्रः

कुलपतिः

कृष्णाष्टमी — कामेश्वरसिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालयः

१९०५ शकाब्दः — कामेश्वरनगरम्, दरभङ्गा

भूमिका

म.म.हेमाङ्गद ठक्कुरः (१५३०-१५९० ई)

ग्रहणमालाप्रणेता महामहोपाध्याय हेमाङ्गद ठक्कुरः दरभङ्गाप्रमण्डलान्तर्गत-मधुबनीमण्डलान्तः पाति-भौर नामक ग्रामे खण्डवलामैथिलभूसुरवंशे जनिं लेभे। एतत्पिता महोपाध्यायो गोपालठक्कुरः पितामहश्च तत्त्वचिन्तामण्यालोकदर्पण-दायसारातिचारनिर्णय-तिथितत्त्वचिन्तमणिप्रभृतिग्रन्थकारो मिथिलाराज्योपार्जको महामहोपाध्याय महेश ठक्कुर आसीत्।

जनश्रुत्यनुसारेण म.म. हेमाङ्गद ठक्कुरस्य ज्योति:शास्त्रीयो गुरुरस्य पितृव्यो राजर्षि परमानन्द ठक्कुर आसीत्। विश्वविद्यालयीय हस्तलिखित ग्रन्थागारे सुरक्षिता ज्योति:शास्त्रीय सिद्धान्तसुधा अस्यैव परमानन्दठक्कुरस्येति।

विश्वविद्यालयीय हस्तलिखितग्रन्थागारे एकं गङ्गाप्रभावकाव्यं हेमाङ्गद (हेमकवि) कृतं विद्यते। तत्कस्य हेमाङ्गदस्येत्यनुसन्धानसापेक्षम्। यतो ह्येतन्नामकास्त्रयो विद्वांसः प्रसिद्धा दृश्यन्ते-(१) ग्रहणमालापरनामक राहूपरागपञ्जीकारो हेमाङ्गदः, (२) पण्हितराज रघुनन्दनरायसुत शङ्करपौत्रो हेमाङ्गदः, (३) पलिवारमङ्करौनीमूलकस्स कवेर्यशोधरस्य पौत्र उपाध्यायसुतो हेमाङ्गदश्चेति।

खण्डवलावंशे महान्तो विद्वांसो ग्रन्थकाराश्च समजनियत। स्वयं म.म. महेश ठक्कुरः तत्त्व चिन्तामण्यालोकदर्पणादि ग्रन्थप्रणेता आसीत्। एतत्पुत्रः म.म. रामचन्द्रः महोपाध्याय गोपालः, महोपाध्याय अच्युतः, दैवज्ञशिरोमणि राजर्षि परमानन्दः, म.म. शुभङ्करश्च। एतेषु गोपालकृतः तिथिनिर्णयः, शुभङ्करकृतश्च तिथिद्वैधनिर्णयः प्रसिद्धौ।

महामहोपाध्याय हेमाङ्गद ठक्कुरस्य वंशपरम्पराक्रम इत्थम्-म.म. हेमाङ्गद-रतिधरः-सोनीप्रसिद्ध मेघनाथः-गौरीनाथः-उग्रसिंह ठक्कुरः-दामोदर सिंह ठक्कुरः-म.म. कृष्णसिंह ठक्कुरः-काशीनाथ सिंह ठक्कुरः-इन्द्रनाथ सिंह ठक्कुरश्च। एषु परमप्रसिद्धो विपश्चित् म.म. कृष्णसिंह ठक्कुरः(१८९० ई.) खण्डवलाकुलदीपिकादि ग्रन्थ प्रणेता आसीत्। साम्प्रतमपि तद्वंशजाः श्री इन्द्रनाथसिंह ठक्कुरादयस्तत्रैव भौरसंज्ञके ग्रामे सुखेन निवसन्ति।

महामहोपाध्याय गोपालठक्कुरः १५६९ ख्रीष्टाब्दे राज्यमाप। सांसारिक विरक्ततया तेन त्वत्पुत्रो हेमाङ्गदो राज्यकार्य सञ्चालने प्रतिष्ठापितः। एतद्राज्यसञ्चालनमप्यतीव लोकप्रियमासीत् ।

दिल्लीसम्राजा अकबरेण तदानीं प्रतिराज्यं ११००० रुप्यकाणि करो गृह्यतेस्म। मिथिलराज्यत: सप्तवर्षात्तदनासाद्य सैन्यदलं तत्र प्रेषितम्। यथाकथञ्चिदपि म.म. हेमाङ्गदठक्कुरेण तत्प्रदानेऽसामर्थ्ये प्रकटिते सति सेनापतिना स वन्दीकृत: दिल्ली कारागारे संस्थापितश्च। तत्र कारागारे निवसन्नपि म.म. हेमाङ्गदठक्कुर: स्वशास्त्रीयचिन्तनं न परित्यक्तवान्। अतएव ज्योति:शास्त्रमर्मज्ञ: स तत्रैव कारागारे ग्रहणमालापरनामक राहूपरागपञ्जीं प्रारब्धवान्। सततं लेखनशीलं तं दृष्ट्वा तदधिकारिभि: सम्राण् निवेदित:। ततो विस्मित: सन् दिल्लीश: सम्राडकबरो म.म. हेमाङ्गदमाहूय पृष्टवान् यत्किं लिख्यते तत्र भवतेति। हेमाङ्गदेनोक्तम्-अत्र पञ्चवर्षादारभ्याद्यपर्यन्त मयैष एव ग्रन्थो लिखित:। अस्मिन् वर्ष सहस्रस्य ग्रहणतिथि समयादीनां सारिणी विहितेति। एतच्छ्रुत्वा सम्राजोक्तम्-भवन्निर्दिष्टेऽग्रिमे ग्रहणे निर्धारित समय: संगच्छते चेत्करमुक्तिपूर्वकं दशसहस्र परिमितमुद्रा: पारितोषिकं दास्यामीति।

गणेशव्रतस्थो म.म. हेमाङ्गदो भगवन्तं चन्द्रं तद्दिने सायं प्रार्थयामास यन्मन्निर्दिष्ट ग्रहणसमय: संगच्छते चेत्समस्त मिथिलायां चतुर्थीचन्द्रपूजनं कारयिष्यामीति। समागते चन्द्रग्रहणे गणितस्य सत्यता प्रत्यक्षीभूता। तत: प्रसन्नेन दिल्लीशेनाकबरशाहेन मुक्तकर: पुरस्कृतश्च म.म. हेमाङ्गदठक्कुरमहोदय: सुप्रसन्नो मिथिलामाजगाम। समयेऽस्मिन् १५७६ ई. आसीत्। तदानीमेतत्पिता गोपालठक्कुर: स्वयमेव मिथिलां प्रशास्तिस्म। म.म. हेमाङ्गदेनापि पितृसेवायामेव राज्यसञ्चालनं कृतं सम्पूर्णे च राज्ये घोषणा कृता यद् भाद्रशुक्लचतुर्थी चन्द्रपूजनं सर्वै: कर्त्तव्यमिति। तत: प्रभृत्येव मिथिलायां प्रतिगृहं भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा प्रचलितास्तीति।

सेयं ग्रहणमाला महामहोपाध्याय हेमाङ्गदठक्कुरेण दिल्लीकारागारे लिखिता कामेश्वरसिंह-दरभङ्गा-संस्कृत-विश्वविद्यालय-हस्तलेखग्रन्थागारे सुप्रतिष्ठिता मया सम्पाद्य यथामति संशोध्य भूमिकयालङ्कृत्य विदुषां पुरत: उपस्थाप्यते। अन्ते च गच्छत: स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादत:। हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जना:।।

इति नीरक्षीरविवेकिनो विदुष: सादरं संप्रार्थ्य विरमामि-

कृष्णाष्टमी सौरदि.१५/५/१९०५ श. विद्वज्जनानुचर:

अं.दि. ३१/८/१९८३ ई सम्पादक:

महामहोपाध्याय हेमाङ्गद ठक्कुर कृता ग्रहणमाला

खण्डवलाकुलकमलदिवाकर दैवज्ञशिरोमणि तपोनिष्ठ महामहोपाध्याय हेमाङ्गदठक्कुर लिखित ग्रहणमाला नामक प्रस्तुत ग्रन्थ की महत्ता के विषय में कुछ लिखना अनावश्यक सा प्रतीत होता है। क्योंकि आबालवृद्ध सभी प्रत्यक्ष देखकर ही इस विषय की सत्यता स्वत: समझ जायेंगे । कहा भी है-

अन्यानि शास्त्राणि विनोदमात्रं न तेषु किञ्चित्खलु प्रत्ययोऽस्ति।

चिकित्सितज्ज्यौतिष मन्त्रवादा: पदे पदे प्रत्ययमामनन्ति।।

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादस्तेषु केवलम्।

प्रत्यक्षं ज्यौतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्रसाक्षिणौ।।

ग्रहणमाला में १५४२ से लेकर २६३० शकाब्द (१६२० ई. से २७०८ ई.) तक के १०८९ वर्षों के सभी सूर्य एवं चन्द्रग्रहणों का विवरण दिया गया है, जिनका संक्षिप्त परिचय निम्नलिखित है-

१. ग्रहण विवरण के क्रम में सर्व प्रथम शकाब्द का उल्लेख है जिसे शाके के नाम से लिखा गया है। यथा-शाके १६०२।

२. शाके के बाद **द्यु वृन्द** का उल्लेख है। द्यु वृन्द का अर्थ होता है दिनगण-अहर्गण, जो शकाब्दाभ्यन्तर प्रतिवर्ष मेष संक्रान्ति से प्रारम्भ कर ग्रहणदिन पर्यन्त गणना द्वारा साधन कर लिखा गया है। यथा शाके १६०२ के बाद द्युवृन्द ३३०। इसका तात्पर्य यह हुआ कि १६०२ शाके में मेष संक्रान्ति से फाल्गुनी पूर्णिमा तक ३३० सावन दिन बीत चुके थे।

३. द्यु वृन्द के बाद ग्रहणदिवसीय तिथि पूर्णिमा या अमावास्या का दण्डादि मान लिखा गया है। यथा-शाके १६०२ में द्युवृन्द ३३० के बाद पूर्णिमा का मान २० दण्ड १ पल है।

४. ग्रहणतिथि के बाद ग्रहणदिवसीय अश्विन्यादि नक्षत्र का दण्डपलात्मक मान लिखा गया है। यथा-शाके १६०२ में पूर्णिमा २७।१ के बाद पूर्वफाल्गुनी का मान ३० दण्ड ५१ पल है।

५. ग्रहणदिवसीय नक्षत्रमान के बाद उस दिन के विष्कम्भादि योग का दण्डपलात्मक मान लिखा गया है। यथा शाके १६०२ में पूर्वफल्गुनी ३०।५१ के बाद वृद्धि योग का मान दण्ड ५ पल ५३ उल्लिखित है

६. योग के दण्ड पलात्मक मान के बाद ग्रहणदिवसीय रव्यादि का उल्लेख तथा अव्यवहित पूर्ववर्त्ती संक्रान्ति दिन से वर्त्तमान सौरमास के व्यतीत दिन संख्या का उल्लेख किया गया है। यथा शाके १६०२ में वृद्धि ५।५३ के बाद मंगल दिन तथा व्यतीत दिन संख्या २६ है।

७. ग्रहणदिवसीय सूर्याधिष्ठित राशि की व्यतीत दिन संख्या के बाद उस महीने का नाम तथा स्थित्यर्द्ध का दण्डपलात्मक मान दिया गया है। स्पर्शकाल से मध्यमग्रहण काल तक के समय को अथवा मध्यमग्रहण काल से मुक्तिकाल तक के समय को यानी ग्रहण की पूरी अवधि के आधे समय के मान को स्थित्यर्द्ध कहा जाता है। यथा-शाके १६०२ में मं. २६ के बाद फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध का मान दण्ड ३ पल ४३ है । अर्थात् स्पर्श काल से मुक्ति काल तक के मध्यवर्त्ती समय का आधा मान ३।४३ दण्डादि है, जो स्थित्यर्द्ध कहलाता है।

८. दण्डपलात्मक स्थित्यर्द्ध मान के बाद ग्रहण के प्रारम्भ होने का दण्डपलात्मक समय दिया गया है, जो स्पर्श कहलाता है। यथा-शाके १६०२ में स्थित्यर्द्ध ३।४३ के बाद स्पर्श (ग्रहणारम्भ का समय) दण्ड २३ पल १८ दिया गया है।

९. ग्रहण के दण्डपलात्मक स्पर्शमान के बाद मुक्ति या मोक्ष (ग्रहण समाप्ति काल) काल का उल्लेख किया गया है। यथा शाके १६०२ में स्पर्श २३।१८ के बाद मुक्ति काल का मान दण्ड ३० पल ४४ दिया गया है।

१०. दण्डपलात्मक मुक्तिमान के बाद सौम्य (उत्तर) या याम्य (दक्षिण) शर का उल्लेख किया गया है। सूर्य या भूभा (पृथ्वीच्छाया) की कक्षा से चन्द्रमा की उत्तर या दक्षिण की दूरी का नाम शर है। यथा-शाके १६०२ में मुक्ति ३०।४४ के बाद शर सौम्य लिखा हुआ है, किन्तु १५४२ से १६०१ शाके तक के ग्रहणों में शर का मान मूलहस्तलेख ग्रन्थ में नहीं दिया गया है। शेष ग्रहणों १६०२ से २६३० शकाब्द तक में शर का उल्लेख है।

पूर्णिमा को चन्द्रग्रहण तथा अमावास्या को सूर्यग्रहण लगता है। अतएव पूर्णिमा या अमावास्या तिथि के अनुसार प्रकृत ग्रन्थ में चन्द्रग्रहण या सूर्यग्रहण समझा जाय।

प्रकृत ग्रन्थ में पूर्णिमा या अमावास्या तिथि, अश्विन्यादि नक्षत्र, विष्कम्भादि योग, स्पर्श एवं मुक्ति काल का आरम्भ विन्दु सूर्योदय है, जबकि स्थित्यर्द्ध का आरम्भ विन्दु स्पर्शकाल। जहां रात्र्यन्तकालिक (५२, ५३ प्रभृति दण्डादि) स्पर्शमान के बाद मुक्ति का दण्डादि मान ६१, ६२ प्रभृति दण्डादि अथवा ६० घटाकर ही १, २ प्रभृति दण्डादि में लिखा गया है, वहां चन्द्रग्रहण में अस्तास्त चन्द्रग्रहण तथा सूर्यग्रहण में ग्रस्तोदित सूर्यग्रहण समझना चाहिए एवं तदनुसार ही पूर्वापर दिन से स्पर्श-मोक्ष भी। उदाहरण स्वरूप शाके १५६०, १५६४, १५८६ द्युवृन्द २२०, १६०२ द्युवृन्द ३१८ आदि देखा जाय। सामान्यत: -मध्यग्रह: पर्वविरामकाले- इत्यादि वचनानुसार पूर्णान्त या अमान्त में मध्यग्रहण होता है, किन्तु -तिष्यन्ते चेद् ग्रह उडुपते: किन्न भानोस्तदानीम्- इत्यादि विशेष वचनानुसार पूर्णान्त या अमान्त काल से मध्य-ग्रहण का समय कुछ अन्तरित भी हो सकता है। यही कारण है कि वटेश्वर सिद्धान्त में पं. श्री मुकुन्द मिश्र प्रभृति विद्वानों ने मध्यग्रहण एवं पर्वान्त के अन्तर-साधन की विधि लिखी है। विस्तारभय से यहां उस विधि का उल्लेख नहीं किया गया

है। अतएव स्थूल विचार के अनुसार सामान्यत: पूर्णिमान्त या अमान्त से स्थित्यर्द्ध कालान्तरित क्रमश: स्पर्श एवं मुक्तिकाल समझना चाहिए।

जहां पूर्णिमा अथवा अमावास्या का मान ६०।०० दण्डादि है वहां अव्यवहित तदुत्तर दिन में पूर्णिमा या अमावास्या की प्राय: वृद्धि समझी जाती है किन्तु कहीं यह सम्भव है कि वृद्धि न भी हो।

जिस स्थान पर .... ऐसा चिह्न है वहां या तो मूलहस्तलेख कीटदंष्ट है या अस्पष्ट। खासकर ऐसी स्थिति ग्रन्थ के आरम्भ एवं अन्तिम भाग के ५-५ पृष्ठों में अपेक्षाकृत अधिक है।

शाके २५९४ में कार्त्तिकी, २६१३ में कार्त्तिकी, २६१४ द्युवृन्द २७ में वैशाखी, २६१४ द्युवृन्द ... में फाल्गुनी, २६१५ में फाल्गुनी, २६२५ में चैत्री, २६२६ द्युवृन्द १४८ में भाद्री, २६२६ द्युवृन्द ३१ में माघी पदों का उल्लेख -अन्तैपान्त्यौ त्रिभौ ज्ञेयो फाल्गुनश्च त्रिभो मत:। शेषा मासा द्विभा ज्ञेया: कृत्तिकादिव्यवस्थया-इस नाक्षत्रमास व्यवस्था प्रतिपादक वचनानुसार किया गया है, क्योंकि मूलहस्तलेख में तत्तत्स्थान में तालपत्र कीटदंष्ट है। इसी तरह शाके २६१४ द्युवृन्द २७ में स्पर्श एवं मुक्तिकालानुरोधेन स्थित्यर्द्ध लिखा गया है, क्यों कि यहां भी स्थित्यर्द्ध के स्थान पर तालपत्र फटा हुआ है।

शाके १७३८ द्युवृन्द २२ में उल्लिखित सिद्धन्तयोगदण्डे दर्शन योग्य दं २ प १५ एवं १७४७ द्युवृन्द ५० में दण्डानुसारेण दर्शन योग्य दं. १ प. ३९ को अविकल पाठ के रूप में लिखा गया है। अन्यथा ऐसी स्थिति में अमान्त या पूर्णान्तानुरोधेन पूर्वोक्तरीति से ग्रहण का आरम्भावसान काल समझा जाय।

कुछ स्थलों पर ज्यौतिषसिद्धान्तसिद्ध पर्वान्त, स्पर्श एवं मुक्तिकाल के सम्बन्ध को दृष्टि में रखकर शुद्धपाठ का उल्लेख किया गया है। यथा-शाके १९०९ के चन्द्रग्रहण में मूलग्रन्थ में मुक्ति ४०।१९ है जबकि ४०।४७ ही होना चाहिए। शाके १९११ के चन्द्रग्रहण में मुक्ति ४१।१२ है जबकि ४१।२ होना चाहिए। शाके १९०९ द्युवृन्द १६१ में अमावास्या का मान मूलग्रन्थ में ७।३ है जबकि ३।७ युक्तिसंगत लगता है। इसी तरह अन्यत्र भी समझा जाय।

कुछ ग्रहणों में पर्वान्त, स्थित्यर्द्ध, स्पर्शकाल एवं मुक्तिकाल के बीच ज्योति:शास्त्र प्रसिद्ध सम्बन्ध का अभाव भी स्पष्ट ही है। वहां ऐसी स्थिति में स्पर्श और मुक्ति के अनुसार स्थित्यर्द्ध या पर्वान्तकाल मानना समुचित प्रतीत होता है। यथा-शाके १५४३, १५४५, १५४७, १५५५, १५५९ द्युवृन्द २८२, १६०४ आदि।

१५७५ ई. के अन्त में या १५७६ ई. में म.म. हेमाङ्गदठक्कुर ने जिस ग्रहण की घोषणा सम्राट अकबर के सामने की थी तथा वह सत्य प्रमाणित भी हुआ, उस ग्रहण का इस ग्रन्थ में उल्लेख नहीं है। क्योंकि प्रकृत ग्रन्थ में १६२० ई. से ग्रहण विवरण उपलब्ध होता है। साथ ही ग्रन्थ के अन्तिम भाग को देखने से मालूम

होता है कि यह ग्रन्थ खण्डित है क्योंकि ग्रन्थ समाप्ति-सूचक वाक्य का उल्लेख ग्रन्थान्त में नहीं है। जबकि मिथिलाक्षर में लिखे हुए सभी ग्रन्थ के अन्त में इस तरह लिखने की परिपाटी देखने को मिलती है।

ज्योतिर्विद जानते ही हैं कि ग्रहणबनाना सम्बद्ध विषय की जानकारी के साथ साथ समय एवं पर्याप्त श्रमसाध्य है। महामहोपाध्यायजी ने प्रकृत ग्रन्थ को जो विश्वविद्यालयीय हस्तलखित ग्रन्थागार में सुरक्षित है, दिल्ली कारागार के लगभग पांच वर्षों में निरन्तर इसी में संलग्न रहकर लिखा है। अतएव इनके इस प्रयास की जितनी भी प्रशंसा की जाय, थोड़ी होगी।

धर्मशास्त्र में ग्रहण का बहुत ही महत्त्वपूर्ण स्थान है। ग्रहणकालिक स्थान, दान, जप, होम, देवार्चन एवं श्राद्ध को अनन्तफलद कहा गया है। यथा-

स्नानं स्यादुपरागादौ मध्ये होमसुरार्चनम्। मुच्यमाने भवेद्दानं मुक्ते स्नानं समाचरेत्।

सर्वं गङ्गासमं तोयं सर्वे ब्रह्मसमा द्विजाः। सर्वं भूमिसमं दानं ग्रहणेनात्र संशयः।।

स्नानं दान तपः श्राद्धमनन्तं राहुदर्शने।।इति।।

ग्रहणकाल एवं ग्रहणदिवस में भोजन के सम्बन्ध में भी निम्नलिखित व्यवस्था कही गयी है-

सूर्यग्रहणे तु नाश्नीयात् पूर्वं याम-चतुष्टयम् ।

चन्द्रग्रहे तु यामांस्त्रीन् बाल-वृद्धातुरैर्विना ।।

बाल-वृद्धातुरों के लिये द्वैतनिर्णयधृत मार्कण्डेय पुराण की व्यवस्था निम्नलिखित है-

सायाह्ने ग्रहणं चेत्स्यादपराह्णे न भोजनम्।

अपराह्णे न मध्याह्ने मध्याह्ने चेन्न संगवे।।

सङ्गवे ग्रहणं चेत्स्यान्न पूर्वा भोजनक्रियाम्।।

ग्रहण एक दृश्य पर्व है। अतएव जिस स्थान में यह देखा जाता है वहीं तत्सम्बन्धी कृत्य भी किये जाते हैं। किन्तु यदि उपाधिवशात् दर्शयोग्य न हो तो गणितसिद्ध काल के अनुसार यथोक्त कृत्य करना चाहिए। यथा-

मेघमालादिदोषेण यदि मुक्तिर्न दृश्यते।

आकालय्य तु तत्काल भुञ्जीताथा विशङ्कितः।।

ग्रहण का शुभाशुभ फल एवं अनिष्टप्रद ग्रहण शान्ति, मुहूर्त्तचिन्तामणि में-

जन्मर्क्षे निधनं ग्रहे जनिभतो घातः क्षतिः श्रीर्व्यथा,

चिन्ता सौख्यकलत्रदौस्थ्यमृतयः स्युर्माननाशः सुखम् ।

लाभोऽप्याय इति क्रमात्तदशुभध्वस्त्यै जपः स्वर्णगो-

दानं शान्तिरथो ग्रहं त्वशुभदं नो वीक्ष्यमाहुः परे ।।

ये सभी विषय विस्तारपूर्वक धर्मशास्त्र ग्रन्थों में देखे जा सकते हैं। ज्यौतिष सिद्धान्तानुसार चन्द्रग्रहण में षोडशांशतुल्यं तथा सूर्यग्रहण में द्वादशांशतुल्य भाग क्रमशः चन्द्र एवं सूर्य बिम्ब गत तेज की तीक्ष्णता के कारण नहीं देखे जा सकते हैं। अतएव वास्तविक ग्रहण प्रारम्भ होने के कुछ देर बाद ही ग्रहण दृष्टिगोचर होता है तथा इसी तरह ग्रहण समाप्ति दृष्टिगोचर होने के कुछ देर बाद वास्तविक ग्रहणसमाप्तिकाल होता है। अतएव प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर ग्रहण-स्पर्श एवं मुक्तिकाल से क्रमशः कुछ देर पहले स्पर्श एवं कुछ देर बाद मुक्ति समुचित ही है। प्रकृत ग्रन्थ में भी यह विषय वर्त्तमान-कालिक कुछ ग्रहणों को देखने से स्पष्ट प्रतीत होता है, किन्तु हो सकता है कि कुछ ग्रहणों के स्पर्श एवं मुक्तिकाल में अपेक्षाकृत स्थूलता भी हो।

ग्रहणसम्भवासम्भव, ग्रहणसाधनविधि तथा ग्रहणसम्बन्धी अन्य विषयों की जानकारी के लिये मकरन्द, ग्रहलाघव प्रभृति करण ग्रन्थों को देखा जाय। यहां विस्तारभय से नहीं लिखा गया है।

एक तो हस्तलिखित पाण्डुलिपि मात्र का सम्पादन एक कठिन कार्य है। उसमें भी गणितसापेक्षक्ष विषय यदि हो तो फिर कहना ही क्या है? क्योंकि गणितगम्य विषय में पूर्वापरसम्बन्धवश किसी विषय की गुंजाइश अपेक्षाकृत अत्यल्प रहती है। फलस्वरूप परम्परया लेखक एवं पाठक आदि के भ्रमवश भी अशुद्धि का समावेश सम्भावित रहता है। अतएव किसी ग्रहण के सम्बन्ध में अगर कुछ स्थूलता आती है तो विज्ञजन उसे स्वयं संशोधन कर तदनुसार व्यवहार में लावेंगे।

अन्त में विद्वद्वृन्द से मेरा सादर निवेदन है कि इस में कण्टकजन्य दोष से अथवा बुद्धिभ्रम दोष से जो भी अशुद्धि रह गयी हो उसे स्वयं सुधारकर व्यवहार में लायेंगे तथा मुझे भी सूचित करेंगे।

कृष्णाष्टमी निवेदक-

अं. दिन ३१।८।८३ ई. पं. श्री व्रजकिशोर झा

सौ. दि. १५।५।१९०५ श.

✻ ॐ नमः श्री सूर्याय ✻

महामहोपाध्याय हेमाङ्गदठक्कुर-विरचिता

ग्रहणमाला

खण्डवलाकुलतरणे गोपालादाप यं गौरी।

हेमाङ्गदः स तनुते पञ्जीं राहूपरागस्य।।१।।

शाके १५४२ पूर्णिमा दं. ६०।०० द्युवृन्द ६७ ज्येष्ठा ३१।५० ..... र ५ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ....

शाके १५४२ द्युवृन्द २४५ पूर्णिमा ४३।१९ रोहिणी १२।८ सा १२।४० बु. सं मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ३८।५२ मुक्ति ४७।४६।

शाके १५४३ द्युवृन्द ४३ अमावास्या २२।५७ कृत्तिका ११।२ अ. ००।४२ शु. १४ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।४१ स्पर्श २४।१९ मुक्ति २७।४१।

शाके १५४४ द्युवृन्द २०९ अमावास्या १३।३९ स्वाती २।१४ सौ. ४४।२३ बृ. २३ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।११ स्पर्श ११।२४ मुक्ति १५।४६।

शाके १५४५ द्युवृन्द ... पूर्णिमा ... आश्विनी ......

शाके १५४५ द्युवृन्द ३४५ अमावास्या ११।८ उत्तरभाद्र ३४।५७ श. ००।०९ मं. ११ चैत्री स्थित्यर्द्ध १।११ स्पर्श ७।५० मुक्ति १०।१२।

शाके १५४६ द्युवृन्द ... पूर्णिमा ४४।१० हस्त २९।२३ व्या. ४४।० बु. २६ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।४६ स्पर्श ३९।४६ मुक्ति ४८।३४।

शाके १५४६ द्युवृन्द १७१ पूर्णिमा ४४।२६ उत्तरभाद्र ५१।२६ बृ. २७।२७ बृ. १५ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ४३।२७ मुक्ति ५२।५९।

शाके १५४७ द्युवृन्द २२४ अमावास्या २२।४९ शतभिषा २२।४६ सौ. २२।४६ बृ. २० फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।४३ स्पर्श २२।५५ मुक्ति २८।२१।

शाके १५४८ द्युवृन्द १२१ पूर्णिमा ४९।२९ श्रवणा २२४५८ सौ. ४७।०२ शु. २७ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।८ स्पर्श ४८।३१ मुक्ति ५०।४७।

शाके १५४९ द्युवृन्द २४६ पूर्णिमा ५१।४४ पुनर्वसु १२।४६ वि. ५।११ बृ. १२ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।३२ स्पर्श ४७।१२ मुक्ति ५६।१६।

शाके १५५० द्युवृन्द २७६ पूर्णिमा ४९।५६ वै. १६।२९ मं.०१ पौषी स्थित्यर्द्ध २।५९ स्पर्श २७।५७ मुक्ति ३२।५५।

शाके १५५० द्युवृन्द ७४ अमावास्या ११।१३ पुनर्वसु ३६।५९ बु. १२ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध १।५३ स्पर्श ९।५७ मुक्ति १३।४३।

शाके १५५२ द्युवृन्द २२५ पूर्णिमा ५३।३४ कृत्तिका ५६।३३ बृ. ९ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।३२ स्पर्श ५०।२१ मुक्ति ५७।२५।

शाके १५५३ द्युवृन्द ३६ पूर्णिमा ४९।४४ विशाखा ३६।२४ बृ. ६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।४१ स्पर्श ४५।३ मुक्ति ५४।२५।

शाके १५५३ द्युवृन्द २१३ पूर्णिमा ५५।४३ भरणी ४८।२६ श.२७ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ५१।१८ मुक्ति ६०।०८।

शाके १५५४ द्युवृन्द २६ पूर्णिमा ३१।२३ स्वाती ०३।४१ मं.२६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।१८ स्पर्श २८।५ मुक्ति ३४।४१।

शाके १५५४ द्युवृन्द २०२ पूर्णिमा ५६।१२ अश्विनी ३९।५२ सि.५५।१२ बु.१६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श ५३।२० मुक्ति ५९।०४।

शाके १५५५ द्युवृन्द १७८ अमावास्या १४।२४ हस्त २०।५७ ऐ २६।३७ चं. २२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।४९ स्पर्श २।२१ मुक्ति १५।५९।

शाके १५५५ द्युवृन्द ३२९ पूर्णिमा ५१।१८ पूर्व फाल्गुनी ३।३२ गं ५४।०८ मं.०६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।३६ स्पर्श ४७।३२ मुक्ति ५४।४४।

शाके १५५५ द्युवृन्द ३५९ अमावास्या ५।३५ रेवती ४५।३३ ऐ२८।०४ बु. २१ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।०४ स्पर्श ५८।२६ मुक्ति ०४।३४।

शाके १५५६ द्युवृन्द २९ पूर्णिमा ४९।० पूर्वफाल्गुनी ५६।०० धृ २३।०० श २५ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ४४।४५ मुक्ति ५३।१७।

शाके १५५७ द्युवृन्द ३१७ पूर्णिमा ५४।४४ मघा ५१।१३ सु. २०।५१ बु. १३ माघी स्थित्यर्द्ध २।२२ स्पर्श ५२।२२ मुक्ति ५७।०६।

शाके १५५८ द्युवृन्द ११५ अमावास्या ४।५६ आश्लेषा ४९।१ व्य. २५।५३ शु.२१ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श २।५१ मुक्ति ७।३९।

शाके १५५८ द्युवृन्द १३० पूर्णिमा ३९।२८ धनिष्ठा ४३।२३ शो. १८।१३ श.५ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।८ स्पर्श ३८।२१ मुक्ति ४०।५७।

शाके १५५८ द्युवृन्द १६० पूर्णिमा ३६।२८ धनिष्ठा ४३।१६ धो १८।१३
श ५ श्रावणी स्थित्यर्ध १।८ स्पर्श ३८।२ मुक्ति ४०।५७ ।
शाके १५५८ द्युवृन्द २९३ अमावास्या ६।५८ श्रवणा २२।४४ व्य ५२।२६
च १६ माघी स्थित्यर्ध १।२० स्पर्श ६।४२ मुक्ति ६।२२ ।
शाके १५५९ द्युवृन्द २६७ पूर्णिमा २७।५३ आर्द्रा १६।२६ ऐं १८।१८
बृ २७ पौषी स्थित्यर्ध ४।०२ स्पर्श २३।५१ मुक्ति ३१।५४ ।
शाके १५५९ द्युवृन्द १८९ अमावास्या ६।४१ उत्तराषाढ़ २४।०६ बव १६।१६
शु ७ माघी स्थित्यर्ध २।१२ स्पर्श ४।५ मुक्ति १०।४६ ।
शाके १५६० द्युवृन्द १५७ पूर्णिमा ३।१० आर्द्रा ४१।१९ घ ४७।४४
मं १२ माघी स्थित्यर्ध ४।३० स्पर्श ५६।०० मुक्ति ६८।०० ।
शाके १५६१ द्युवृन्द ६७ पूर्णिमा ३५।४६ ज्येष्ठा १६।१६ शु १२।४०
बृ ६ ज्यैष्ठी स्थित्यर्ध ३।४२ स्पर्श ३१।५४ मुक्ति ३६।१८ ।
शाके १५६१ द्युवृन्द २६२ पूर्णिमा २।३९ मृगशिरा ५०।४६ शु ५४।५२
श मं मार्गी स्थित्यर्ध २।२१ स्पर्श २४।१८ मुक्ति २८।४० ।
शाके १५६२ द्युवृन्द १५ पूर्णिमा २०।१५ स्वाती ८।४५ सि २४।२८
बु १८ वैशाखी स्थित्यर्ध ३।५२ स्पर्श २६।४५ मुक्ति ३४।२९ ।
शाके १५६३ द्युवृन्द १६२ पूर्णिमा ४५।४४ रेवती १२।१४ ध्रु० १९।५५
शु ७ आश्विनी स्थित्यर्ध ४।३८ स्पर्श ४२।१९ मुक्ति ४६।२६ ।
शाके १५६३ द्युवृन्द २०६ अमावास्या १४।१४ स्वाती १।५८ सौ ४५।१७
र २१ कार्तिकी स्थित्यर्ध १।४१ स्पर्श १।१८ मुक्ति १७।२० ।
शाके १५६४ द्युवृन्द ३४९ अमावास्या ४।५ उत्तरभाद्र २७।०७ ब्र ४७।१६
शु ११ चैत्री स्थित्यर्ध २।५८ स्पर्श ५६।४५ मुक्ति ०२।४१ ।
शाके १५६५ द्युवृन्द १७१ पूर्णिमा ४६।१४ उत्तरभाद्र ४६।१७ वृ २१।४०
र १४ आश्विनी स्थित्यर्ध ३।१८ स्पर्श ४२।४१ मुक्ति ४६।३१ ।
शाके १५६६ द्युवृन्द १४६ अमावास्या १९।३८ पूर्वफाल्गुनी ४०।३५ सि ५१।६१
बु २० भाद्री स्थित्यर्ध १।०२ स्पर्श ६।१२ मुक्ति ८।२३ ।
शाके १५६६ द्युवृन्द ३०४ पूर्णिमा ४६।३८ आश्लेषा २६।४२ शो ३७।४३
बु ४ माघी स्थित्यर्ध ३।५० स्पर्श ४२।४८ मुक्ति ५०।२८ ।
शाके १५६७ द्युवृन्द १२१ पूर्णिमा ३४।४० श्रवणा १८।०२ प्री ११।२१

वं २६ श्रावणी स्थित्यर्धं ४।५ स्पर्श २६।५५ मुक्ति ३८।५ ।

शाके १५६७ ग्र.वृन्द १३५ अमावास्या ... ... भाद्री ... ...

शाके १५६८ ग्र.वृन्द १९० पूर्णिमा ४३।३४ उत्तराषाढा १३।२३ प्री १०।१४

धृ १५ श्रावणी स्थित्यर्धं ४।०१ स्पर्श ३६।३३ मुक्ति ४७।४५ ।

शाके १५६८ ग्र.वृन्द २८४ पूर्णिमा ५२।०२ पुनर्वसु १५।१७ वि ५।३७

व १२ पौषी स्थित्यर्धं २।५८ स्पर्श ४९।४ मुक्ति ५१।०८ ।

शाके १५६९ ग्र.वृन्द ८४ अमावास्या २९।२१ आर्द्रा २१।१६ ध्रु १४।१७

मं २१ आषाढी स्थित्यर्धं १।१८ स्पर्श २२।४३ मुक्ति ३५।१६ ।

शाके १५७० ग्र.वृन्द ५८ पूर्णिमा ... ... वैशाखी ... ...

शाके १५७० ग्र.वृन्द ७४ अमावास्या ... ... आषाढी ... ...

शाके १५७२ ग्र.वृन्द ९६ पूर्णिमा ५१।१६ विशाखा ३६।२६ प ५०।५

व ६ वैशाखी स्थित्यर्धं ३।३० स्पर्श ४७।४६ मुक्ति ५४।४६ ।

शाके १५७२ ग्र.वृन्द १६९ पूर्णिमा ~~१५।१७~~ 15/50 स्वाती ४०।३४ प्री १०।११

मं ११ कार्तिकी स्थित्यर्धं २।५७ स्पर्श ७।१ मुक्ति १२।१७ ।

शाके १५७४ ग्र.वृन्द १६२ पूर्णिमा ४५।३१ पूर्वभाद्र ३१। ४ मं ४६।०२

मं ६ भाद्री स्थित्यर्धं ३।२७ स्पर्श ४१।३४ मुक्ति ४६।२८ ।

शाके १५७६ ग्र.वृन्द १२४ अमावास्या २१।५८ आश्लेषा २१।११ व १७।२१

सू १ भाद्री स्थित्यर्धं ७।४५ स्पर्श २५।३१ मुक्ति ३०।१ ।

शाके १५७६ ग्र.वृन्द ११५ पूर्णिमा ५८।२४ धनिष्ठा १४।२० सु ५। २

सू १६ माघी स्थित्यर्धं १।५० स्पर्श ५६।३६ मुक्ति ६०।१२ ।

शाके १५७७ ग्र.वृन्द ११५ अमावास्या ५।१ आश्लेषा ४३।३६ व्य २४।१०

सं २० श्रावणी स्थित्यर्धं १।४७ स्पर्श ५८।५२ मुक्ति २।२६ ।

शाके १५७७ ग्र.वृन्द ४०७ पूर्णिमा ५०।१ पुनर्वसु ५१।२८ वै २५।०५

चं २ पौषी स्थित्यर्धं ४।५० स्पर्श ४६।२१ मुक्ति ५४।२१ ।

शाके १५७८ ग्र.वृन्द ८६ पूर्णिमा ३५।१ पूर्वाषाढा ३६।२२ ऐं ७।१६

सू २६ आषाढी स्थित्यर्धं ५।११ स्पर्श ३०।५० मुक्ति ३८।१२ ।

शाके १५७८ ग्र.वृन्द २६७ पूर्णिमा २५।२६ आर्द्रा १६।२२ ऐं १४।४५

ए २२ पौषी स्थित्यर्धं ४।२९ स्पर्श २१।०१ मुक्ति २६।५७ ।

शाके १५७६ ग्र.वृन्द ८८ पूर्णिमा ५२।५४ मूल ४१।०२ शु २।५० चं १६
आषाढी स्थित्यर्ध ४।०२ स्पर्श ४८।५२ मुक्ति ५६।५६ ।
शाके १५८० ग्र.वृन्द ५१ अमावास्या ६।१६ रोहिणी ४।१ धृ १८।११
श २२ ज्येष्ठी स्थित्यर्ध २।१६ स्पर्श ६।१६ मुक्ति १०। ८ ।
शाके १५८० ग्र.वृन्द २५६ पूर्णिमा ४५।३६ मृगशिरा २५।११ शु १७।२५
शु १० मार्गी स्थित्यर्ध २।१७ स्पर्श ४१।२२ मुक्ति ४७।५६ ।
शाके १५८१ ग्र.वृन्द २७ पूर्णिमा ५०।१७ स्वाती १६।४१ व्या १४।१३
धं २७ वैशाखी स्थित्यर्ध ३।४४ स्पर्श ४६।२३ मुक्ति ५३।५१ ।
शाके १५८१ ग्र.वृन्द १८१ पूर्णिमा २८।४० अश्विनी ५५।१८ ध्रु २२।१६
धं ७ आश्विनी स्थित्यर्ध ४।३४ स्पर्श २४।११ मुक्ति ३२।२० ।
शाके १५८१ ग्र.वृन्द १५६ अमावास्या १८।२० उत्तराषाढ २।१ ऐ ३६।३०
शु २१ पौषी स्थित्यर्ध २।२६ स्पर्श २५।५० मुक्ति ३०।४२ ।
शाके १५८३ ग्र.वृन्द ६१ पूर्णिमा ३६।०७ चित्रा ४३। ४ ध्रु ८।१२ शु १
चैत्री स्थित्यर्ध ३।२५ स्पर्श ३५। २ मुक्ति ४२।५२ ।
शाके १५८५ ग्र.वृन्द १११ पूर्णिमा २२।२१ धनिष्ठा ५०।१६ सौ १६।२०
श १ श्रावणी स्थित्यर्ध १।५४ स्पर्श ४८।२६ मुक्ति ५२।१७ ।
शाके १५८५ ग्र.वृन्द १०४ अमावास्या १६।४२ श्रवण ३४।२५ व्य ४०।१२
चं १० माघी स्थित्यर्ध १।१० स्पर्श १८।४० मुक्ति २१।०० ।
३५/५०
शाके १५८५ ग्र.वृन्द ३४८ पूर्णिमा ~~[illegible]~~ आश्लेषा १७।३३ सौ २८।४
चं ४ माघी स्थित्यर्ध ४।१३ स्पर्श ३१।३७ मुक्ति ४०।१३ ।
शाके १५८६ ग्र.वृन्द २२० पूर्णिमा १०।०७ श्रवण ४१।१६ आ २१५
शु १५ श्रावणी स्थित्यर्ध ४।१० स्पर्श ५।१४ मुक्ति १४।०४ ।
शाके १५८६ ग्र.वृन्द १८६ अमावास्या ५।१६ उत्तराषाढ ४४।५२ व ३२।१०
शु ८ माघी स्थित्यर्ध ४।०८ स्पर्श ०।२१ मुक्ति २०।२१ ।
शाके १५८८ ग्र.वृन्द ६८ पूर्णिमा ४०।२६ ज्येष्ठा १८।१ शू १८।२१
शु ७ ज्येष्ठी स्थित्यर्ध २।३५ स्पर्श ४७।३८ मुक्ति ५२।०८ ।
शाके १५८८ ग्र.वृन्द ८४ अमावास्या २२।१४ आर्द्रा १२।१२ वृ ४।५७
शु २१ आषाढी स्थित्यर्ध १।१० स्पर्श २०।२५ मुक्ति २४।४५ ।

शाके १५८८ ग्र_०वृन्द २४१ पूर्णिमा १४।१७ मृगशिरा ६०।०० शू ५१।४४ धा १ मार्गी स्थित्यर्ध १।१९ स्पर्श ३१।६ मुक्ति ३७।८ ।

शाके १५८६ ग्र_०वृन्द २१५ पूर्णिमा १४।१४ रोहिणी ५१।४६ सि १६।१७ शु १० माघी स्थित्यर्ध ४।२७ स्पर्श २६।४७ मुक्ति ३५।४१ ।

शाके १५९० ग्र_०वृन्द २४४ पूर्णिमा ३५।१६ कृत्तिका ४१।२० प २०।५२ च ४ कार्तिकी स्थित्यर्ध १।३ स्पर्श ३२।२१ मुक्ति ३८।२९ ।

शाके १५९१ ग्र_०वृन्द २२ अमावास्या १४।८ भरणी ३६।१९ सौ ५५।१४ मं ⋯ वैशाखी स्थित्यर्ध २।१० स्पर्श १०।४२ मुक्ति १५।२ ।

शाके १५९१ ग्र_०वृन्द ⋯ पूर्णिमा २७।२७ हस्त ६०।०० ध्रु ६०।० बु १६ चैत्री स्थित्यर्ध ४।२७ स्पर्श १३।०० मुक्ति ११।५४ ।

शाके १५९३ ग्र_०वृन्द १५१ पूर्णिमा ४५।१२ पूर्वभाद्र २०।३६ गं ४४।१९ शु ६ भाद्री स्थित्यर्ध ४।२१ स्पर्श ४१।१९ मुक्ति ४७।२५ ।

शाके १५९१ ग्र_०वृन्द ३४६ पूर्णिमा १८।४७ उत्तरफल्गुनी ३६।१७ गं ४६।१५ र ५ फाल्गुनी स्थित्यर्ध २।४८ स्पर्श ३२।१५ मुक्ति ३७।४१ ।

शाके १५९६ ग्र_०वृन्द ६६ पूर्णिमा ४१।२१ पूर्वाषाढ ४।४७ वि ५३।४६ मं १ आषाढी स्थित्यर्ध ०।४ स्पर्श ८७।२६ मुक्ति ५५।२७ ।

शाके १५९६ ग्र_०वृन्द ⋯७ पूर्णिमा ४६।४६ पुनर्वसु ४७।५६ वै २१।२ शु २ पौषी स्थित्यर्ध ४। ८ स्पर्श ४ ।२८ मुक्ति ५१।१४ ।

शाके १५९८ ग्र_०वृन्द ६४ अमावास्या २४।२४ मृगशिरा ४६।३७ शू ३।३१ शु २ आषाढी स्थित्यर्ध ३।२४ स्पर्श २३।२४ मुक्ति २८।१२ ।

शाके १५९८ ग्र_०वृन्द २४। अमावास्या १८।४५ ज्येष्ठा २८।१० ध्रु ३।३ श १५ मार्गी स्थित्यर्ध २।१४ स्पर्श १७।२४ मुक्ति २०।२ ।

शाके १५९९ ग्र_०वृन्द ⋯११ पूर्णिमा २५।१७ भरणी १६।२४ व ५०।२३ मं २८ कार्तिकी स्थित्यर्ध ३।१६ स्पर्श २२।२१ मुक्ति २८।४६ ।

शाके १६०० ग्र_०वृन्द २७ पूर्णिमा ४१।३६ स्वाती ६।२८ व्या ४।३६ बु २७ वैशाखी स्थित्यर्ध ४।३३ स्पर्श १८।१६ मुक्ति ४७।१२ ।

शाके १६०० ग्र_०वृन्द २०३ पूर्णिमा ४१।५१ अश्विनी ३०।४१ सि ४०।४७ श १७ कार्तिकी स्थित्यर्ध ४।४१ स्पर्श ४४।२० मुक्ति ४८।४२ ।

शाके १६०१ शु.वृन्द १६ पूर्णिमा ५७।११ चित्रा ३।२३ सि ५१।४० मं. १६
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।१४ स्पर्श ५४।२७ मुक्ति ५९।४१ ।

शाके १६०१ शु.वृन्द १९३ पूर्णिमा २७।११ अश्विनी ५१।३० व ४२।३२
मू ७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।३१ स्पर्श २४।०० मुक्ति ३१।२ ।

शाके १६०१ शु.वृन्द २४६ अमावास्या २४।५३ उत्तराषाढ ३।२४ ऐ. १७।१०
स २३ पौषी स्थित्यर्द्ध २।१४ स्पर्श २७।३६ मुक्ति ३१।४८ ।

शाके १६०२ शु.वृन्द १९८ पूर्णिमा २७।१ पूर्वफल्गुनी २०।४१ वृ ५।५३
मं २६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।४३ स्पर्श २५।१८ मुक्ति २०।४४ ग्रास सौम्य ।

शाके १६०३ शु.वृन्द ११६ अमावास्या ६।४७ उत्तरफल्गुनी ९।४८ शु २७।५७
शु १० आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श २।१ मुक्ति १।१९ ग्रास याम्य ।।

शाके १६०४ शु.वृन्द ११८ पूर्णिमा ५७।१७ मघा ४८।१२ सु ३६।२० श १४
माघी स्थित्यर्द्ध ४।३४ स्पर्श ५३।६ मुक्ति १।४ ग्रास याम्य ।।

शाके १६०४ शु.वृन्द २०८ पूर्णिमा १५।२८ आश्लेषा १८।५ शो ९।८ बु ४
माघी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श २२।२९ मुक्ति २०।३१ ग्रास याम्य ।।

शाके १६०६ शु.वृन्द २४७ पूर्णिमा ५४।४० मृगशिरा २८।७ शु ३५।१५ बु १२
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।२७ स्पर्श ४९।१७ मुक्ति ५८।७ ग्रास याम्य ।।

शाके १६०७ शु.वृन्द ६८ पूर्णिमा ४९।१४ ज्येष्ठा १९।५८ शु १४।४८ श ७
ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ४१।४३ मुक्ति ५०।४५ ग्रास याम्य ।।

शाके १६०७ शु.वृन्द २३१ अमावास्या १९।४१ अनुराधा २०।५४ सि १३।५२
चं १५ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।४० स्पर्श १७।११ मुक्ति २०।२१ ग्रास सौम्य ।।

शाके १६०८ शु.वृन्द २४५ पूर्णिमा ५४।१४ रोहिणी १८।७ सा १७।३० चं ३
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ५०।१९ मुक्ति ५९।१ ग्रास याम्य ।।

शाके १६०८ शु.वृन्द २४२ पूर्णिमा ५४।१२ कृत्तिका १२।४० सि ४।१६
शु १६ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।१४ स्पर्श ५०।५२ मुक्ति ५७।२० ग्रास याम्य ।।

शाके १६१० शु.वृन्द ७ पूर्णिमा ४४।४८ चित्रा ४०।३६ हर्ष ५।२६ बु ७ चैत्री
स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ४१।२९ मुक्ति ४८।१५ ग्रास याम्य ।।

शाके १६१० शु.वृन्द २२ अमावास्या ३०।० भरणी २३।२४ सौ ४४।३ बु २२
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।१८ स्पर्श ४४।२१ मुक्ति ४७।२० ग्रास याम्य ।।

शाके १६११ ग्र॰ वृन्द ... पूर्णिमा ४४।२६ मूला ५०।४८ ... ४३।५० वं २६ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ४०।० मुक्ति ४८।४२ शर याम्य ॥

शाके १६१२ ग्र॰ वृन्द पूर्णिमा ४४।१९ उत्तरफल्गुनी ९०।३६ वृ २७।३४ शु १४ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।६ स्पर्श ५१।२२ मुक्ति ५६।१८ शर याम्य ॥

शाके १६१९ ग्र॰ वृन्द १४७ अमावास्या ५६।३० पूर्वफल्गुनी ६।० सा ४४।११ र २९ माघी स्थित्यर्द्ध १।४२ स्पर्श ५०।४२ मुक्ति ११।५ शर याम्य ॥

शाके १६१२ ग्र॰ वृन्द ११२ पूर्णिमा १२।५० पूर्वषाढ १०।२८ गं ३।५ चं ६ माघी स्थित्यर्द्ध २।३४ स्पर्श ३१।१२ मुक्ति ६६।२८ शर याम्य ॥

शाके १६१९ ग्र॰ वृन्द ४९९ पूर्णिमा ३९।५० आश्लेषा ५४।४० सौ ४८।१४ श २६ माघी स्थित्यर्द्ध १।५४ स्पर्श २६।५२ मुक्ति ३०।४८ शर याम्य ॥

शाके १६१३ ग्र॰ वृन्द ११४ अमावास्या १।४८ शतभिषा ६०।० शि २४।०० र २० फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श ४।३४ मुक्ति १०।३८ शर याम्य ॥

शाके १६१५ ग्र॰ वृन्द २७७ पूर्णिमा ४०।६ पुनर्वसु २९।६ वै १।१२ वं ३ पौषी स्थित्यर्द्ध ।१४ स्पर्श ३४।५१ मुक्ति २६।२७ शर याम्य ॥

शाके १६१७ ग्र॰ वृन्द २५० पूर्णिमा ४५।८ कृत्तिका ४०।३१ प २१।१४ २९ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श ४१।५१ मुक्ति ४८।२५ शर याम्य ॥

शाके १६१७ ग्र॰ वृन्द २ १ अमावास्या १७।२६ ज्येष्ठा २७।८ धृ १५ मं २५ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श ०।१५ मुक्ति २।३५ शर सौम्य ॥

शाके १६१८ ग्र॰ वृन्द १९ पूर्णिमा ०।४५ अनुराधा १९।२९ शि १५।१७ वृ ८ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३८ स्पर्श ५६।२१ मुक्ति १५।२७ शर सौम्य ॥

शाके १६१९ ग्र॰ वृन्द १३ अमावास्या ४।१९ अश्विनी २०।५३ प्री १०।१४ र १ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।५ स्पर्श ५०।४६ मुक्ति ३।४६ शर सौम्य ॥

शाके १६१९ ग्र॰ वृन्द २० पूर्णिमा ४८।१४ अश्विनी २५।४२ सि ३९।१२ म... कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श ४०।१७ मुक्ति ४१।११ शर सौम्य ॥

शाके १६२० ग्र॰ वृन्द १७८ अमावास्या ५।३१ हस्त ११।१४ वै ९।२७ श २६ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श ५८।४३ मुक्ति ४।२४ शर याम्य ॥

शाके १६२० ग्र॰ वृन्द १४० पूर्णिमा ४७।२० पूर्वफल्गुनी २।२५ ग ४।५१ र ६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ४३।५८ मुक्ति ५०।२२ शर सौम्य ॥

शाके १६२० ग्र॰ वृन्द १६० अमावास्या २५।११ उत्तरफल्गुनी ९०।२५ शु २६।४ बु ११ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४९ स्पर्श ७।१२ मुक्ति ९९।०० शर सौम्य ॥

शाके १६२४ ग्र॰ चन्द्र १४२ पूर्णिमा ६२।१२ शतभिषा ४८।५० सु ६२।१३ इ १७ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ५७।१६ मुक्ति ६६।३२ वार सौम्य ॥

शाके १६२२ ग्र॰ चन्द्र ११९ पूर्णिमा ५७।४२ मघा ४०।०० अ १७।७ मं १४ माघी स्थित्यर्द्ध ३।६ स्पर्श ४४।३६ मुक्ति ६०।४८ शनैश्चर ॥

शाके १६२१ ग्र॰ चन्द्र २३० पूर्णिमा ३६।१७ धनिष्ठा २३।१७ शो १०।० सू ९ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।१६ स्पर्श ३१।२१ मुक्ति ३८।१२ वार याम्य ॥

शाके १६२६ ग्र॰ चन्द्र ६९ पूर्णिमा ४७।४० ज्येष्ठा १९ ३० धृ १६ मं ७ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श ४३।४२ मुक्ति ५१।४४ वार सौम्य ॥

शाके १५२९ ग्र॰ सूर्य २३७ अमावास्या १२।३१ अनुराधा ९।६२ सु २०।०० शु १६ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ६।१ मुक्ति १५।६ वार सौम्य ॥

शाके १६२८ ग्र॰ चन्द्र ६७ अमावास्या २५।४६ भरणी २।४८ शो ३५।४२ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।२५ स्पर्श २२।५१ मुक्ति ३०।३७ वार याम्य ।

शाके १५२८ ग्र॰ चन्द्र १९४ पूर्णिमा ४७।० रेवती ११।५८ ह ७।१ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।३० स्पर्श ४४।८ मुक्ति ४१।८ वार सौम्य ।

शाके १५२९ ग्र॰ चन्द्र १८ पूर्णिमा ५।३।५ चित्रा ९।६ व २६।०० इ ७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ४६।७ मुक्ति ५८।७ वार सौम्य ।

शाके १५२६ ग्र॰ चन्द्र १८४ पूर्णिमा ४५।४७ रेवती ३४।५७ ध्रुव १५।४६ मं २८ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३८ स्पर्श २१।४ मुक्ति ३०।२० वार याम्य ।

शाके १५३० ग्र॰ चन्द्र १५७ अमावास्या २२।१८ उत्तरफल्गुनी ५८।१७ व १२।४१ शु २ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।५४ स्पर्श २१।२२ मुक्ति २५।११ वार याम्य ।

शाके १५३० ग्र॰ चन्द्र १७२ पूर्णिमा ५२।१८ उत्तराभाद्र ६१।४५ वृ १८।२४ श १२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ४६।६५ मुक्ति ५५।१५ वार याम्य ।

शाके १५३१ ग्र॰ चन्द्र ३०६ पूर्णिमा ५६।३७ आश्लेषा ४१।५८ शो ३८।१६ सू ५ माघी स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श ५४।१२ मुक्ति ६२।१८ वार याम्य ।

शाके १५३२ ग्र॰ चन्द्र २६६ पूर्णिमा २६।१५ आश्लेषा ५३।५ सौ ४८।११ शु २५ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श २४।४१ मुक्ति ३३।३६ वार याम्य ।

शाके १५३३ ग्र॰ चन्द्र ११० पूर्णिमा ४५।५७ उत्तराषाढ १८।१ प्री २११२।१ शु ११ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ४१।३२ मुक्ति ५०।२२ वार याम्य ।

शाके १५३१ शु.बृन्द २०८ पूर्णिमा ६०।३२ पुष्य ६०।०० प्री ६८।१६ श ११ पौषी स्थित्यर्द्धं २।१८ स्पर्श ५८।१४ मुक्ति ४६।१० ग्रास याम्य ।

शाके १५३४ शु.बृन्द ४६२ अमावास्या २।३६ पूर्वाफा ५।५१ छ. २४।८ बु १७ पौषी स्थित्यर्द्धं २।३० स्पर्श ५५।५४ मुक्ति ०।४८ ग्रास याम्य ।

शाके १५३५ शु.बृन्द ४६ पूर्णिमा ६०।७ ज्येष्ठा ५४।३ सा ३३।५४ बृ २५ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं १।५६ स्पर्श ५८।८ मुक्ति ४०।१ ग्रास याम्य ।

शाके १५३५ शु.बृन्द २२५ पूर्णिमा ३१।१४ कृत्तिका ३८।२१ प १०।०० बु ६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।४० स्पर्श २६।५४ मुक्ति ३६।१८ ग्रास याम्य ।

शाके १५३६ शु.बृन्द ३४ अमावास्या २८।११ भरणी ३६।३४ आ ०८।२५ शु २८ वैशाखी स्थित्यर्द्धं १।२१ स्पर्श २६।२७ मुक्ति २८।६ ग्रास सौम्य ।

शाके १५३७ शु.बृन्द ५८ पूर्णिमा ६६।०० विशाखा ११।० प २३।२८ श ७ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ०।११ स्पर्श २८।४६ मुक्ति २५।११ ग्रास याम्य ।

शाके १५३९ शु.बृन्द १८३ पूर्णिमा ६०।३ पूर्वभाद्र ०५।१६ गं ३८।५६ चं ७ भाद्री स्थित्यर्द्धं २।२४ स्पर्श ५०।४६ मुक्ति ४४।४० ग्रास याम्य ।

शाके १५३९ शु.बृन्द ३४० पूर्णिमा २६।२० उत्तरभाद्र ५३।५१ गं ४९।१२ बु ८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।१० स्पर्श ३४।५३ मुक्ति ८४।० ग्रास याम्य ।

शाके १५४० शु.बृन्द १५२ पूर्णिमा ६८।५० शतभिषा १४।२४ धृ १५।२७ शु २६ भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।२५ स्पर्श ४४।५५ मुक्ति ५४।४५ ग्रास याम्य ।

शाके १५४० शु.बृन्द २१५ अमावास्या १५।२६ शतभिषा ६०।०० सि ३८।२७ श ११ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ३।०० स्पर्श १३।२६ मुक्ति १५।२६ ग्रास याम्य ।

शाके १५४१ शु.बृन्द १९१ पूर्णिमा ५०।१६ धनिष्ठा ५०।१८ सु ५५।३५ मं १८ माघी स्थित्यर्द्धं २।४१ स्पर्श ५०।३८ मुक्ति ५३।०० ग्रास सौम्य ।

शाके १५४१ शु.बृन्द ३०४ अमावास्या २२।२६ धनिष्ठा ५५।० व २६।४० बु २६ माघी स्थित्यर्द्धं २।११ स्पर्श २४।१० मुक्ति २८।१६ ग्रास याम्य ।

शाके १५४२ शु.बृन्द १०० पूर्णिमा ४५।५६ उत्तराषाढ ५४।२ वि २६।५५ गु ७ आषाढी स्थित्यर्द्धं ०।४४ स्पर्श ४२।१५ मुक्ति ४३।४१ ग्रास याम्य ।

शाके १५४२ शु.बृन्द ११६ अमावास्या १७।२८ आश्लेषा ४८।१६ व्य २२।१६ श २९ श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।५५ स्पर्श ६।१७ मुक्ति १४।७ ग्रास सौम्य ।

शाके १६४० शकाब्द २७८ पूर्णिमा १५।१७ पुनर्वसु ३२।०६ वि ५६।४० चं ४ पौषी स्थित्यर्धं ३।२६ स्पर्श २२।११ मुक्ति ३६।०२ दारयाम्य ।

शाके १६४३ शकाब्द २६७ पूर्णिमा ८।५६ आर्द्रा २१।२० ऐ ४१।५१ शु २२ पौषी स्थित्यर्धं ४।२८ स्पर्श ५१।३१ मुक्ति ३८।२७ दार याम्य ।

शाके १६४४ शकाब्द २५६ पूर्णिमा ३५।१० मृगशिरा १५।४२ शुभ २४।६ सं ११ मार्गी स्थित्यर्धं ३।१६ स्पर्श ३२।१४ मुक्ति ३८।२६ दार याम्य ।

शाके १६४५ शकाब्द १८४ पूर्णिमा ४७।२३ रेवती ११।१२ वृ ३।४७ व ८ आश्विनी स्थित्यर्धं ४।३७ स्पर्श ४२।४६ मुक्ति ५२।०० दार सौम्य ।

शाके १६४८ शकाब्द ०६ पूर्णिमा ३६।०० चित्रा ३२।४३ वृ ४।६ सं ७ चैत्री स्थित्यर्धं ३।३२ स्पर्श २६।२६ मुक्ति ३६।२२ दार याम्य ।

शाके १६५० शकाब्द १२१ पूर्णिमा ४२।१७ धनिष्ठा ४०।१६ शो ३।३१ बु ७ श्रावणी स्थित्यर्धं ४।१३ स्पर्श ३८।३४ मुक्ति ४५।४० दार सौम्य ।

शाके १६५० शकाब्द ३०६ पूर्णिमा ४१।१० आश्लेषा ३४।-६ शो ३०।५८ र ५ माघी स्थित्यर्धं ४।३० स्पर्श ४६।४० मुक्ति ५५।४० दार सौम्य ।

शाके १६५२ शकाब्द ६३ अमावास्या [illegible]।७ पुनर्वसु १७।० ह २०।२० मं ३ श्रावणी स्थित्यर्धं २।० स्पर्श ६।२४ मुक्ति १३।२४ दार सौम्य ।

शाके १६५२ शकाब्द २१० पूर्णिमा ४१।५६ उत्तराषाढ़ १४।२१ प्री १७।२२ श ११ श्रावणी स्थित्यर्धं २।४६ स्पर्श ३८।२० मुक्ति ४३।४२ दार याम्य ।

शाके १६५३ शकाब्द ८१ अमावास्या १४।४६ आर्द्रा ५।४४ वया ५८।१२ बु २२ आषाढी स्थित्यर्धं १।४२ स्पर्श १२।३८ मुक्ति १५।११ दार याम्य ।

शाके १६५३ शकाब्द २७१ पूर्णिमा २६।४१ मृगशिरा ५।१५ शु ४१।५१ बु १ मार्गी स्थित्यर्धं ३।१६ स्पर्श २३।३४ मुक्ति ३०।७ दार याम्य ।

शाके १६५० शकाब्द १८ पूर्णिमा २६।५५ ज्येष्ठा ४५।४७ मा २२।२२ र २८ ज्येष्ठी स्थित्यर्धं ४।२१ स्पर्श २२।३० मुक्ति ४१।२० दार सौम्य ।

शाके १६५४ शकाब्द २९५ पूर्णिमा ५३।१० कृत्तिका २।१४ सि ५१।३ बं १० मार्गी स्थित्यर्धं ४।४० स्पर्श ४८।२० मुक्ति ५७।४० दार याम्य ।

शाके १६५५ शकाब्द ६८ पूर्णिमा ४६।७ अनुराधा ४१।२७ शि ५।१७ बु १७ ज्येष्ठी स्थित्यर्धं ३।१४ स्पर्श ४५।३१ मुक्ति ५०।४१ दार याम्य ।

शाके १६५५ ग्रस्तचन्द्र २२५ पूर्णिमा १०।५६ कृत्तिका २३।२२ प ६।२१ ना ६ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।४६ स्पर्श २७।१६ मुक्ति ३४।४२ ग्रास सौम्य ।

शाके १६५६ ग्रस्तचन्द्र २३ अमावास्या २५।१३ भरणी ४०।१५ आ ११।१० मं ३१ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श २३।६ मुक्ति २२।५० ग्रास याम्य ।

शाके १६५७ ग्रस्तचन्द्र १६८ अमावास्या १५।४६ चित्रा २४।४६ वि ४९।२२ व २ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२ स्पर्श ११।५० मुक्ति १७।५४ ग्रास सौम्य ।

शाके १६५८ ग्रस्तचन्द्र ... पूर्णिमा ०८।५ हस्त २६।३७ ध्रु २३।१८ मं १७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ५५।२१ मुक्ति २२।४४ ग्रास याम्य ।

शाके १६५९ ग्रस्तचन्द्र ३४० पूर्णिमा ४०।३६ उत्तरफल्गुनी ५५।८ गं ४१।२१ ना ६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श ३७।२७ मुक्ति ४३।४६ ग्रास याम्य ।

शाके १६६० ग्रस्तचन्द्र २८६ पूर्णिमा ५१।२७ पुष्य ६०।०० प्री ४१।३८ ना १४ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श ५१।४० मुक्ति ५६।४२ ग्रास याम्य ।

शाके १६६१ ग्रस्तचन्द्र १०० पूर्णिमा ४१।३१ उत्तराषाढ़ा ५१।४६ वि ४३।५० मं ७ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ४।०२ स्पर्श ३७।३४ मुक्ति ४५।४० ग्रास याम्य ।

शाके १६६१ ग्रस्तचन्द्र २७७ पूर्णिमा ५३।४६ पुनर्वसु ५३।२४ वै २१।२४ बु ३ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ४९।१८ मुक्ति ५८।१४ ग्रास याम्य ।

शाके १६६२ ग्रस्तचन्द्र २६६ पूर्णिमा ५६।५१ आर्द्रा ४७।५६ ब्र ११।२८ र २१ पौषी स्थित्यर्द्ध ३।११ स्पर्श ५३।४२ मुक्ति ६०।२४ ग्रास याम्य ॥

शाके १६६३ ग्रस्तचन्द्र ६४ अमावास्या १०।११ मृगशिरा ४५।२७ वृ ६।१ मं ७ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध २।६ स्पर्श ४६।४० मुक्ति ३१।५८ ग्रास याम्य ॥

शाके १६६४ ग्रस्तचन्द्र १६ पूर्णिमा ३८।२० विशाखा ११।३७ प १६।४० श ८ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।२४ स्पर्श ३५।५६ मुक्ति ४०।४४ ग्रास याम्य ॥

शाके १६६४ ग्रस्तचन्द्र ५४ अमावास्या ३।१४ रोहिणी ५।१ धृ ७०।१६ र २२ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श ५५।४० मुक्ति ०।५६ ग्रास याम्य ॥

शाके १६६४ ग्रस्तचन्द्र २१६ पूर्णिमा ९०।११ भरणी १६।३१ वज्र ३०।१३ सं सं कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श २७।२७ मुक्ति ३४।४५ ग्रास सौम्य ॥

शाके १६६५ ग्रस्तचन्द्र ६७ पूर्णिमा २८।३१ विशाखा ६०।०० व ४७।३६ मं २७ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ३४।०४ मुक्ति ४२।५८ ग्रास याम्य ॥

शाके १६८३ द्युवृन्द ८६ पूर्णिमा ५१।६ चित्रा ४।४२ सि ४७।५ र १६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।४५ स्पर्श ४७।३० मुक्ति ५५।०२ शर सौम्य ॥

शाके १६८६ द्युवृन्द १९८ पूर्णिमा ३४।४३ अश्विनी ५५।१७ व ४५।५३ धृ ८ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।५ स्पर्श ३१।३८ मुक्ति ३७।३८ शर याम्य ॥

शाके १६८७ द्युवृन्द २३१ पूर्णिमा ३८।१८ पूर्वफल्गुनी ३९।५ धृ ७।१५ चं २७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।५२ स्पर्श ३४।२६ मुक्ति ४२।१० शर याम्य ॥

शाके १६८७ द्युवृन्द ३४६ अमावास्या ३।४७ उत्तराषाढ़ ६१।३२ श ५२।४६ सं १२ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श ०।२ मुक्ति ५।५६ शर सौम्य ॥

शाके १६६८ द्युवृन्द १४२ पूर्णिमा ५७।४३ धनिष्ठा ६।५० वि ५२।५८ सं १९ माघी स्थित्यर्द्ध ३।२६ स्पर्श ५४।१६ मुक्ति ६१।८ शर सौम्य ॥

शाके १६६९ द्युवृन्द १०६ पूर्णिमा २८।४७ आश्लेषा २।१० शो ४।१७ वृ ५ माघी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श २६।२३ मुक्ति ३१।११ शर सौम्य ॥

शाके १६७० द्युवृन्द १८६ अमावास्या २६।१४ पुष्य ४६।२३ व ४।२७ वृ १२ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ५।४० स्पर्श २१।१६ मुक्ति ३१।३३ शर याम्य ॥

शाके १६७० द्युवृन्द ९२१ पूर्णिमा ०।२४ धनिष्ठा ४७।१५ सौ १।५६ शु २७ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ५८।२१ मुक्ति ६१।२७ शर याम्य ॥

शाके १६७१ द्युवृन्द ९५० पूर्णिमा ४७।५१ मृगशिरा २२।४२ शु ३८।१ सं १२ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।१४ स्पर्श ४४।३८ मुक्ति ५१।६ शर याम्य ॥

शाके १६७१ द्युवृन्द २५३ अमावास्या २६।२४ पूर्वाषाढ़ ८।५८ ध्रुव ३।५६ वृ २४ पौषी स्थित्यर्द्ध २।२२ स्पर्श २४।४१ मुक्ति २६।२५ शर सौम्य ॥

शाके १६७२ द्युवृन्द ७० पूर्णिमा ५४।१० ज्येष्ठा १४।४० शु ९।५५ शु ८ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ४९।५२ मुक्ति ५८।२१ शर सौम्य ॥

शाके १६७३ द्युवृन्द ४४ अमावास्या ०।२७ रोहिणी ४४।३० शु २७।३६ सं १४ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श ५८।४१ मुक्ति ५।२३ शर सौम्य ॥

शाके १६७३ द्युवृन्द २३५ पूर्णिमा ५३।५ कृत्तिका २।४९ सि ५७।३१ वृ २० मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।४१ स्पर्श ४९।४ मुक्ति ५७।५ शर सौम्य ॥

शाके १६७४ द्युवृन्द २१० अमावास्या ३।३५ विशाखा ४८।१३ सौ २७।३७ सं २४ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।१३ स्पर्श ५८।५२ मुक्ति ०।२० शर याम्य ॥

शाके १६७५ द्युवृन्द ७ पूर्णिमा ४६।१ चित्रा ४०।१२ वृ ८।१० सं ८ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।१८ स्पर्श ४२।५७ मुक्ति ४९।२० शर सौम्य ॥

शाके १६७५ ध्रुवन्द १९९ अमावास्या ५०।१५ स्वाती ५७।४ प्री ६।२ सू. ११ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श २७।२१ मुक्ति ३३।४१ शर याम्य ॥

शाके १६७७ ध्रुवन्द ०० पूर्णिमा ११४० हस्त २७।१८ धृ. २४।६ सू. १७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।१५ स्पर्श ५८।१५ मुक्ति १४।१५ शर याम्य ॥

शाके १६७९ ध्रुवन्द ११२ पूर्णिमा ०।२१ श्रवण २४।२४ आ १२।१४ र १८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ५६।१५ मुक्ति ६४।२३ शर याम्य ॥

शाके १६८० ध्रुवन्द १०१ पूर्णिमा ४२।२३ उत्तराषाढ ५०।० वि ३५।३२ गु ७ आषाढी स्थित्यर्द्ध ०।५७ स्पर्श १८।५५ मुक्ति ४६।५० शर सौम्य ॥

शाके १६८० ध्रुवन्द २९४ अमावास्या १०।१० पूर्वाषाढ ५२।२८ धृ. १८।२५ श १९ पौषी स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श १४।१६ मुक्ति २२।१० शर याम्य ।

शाके १६८१ ध्रुवन्द ४६ पूर्णिमा ५७।१७ अनुराधा ४०।०९ शि २।१७ बृ १८ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध १।४३ स्पर्श ५२।५५ मुक्ति ५६।१९ शर याम्य ॥

शाके १६८२ ध्रुवन्द ६४ अमावास्या २४।१८ मृगशिरा २२।२८ धृ. १।४८ श ० आषाढी स्थित्यर्द्ध ०।२१ स्पर्श २३।० मुक्ति २७।११ शर सौम्य ॥

शाके १६८२ ध्रुवन्द १९६ पूर्णिमा ५१।३२ कृत्तिका १८।३१ प १।४९ श १० कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ०।२६ स्पर्श ४८।०६ मुक्ति ५५।१ शर सौम्य ॥

शाके १६८३ ध्रुवन्द १८ पूर्णिमा ५५।१७ विशाखा ३२।३७ प ४२।३२ चं ७ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ५०।४३ मुक्ति ५४।५१ शर याम्य ॥

शाके १६८३ ध्रुवन्द ५४ अमावास्या ००।५४ रोहिणी ८।१ धृ. १।०४ बु २१ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध १।०७ स्पर्श ५८।१७ मुक्ति २।१७ शर सौम्य ।

शाके १६८३ ध्रुवन्द २१६ पूर्णिमा १८।२८ भरणी १३।३० व २७।०१ बु ५ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।३४ स्पर्श २८।५१ मुक्ति ३३।७ शर सौम्य ।

शाके १६८४ ध्रुवन्द १९० अमावास्या २०।२१ चित्रा ६५।३८ वि ४७।१४ र ३ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श २२।४८ मुक्ति २९।६ शर याम्य ॥

शाके १६८४ ध्रुवन्द ३०५ पूर्णिमा ५०।४१ अश्विनी २१।५१ शि २६।३१ चं १२ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।०४ स्पर्श ४५।५० मुक्ति ५५।३२ शर याम्य ॥

शाके १६८५ ध्रुवन्द ०१ अमावास्या २१।२४ रेवती १०।०१ वि ५७।२७ शू ३

मघा शनी स्थित्यर्धं ३।०१ स्पर्श ६१।२६ मुक्ति ३४।२८ शर सौम्य ॥
शाके १६८५ शु_वृन्द १४१ पूर्णिमा ५६।५२ पूर्वफाल्गुनी ११।५० गं ४०।१० श ४ फाल्गुनी स्थित्यर्धं ३।०७ स्पर्श ५३।५ मुक्ति ६०।१२ शर याम्य ।
शाके १५८३ शु_वृन्द ११ पूर्णिमा ११।०७ पूर्वफाल्गुनी २६।०० शु ५४।२८ शु २५ फाल्गुनी स्थित्यर्धं ४।३२ स्पर्श २८।१५ मुक्ति ३६।२६ शर सौम्य ॥
शाके १९८७ शु_वृन्द १४२ पूर्णिमा १८।५१ शतभिषा ५१।५४ शु ४६।३३ शु १६ माघी स्थित्यर्धं ४।४० स्पर्श ३४।११ मुक्ति ४१।१९ शर याम्य ॥
शाके १६८७ शु_वृन्द ६० पूर्णिमा ४८।०९ मघा १४।२२ शु ५२।१४ शं २६ फाल्गुनी स्थित्यर्धं ६।१२ स्पर्श ४५।३४ मुक्ति ५०।१८ शर सौम्य ॥
शाके १६८६ शु_वृन्द ६१ पूर्णिमा ४१।४६ पूर्वाषाढ १३।५ शं ५२।३२ श १८ आषाढी स्थित्यर्धं १।१६ स्पर्श ४०।२७ मुक्ति ४३।४ शर सौम्य ॥
शाके १६९० शु_वृन्द २५७ पूर्णिमा २६।२२ मृगशिरा १३।११ शु १३ मार्गी स्थित्यर्धं ४।४० स्पर्श ३१।४२ मुक्ति ४१।२ शर याम्य ॥
शाके १६९२ शु_वृन्द ४४ अमावास्या ३।४१ रोहिणी ४६।१६ शु २८।०६ शु १४ ज्यैष्ठी स्थित्यर्धं ३।०२ स्पर्श ५८।१८ मुक्ति ०।२२ शर याम्य ॥
शाके १६९२ शु_वृन्द १२५ पूर्णिमा ४०।२९ आश्विनी ५८।५५ व ४४।२७ शु ९ आश्विनी स्थित्यर्धं २।५४ स्पर्श १७।१४ मुक्ति ४३।२१ शर याम्य ॥
शाके १६९४ शु_वृन्द ७ पूर्णिमा ४०।४० चैत्री ६५।१७ हु ४।२ स ८ चैत्री स्थित्यर्धं ४।४० स्पर्श ३९।०७ मुक्ति ४४।२० शर सौम्य ॥
शाके १६९४ शु_वृन्द १८४ पूर्णिमा ४१।१७ रेवती ४६।३४ गण्ड २१।४ ए २८ आश्विनी स्थित्यर्धं ४।२४ स्पर्श ३६।४६ मुक्ति ४४।४७ शर याम्य ॥
शाके १६९४ शु_वृन्द ३३७ अमावास्या ३६।३२ उत्तरभाद्र ३१।४१ शु ४८।४४ सं १३ चैत्री स्थित्यर्धं २।५७ स्पर्श ८।६ मुक्ति १४।०० शर सौम्य ॥
शाके १६९५ शु_वृन्द १७३ पूर्णिमा ४३।२० उत्तरभाद्र ४०।५८ वृ ६।१२ वृ १७ आश्विनी स्थित्यर्धं ३।२४ स्पर्श ३६।४५ मुक्ति ४६।४५ शर सौम्य ॥
शाके १६९५ शु_वृन्द ३३६ अमावास्या २८।३७ पूर्वभाद्र २१।५९ शु २७।२१ धा २ चैत्री स्थित्यर्धं २।४८ स्पर्श २६।१ मुक्ति ३१।२९ शर याम्य ॥

शाके १६९६ ग्र.वृन्द १४८ अमावास्या ५।१ पूर्वफाल्गुनी २२।३० मा १३।१७ मं २३ भाद्री स्थित्यर्ध २।४७ स्पर्श ०२।५५ मुक्ति ३।४९ ग्रास याम्य ॥

शाके १६९६ ग्र.वृन्द २१४ पूर्णिमा ३८।२० आश्लेषा ३।४६ शो ६। २ शु ६ माघी स्थित्यर्ध ३।२० स्पर्श ३३।० मुक्ति ४९।४० ग्रास सौम्य ॥

शाके १६९७ ग्र.वृन्द २९८ पूर्णिमा ३३।४४ आश्लेषा ५०।४४ सौ ४९।४७ श १७ माघी स्थित्यर्ध ४।३० स्पर्श २९।१४ मुक्ति ३८।१४ ग्रास याम्य ॥

शाके १६९८ ग्र.वृन्द १९२ पूर्णिमा ०।६ श्रवणा २७।१७ आ १६।१७ शु १८ श्रावणी स्थित्यर्ध ४।२६ स्पर्श ५६।४० मुक्ति ६५।३४ ग्रास सौम्य ॥

शाके १६९९ ग्र.वृन्द २८४ पूर्णिमा ३८।३६ पुष्य २।४ प्री ३५।१७ शु १२ पौषी स्थित्यर्ध ३।१९ स्पर्श ३५।२० मुक्ति ४१।५८ ग्रास याम्य ॥

शाके १७०१ ग्र.वृन्द २२६ पूर्णिमा ४८।४० कृत्तिका ४३।२ व ३८।४ मं १० कार्तिकी स्थित्यर्ध ४।३६ स्पर्श ४४।४ मुक्ति ५३।१६ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७०४ ग्र.वृन्द १६३ पूर्णिमा १४।१६ पूर्वभाद्र १३।२ गं २६।१७ दा ८ भाद्री स्थित्यर्ध ५।१ स्पर्श ९।१२ मुक्ति २०।१४ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७०४ ग्र.वृन्द ६८१ पूर्णिमा ४३।४८ पूर्वफाल्गुनी ३।२४ गं ४३।४७ मं ७ फाल्गुनी स्थित्यर्ध ४।६२ स्पर्श ४८।१० मुक्ति ५२।२१ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७०५ ग्र.वृन्द १५२ पूर्णिमा ६१।५१ शततारका ५५।१६ श २४।१५ श १७ माघी स्थित्यर्ध ४।३६ स्पर्श ५१।१२ मुक्ति ६४।३० ग्रास सौम्य ॥

शाके १७०६ ग्र.वृन्द १४२ पूर्णिमा २७।४४ शततारका ४०।१६ सु ३५।१६ नं १४ भाद्री स्थित्यर्ध ०।४३ स्पर्श ३४।२१ मुक्ति ४२।१७ ग्रास याम्य ॥

शाके १७०७ ग्र.वृन्द २७६ पूर्णिमा ३०।२२ पुनर्वसु २६।४१ वि ५२।६ दा ४ पौषी स्थित्यर्ध ३।१३ स्पर्श २७।१८ मुक्ति ३१।१९ ग्रास याम्य ॥

शाके १७०७ ग्र.वृन्द २९५ अमावास्या ५।१५ श्रवणा २०।२ ब्र ३३।५ न २० माघी स्थित्यर्ध ३।१ स्पर्श ५८।४४ मुक्ति ४।२६ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७०८ ग्र.वृन्द २६७ पूर्णिमा ४८।७ आर्द्रा ४५।१२ ब्र ७।७ नं २ पौषी स्थित्यर्ध ४।४० स्पर्श ५१।७ मुक्ति ६३।२७ ग्रास याम्य ॥

शाके १७०९ ग्र.वृन्द ८० पूर्णिमा ३०।४४ मूल १४।६७ ब्र २४।४४ शं १७ आषाढी स्थित्यर्ध ४।१ स्पर्श ३३।४३ मुक्ति ४१।४४ ग्रास याम्य ॥

शाके १७०९ ग्र.वृन्द १५७ पूर्णिमा ३।१५ मृगशिरा १९।४ शु १९।१२ नं १२ मार्गी स्थित्यर्ध ३।४२ स्पर्श ३१।२१ मुक्ति ४०।४७ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७१० शु॰ वृन्द ४४ अमावास्या २५।१७ रोहिणी २१।१४ धृ १३।२७ तु २५ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्धं १।२ स्पर्श १२।२३ मुक्ति १६।२७ वार सौम्य ॥

शाके १७११ शु॰ वृन्द २०४ पूर्णिमा ५१।१८ अश्विनी २६।३० सि २७।४५ पं १६ कार्तिकी स्थित्यर्द्धं २।४१ स्पर्श ४७।१५ मुक्ति ४२।४१ वार याम्य ॥

शाके १७११ शु॰ वृन्द २८१ अमावास्या १।१४ विशाखा १।४२ सु ४।११ मं ५ मार्गी स्थित्यर्द्धं २।४४ स्पर्श ३।५६ मुक्ति ८।२८ वार सौम्य ॥

शाके १७१२ शु॰ वृन्द १८ पूर्णिमा ०।२८ स्वाती ०।१५ व्य ३१।४१ वृ १८ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ४।३७ स्पर्श ५५।५१ मुक्ति ६५।५ वार याम्य ॥

शाके १७१२ शु॰ वृन्द १६५ पूर्णिमा ०।२० अश्विनी २१।५७ व ६।२१ शा ६ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।३५ स्पर्श ५८।५७ मुक्ति ६४।४७ वार याम्य ॥

शाके १७१३ शु॰ वृन्द ७ पूर्णिमा ४२।१२ चित्रा ६६।१६ ह ४।४१ चं ८ चैत्री स्थित्यर्द्धं २।४६ स्पर्श ३५।२३ मुक्ति ४५।४४ वार याम्य ॥

शाके १७१३ शु॰ वृन्द १५४ पूर्णिमा १।४१ रेवती ११।१० ह ५१।१४ बु २४ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ३।३१ स्पर्श ५१।१० मुक्ति ६६।१२ वार सौम्य ॥

शाके १७१४ शु॰ वृन्द १७९ अमावास्या ५६।२२ उत्तरफल्गुनी ५५।२ शु २२।२२ २३ आश्विनी स्थित्यर्द्धं १।१९ स्पर्श २८।४२ मुक्ति ३०।१४ वार याम्य ॥

शाके १७१४ शु॰ वृन्द १२३ पूर्णिमा ४४।४४ मघा ३०।४ सु ४१।४२ चं १७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं १।१२ स्पर्श ५२।३० मुक्ति ५८।५८ वार सौम्य ॥

शाके १७१५ शु॰ वृन्द १२१ पूर्णिमा ३८।८ धनिष्ठा १२।११ शो ०।५१ बु ४ श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।४१ स्पर्श ३४।४८ मुक्ति ४२।३ वार याम्य ॥

शाके १७१५ शु॰ वृन्द १०६ पूर्णिमा ५१।२१ आश्लेषा २४।१२ शो २६।२२ शु ५ माघी स्थित्यर्द्धं ४।३१ स्पर्श ४४।०० मुक्ति ५८।०२ वार याम्य ॥

शाके १७१६ शु॰ वृन्द २६४ पूर्णिमा ५६।२० पुष्य ५२।४५ आ १६।४४ मं २४ माघी स्थित्यर्द्धं ३।२१ स्पर्श ५५।५७ मुक्ति ६२।४१ वार याम्य ॥

शाके १७१७ शु॰ वृन्द ११९ पूर्णिमा ४१।३२ उत्तराषाढ १४।५० प्री १४।६ शु १२ श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।१७ स्पर्श ४६।२६ मुक्ति ५२।४० वार याम्य ॥

शाके १७१८ शु॰ वृन्द १०८ पूर्णिमा २४।५७ मृगशिरा ५१।४४ शु ८०।१२ बु २ माघी स्थित्यर्द्धं ६।२८ स्पर्श २१।१९ मुक्ति २८।२४ वार सौम्य ॥

शाके १५२० ग्र.वृन्द ४८ पूर्णिमा ५६।४७ अनुराधा ४१।७ शि ८।२७ मं १७ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श ५२।४० मुक्ति ६०।४६ शर सौम्य ॥

शाके १५२१ ग्र.वृन्द २२६ पूर्णिमा २६।४९ कृत्तिका २६।५० शि ५४।०० शु १० कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।२० स्पर्श २३।२९ मुक्ति ३०।९ शर याम्य ॥

शाके १५२२ ग्र.वृन्द ०० पूर्णिमा ४०।७ हस्त १६।१८ ध्रुव २२।१४ बु २८ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।३३ स्पर्श ३६।३४ मुक्ति ४३।४० शर याम्य ॥

शाके १५२३ ग्र.वृन्द १५४ पूर्णिमा ५६।२१ उत्तरभाद्र ४९।४५ वृ ९।५७ बृ १८ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।४८ स्पर्श ५१।३३ मुक्ति ६१।९ शर याम्य ॥

शाके १५२४ ग्र.वृन्द १३८ अमावास्या १७।१० मघा १०।४६ शि १८।२१ श १२ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।५३ स्पर्श १५।१७ मुक्ति १९।३ शर सौम्य ॥

शाके १५२४ ग्र.वृन्द १४२ पूर्णिमा ४७।२३ शतभिषा २६।७ वृ ९५।१६ श २७ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।५४ स्पर्श ४३।२९ मुक्ति ५१।१७ शर याम्य ॥

शाके १५२५ ग्र.वृन्द १२७ अमावास्या २१।४० आश्लेषा १६।२१ व ५८।२६ बु २ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।८ स्पर्श १९।३२ मुक्ति २३।४८ शर याम्य ॥

शाके १५२५ ग्र.वृन्द २८६ पूर्णिमा ५०।४३ पुष्य १५।१८ प्री ३७।८ बृ १८ माघी स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ४७।२४ मुक्ति ५४।२ शर याम्य ॥

शाके १५२६ ग्र.वृन्द १०२ पूर्णिमा ४९।२० उत्तराषाढ ५१।५६ शि २७।५५ र ८ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।४० स्पर्श ४५।४० मुक्ति ५३।० शर सौम्य ॥

शाके १५२७ ग्र.वृन्द ८० पूर्णिमा ५३।४७ पूर्वाषाढ ४६।४४ ऐ ३१।४६ बृ २७ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ४९।३१ मुक्ति ५८।३ शर याम्य ।

शाके १५२७ ग्र.वृन्द २६७ पूर्णिमा ५६।२८ आर्द्रा ४५।४४ ब ५१।२६ श २२ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।४२ स्पर्श ५१।४६ मुक्ति ६१।१० शर सौम्य ॥

शाके १५२८ ग्र.वृन्द ७९ पूर्णिमा ५३।५० मूल ९४।२९ ब ४७।२४ मं १७ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।० स्पर्श ४९।५० मुक्ति ५७।५० शर याम्य ॥

शाके १५२९ ग्र.वृन्द २४२ अमावास्या १।४२ ज्येष्ठा १०।३५ शू ६४।२१ बु १७ मार्गी स्थित्यर्द्ध १।५२ स्पर्श ५९।५० मुक्ति ३।३४ शर याम्य ॥

शाके १५३१ ग्र.वृन्द २९ पूर्णिमा ४३।२९ विशाखा १८।४८ व २९।४१ सू ८ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।१० स्पर्श ४१।१९ मुक्ति ४५।३९ शर सौम्य ॥

शाके १३११ कृ॰कृष्ण १८ पूर्णिमा ४।१० स्वाती ८।२१ व्य ४०।२६ र १८ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।४६ स्पर्श ५८।२१ मुक्ति ६४।४६ शर याम्य ॥
शाके १०३३ कृ॰कृष्ण १४३ पूर्णिमा ५३।३० धनिष्ठा ८।४८ सु ४८।४४ मं १७ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।३८ स्पर्श ५१।५९ मुक्ति ६१।८ शर याम्य ॥
शाके १७३४ कृ॰कृष्ण १०७ पूर्णिमा ३८।२ धनिष्ठा ११।४६ अ ५३।१५ शा ८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ३३।२६ मुक्ति ४२।४० शर सौम्य ॥
शाके १७३४ कृ॰कृष्ण २६६ अमावास्या ६१।१२ श्रवणा २६।१७ व्य ३७।२९ मं ६१ माघी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श २०।६२ मुक्ति २६।२४ शर सौम्य ॥
शाके १७३५ कृ॰कृष्ण ६१ अमावास्या १७।५४ पुनर्वसु १६।४४ वृ २१।१० र १ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४९ स्पर्श १५।३७ मुक्ति २१।२९ शर सौम्य ॥
शाके १७३६ द्युवृन्द २४८ पूर्णिमा ५७।१ मृगशिरा २७।३७ शु २८।१४ च १६ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।३७ स्पर्श ५३।४२ मुक्ति ६०।१९ शर सौम्य ॥
शाके १७३७ द्युवृन्द ७० पूर्णिमा ४४।४९ ज्येष्ठा ५।४३ शु ०।३५ बु ८ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ४१।४२ मुक्ति ४६।५० शर याम्य ॥

शाके १७३७ द्युवृन्द २४८ पूर्णिमा ३०।५४ मृगशिरा ४८।२४ शु ३६।११ श २ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श २६।१४ मुक्ति ३५।३० शर याम्य ॥
शाके १७३८ द्युवृन्द २९ अमावास्या २५।२५ विशाखा १४।३ धी ५।२१ मं ९ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श शिखन्तयोन्मज्जने पर्वणियोग्य द्वं २ प १५॥
शाके १७३८ द्युवृन्द २२७ पूर्णिमा ४०।३१ रोहिणी ४६।५२ सि १७।१४ गु २१ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।१८ स्पर्श ४७।१८ मुक्ति ५३।५४ शर याम्य ।
शाके १७३९ द्युवृन्द ३४ अमावास्या १६।३४ कृत्तिका ४७।८ धी १०।१८ गु ४ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध २।४९ स्पर्श १६।५३ मुक्ति २१।५१ शर याम्य ॥
शाके १७३९ द्युवृन्द ३८ पूर्णिमा ३६।४१ अनुराधा ३४।२७ शि ३१।१९ गु १८ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ०।४५ स्पर्श ३८।१५ मुक्ति ४०।२६ शर सौम्य ॥
शाके १७३९ द्युवृन्द २२१ अमावास्या ११।१४ विशाखा ३६।०७ सौ १९।४१ र २५ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।२२ स्पर्श ५७।४० मुक्ति ४।२४ शर याम्य ॥
शाके १७४० द्युवृन्द ६ पूर्णिमा ११२ स्वाती ४६।३१ व ६।२ सं १० चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।१२ स्पर्श ५७।४० मुक्ति ६४।२४ शर याम्य ॥

शाके १७४० द्युवृन्द ९३ अमावास्या १९।१३ भरणी ३४।४७ सौ. ४६।१ मं २३ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।११ स्पर्श १७।१६ मुक्ति २१।३८ शर सौम्य ॥

शाके १७४१ द्युवृन्द ... पूर्णिमा ३२।१० हस्त ६।४ व्या १६।२४ श २९ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३९ स्पर्श २७।३४ मुक्ति ३६।४७ शर याम्य ॥

शाके १७४१ द्युवृन्द १७४ पूर्णिमा ३७।४९ उत्तरभाद्र ३१।१३ ध्रु ५२।११ र १८ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३४ स्पर्श ३३।१५ मुक्ति ४२।२३ शर सौम्य ॥

शाके १७४२ द्युवृन्द ... पूर्णिमा ४५।४६ उत्तरफल्गुनी ५।२९ वृ ८।३ बु १७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श ४२।४८ मुक्ति ५०।४४ शर सौम्य ॥

शाके १७४४ द्युवृन्द ११३ पूर्णिमा १।४७ श्रवणा २३।२१ आ १२।३९ श १९ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।४२ स्पर्श ५८।१५ मुक्ति ६५।३९ शर याम्य ॥

शाके १७४४ द्युवृन्द २८९ पूर्णिमा ४२।१७ पुष्य ४६।४० सौ २८।३६ र १४ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ३७।५८ मुक्ति ४९।५६ शर याम्य ॥

शाके १७४७ द्युवृन्द ४० पूर्णिमा १।३७ ज्येष्ठा ४९।३१ सि ८।४२ बु १६ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्धं ग्रन्थानुसारेण दर्शनयोग्य दं १ प ३९ शर सौम्य ॥

शाके १७४७ द्युवृन्द २२७ पूर्णिमा ३८।१६ कृत्तिका २९।४६ शि ५९।३८ शु ११ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।३७ स्पर्श ३५।१६ मुक्ति ४०।५५ शर याम्य ॥

शाके १७४८ द्युवृन्द ३९ पूर्णिमा १९।३१ विशाखा १५।१० प ११।२३ र ७ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श १५।१ मुक्ति ४४।१ शर सौम्य ॥

शाके १७४८ द्युवृन्द २१९ पूर्णिमा ४८।२४ भरणी ११।५४ व १४।१९ मं सं कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४४।२ मुक्ति ४०।४६ शर याम्य ॥

शाके १७४९ द्युवृन्द २५ अमावास्या ३।१५ आश्विनी ३।५४ प्री १।१ बु १४ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।४८ स्पर्श ०।२४ मुक्ति ५।१२ शर सौम्य ॥

शाके १७४९ द्युवृन्द २०५ पूर्णिमा ३९।१४ आश्विनी १३।३४ सि १९।१९ श १९ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श ३६।६ मुक्ति ४३।४२ शर सौम्य ॥

शाके १७५० द्युवृन्द ०२ अमावास्या २७।४० रेवती ०८।४० वि ५१।४४ मं ३ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श २४।१८ मुक्ति ३०।१८ शर याम्य ॥

शाके १७५० द्युवृन्द ३३२ पूर्णिमा ३४।१२ उत्तरफल्गुनी ४०।४९ गं १५।५२ शु ८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।५९ स्पर्श ३१।१४ मुक्ति ३७।१३ शर सौम्य ॥

शाके १७४१ शुद्धवृन्द १३१ पूर्णिमा ३१।४२ पूर्वफल्गुनी २८।४६ शू १५।३८ मं १७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।३१ स्पर्शः १७।११ मुक्ति ३६।१३ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७५२ शुद्धवृन्द १६३ पूर्णिमा ५७।११ धनिष्ठा ६।१४ सु ४४।५ बृ १८ भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।२८ स्पर्शः ५२।३३ मुक्ति ६१।४८ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७५२ शुद्धवृन्द २१० पूर्णिमा ४१।४ मघा २७।४४ अ ४४।३४ शु १६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ३।२४ स्पर्शः २७।२१ मुक्ति ४४।३१ ग्रास याम्य ॥

शाके १७५४ शुद्धवृन्द ८१ पूर्णिमा ३।२२ पूर्वाषाढ ४१।२८ ऐ ४५।१७ मं १९ आषाढी स्थित्यर्द्धं ३।५१ स्पर्शः ५८।११ मुक्ति ६६।११ ग्रास याम्य ॥

शाके १७५५ शुद्धवृन्द २४८ पूर्णिमा ५१।५७ मृगशिरा १९।४ शु १२।५ बृ १३ माघी स्थित्यर्द्धं ४।४३ स्पर्शः ४७।११ मुक्ति ५६।४७ ग्रास सौम्य ।

शाके १७५७ शुद्धवृन्द ५५ पूर्णिमा ५८।५२ अनुराधा ६।५९ सा ५७।१७ बृ १७ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं १।४२ स्पर्शः ५६।२२ मुक्ति ५९।५८ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७५८ शुद्धवृन्द १९५ पूर्णिमा३२।२ अश्विनी ४८।५५ व ११।१९ चं ६ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ।३९ स्पर्शः २९।३१ मुक्ति १७।२६ ग्रास सौम्य ॥

शाके १७५९ शुद्धवृन्द ८ पूर्णिमा ५१।१८ चित्रा ६९।४१ हु ०।४५ बृ ६ चैत्री स्थित्यर्द्धं ४।५३ स्पर्शः ४७।०५ मुक्ति ५६।११ ग्रास याम्य ॥

शाके १७५९ शुद्धवृन्द १८४ पूर्णिमा ५८।१० उत्तरभाद्र ६।७ वृद्धि ४०।४१ शु १८ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।३२ स्पर्शः ५२।३८ मुक्ति ६२।४२ ग्रास याम्य ॥

शाके १७६० शुद्धवृन्द १७४ पूर्णिमा २६।४९ उत्तरभाद्र २०।३ ध्रु ५०।१५ बु १८ आश्विनी स्थित्यर्द्धं १।५५ स्पर्शः २९।५९ मुक्ति ४०।०६ ग्रास याम्य ।

शाके १७६१ शुद्धवृन्द ३११ पूर्णिमा ९३।१९ आश्लेषा ३।३९ सौ ५।१७ चं १९ माघी स्थित्यर्द्धं ३।१२ स्पर्शः ५०।१८ मुक्ति ३६।५४ ग्रास याम्य ।

शाके १७६१ शुद्धवृन्द १२७ अमावास्या ५।२१ पूर्वभाद्र ५५।७ सा ४४।१ गु १२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं २।४७ स्पर्शः २।२५ मुक्ति ८।११ ग्रास याम्य ॥

शाके १७६२ शुद्धवृन्द ४०० पूर्णिमा ६।१२ आश्लेषा २३।३८ सौ १०।२२ श २९ माघी स्थित्यर्द्धं ४।१६ स्पर्शः ५६।३९ मुक्ति ६८।५१ ग्रास याम्य ॥

शाके १७६५ शुद्धवृन्द २८९ पूर्णिमा ४३।८ पुष्य ४४।५६ प्री २१।२८ बु १५

पौषी स्थित्यर्द्धं ३।४३ स्पर्श ३६।१६ मुक्ति ४६।४५ शर याम्य ॥

शाके १७६४ ध्रु_वृन्द ८७ अमावास्या १४।३५ आर्द्रा ११ व्या ३६।३४ शु २४ आषाढी स्थित्यर्द्धं २।२६ स्पर्श १७।२२ मुक्ति २१।२० शर याम्य ।

शाके १७६५ ध्रु_वृन्द २३८ पूर्णिमा ५८।३६ रोहिणी ६०।०० सि ३४।११ बु २२ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।२६ स्पर्श ५६।१६ मुक्ति ६१।२७ शर याम्य ॥

शाके १७६५ ध्रु_वृन्द १५३ अमावास्या १०।३४ मूल ३७।४५ गं ७।५ बृ ७ पौषी स्थित्यर्द्ध २।१७ स्पर्श ७।४४ मुक्ति १३।३८ शर याम्य ॥

शाके १७६६ ध्रु_वृन्द ४६ पूर्णिमा ५८।२२ अनुराधा ४७।२४ शि १२।१७ शु १८ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ५३।५१ मुक्ति ६२।४८ शर सौम्य ॥

शाके १७६६ ध्रु_वृन्द २२६ पूर्णिमा ४३।४६ कृत्तिका ५१।६ प १७।४२ र ११ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ५२।२६ मुक्ति ६१।६ शर याम्य ॥

शाके १७६७ ध्रु_वृन्द ३६ पूर्णिमा ४१।६ विशाखा १६।३२ प २१।३७ बु १ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श ३७।६ मुक्ति ४५।१२ शर याम्य ॥

शाके १७६७ ध्रु_वृन्द २१६ पूर्णिमा १।१६ कृत्तिका ४६।१ व १।५ शु सं कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।४५ स्पर्श ४७।४१ मुक्ति ६५।२१ शर सौम्य ॥

शाके १७६९ ध्रु_वृन्द ··· पूर्णिमा ५२।४८ उत्तरफल्गुनी ७।४ ध्रु_ ६०।०० बु १९ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ५०।५ मुक्ति ५५।११ शर सौम्य ॥

शाके १७६९ ध्रु_वृन्द १५५ पूर्णिमा ३३।३५ पूर्वभाद्र १९।२३ गं १७।४८ शु ६ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श ३३।१८ मुक्ति ३६।५२ शर याम्य ॥

शाके १७६९ ध्रु_वृन्द ··· अमावास्या २३।११ हस्त १६।४१ ऐ १८।२६ श २४ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४६ स्पर्श २१।२० मुक्ति २६।१८ शर सौम्य ॥

शाके १७६९ ध्रु_वृन्द ३४२ पूर्णिमा ५१।७ उत्तरफल्गुनी ६०।०० गं ३१।२३ र ७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ४६।३८ मुक्ति ५५।३६ शर सौम्य ॥

शाके १७७० ध्रु_वृन्द ३१७ अमावास्या ०।११ शतभिषा ३४।१४ शि ५।४३ शु १३ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श ५७।५५ मुक्ति २।४५ ॥ ········ ॥

शाके १७७० ध्रु_वृन्द ३३१ पूर्णिमा १।११ उत्तरफल्गुनी ६०।०० शु २७।०३ शु २७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।३० स्पर्श ५७।४१ मुक्ति ६४।४१ शर याम्य ॥

शाके १७७१ द्युवृन्द १४३ पूर्णिमा ४३।०५ शतभिषा ५१।१५ सु २६।११ र १८
भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।१४ स्पर्श २६।५१ मुक्ति ४६।१६ शर सौम्य ॥

शाके १७७२ द्युवृन्द २८० पूर्णिमा ४०।५३ पुनर्वसु ३१।४५ वि ५०।१८ शु ५
पौषी स्थित्यर्द्धं ३।२६ स्पर्श ३७।२७ मुक्ति ४४।१९ शर सौम्य ॥

शाके १७७४ द्युवृन्द .... पूर्णिमा ४०।२० मूल १८।४३ सु २७।५० शु १८
आषाढ़ी स्थित्यर्द्धं ४।२५ स्पर्श ३३।५५ मुक्ति ४४।४५ शर सौम्य ॥

शाके १७७४ द्युवृन्द २४३ अमावस्या ६।११ ज्येष्ठा १८।४८ शू २७।१४ श २८
मार्गी स्थित्यर्द्धं २।३४ स्पर्श ४।२८ मुक्ति ९।२६ शर सौम्य ॥

शाके १७७४ द्युवृन्द २५८ पूर्णिमा ३०।४७ आर्द्रा ६०।०० शु ०।४१ र १३
मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।२० स्पर्श २७।२७ मुक्ति ३४।७ शर याम्य ॥

शाके १७७६ द्युवृन्द ३० पूर्णिमा ३६।५३ विशाखा ५२।५९ व ३६।१८ शु सं
वैशाखी स्थित्यर्द्धं २।५३ स्पर्श ३७।०० मुक्ति ४२।४६ शर याम्य ॥

शाके १७७६ द्युवृन्द २०६ पूर्णिमा ५२।५ अश्विनी २०।११ सि २१।२५ श २०
कार्तिकी स्थित्यर्द्धं २।२१ स्पर्श ४९।४४ मुक्ति ५४।२६ शर याम्य ॥

शाके १७७७ द्युवृन्द २२ अमावास्या ३।७ कृत्तिका ३८।२ शो ८।१५ बु १
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।१० स्पर्श ०।५६ मुक्ति ५।१६ शर सौम्य ॥

शाके १७७८ द्युवृन्द १८४ पूर्णिमा ५७।२० उत्तरभाद्र ६।३० ध्या ४०।१० चं २८
आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।१ स्पर्श ५३।२९ मुक्ति ११।३१ शर याम्य ॥

शाके १७७९ द्युवृन्द १५१ अमावास्या १२।१२ उत्तरफल्गुनी ४५।३ शु १३।४३
शु ३ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ३।१ स्पर्श ८।५० मुक्ति १४।५६ शर याम्य ॥

शाके १७७९ द्युवृन्द ३२१ पूर्णिमा ५४।२० मघा ३१।५३ सु ४७।३७ श १३
फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ३।८ स्पर्श ५१।१२ मुक्ति ५७।२८ शर याम्य ॥

शाके १७८० द्युवृन्द १३८ पूर्णिमा ३५।२९ धनिष्ठा २३।४६ अ ४३।१४
मं ६ श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।११ स्पर्श ३२।१८ मुक्ति ३८।५० शर सौम्य ॥

शाके १७८० द्युवृन्द ३११ पूर्णिमा २६।२२ माघा ५४।२६ अ ५३।२९
बृ ६ माघी स्थित्यर्द्धं ४।३६ स्पर्श २१।३ मुक्ति ३१।१९ शर याम्य ॥

शाके १७८१ द्युवृन्द १२२ पूर्णिमा ४१।५८ श्रवणा १६।१ ९ सौ २५।२१ श २८
श्रावणी स्थित्यर्द्धं ४।२८ स्पर्श ३७।३० मुक्ति ४६।२६ शर याम्य ॥

शाके १७८२ द्युवृन्द १११ पूर्णिमा ४३।४३ उत्तराषाढ़ ६।५७ प्री ५।०० बु १७
श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।५२ स्पर्श ४०।५१ मुक्ति ४७।३५ शर याम्य ॥

शाके १७८३ द्यु वृन्द ७१ पूर्णिमा ३७।५० मूल ५४।४७ शु ४२।४६ श ६ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्धं ०।४६ स्पर्श ३७।४ मुक्ति ३८।३६ शर सौम्य ॥

शाके १७८४ द्यु वृन्द २५३ अमावास्या १०।२१ मूल ३०।३७ गं ६।१६ र ७ पौषी स्थित्यर्द्धं १।२८ स्पर्श ८।५२ मुक्ति ११।४८ शर सौम्य ॥

शाके १७८५ द्यु वृन्द ४६ पूर्णिमा ५६।५२ अनुराधा ४८।४७ सि १२।१५ चं १८ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।१० स्पर्श ५५।४२ मुक्ति ६४।२ शर याम्य ॥

शाके १७८७ द्यु वृन्द १७५ पूर्णिमा ५७।१४ उत्तरभाद्र ४४।३८ वृ ७।३० बु १६ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ३।१८ स्पर्श ५४।६ मुक्ति ६०।२२ शर याम्य ॥

शाके १७८८ द्युवृन्द १६५ पूर्णिमा ३५।६ पूर्वभाद्र ६।५२ गं १५।५२ चं ६ भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।३३ स्पर्श ३१।१- मुक्ति ४०।२४ शर याम्य ॥

शाके १७८८ द्यु वृन्द ३२८ अमावास्या २६।५८ शतभिषा २३।२८ सा ४६।१ बु २२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं २।७ स्पर्श २४।४० मुक्ति २८।५४ शर सौम्य ॥

शाके १७८६ द्युवृन्द १६४ पूर्णिमा १।२८ पूर्वभाद्र २३।२८ शू १३।२२ श २६ भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।२६ स्पर्श ५८।२ मुक्ति ६४।५४ शर सौम्य ॥

शाके १७६० द्युवृन्द २२८ अमावास्या १२।४५ मघा १४।५३ प ३८।५१ मं ३ माद्री स्थित्यर्द्धं २।५६ स्पर्श ६।१८ मुक्ति १५।१० शर सौम्य ॥

शाके १७६० द्युवृन्द २६१ पूर्णिमा २।४८ पुष्य ३।४४ आ ३१।५ बृ १७ माघी स्थित्यर्द्धं ३।२५ स्पर्श ५६।१३ मुक्ति ६३।०३ शर सौम्य ॥

शाके १७६१ द्युवृन्द १०२ पूर्णिमा ३५।४० उत्तराषाढ़ ४२।३ वि १८।८ शु ८ आषाढ़ी स्थित्यर्द्धं ३।२७ स्पर्श ३२।१३ मुक्ति ३६।७ शर याम्य ॥

शाके १७६१ द्यु वृन्द २८० पूर्णिमा ३५।१६ पुनर्वसु २७।३४ वि ४७।०० चं ५ पौषी स्थित्यर्द्धं ४।३६ स्पर्श ३०।३३ मुक्ति ३६।४५ शर सौम्य ॥

शाके १७६२ द्युवृन्द ६१ पूर्णिमा ५८।८ पूर्वाषाढ़ ५०।५७ ३८।३ ऐ १७।१६ मं २७ आषाढ़ी स्थित्यर्द्धं ४।३१ स्पर्श ५३।५७ मुक्ति ६२।५६ शर सौम्य ॥

शाके १७६२ द्युवृन्द २६६ पूर्णिमा ५१।१३ आर्द्रा ३०।४१ ऐ ४२।१ शु २४ पौषी स्थित्यर्द्धं ३।२६ स्पर्श ४७।५२ मुक्ति ५४।५० शर याम्य ॥

शाके १७६३ द्यु वृन्द ८० पूर्णिमा ३५।२५ मूल १४।३८ ब्र २३।१ र १८ आषाढ़ी स्थित्यर्द्धं २।४८ स्पर्श ३२।३७ मुक्ति ३८।१३ शर सौम्य ॥

शाके १७९३ द्युवृन्द २४३ अमावास्या १०।१६ ज्येष्ठा १६।२३ शू २७।२१
मं २८ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।१५ स्पर्श ६।२७ मुक्ति १०।५७ शर याम्य ॥
शाके १७९४ द्युवृन्द ४० पूर्णिमा ५६।८ विशाखा २८।५१ प २६।२५ बु १०
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।३२ स्पर्श ५६।३६ मुक्ति ६१।४० शर याम्य ॥
शाके १७९४ द्युवृन्द ५५ अमावास्या ४।४३ रोहिणी ६।१२ धृ ४।१२ बृ २४
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श २।२८ मुक्ति ७।१६ शर याम्य ॥
शाके १७९५ द्युवृन्द २०६ पूर्णिमा ३६।३८ अश्विनी १०।३६ सि ११।१२ मं २०
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ३५।८ मुक्ति ४४।६ शर सौम्य ॥
शाके १७९६ द्युवृन्द १६ पूर्णिमा ४०।२० स्वाती ४४।७ सि १६।४४ शु १६
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।३२ स्पर्श ३६।४८ मुक्ति ४३।५२ शर सौम्य ॥
शाके १७९६ द्युवृन्द १८१ अमावास्या ३०।८ हस्त १६।२० ऐ १३।२० श २४
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श २७।३८ मुक्ति ३३।३८ शर सौम्य ॥
शाके १७९६ द्युवृन्द ३५६ अमावास्या १५।५६ रेवती ४०।२९ ऐ ८।५४ मं २४
चैत्री स्थित्यर्द्ध १।५७ स्पर्श १४।२३ मुक्ति १८।१७ शर याम्य ॥
शाके १७९८ द्युवृन्द १४४ पूर्णिमा ५३।७ शतभिषा ५६।२ धृ ५८।३२ र १९
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श ५०।१७ मुक्ति ५५।५७ शर सौम्य ॥
शाके १७९८ द्युवृन्द ३११ पूर्णिमा ४७।१८ मघा २६।३६ सु ४१।३ मं १७
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।४० स्पर्श ४२।३८ मुक्ति ५१।५८ शर याम्य ॥
शाके १७९८ द्युवृन्द ३३७ अमावास्या ५।४० पूर्वभाद्र ८।१६ शु १०।३६ बृ ३
चैत्री स्थित्यर्द्ध १।१५ स्पर्श ३।३१ मुक्ति ६।१ शर सौम्य ॥
शाके १७९९ द्युवृन्द १३५ पूर्णिमा ५६।५४ धनिष्ठा ४७।४० शो ८।३१ बु ८
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ५७।२५ मुक्ति ६१।२३ शर सौम्य ॥
शाके १७९९ द्युवृन्द ३११ पूर्णिमा २७।३७ मघा ५४।५८ अ ४७।०० र ७
माघी स्थित्यर्द्ध २।४५ स्पर्श २३।५२ मुक्ति ३१।२२ शर सौम्य ॥
शाके १८०० द्युवृन्द १२२ पूर्णिमा १।६ धनिष्ठा ३।०० शो ४९।२४ मं २८
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।११ स्पर्श ५७।५५ मुक्ति ६४।१७ शर याम्य ॥
शाके १८०१ द्युवृन्द ९७ अमावास्या २६।३६ पुनर्वसु १० ५४ हृ १६।४३ श ४
श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।४१ स्पर्श २५।१६ मुक्ति २८।४१ शर याम्य ॥

शाके १८०१ ध्रु बृन्द २५९ पूर्णिमा ३८।३२ आर्द्रा ६०।०० ग्र ५८।१० र १४
मार्गी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श ३६।८ मुक्ति ४०।५६ शर याम्य ॥

शाके १८०२ ध्रु बृन्द ७१ पूर्णिमा ३५।५५ मूल ५२।११ शु ४०।२२ मं ६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१३ स्पर्श ३१।४० मुक्ति ४०।०६ शर याम्य ॥

शाके १८०२ ध्रु बृन्द २४८ पूर्णिमा ३३।११ मृगशिरा ५४।३२ शु ३६।१३ बृ ३
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ३१।५९ मुक्ति ४०।३९ शर याम्य ॥

शाके १८०३ ध्रुबृन्द २३७ पूर्णिमा ४१।१४ रोहिणी ४९।५७ सि २८।३० चं २१
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श ३७।५१ मुक्ति ४५।३७ शर सौम्य ॥

शाके १८०४ ध्रु बृन्द ३४ अमावास्या २३।५८ कृत्तिका ४४।५८ शो १३।६ बु ४
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।५४ स्पर्श २०।२८ मुक्ति २६।१६ शर सौम्य ॥

शाके १८०६ ध्रु बृन्द १७५ पूर्णिमा ५५।१० उत्तरभाद्र ४१।५० बृ २।२७ श १९
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ५०।४० मुक्ति ५९।४० शर याम्य ॥

शाके १८०७ ध्रु बृन्द ० पूर्णिमा ४०।६ उत्तरफल्गुनी ३।४२ ध्रु ५९।० चं १८
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श ३६।१८ मुक्ति ४३।५४ शर याम्य ॥

शाके १८०८ ध्रु बृन्द २०१ पूर्णिमा ३४।३९ आश्लेषा ३५।५८ सौ १९।२१ मं २७
माघी स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श ३१।४६ मुक्ति ३८।५४ शर सौम्य ॥

शाके १८०९ ध्रु बृन्द १२८ अमावास्या १४।३४ मघा ५६।२७ प २९।३३ शु ३
भाद्री स्थित्यर्द्ध १।१६ स्पर्श १३।१३ मुक्ति १५।४५ शर याम्य ॥

शाके १८०९ ध्रु बृन्द १४२ पूर्णिमा ५१।८ उत्तराषाढ़ १०।५६ प्री ४।३८ बु १८
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ४७।५० मुक्ति ५४।२८ शर याम्य ॥

शाके १८०९ ध्रु बृन्द २९० पूर्णिमा ५७।४४ पुष्य ५९।५३ प्री ३१।३९ श १६
माघी स्थित्यर्द्ध ४।३३ स्पर्श ५३।११ मुक्ति ६२।१७ शर सौम्य ॥

शाके १८११ ध्रु बृन्द ९१ पूर्णिमा ५३।५० पूर्वाषाढ़ ४७।१ ऐ १४।४३ शु २८
आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ३।९ स्पर्श ५०।४१ मुक्ति ५६।४९ शर याम्य ॥

शाके १८१२ ध्रु बृन्द ९७ पूर्णिमा २८।४७ मृगशिरा ३८।३८ गं ४९।४३ मं ४
आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श २६।४८ मुक्ति ३८।२८ शर सौम्य ॥

शाके १८१२ ध्रु बृन्द २२७ पूर्णिमा ३२।३७ कृत्तिका २४।०५ शि ८४।५९ बु १२
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श ३०।२२ मुक्ति ३४।३२ शर याम्य ॥

शाके १८१३ ध्रु,वृन्द ४० पूर्णिमा ४७।२६ विशाखा १४।५ प १६।१५ श १०
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ४३।८ मुक्ति ५१।४४ शर याम्य ॥
शाके १८१३ ध्रु,वृन्द २१७ पूर्णिमा ०।३५ कृत्तिका ३६।३ प ४५।५६ चं १
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ५६।८ मुक्ति ६५।२ शर सौम्य ॥
शाके १८१४ ध्रु,वृन्द २६ पूर्णिमा ५८।३८ स्वाती १०।१४ व्य ०।११ बु २६
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।४२ स्पर्श ५३।३६ मुक्ति ६१।०० शर याम्य ॥
शाके १८१४ ध्रु,वृन्द २०६ पूर्णिमा ३६।५७ अश्विनी १०।६ सि ११।३०
शु २० कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श ३५।५२ मुक्ति ४४।२ शर याम्य ॥
शाके १८१५ ध्रु,वृन्द ३४३ पूर्णिमा ३५।२ उत्तरफल्गुनी ४०।१७ गं १७।२०
बु ८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श ३२।५ मुक्ति ३७।५६ शर याम्य ॥
शाके १८१५ ध्रु,वृन्द ३५६ अमावास्या ६।१८ रेवती ३४।४१ ऐ ११।४० शु २४
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श २।४५ मुक्ति ८।२६ शर सौम्य ॥
शाके १८१७ ध्रु,वृन्द ३३१ पूर्णिमा ४८।५२ मघा ३०।५४ शु ४१।४३ शु १७
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।३६ स्पर्श ४५।२६ मुक्ति ५२।३८ शर याम्य ॥
शाके १८१९ ध्रु,वृन्द २७५ पूर्णिमा ५६।१५ आर्द्रा ३२।३० ऐ ४०।१० शु २५
पौषी स्थित्यर्द्ध २।१९ स्पर्श ५४।५६ मुक्ति ६२।३४ शर याम्य ॥
शाके १८१९ ध्रु,वृन्द २८५ अमावास्या १६।१२ उत्तराषाढ़ १७।५ व १६।५८
श १० माघी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श १६।२२ मुक्ति २२।३० शर याम्य ॥
शाके १८२० ध्रु,वृन्द ८१ पूर्णिमा ५४।४३ मूल २८।५३ ध्रु ३२।२६ र १३
आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ४।४५ स्पर्श ५०।८ मुक्ति ५६।३८ शर सौम्य ॥
शाके १८२० ध्रु,वृन्द २५८ पूर्णिमा ५६।२१ मृगशिरा २०।४६ शु २०।४८ मं,१२
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ५२।२ मुक्ति ६०।४० शर याम्य ॥
शाके १८२१ ध्रु,वृन्द ७१ पूर्णिमा ३७।१८ मूल ५।३२ शु ४०।१६ शु ६ ज्यैष्ठी
स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ३२।५५ मुक्ति ४१।४१ शर याम्य ॥
शाके १८२१ ध्रु,वृन्द २४८ पूर्णिमा १।४० मृगशिरा २०।३६ शु ८।३२ र ३
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श ५७।४७ मुक्ति ६५।३३ शर सौम्य ॥
शाके १८२३ ध्रु,वृन्द २० पूर्णिमा ४५।५३ स्वाती ४७।२१ शि १२।६ शु २०
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।२७ स्पर्श ४४।२६ मुक्ति ४७।२० शर सौम्य ॥

शाके १८२३ द्युवृन्द १९७ पूर्णिमा ३८।४५ अश्विनी ४९।१६ ध्रु ३१।१६ र ११ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४८ स्पर्श ३५।५७ मुक्ति ४१।३३ शर याम्य ।।

शाके १८२३ द्युवृन्द ३१२ अमावास्या १७।१२ विशाखा ५५।२२ सौ २६।५२ मं २५ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२८ स्पर्श १४।२६ मुक्ति १९।२२ शर याम्य ।।

शाके १८२४ द्युवृन्द ०८ पूर्णिमा ४५।५६ चित्रा ३२।५९ व ५१।३३ मं ९ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ४१।३७ मुक्ति ५०।१५ शर याम्य ।।

शाके १८२४ द्युवृन्द २०० अमावस्या २१।१३ स्वाती ४६।२ प्री १०।२१ शु १४ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध १।४४ स्पर्श २०।१२ मुक्ति २३।४० शर सौम्य ।।

शाके १८२४ द्युवृन्द ३४६ अमावास्या ०।४८ उत्तरभाद्र १०।५३ व २७।१३ र १५ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ५७।१७ मुक्ति २।५९ शर सौम्य ।।

शाके १८२५ द्युवृन्द ०० पूर्णिमा ५९।११ हस्त ३५।३४ व्य ४२।५९ श २८ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।५४ स्पर्श ५५।१७ मुक्ति ६३।५ शर याम्य ।।

शाके १८२५ द्युवृन्द १५५ पूर्णिमा ३७।५८ उत्तरभाद्र १४।२२ ध्रु ४२।२९ मं २९ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।३९ स्पर्श ३४।१९ मुक्ति ४१।२७ शर सौम्य ।।

शाके १८२५ द्युवृन्द ३३८ अमावास्या १२।५५ पूर्वभाद्र १०।२ शु ७।४१ बृ ४ चैत्री स्थित्यर्द्ध १।१५ स्पर्श १०।४० मुक्ति १३।१० शर याम्य ।।

शाके १८२६ द्युवृन्द ३१२ पूर्णिमा ४७।०० आश्लेषा १२।१ शो ८।१२ र ८ माघी स्थित्यर्द्ध ३।२० स्पर्श ४३।४० मुक्ति ५०।२० शर सौम्य ।।

शाके १८२८ द्युवृन्द ११२ पूर्णिमा ३३।७ श्रवणा ५३।३४ आ ४४।४० श १८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।४० स्पर्श २८।२७ मुक्ति ३७।४७ शर याम्य ।।

शाके १८२८ द्युवृन्द २७५ अमावास्या १४।३० उत्तराषाढ़ ५४।४१ ह्र ५८।३६ चं सं माघी स्थित्यर्द्ध ३।०७ स्पर्श १२।२६ मुक्ति ८।२६ शर सौम्य ।।

शाके १८२८ द्युवृन्द २९० पूर्णिमा ३१।५२ पुष्य ३४।३६ प्री ७।१७ मं १९ माघी स्थित्यर्द्ध ३।२४ स्पर्श २८।२८ मुक्ति ३५।१६ शर याम्य ।

शाके १८३० द्युवृन्द ६२ पूर्णिमा ३५।५९ ज्येष्ठा ३३।१८ सा ३।५६ र सं ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।१९ स्पर्श ३४।४० मुक्ति ३७।१८ शर याम्य ।।

शाके १८३० द्युवृन्द २२८ पूर्णिमा ५२।४९ रोहिणी ५५।२४ मि २९।५२ चं २२ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।१४ स्पर्श ५०।३५ मुक्ति ५५।३ शर सौम्य ।।

शाके १८३२ द्युवृन्द २१७ पूर्णिमा ०।५८ कृत्तिका ३५।५९ प ४४।२३ बृ १ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ५६।५० मुक्ति ६५।६ शर याम्य ।।

शाके १८३३ द्यु_वृन्द १६१ अमावास्या ६।३० चित्रा १७।४१ वि २५।६ र ५ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श ४।१ मुक्ति ९।५३ शर सौम्य ॥

शाके १८३४ द्यु_वृन्द ०० पूर्णिमा ५४।४४ उत्तरफल्गुनी १३।२५ वृ ४।५५ चं १९ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।४६ स्पर्श ५१।५८ मुक्ति ५७।३० शर याम्य ॥

शाके १८३४ द्यु_वृन्द ३४३ पूर्णिमा २९।५० उत्तरफल्गुनी ३४।५२ गं १२।४३ श ९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।३५ स्पर्श २५।१५ मुक्ति ३४।२५ शर याम्य ॥

शाके १८३५ द्यु_वृन्द १५४ पूर्णिमा ३०।८ पूर्वभाद्र ५१।२५ शू ३८।२५ चं २९ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श २६।३८ मुक्ति ३५।१८ शर सौम्य ॥

शाके १८३६ द्यु_वृन्द १४३ पूर्णिमा ३४।२२ शतभिषा ४२।२३ सु १९।५३ शु १८ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।४० स्पर्श ३०।४२ मुक्ति ३८।२ शर याम्य ॥

शाके १८३९ द्यु_वृन्द ८१ पूर्णिमा ५५।३० मूल २८।४२ ब्र ३२।३ बु ११ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ४।२९ स्पर्श ५१।१ मुक्ति ५९।५९ शर याम्य ॥

शाके १८४१ द्यु_वृन्द २०७ पूर्णिमा ५९।५० अश्विनी २४।२९ सि २०।२७ शु २१ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ५७।९ मुक्ति ६२।३१ शर याम्य ॥

शाके १८४२ द्यु_वृन्द १९७ पूर्णिमा ३५।२४ अश्विनी ४।१६ व २७।५७ बु ११ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ३०।५८ मुक्ति ३९।५० शर याम्य ॥

शाके १८४३ द्यु_वृन्द १८५ पूर्णिमा ५७।२० रेवती ५७।११ व्या २७।३ र २९ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।४३ स्पर्श ५३।३७ मुक्ति ६१।३ शर सौम्य ॥

शाके १८४४ द्यु_वृन्द १६० अमावास्या १०।१ उत्तरफल्गुनी ३५।१५ शु ३।२९ वृ ४ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श ७।४० मुक्ति १२।३४ शर याम्य ॥

शाके १८४५ द्यु_वृन्द ३१२ पूर्णिमा २९।५७ आश्लेषा २।३४ अ ५५।५२ बु ८ माघी स्थित्यर्द्ध ४।३२ स्पर्श २५।२५ मुक्ति ४४।२९ शर सौम्य ॥

शाके १८४६ द्यु_वृन्द १२३ पूर्णिमा ५१।५१ श्रवणा २८।३९ सौ ३५।२० बृ २८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ४७।१४ मुक्ति ५६।२८ शर याम्य ॥

शाके १८४६ द्यु_वृन्द ३०१ पूर्णिमा ५२।५ पुष्य २।१२ सौ ५०।१८ र २६ माघी स्थित्यर्द्ध ३।२४ स्पर्श ४८।४१ मुक्ति ५५।२९ शर याम्य ॥

शाके १८४७ द्युवृन्द ११२ पूर्णिमा ३१।५ श्रवणा ५१।४२ आ ४३।३० मं १८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।२९ स्पर्श २७।२६ मुक्ति ३४।४४ शर सौम्य ॥

शाके १८४७ द्युवृन्द २७५ अमावास्या १७।५ उत्तराषाढ़ ५५।४७ ह ३७।२७ वृ १ माघी स्थित्यर्द्ध १।१६ स्पर्श १६।३३ मुक्ति १९।११ शर याम्य ॥

शाके १८४९ द्युवृन्द २३८ पूर्णिमा ४३।३३ रोहिणी ४६।१३ सि २१।१ वृ २१ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ३९।६ मुक्ति ४८।०० शर सौम्य ॥

शाके १८५० द्युवृन्द २१३ अमावास्या ३२।५६ विशाखा ५५।३६ सौ २२।२३ च २७ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श २४।५ मुक्ति २९।४५ शर सौम्य ॥

शाके १८५१ द्युवृन्द २५ अमावास्या १६।३ भरणी २१।१० सौ २५।३६ बु २५ वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।४५ स्पर्श १४।७ मुक्ति १७।३७ शर याम्य ॥

शाके १८५२ द्युवृन्द १७६ पूर्णिमा ४६।४७ उत्तरभाद्र ३७।२७ ध्रु ४१।९ मं २० आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।४३ स्पर्श ४५।४ मुक्ति ४८।३० शर सौम्य ॥

शाके १८५३ द्युवृन्द... पूर्णिमा ४९।४६ उत्तरफल्गुनी १०।२० ध्रु २।४ वृ १९ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३३ स्पर्श ४५।१३ मुक्ति ५४।१९ शर याम्य ॥

शाके १८५३ द्युवृन्द १६५ पूर्णिमा ४७।१९ पूर्वभाद्र १३।४१ गं २१।२ श ९ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श ४३।४ मुक्ति ५१।३४ शर सौम्य ॥

शाके १८५३ द्युवृन्द ३४३ पूर्णिमा ३१।५ उत्तरफल्गुनी ३५।४० गं १३।८ मं ९ फल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।५४ स्पर्श २७।११ मुक्ति ३४।५९ शर सौम्य ॥

शाके १८५४ द्युवृन्द १५४ पूर्णिमा ५२।५ शतभिषा ११।२५ धृ ५।४५ बु २८ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।४६ स्पर्श ४८।१६ मुक्ति ५५।५४ शर याम्य ।

शाके १८५५ द्युवृन्द १९९ अमावास्या १५।०० मघा ५७।४१ प ३३।११ चं ४ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श ११।१४ मुक्ति १७।१० शर याम्य ॥

शाके १८५५ द्युवृन्द २९१ पूर्णिमा ३९।१८ पुष्य ३६।२३ प्री ३।४० मं १७ माघी स्थित्यर्द्ध २।१२ स्पर्श ३७।६ मुक्ति ४१।३० शर याम्य ॥

शाके १८५६ द्युवृन्द १०३ पूर्णिमा ३१।५९ उत्तराषाढ़ ३३।६ वि ७।५६ बु १० आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ३।४५ स्पर्श २८।१४ मुक्ति ३५।४४ शर सौम्य ॥

शाके १८५६ द्युवृन्द २८० पूर्णिमा ४३।१३ पुनर्वसु २४।३९ वि ४५।२ श ५ पौषी स्थित्यर्द्ध ३।५६ स्पर्श ३९।१७ मुक्ति ४७।१३ शर सौम्य ॥

शाके १८५७ द्यु वृन्द २६६ पूर्णिमा ४३।७ आर्द्रा २३।३० ऐ ३४।४७ बु २४
पौषी स्थित्यर्द्धं ३।५६ स्पर्श ३९।११ मुक्ति ४७।२ शर सौम्य ॥
शाके १८५८ द्यु वृन्द ६६ अमावास्या १५।४५ मृगशिरा २३।४० गं ३०।२३ शु ५
आषाढी स्थित्यर्द्धं २।२४ स्पर्श १२।२१ मुक्ति १७।१९ शर सौम्य ॥
शाके १८५८ द्यु वृन्द ८१ पूर्णिमा ४५।४६ मूल १६।४५ ब्र २०।४८ श १६
आषाढी स्थित्यर्द्धं २।११ स्पर्श ४३।३५ मुक्ति ४७।५७ शर याम्य ॥
शाके १८६० द्यु वृन्द २०७ पूर्णिमा ५५।४७ अश्विनी १८।४३ सि १७।४५ चं २१
कार्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।२४ स्पर्श ५१।२३ मुक्ति ६०।११ शर याम्य ॥
शाके १८६१ द्युवृन्द १३ पूर्णिमा ३८।२६ स्वाती १७।४५ सि १५।४७ बु १३
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श ३४।२२ मुक्ति ४२।३६ शर याम्य ॥
शाके १८६२ द्यु वृन्द ३३३ पूर्णिमा २८।५१ पूर्वफल्गुनी १६।१७ वृ ३१।५८
बृ २६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।२१ स्पर्श २६।४२ मुक्ति ३३।२४ शर सौम्य ॥
शाके १८६२ द्युवृन्द १४४ पूर्णिमा ४४।८ शतभिषा ४६।४१ सु २०।१९ शु १३
भाद्री स्थित्यर्द्धं २।१९ स्पर्श ४१।४९ मुक्ति ४६।२७ शर याम्य ॥
शाके १८६३ द्युवृन्द १६० अमावास्या ६।२८ उत्तरफल्गुनी ३५।१७ शु २।२
र ४ आश्विनी स्थित्यर्द्धं २।२८ स्पर्श ६।५१ मुक्ति ११।४७ शर याम्य ॥
शाके १८६३ द्युवृन्द ३२२ पूर्णिमा ५६।५६ मघा ३४।४८ सु ४१।२५ चं १८
फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।३१ स्पर्श ५५।२५ मुक्ति ६४।२७ शर सौम्य ॥
शाके १८६५ द्युवृन्द १४३ पूर्णिमा ५०।७ श्रवणा २७।१९ सौ ३३।२३ व २७
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श ४६।१६ मुक्ति ५३।५८ शर सौम्य ॥
शाके १८६६ द्यु वृन्द ६७ अमावास्या १५।८ पुनर्वसु ११।६ ह ७।२६ वृ ४
श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।२५ स्पर्श ११।६ मुक्ति १६।५६ शर याम्य ॥
शाके १८६६ द्युवृन्द २५६ पूर्णिमा ३५।१० आर्द्रा ५८।५६ ब्र ५१।५७ शु १४
पौषी स्थित्यर्द्धं २।११ स्पर्श ३३।५९ मुक्ति ३७।२१ शर सौम्य ॥
शाके १८६७ द्युवृन्द ७२ पूर्णिमा ३६।५८ मूल ५२।५७ शु ३४।२३ चं १०
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ३।५५ स्पर्श ३६।८ मुक्ति ४३।५८ शर याम्य ॥
शाके १८६८ द्यु वृन्द ६१ पूर्णिमा ४७।२० ज्येष्ठा ४७।१६ सा १६।१७ शु २६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।६ स्पर्श ४३।११ मुक्ति ५१।२९ शर सौम्य ॥

शाके १८६८ द्यु वृन्द २३८ पूर्णिमा ४४।२९ रोहिणी ४६।४१ सि २२।१८ शु २२ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ४०।२० मुक्ति ४८।३८ शर याम्य ॥

शाके १८६९ द्यु वृन्द ५० पूर्णिमा ४७।४० अनुराधा ३५।८ सि ५४।२ मं १९ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध १।४ स्पर्श ४६।३६ मुक्ति ४८।४४ शर सौम्य ॥

शाके १८७० द्यु वृन्द ९ पूर्णिमा ३५।४४ चित्रा १८।४८ बृ ३२।२६ शु १० चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श ३२।२९ मुक्ति ३६।३९ शर याम्य ॥

शाके १८७० द्यु वृन्द २५ अमावास्या २।५० भरणी १२।३५ सौ १७।३४ र २७ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।३० स्पर्श ०।१८ मुक्ति ५।१८ शर याम्य ॥

शाके १८७२ द्यु वृन्द ० पूर्णिमा ५२।५६ उत्तरफल्गुनी ११।२२ बृ २।२३ र १९ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।२७ स्पर्श ४९।८ मुक्ति ५६।२ शर याम्य ।

शाके १८७३ द्यु वृन्द ३०२ पूर्णिमा ५८।५२ पुष्य २।५९ सौ ४६।३७ र २७ माघी स्थित्यर्द्ध २।७ स्पर्श ५६।४५ मुक्ति ६०।५९ शर याम्य ॥

शाके १८७३ द्यु वृन्द ३१७ अमावास्या २६।४१ शतभिषा ५४।५ शि २८।२० चं १२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श २४।१८ मुक्ति २९।१२ शर सौम्य ॥

शाके १८७४ द्यु वृन्द ११३ पूर्णिमा ५१।२१ उत्तराषाढ ६।४३ आ ५२।९ मं २० श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।३१ स्पर्श ४७।५० मुक्ति ५४।५२ शर याम्य ॥

शाके १८७४ द्यु वृन्द २९० पूर्णिमा ५६।१८ पुष्य ५६।५२ प्री २७।२ चं १८ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ५२।०७ मुक्ति ६०।३६ शर याम्य ॥

शाके १८७५ द्यु वृन्द १०३ पूर्णिमा ३२।५ उत्तराषाढ ३२।५२ वि ६।३२ र १० आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३८ स्पर्श २७।२७ मुक्ति ३६।४३ शर याम्य ॥

शाके १८७६ द्यु वृन्द ७७ अमावास्या ३५।०० आर्द्रा ५६।१० वृ १८।५१ बु १४ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ३२।५५ मुक्ति ३९।३ शर सौम्य ॥

शाके १८७६ द्यु वृन्द ९३ पूर्णिमा १।५० उत्तराषाढ ४९।४५ वै ५।१३ शु सं आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श ५९।०० मुक्ति ६४।४० शर याम्य ॥

शाके १८७७ द्यु वृन्द ६७ अमावास्या १२।३१ मृगशिरा २०।८ गं २६।५० चं ५ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।११ स्पर्श ७।५३ मुक्ति १२।१७ शर याम्य ॥

शाके १७७७ द्यु वृन्द २२९ पूर्णिमा ४२।२ कृत्तिका २८।३३ शि ४३।१८ मं १३ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।३० स्पर्श ३९।३२ मुक्ति ४४।३२ शर याम्य ॥

शाके १८७७ द्युवृन्द २४४ अमावस्या १७।४५ ज्येष्ठा २५।२ शू ३२।५१ बु २८ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।३६ स्पर्श १५।१ मुक्ति २०।१२ शर याम्य ।।

शाके १८७८ द्युवृन्द ४० पूर्णिमा २९।५० विशाखा ५।२ प ७।२ वृ १० वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२ स्पर्श २४।५८ मुक्ति ४३।२ शर सौम्य ।।

शाके १८७८ द्युवृन्द २१२ अमावास्या २१।४२ अनुराधा १८।३२ सु १८।२६ व १७ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।१४ स्पर्श १९।१८ मुक्ति २३।४६ शर सौम्य ।।

शाके १८७९ द्युवृन्द २९ पूर्णिमा ४७।५० स्वाती १३।५९ व्य ४।६ बं २९ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श ५३।१६ मुक्ति ६१।४४ शर याम्य ।।

शाके १८७९ द्युवृन्द २०७ पूर्णिमा ३५।४७ भरणी ६०।०० व्य ५३।८ वृ २१ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श ३१।५६ मुक्ति ३९।३८ शर सौम्य ।।

शाके १८८० द्युवृन्द ०५ अमावास्या ४।४३ अश्विनी ४७।३८ वि २०।१८ श ६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श २।२७ मुक्ति ६।३७ शर याम्य ।।

शाके १८८० द्युवृन्द ३४४ पूर्णिमा ५०।८ उत्तरफल्गुनी ४९।१० गं २१।१८ मं १० फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ४७।१७ मुक्ति ५२।४९ शर सौम्य ।।

शाके १८८२ द्युवृन्द १४४ पूर्णिमा २९।१७ शतभिषा ३२।१७ शु ८।७ चं १९ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२९ स्पर्श २४।४८ मुक्ति ३३।४६ शर याम्य ।।

शाके १८८२ द्युवृन्द ३०७ अमावास्या २३।२७ धनिष्ठा ३५।६ प २७।५७ बु ३ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।१९ स्पर्श २१।४३ मुक्ति २६।२१ शर सौम्य ।।

शाके १८८२ द्युवृन्द ३२२ पूर्णिमा ३२।११ मघा ६।५६ सु १५।३३ बु ५८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।३० स्पर्श २८।४१ मुक्ति ३५।४१ शर याम्य ।।

शाके १८८४ द्युवृन्द २७० पूर्णिमा ५६।१८ आर्द्रा ३१।३१ ऐ ३७।४३ बु २५ पौषी स्थित्यर्द्ध २।११ स्पर्श ५४।७ मुक्ति ५८।२९ शर सौम्य ।।

शाके १८८५ द्युवृन्द ८३ पूर्णिमा ५६।०१ मूल २१।१८ ब २१।७ श २० आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ३।३७ स्पर्श ५२।२४ मुक्ति ५९।३८ शर याम्य ।।

शाके १८८५ द्युवृन्द २६० पूर्णिमा २७।०० आर्द्रा ५०।६ ब्र ४३।४८ चं १४ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श २२।३४ मुक्ति ३१।२६ शर सौम्य ।।

शाके १८८७ द्युवृन्द २२३ अमावास्या ७।२६ अनुराधा ५३।२६ अ ३४।४४ मं ७ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ४।१३ मुक्ति १०।१४ शर याम्य ।।

शाके १८८८ ध्रु वृन्द २० पूर्णिमा ५२।११ स्वाती ४६।३६ सि २०।२८ बु २०
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।५६ स्पर्श ५०।१५ मुक्ति ५४।७ शर याम्य ॥
शाके १८८८ ध्रु वृन्द ३६ अमावास्या २५।२ कृत्तिका २५।२ धो ५।२१ शु ५
ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श २६।२७ मुक्ति ३१।९ शर सौम्य ॥
शाके १८८९ ध्रु वृन्द ९ पूर्णिमा ३१।१ चित्रा १५।४२ व २८।३५ चं १०
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श २६।३५ मुक्ति ३५।२७ शर याम्य ॥
शाके १८९० ध्रुवृन्द १६१ अमावास्या ३२।४३ उत्तरफल्गुनी ४६।४० शु ७।३६ र
५ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श २९।२५ मुक्ति ३५।२५ शर सौम्य ॥
शाके १८९० ध्रु वृन्द १७५ पूर्णिमा २८।२६ पूर्वभाद्र २६।२८ ध्रु ३२।४० र १९
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श २४।२५ मुक्ति ३२।२७ शर याम्य ॥
शाके १८९१ ध्रु वृन्द १६४ पूर्णिमा ४९।३३ पूर्वभाद्र २६।१८ गं ३२।४४ बृ ८
भाद्री स्थित्यर्द्ध १।२ स्पर्श ४८।४१ मुक्ति ५०।४५ शर याम्य ॥
शाके १८९२ ध्रु वृन्द ११३ पूर्णिमा ५२।६ उत्तराषाढ ७।२४ आ ५२।९ शु १९
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ४७।२९ मुक्ति ५६।४३ शर सौम्य ॥
शाके १८९३ ध्रु वृन्द २९० पूर्णिमा २५।३९ पुष्य २७।२६ प्री १।३६ र १६
माघी स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श २१।४१ मुक्ति २९।३७ शर सौम्य ॥
शाके १८९६ ध्रु वृन्द ६५ पूर्णिमा ५५।३० अनुराधा ३७।५६ सि ५२।१२ मं २०
ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श ' ।१३७ मुक्ति ५९।२३ शर सौम्य ॥
शाके १८९६ ध्रु वृन्द २२६ पूर्णिमा ३६।३३ कृत्तिका २२।२३ शि ३७।३९ शु १३
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ३२।१२ मुक्ति ४०।५४ शर याम्य ॥
शाके १८९७ ध्रु वृन्द २१७ पूर्णिमा ५४।४९ भरणी २८।१८ व ३५।३० मं १
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श ५०।५६ मुक्ति ५८।४२ शर याम्य ॥
शाके १८९८ ध्रु वृन्द १५ अमावास्या २५।५९ अश्विनी १३।५२ प्री ३।१९ बृ १५
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५४ स्पर्श २७।४ मुक्ति ३२।५२ शर सौम्य ॥
शाके १८९८ ध्रु वृन्द २९ पूर्णिमा ५१।१६ स्वाती १।५८ व्य ००।२१ बृ २९
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।४९ स्पर्श ४९।२७ मुक्ति ५३।५ शर याम्य ॥
शाके १८९९ ध्रु वृन्द ४ अमावास्या २८।३६ रेवती २।३३ वि ४३।२२ चं ५
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ०।५२ स्पर्श २८।५२ मुक्ति ३०।३६ शर याम्य ॥

शाके १८६६ द्युवृन्द १७७ पूर्णिमा ४७।५० शतभिषा ७।८ शू ५१।७ शा २६ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ४३।२६ मुक्ति ५२।१५ शर याम्य ॥

शाके १८६६ द्युवृन्द ३३४ पूर्णिमा ४०।१५ उत्तरफल्गुनी ३६।३२ गं १०।२१ शु १० फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ३५।४८ मुक्ति ४४।४२ शर सौम्य ॥

शाके १६०० द्युवृन्द ३३३ पूर्णिमा ५१।६ पूर्वफल्गुनी ३६।११ शू ५६।३६ वं २६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।३३ स्पर्श ४७।३६ मुक्ति ५४।४२ शर याम्य ॥

शाके १६०१ द्युवृन्द १४४ पूर्णिमा २८।१२ शतभिषा ३१।३३ सु ८।३५ बू १६ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श २४।०५ मुक्ति ३२।१६ शर सौम्य ॥

शाके १६०१ द्युवृन्द ३०७ अमावास्या २२।१ धनिष्ठा ३६।११ प ४८।३६ श ३ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श २२।४६ मुक्ति २८।३२ शर याम्य ॥

शाके १६०२ द्युवृन्द १०८ अमावास्या ८।१० पुष्य २३।२ सि ३२।१६ शु १४ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।११ स्पर्श ६।१८ मुक्ति १०।४० शर सौम्य ॥

शाके १६०३ द्युवृन्द २७० पूर्णिमा ४६।१० आर्द्रा २५।२६ ऐ ३१।२७ श २५ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ४४।३४ मुक्ति ५३।२६ शर सौम्य ॥

शाके १६०४ द्युवृन्द २४५ अमावास्या२५।१६ ज्येष्ठा २४।५३ शू ५७।५३ बु २६ पौषी स्थित्यर्द्ध २।३६ स्पर्श २३।१६ मुक्ति २७।३७ शर सौम्य ॥

शाके १६०४ द्युवृन्द २६० पूर्णिमा २७।५३ आर्द्रा ५०।२० ब्र ४३।४२ बृ १४ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श २३।४३ मुक्ति ३२।३ शर याम्य ॥

शाके १६०६ द्युवृन्द २०८ पूर्णिमा ४३।३५ भरणी ६०।०० व्य ५०।४३ बृ २२ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ०।४३ स्पर्श ४२।५२ मुक्ति ४४।१८ शर सौम्य ॥

शाके १६०७ द्युवृन्द २० पूर्णिमा ५०।२४ स्वाती ४७।४० सि १८।५७ श २० वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४६।२ मुक्ति ५४।४६ शर याम्य ॥

शाके १६०७ द्युवृन्द १६७ पूर्णिमा ४२।२१ अश्विनी ५२।५७ व ३१।२५ चं ११ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ३८।१७ मुक्ति ४६।२५ शर सौम्य ॥

शाके १६०८ द्युवृन्द १० पूर्णिमा ३२।३७ चित्रा १६।४३ व २६।३६ बृ १० चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।६ स्पर्श २८।२३ मुक्ति ३६।४१ शर सौम्य ॥

शाके १६०८ द्युवृन्द १८६ पूर्णिमा ४६।४६ रेवती ४६।२६ व्या १८।२ शु २६ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।६ स्पर्श ४२।२७ मुक्ति ५०।४५ शर याम्य ॥

शाके १६०६ द्युवृन्द १६१ अमावस्या ३।७ उत्तरफल्गुनी २८।३१ शु ४७।१ बु ६ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श ०।२६ मुक्ति ६।३ शर सौम्य ।।

शाके १६०९ द्युवृन्द ३२३ पूर्णिमा ३९।३ मघा ७।३८ सु ११।४१ बृ १६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।४४ स्पर्श ३७।१६ मुक्ति ४०।४७ शर याम्य ।।

शाके १६०९ द्युवृन्द ३३८ अमावास्या २।२५ पूर्वभाद्र २।१६ शु ५४।३७ शु ४ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।३४ स्पर्श ५८।५२ मुक्ति ४।०० शर याम्य ।।

शाके १६१० द्युवृन्द १५० अमावस्या ११।१२ पूर्वफल्गुनी २१।३५ सा ३०।२७ र २४ भाद्री स्थित्यर्द्ध ०१।१६ स्पर्श ७।२६ मुक्ति १०।७ शर याम्य ।।

शाके १६१० द्युवृन्द ३१२ पूर्णिमा ३६।३५ मघा ६०।० अ ५२।२५ चं ८ माघी स्थित्यर्द्ध ४।१७ स्पर्श ३२।२८ मुक्ति ४१।०२ शर याम्य ।।

शाके १६११ द्युवृन्द ३०१ पूर्णिमा ४६।५ आश्लेषा ५६।५२ सौ ४३।३२ शु २६ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।५६ स्पर्श ४२।६ मुक्ति ५०।४ शर सौम्य ।।

शाके १६१२ द्युवृन्द ९९ अमावास्या ५।४ पुनर्वसु १।१६ व ४८।३६ र ५ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।२५ स्पर्श ४।४ मुक्ति ६।५४ शर सौम्य ।।

शाके १६१२ द्युवृन्द ११४ पूर्णिमा ३९।२४ श्रवणा ५३।२ आ ३८।१६ चं १६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।२२ स्पर्श ३३।२ मुक्ति ३९।४६ शर याम्य ।।

शाके १६१३ द्युवृन्द २५० पूर्णिमा २५।४६ मृगशिरा ३२।१२ शु ११।१८ श ५ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।३० स्पर्श २३।१६ मुक्ति २८।१६ शर याम्य ।।

शाके १६१४ द्युवृन्द २३६ पूर्णिमा ५८।४३ रोहिणी ५४।३७ सि २२।३६ बु २१ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ५४।२२ मुक्ति ६३।४ शर याम्य ।।

शाके १६१५ द्युवृन्द ५१ पूर्णिमा ३४।१ अनुराधा १८।५० सि ३२।१९ शु २० ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श २९।५० मुक्ति ३८।४२ शर याम्य ।।

शाके १६१७ द्युवृन्द ० पूर्णिमा ३१।२ चित्रा ५४।३३ वृ ४८।४ श १ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श २८।३५ मुक्ति ३३।२९ शर सौम्य ।

शाके १६१७ द्युवृन्द १७६ पूर्णिमा ३९।१७ उत्तरभाद्र २१।१७ ध्रु ३३।४१ र १० आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।४ स्पर्श ३८।३३ मुक्ति ४०।४१ शर याम्य ।।

शाके १६१७ द्युवृन्द १६२ अमावास्या १०।५ चित्रा १४।२० वि १६।१७ मं ६ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श ७।४५ मुक्ति १३।४५ शर सौम्य ।।

शाके १६१८ द्युवृन्द ० पूर्णिमा ६०।०० उत्तरफल्गुनी १०।१७ ध्रु ५४।१३ बु १३ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ५६।११ मुक्ति ६४।५५ शर सौम्य ।।

शाके १६१६ द्यु वृन्द १५५ पूर्णिमा ४८।२० शतभिषा ७।५८ शू ५०।४७ मं २६ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ४४ ८ मुक्ति ५२।३२ शर सौम्य ॥

शाके १६२० द्यु वृन्द २६१ पूर्णिमा ३६।१७ पुष्य ३५।५९ वृ ५।५६ र १७ माघी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श ३७।१२ मुक्ति ४१।२२ शर सौम्य ॥

शाके १६२१ द्यु वृन्द ११८ अमावास्या २४।४२ आश्लेषा ५५।१७ व्य २२ ३२ बु २४ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३ ३४ स्पर्श २१।२६ मुक्ति २८।३७ शर सौम्य ॥

शाके १६२२ द्यु वृन्द ६३ पूर्णिमा ३५।५ पूर्वषाढ १७।३१ वै ३३।२४ र सं आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ३०।२५ मुक्ति ३६।३५ शर सौम्य ॥

शाके १६२३ द्यु वृन्द २७० पूर्णिमा ५०।३४ आर्द्रा २६।३४ ऐ ३२।५ मं २५ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ४६।२६ मुक्ति ५४।४२ शर याम्य ॥

शाके १६२३ द्यु वृन्द ८२ पूर्णिमा ३७।३४ मूल ७।५७ ब्र १२।८ बृ १६ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श ३४।३६ मुक्ति ४०।२६ शर सौम्य ॥

शाके १६२५ द्यु वृन्द ४६ अमावास्या ६।२० रोहिणी ५०।३५ सु २२।५१ श १५ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध १।३५ स्पर्श ७।१० मुक्ति १०।२० शर सौम्य ॥

शाके १६२५ द्यु वृन्द २०७ पूर्णिमा ६०।०० अश्विनी १६।१३ सि १३।२६ श २१ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२ स्पर्श ५७।३७ मुक्ति ६५।४१ शर सौम्य ॥

शाके १६२६ द्यु वृन्द २० पूर्णिमा ५१।५८ स्वाती ४८।४२ सि १६।३ मं २० वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४ १४ स्पर्श ४७।४४ मुक्ति ५६।१२ शर सौम्य ॥

शाके १६२७ द्यु वृन्द १७२ अमावास्या २८।५३ हस्त ६०।०० ब्र ३१।३९ चं १६ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ११२४ स्पर्श २७।३८ मुक्ति ३०।२६ शर याम्य ॥

शाके १६२७ द्युवृन्द १८६ पूर्णिमा २६।४४ रेवती ३०।२६ व्या ४।२० चं सं आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।५० स्पर्श २७।५४ मुक्ति ३१।३४ शर याम्य ॥

शाके १६२७ द्युवृन्द ३३४ पूर्णिमा ५७।५ पूर्वफल्गुनी ३६।२६ शू ५५।२० मं सं फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।२६ स्पर्श ५५।३६ मुक्ति ५८।३१ शर याम्य ॥

शाके १६२७ द्युवृन्द ३४६ अमावास्या २६।३२ उत्तरभाद्र ३४।१४ ब्र ४।५२ बु १५ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।१३ स्पर्श २७।३६ मुक्ति ३२।२ शर सौम्य ॥

शाके १६२८ द्युवृन्द १४५ पूर्णिमा ४८।२६ शतभिषा ४५।३८ सु १६।५१ बृ २० भाद्री स्थित्यर्द्ध २।४४ स्पर्श ४५।४२ मुक्ति ५१।१० शर सौम्य ॥

शाके १९२८ द्युवृन्द ३२२ पूर्णिमा ५५।१२ मघा २८।१७ सु ३४।३७ श १८
फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।१६ स्पर्श ५०।५६ मुक्ति ५९।२८ शर याम्य ॥

शाके १९२८ द्युवृन्द ३३८ अमावास्या २।४७ पूर्वभाद्र ३।१२ शु ५२।२३ चं ४
चैत्री स्थित्यर्द्धं २।२८ स्पर्श ०।४३ मुक्ति ५।३९ शर सौम्य ॥

शाके १९३० द्युवृन्द १०९ अमावास्या ३१।२४ पुष्य ३३।५० सि ३८।५९ शु १५
श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।४७ स्पर्श २८।५६ मुक्ति ३४।३० शर सौम्य ॥

शाके १९३० द्युवृन्द १२४ पूर्णिमा ५४।३२ श्रवणा २२।३२ सौ २४।४० श २६
श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।२० स्पर्श ५१।२ मुक्ति ५८।२ शर याम्य ॥

शाके १९३१ द्युवृन्द ९९ अमावास्या ०३।५२ पुनर्वसु ००।१६ व ४०।१५ बु ५
श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।५० स्पर्श १।७ मुक्ति ६।४७ शर याम्य ॥

शाके १९११ द्युवृन्द २९१ पूर्णिमा ४७।३० मृगशिरा ७।२८ ब्र ५२।४८ वृ १५
पौषी स्थित्यर्द्धं २।५३ स्पर्श ४५।७ मुक्ति ५०।५३ शर याम्य ॥

शाके १९३१ द्युवृन्द २७६ अमावास्या १५।१९ उत्तराषाढ ६०।० हृ ३७।५० शु १
माघी स्थित्यर्द्धं २।३७ स्पर्श १३।५० मुक्ति १९।४ शर याम्य ॥

शाके १९३२ द्युवृन्द २९४ अमावास्या २३।३१ पूर्वाषाढ ५३।३३ ध्रु २५।२
मं १९ पौषी स्थित्यर्द्धं १।३० स्पर्श २३।३२ मुक्ति २५।३२ शर सौम्य ॥

शाके १९३३ द्युवृन्द ६१ पूर्णिमा ५२।४४ ज्येष्ठा ५१।०० सा २२।२६ बु.सं
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।३१ स्पर्श ४७।५० मुक्ति ५६।२५ शर याम्य ॥

शाके १९३३ द्युवृन्द २३९ पूर्णिमा ३५।३ रोहिणी ३२।२३ सा ५९।४०
श २३ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।५६ स्पर्श ३१।७ मुक्ति ३८।५९ शर सौम्य ।

शाके १९३५ द्युवृन्द ११ पूर्णिमा ५०।१७ चित्रा २८।४८ व ३७।४ बु ११
चैत्री स्थित्यर्द्धं २।८ स्पर्श ४८।१९ मुक्ति ५२।२५ शर सौम्य ॥

शाके १९३५ द्युवृन्द १८७ पूर्णिमा ५८।५७ रेवती ५२।१२ व्या १९।५१ शु सं
आश्विनी स्थित्यर्द्धं ०।५३ स्पर्श ५८।४ मुक्ति ५९।५० शर याम्य ॥

शाके १९३६ द्युवृन्द १७६ पूर्णिमा २७।४५ उत्तरभाद्र १९।३ ध्रु २२।५८
बु २० आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।१८ स्पर्श २३।२७ मुक्ति ३२।३ शर याम्य ॥

शाके १९३७ द्युवृन्द ०० पूर्णिमा २९।२४ हस्त ४४।१६ ध्रु २६।२४ श २०
चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।१५ स्पर्श २५।२९ मुक्ति ३२।९ शर याम्य ॥

शाके १९३७ द्यु वृन्द ३२९ अमावास्या ००।१२ पूर्वभाद्र४०।२४ सा १९।१ बु२५
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।१९ स्पर्श ५७।४१ मुक्ति २।१९ शर याम्य ॥
शाके १९३८ द्यु वृन्द ३०३ पूर्णिमा दं ००।२० आश्लेषा ७।५४ शो ४२।१५ श २८
माघी स्थित्यर्द्ध २।१ स्पर्श ५८।१९ मुक्ति ६२।२१ शर सौम्य ॥
शाके १९३९ द्यु वृन्द ११५ पूर्णिमा ४५।५६ श्रवणा ५७।४३ आ ३७।५० चं २०
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श ४३।१९ मुक्ति ४८।३३ शर याम्य ॥
शाके १९३९ द्यु वृन्द २९२ पूर्णिमा ३२।३२ पुष्य २९।४१ प्री ००।२९ बु १६
माघी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श २८।०७ मुक्ति ३६।५७ शर सौम्य ॥
शाके १९४० द्युवृन्द १०३ पूर्णिमा ५१।१२ उत्तराषाढ ९।४३ वि १७।३७ शु १०
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ४६।४५ मुक्ति ५५।३९ शर याम्य ॥
शाके १९४१ द्यु वृन्द ९२ पूर्णिमा ५३।४६ पूर्वाषाढ ३९।५१ वै ५७।१६ मं २९
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।१८ स्पर्श ५०।२८ मुक्ति ५७।०४ शर सौम्य ॥
शाके १९४१ द्युवृन्द २५५ अमावास्या ११।५४ मूल २८।९ वृ ४२।१५ चू ६
पौषी स्थित्यर्द्ध २।२९ स्पर्श ८।४५ मुक्ति १३।४३ शर याम्य ॥
शाके १९४२ द्युवृन्द ६८ अमावास्या. १८।०० मृगशिरा २०।४७ गं २३।२०
र ६ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श १५।४२ मुक्ति २१।३४ शर सौम्य ॥
शाके १९४४ द्युवृन्द २०७ पूर्णिमा ९।२६।५१ भरणी ५०।४६ व्य ४२।५५ मं २१
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श २२।३७ मुक्ति ३१।०५ शर याम्य ॥
शाके १९४५ द्युवृन्द १९६ पूर्णिमा ५०।३५ रेवती ५।३५ व ४६।३५ श १०
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।३ स्पर्श ४८।३२ मुक्ति ५२।३८ शर याम्य ॥
शाके १९४७ द्यु वृन्द १४५ पूर्णिमा ४६।१९ शतभिषा ४३।०६ सु १२।३२ द २०
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ४१।५५ मुक्ति ५०।४३ शर सौम्य ॥
शाके १९४७ द्युवृन्द ३२२ पूर्णिमा २८।०५ मघा ०४।०२ सु ११।२८ मं १८
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।०२ स्पर्श २४।०३ मुक्ति ३२।०७ शर सौम्य ॥
शाके १९४९ द्युवृन्द १०९ अमावास्या ३०।४९ पुष्य ३२।११ सि ३७।३१ चं १५
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।०० स्पर्श २९।०० मुक्ति ३३।०० शर याम्य ॥
शाके १९५० द्यु वृन्द ८३ पूर्णिमा ४५।१२ मूल ११।४३ ब्र ११।२४ बृ २०
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श ४१।४६ मुक्ति ४८।२९ शर सौम्य ॥

शाके १८५० ध्रु वृन्द २६१ पूर्णिमा ४१।३० आर्द्रा ५८।५० व्र ४७।१० र १६
पौषी स्थित्यर्द्धं ४।१८ स्पर्श ३७।१२ मुक्ति ४५।४८ शर याम्य ॥

शाके १८५१ ध्रु वृन्द २४९ पूर्णिमा ५५।१२ मृगशिरा ६०।०० शु ४२।०७ बृ ४
मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।५५ स्पर्श ५१।१७ मुक्ति ५९।७ शर याम्य ॥

शाके १८५१ ध्रु वृन्द ४७ अमावास्या १६।४२ रोहिणी ५०।५६ सु १८।२८ श १६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।२८ स्पर्श १४।०८ मुक्ति १९।६ शर सौम्य ॥

शाके १८५२ ध्रु वृन्द ६१ पूर्णिमा ४८।७ ज्येष्ठा ४६।५३ सा १९।२९ श सं
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ३।६ स्पर्श ४४।५८ मुक्ति ५१।१६ शर याम्य ॥

शाके १८५३ ध्रु वृन्द ३८ अमावास्या १८।२७ कृत्तिका ३८।५९ अ ५६।५० बु ६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।२ स्पर्श १७।३५ मुक्ति २१।३९ शर याम्य ।

शाके १८५४ ध्रु वृन्द ११ पूर्णिमा ३७।३८ चित्रा १५।२२ व २५।५ र ११
चैत्री स्थित्यर्द्धं ४।१२ स्पर्श ३३।२६ मुक्ति ४१।५० शर सौम्य ॥

शाके १८५४ ध्रु वृन्द १८७ पूर्णिमा ४७।४७ रेवती ४३।२ व्या १२।१९ चं १
आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।१५ स्पर्श ४३।३२ मुक्ति ५२।०२ शर याम्य ॥

शाके १८५४ ध्रु वृन्द २०३ अमावास्या १९।२५ स्वाती २९।४३ आ ४३।४६ बु १७
कार्तिकी स्थित्यर्द्धं १।१३ स्पर्श ११।५२ मुक्ति १४।१८ शर सौम्य ॥

शाके १८५५ ध्रु वृन्द ०० पूर्णिमा ४६।१९ हस्त १०।१३ व्या ९।५२ बु सं
चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।५४ स्पर्श ४२।२५ मुक्ति ५०।१३ शर याम्य ॥

शाके १८५५ ध्रु वृन्द १७६ पूर्णिमा २८।२५ उत्तरभाद्र ११।२८ ध्रु २२।५५ श २१
आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।१९ स्पर्श २४।६ मुक्ति ३२।४४ शर सौम्य ॥

शाके १८५५ ध्रु वृन्द ३३९ अमावास्या २५।४९ पूर्वभाद्र १६।३४ शु ८।२९ चं ५
चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।४ स्पर्श २७।१० मुक्ति ३१।१८ शर सौम्य ॥

शाके १८५७ ध्रु वृन्द १४०अमावास्या २।५४ पूर्वफल्गुनी५७।५४ सिं ५०।०० र १५
भाद्री स्थित्यर्द्धं २।५१ स्पर्श ५८।५२ मुक्ति ४।३४ शर सौम्य ॥

शाके १८५७ ध्रु वृन्द २०२ पूर्णिमा ५३।५७ पुष्य ५।१४ सौ ४१।४६ चं २८
माघी स्थित्यर्द्धं ४।१६ स्पर्श ४९।३१ मुक्ति ५८।२२ शर सौम्य ।

शाके १८५८ ध्रु वृन्द २७७ अमावास्या २२।१६ उत्तराषढ़ ६०।०० हृ ३३।३० शु २
माघी स्थित्यर्द्धं २।१० स्पर्श २०।७ मुक्ति २४।२७ शर सौम्य ॥

शाके १६५८ शु वृन्द २६२ पूर्णिमा ३८।५ पुष्य ३०।४६ प्री १।१६ श १७ माघी स्थित्यर्द्धं ४।६ स्पर्श २९।५६ मुक्ति ३८।१४ शर याम्य ॥

शाके १६६१ शु वृन्द ५२ पूर्णिमा ४८।२४ अनुराधा २८।४१ सि ४७।२७ चं २१ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।५ स्पर्श ४४।१९ मुक्ति ५२।२९ शर याम्य ॥

शाके १६६१ शु वृन्द २२६ पूर्णिमा ३९।३३ कृत्तिका २२।२७ शि ३८।४३ बु १३ कार्तिकी स्थित्यर्द्धं ३।५७ स्पर्श ३५।३६ मुक्ति ४३।३० शर सौम्य ॥

शाके १६६२ शु वृन्द ४२ पूर्णिमा २०।३७ अनुराधा ५३।२८ सि ४६।४१ स ११ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ४।२४ स्पर्श २५।१३ मुक्ति ३५।१ शर सौम्य ॥

शाके १६६२ शु वृन्द २१८ पूर्णिमा ४५।३५ भरणी २०।४२ व २७।२५ र २ कार्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।१७ स्पर्श ४१।१८ मुक्ति ४९।५२ शर याम्य ॥

शाके १६६४ शु वृन्द ५ अमावास्या ३।४४ अश्विनी ३१।३७ वि १५।२० र ६ वैशाखी स्थित्यर्द्धं २।६ स्पर्श ०।४३ मुक्ति ४।५५ शर याम्य ॥

शाके १६६४ शु वृन्द ३।४४ पूर्णिमा ३२।२६ उत्तरफल्गुनी ३२।२९ गं ००।३७ बु २९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।११ स्पर्श २८।१५ मुक्ति ३६।३७ शर याम्य ॥

शाके १६६५ शु वृन्द ३३३ पूर्णिमा ४७।४५ पूर्वफल्गुनी ३६।१० शू ५३।१२ र २९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।८ स्पर्श ४३।३७ मुक्ति ५१।५३ शर सौम्य ॥

शाके १६६७ शु वृन्द २८२ पूर्णिमा ३१।४७ पुनर्वसू ११।५६ वि २१।२२ चं ८ पौषी स्थित्यर्द्धं २।२२ स्पर्श २९।२५ मुक्ति ३४।१९ शर याम्य ॥

शाके १६६८ शु वृन्द २७२ पूर्णिमा २।२६ पुनर्वसू ३०।२५ वै २६।५९ श २७ पौषी स्थित्यर्द्धं ४।२१ स्पर्श ५८।५ मुक्ति ६६।४७ शर याम्य ॥

शाके १६७० शु वृन्द ५८ अमावास्या ३०।२१ रोहिणी १५।१३ धृ २।१८ बृ २६ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्धं २।५० स्पर्श ३२।२४ मुक्ति ३८।४ शर सौम्य ॥

शाके १६७१ शु वृन्द २२४ अमावास्या १३।१८ अनुराधा ५०।८ अ २६।३८ बृ ८ मार्गी स्थित्यर्द्धं २।३९ स्पर्श १०।३८ मुक्ति १५।५६ शर याम्य ॥

शाके १६७२ शु वृन्द २१ पूर्णिमा ५७।४७ स्वाती ४८।३४ सि १०।५६ गु २१ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ४।५ स्पर्श ५३।४२ मुक्ति ६१।५२ शर सौम्य ॥

शाके १६७२ ध्रुवृन्द ३६१ अमावास्या ५।२ रेवती १४।६५ वै ३२।५८ मं २७ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।३१ स्पर्श ५८।१५ मुक्ति ३।१७ शर याम्य ॥

शाके १६७३ ध्रुवृन्द १८७ पूर्णिमा ४८।३४ रेवती ४३।२६ व्या १२।३७ वृ १ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४४।१२ मुक्ति ५२।५६ शर सौम्य ॥

शाके १६७४ ध्रुवृन्द २२३ पूर्णिमा ४२।१५ मघा ३३।२८ सु १५।५४ मं १९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।५१ स्पर्श ४०।२४ मुक्ति ४४।६ शर सौम्य ॥

शाके १६७५ ध्रुवृन्द १५० अमावास्या २४।५३ पूर्वफल्गुनी ३२।४ सा ३१।२१ शु २५ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।४७ स्पर्श २६।४ मुक्ति ३१।३८ शर याम्य ॥

शाके १६७६ ध्रुवृन्द ३०२ पूर्णिमा ५६।२० पुष्य ६।२६ सौ ४२।४२ शु २८ माघी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श ५२।१० मुक्ति ६०।३० शर याम्य ॥

शाके १६७९ ध्रुवृन्द २३६ पूर्णिमा ५९।३८ रोहिणी ५४।३३ सि ३८।५२ चं २४ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।५७ स्पर्श ५५।४३ मुक्ति ६३।३७ शर सौम्य ॥

शाके १६८० ध्रुवृन्द ५२ पूर्णिमा ४९।३४ अनुराधा २८।३९ सि ३७।२३ वृ २१ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२९ स्पर्श ४५।५ मुक्ति ५४।३ शर सौम्य ॥

शाके १६८१ ध्रुवृन्द २०४ अमावास्या २४।४५ स्वाती ३२।३९ आ ४३।२ बृ १८ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध १।५६ स्पर्श २३।२५ मुक्ति २७।१७ शर याम्य ॥

शाके १६८१ ध्रुवृन्द २१८ पूर्णिमा ३२।६ भरणी ९।१९ व १५।५५ बु २ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२० स्पर्श २९।४६ मुक्ति ३४।२९ शर याम्य ॥

शाके १६८२ ध्रुवृन्द १५ अमावास्या २६।२० अश्विनी १४।५९ प्री ५।२ शु १६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।३८ स्पर्श २७।५६ मुक्ति ३३।१२ शर सौम्य ॥

शाके १६८२ ध्रुवृन्द १७७ पूर्णिमा ४७।४७ उत्तरभाद्र २५।७ ध्रु ३१।४९ श २१ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।३९ स्पर्श ४६।८ मुक्ति ४९।२६ शर सौम्य ॥

शाके १६८३ ध्रुवृन्द ""पूर्णिमा ५२।४५ उत्तरफल्गुनी १।५ ध्रु ४५।४२ चं २० चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श ४८।३८ मुक्ति ५६।५२ शर याम्य ॥

शाके १६८३ ध्रुवृन्द ५ अमावास्या ५।१७ अश्विनी ४०।४२ वि १६।६ बु ६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।३८ स्पर्श २।११ मुक्ति ७।२७ शर सौम्य ॥

शाके १६८४ ध्रुवृन्द १४१ अमावास्या २६।२१ मघा १२।२५ शि २।५१ र १६ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श २४।२८ मुक्ति २९।१० शर सौम्य ॥

शाके १९८४ द्युवृन्द १५६ पूर्णिमा ४६।६ पूर्वभाद्र ५८।१२ शू ३८।५५ चं सं भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।५९ स्पर्श ४२।७ मुक्ति ५०।५ शर याम्य ॥

शाके १९८४ द्यु वृन्द ३३३ पूर्णिमा ३९।४८ पूर्वफल्गुनी २९।७ शू ४६।१९ बु २९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं १।२२ स्पर्श ३८।२६ मुक्ति ४१।१० शर सौम्य ॥

शाके १९८५ द्यु वृन्द १३१ अमावास्या ००।३१ मघा ३६।१ प ११।४९ शु ६ माद्री स्थित्यर्द्धं ३।० स्पर्श ५६।५८ मुक्ति २।५८ शर सौम्य ॥

शाके १९८५ द्यु वृन्द २९३ पूर्णिमा ५२।५७ पुष्य ४३।५५ प्री ९।५३ श १८ माघी स्थित्यर्द्धं ७।१९ स्पर्श ५०।३८ मुक्ति ५५।१६ शर याम्य ॥

शाके १९८५ द्यु वृन्द ३०८ अमावास्या १५।२५ धनिष्ठा ३१।१९ प ४४।५७ र २ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं २।४४ स्पर्श १३।४५ मुक्ति १९।१३ शर याम्य ॥

शाके १९८६ द्युवृन्द २८२ पूर्णिमा २३।५३ पुनर्वसु २।४७ मि १३।३ बु ८ पौषी स्थित्यर्द्धं ४।१७ स्पर्श १९।३६ मुक्ति २८।१० शर याम्य ॥

शाके १९८७ द्युवृन्द ९३ पूर्णिमा ४५।४३ पूर्वाषाढ़ २९।१० वै ४१।२१ शु सं आषाढ़ी स्थित्यर्द्धं ४।३६ स्पर्श ४१।७ मुक्ति ५०।१९ शर सौम्य ॥

शाके १९८७ द्युवृन्द २७१ पूर्णिमा ३५।५० आर्द्रा ३।२० ऐं ५।४३ चं २६ पौषी स्थित्यर्द्धं ३।५६ स्पर्श ३१।५४ मुक्ति ३९।४६ शर सौम्य ॥

शाके १९९० द्युवृन्द २०८ पूर्णिमा ३०।४ भरणी ४७।१५ व्य ३५।४४ शु २२ कार्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।११ स्पर्श २५।५२ मुक्ति ३४।१५ शर याम्य ॥

शाके १९९१ द्युवृन्द ३९१ अमावास्या ३।२ रेवती २०।४६ वै ३३।४० शु २७ चैत्री स्थित्यर्द्धं २।२५ स्पर्श ५९।३६ मुक्ति ४।२६ शर याम्य ॥

शाके १९९२ द्युवृन्द १८७ पूर्णिमा ४८।११ रेवती ४२।२३ व्या ९।३९ र १ आश्विनी स्थित्यर्द्धं १।२९ स्पर्श ४६।४२ मुक्ति ४९।४० शर याम्य ॥

शाके १९९३ द्युवृन्द १४७ पूर्णिमा ३६।३१ शतभिषा २८।५१ घृ ५२।१६ बु २१ भाद्री स्थित्यर्द्धं ०।५२ स्पर्श ३५।३९ मुक्ति ३७।२३ शर याम्य ॥

शाके १९९३ द्युवृन्द ३२४ पूर्णिमा ३७।२५ मघा १०।१० अ १२।३५ शु १९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।२३ स्पर्श ३३।२ मुक्ति ४१।४८ शर सौम्य ॥

शाके १९९४ द्युवृन्द १३५ पूर्णिमा ३९।१८ धनिष्ठा १८।४९ अ ३१।५३ र १० श्रावणी स्थित्यर्द्धं ४।९ स्पर्श ३५।९ मुक्ति ४३।२७ शर याम्य ॥

शाके १६६४ द्युवृन्द १५० अमावस्या २७।४३ पूर्वफल्गुनी ३०।२५ सा ३३।१८ चं २५ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।४६ स्पर्श २५।३६ मुक्ति २९।८ शर सौम्य ।।

शाके १६६५ द्युवृन्द १२४ पूर्णिमा ४४।५१ श्रावण १३।१ सौ १४।५७ बृ २९ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ४०।५६ मुक्ति ४८।४६ शर सौम्य ।।

शाके १६६५ द्युवृन्द २८७ अमावास्या १७।१७ उत्तराषाढ ४।०१ सि ४६।४६ श १२ माघी स्थित्यर्द्ध २।२६ स्पर्श १४।६ मुक्ति १९।०१ शर याम्य ।।

शाके १६६६ द्युवृन्द १०० अमावास्या ५।३७ पुष्य ५८।१९ व ४१।४२ मं ६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श २।५० मुक्ति ७।० शर याम्य ।।

शाके १६६७ द्युवृन्द ८९ अमावास्या १५।३१ पुनर्वसु ४७।१३ व्या २४।५१ श २५ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध १।११ स्पर्श १३।२३ मुक्ति १५।४५ शर सौम्य ।।

शाके १६६८ द्युवृन्द २३६ पूर्णिमा २८।४ रोहिणी २५।६ सा ५०।५५ बृ २४ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श २३।४६ मुक्ति ३२।२२ शर याम्य ।।

शाके १६६९ द्युवृन्द ५२ पूर्णिमा ३९।२० अनुराधा १७।१ सि २६।५२ श २१ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।१२ स्पर्श ३७।८ मुक्ति ४१।२२ शर सौम्य ।।

शाके १६६६ द्युवृन्द २२८ पूर्णिमा ५३।१० कृत्तिका ४१।१६ प ४।२३ चं १२ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।३१ स्पर्श ५०।३९ मुक्ति ५५।४१ शर याम्य ।।

शाके २००१ द्युवृन्द १७७ पूर्णिमा ४३।२१ उत्तरभाद्र १९।३० ध्रु २६।३१ मं २१ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ३९।९ मुक्ति ४७।३३ शर सौम्य ।।

शाके २००२ द्युवृन्द ···पूर्णिमा २८।१६ हस्त ४०।११ ध्रु २३।३४ बृ २० चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श २४।५ मुक्ति ३२।३३ शर सौम्य ।।

शाके २००३ द्युवृन्द १४१ अमावास्या २४।७ मघा १२।५४ शि ३।३ बु १६ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।२८ स्पर्श २५।२० मुक्ति ३०।१६ शर याम्य ।।

शाके २००४ द्युवृन्द ११५ पूर्णिमा २७।७ श्रवणा ४८।५ आ २९।१ श २० श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।१ स्पर्श ३५।६ मुक्ति ३९।८ शर सौम्य ।

शाके २००४ द्युवृन्द २६३ पूर्णिमा ४४।२८ पुष्य ३४।५६ आ ५५।२० मं १८ माघी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ४०।१२ मुक्ति ४८।४४ शर याम्य ।।

शाके २००५ द्युवृन्द १०४ पूर्णिमा ४।८ उत्तराषाढ १।१७ प्री २६।२५ बृ ११ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ५९।२७ मुक्ति ६८।३९ शर सौम्य ।।

शाके २००५ द्युवृन्द २८१ पूर्णिमा ५५।३५ पुनर्वसु ३५।१४ वि ४८।३ श ७ पौषी स्थित्यर्द्ध ३।५७ स्पर्श ५१।५८ मुक्ति ५९।५२ शर सौम्य ।।

शाके २००६ ग्र_वृन्द २१९ अमावास्या ००।४५ आर्द्रा २१।१३ घ्र_ ३५।१९ चं १७ आषाढी स्थित्यर्द्धं २।३८ स्पर्श ४७।२६ मुक्ति २।४२ धार सौम्य ॥

शाके २००६ ग्र_वृन्द ६३ पूर्णिमा ४४।२ पूर्वाषाढ़ २७।४२ वै ३६।२७ चं सं आषाढी स्थित्यर्द्धं १।५४ स्पर्श ४०।८ मुक्ति ४७।५६ धार याम्य ॥

शाके २००७ ग्र_वृन्द ६८ अमावास्या १।२६ मृगशिरा १३।५ गं १४।२० शु ६ आषाढी स्थित्यर्द्धं २।१४ स्पर्श ३।४५ मुक्ति ८।१३ धार याम्य ॥

शाके २००८ ग्र_वृन्द ४३ पूर्णिमा ५३।१ अनुराधा ५३।१९ शि ४१।५ मं १२ वैशाखी स्थित्यर्द्धं १।४६ स्पर्श २६।१२ मुक्ति ३६।५० धार सौम्य ॥

शाके २००८ ग्र_वृन्द २१९ पूर्णिमा ५०।३६ भरणी २२।१९ व २४।५ शु १ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।९ स्पर्श ४६।२७ मुक्ति ५४।४५ धार याम्य ॥

शाके २००८ ग्र_वृन्द २३५ अमावास्या १२।४१ अनुराधा १।३४ घ्र ५१।२३ शु १९ मार्गी स्थित्यर्द्धं २।२२ स्पर्श १०।१ मुक्ति १४।४५ धार सौम्य ॥

शाके २००९ ग्र_वृन्द ३१ पूर्णिमा ४०।४० विशाखा ४८।३० व २४।१६ श १ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ४।११ स्पर्श ३६।२९ मुक्ति ४४।५१ धार याम्य ॥

शाके २००९ ग्र_वृन्द २०८ पूर्णिमा ३१।६ भरणी ४७।४० व्य ३५।५४ चं २२ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।२५ स्पर्श २६।४१ मुक्ति ३५।३१ धार सौम्य ॥

शाके २०१० ग्र_वृन्द ६ अमावास्या ३१।४० अश्विनी ५३।५४ वि २४।९ ब ५ वैशाखी स्थित्यर्द्धं २।५० स्पर्श २८।१२ मुक्ति ३३।५२ धार सौम्य ॥

शाके २०१० ग्र_वृन्द २० पूर्णिमा ४०।३१ स्वाती ३६।२० सि २।२७ बु २० वैशाखी स्थित्यर्द्धं १।१४ स्पर्श ३९।१७ मुक्ति ४१।४५ धार याम्य ॥

शाके २०११ ग्र_वृन्द १७२ अमावास्या ००।३४ हस्त ३५।४४ ब्र १०।४० मं १५ आश्विनी स्थित्यर्द्धं २।३ स्पर्श ५६।२ मुक्ति २।८ धार सौम्य ॥

शाके २०११ ग्र_वृन्द ३३४ पूर्णिमा ५९।२९ पूर्वफल्गुनी ४३।३ धृ २।३९ गु सं फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।२२ स्पर्श ५५।७ मुक्ति ६३।५१ धार सौम्य ॥

शाके २०१२ ग्र_वृन्द १४६ पूर्णिमा ५५।३६ शतभिषा ५०।४२ सु १५।५२ गु २० भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।२ स्पर्श ५१।३४ मुक्ति ५९।३८ धार याम्य ॥

शाके २०१२ ग्र_वृन्द ३२४ पूर्णिमा ३९।३४ मघा ११।१७ सु १३।२१ चं १९ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।१२ स्पर्श ३५।२२ मुक्ति ४३।४६ धार याम्य ॥

शाके २०१३ ध्रु वृन्द १३५ पूर्णिमा १।३३ शतभिषा ४७।२८ सु ५७।४१ गु १०
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ५७।२९ मुक्ति ६५।३७ शर सौम्य ॥

शाके २०१४ ध्रु वृन्द १२० अमावास्या २६।२८ पुष्य २९।४१ सि २७।४३ र १६
श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।२२ स्पर्श २७।४६ मुक्ति ३०।५० शर याम्य ॥

शाके २०१५ ध्रु वृन्द ८४ पूर्णिमा ४५।३० मूल १०।१३ ब्र ५।३५ बु २१
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।२९ स्पर्श ४२।१ मुक्ति ४८।५९ शर याम्य ॥

शाके २०१५ ध्रु वृन्द २६१ पूर्णिमा ३९।१२ आर्द्रा ५७।५७ ब्र ४३।४४ बु १६
पौषी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श ३५।१६ मुक्ति ४३।८ शर सौम्य ॥

शाके २०१६ ध्रु वृन्द २५० पूर्णिमा ४७।५८ मृगशिरा ५६।२८ शु ३५।३३ मं ४
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ४३।३९ मुक्ति ५२।१७ शर याम्य ॥

शाके २०१७ ध्रुवृन्द ६२ पूर्णिमा ५६।५४ ज्येष्ठा ४९।३४ सा १४।७ शु १
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ५४।१३ मुक्ति ५९।३५ शर सौम्य ॥

शाके २०१८ ध्रुवृन्द ३७ अमावास्या १।५८ कृत्तिका ३०।०० अ ३२।२१ मं ७
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।१७ स्पर्श ००।४२ मुक्ति ३।६ शर याम्य ॥

शाके २०१८ ध्रुवृन्द १९९ पूर्णिमा २९।२२ अश्विनी २९।१५ व ३।१४ बु १३
आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।० स्पर्श २८।२२ मुक्ति ३०।२२ शर सौम्य ॥

शाके २०१९ ध्रुवृन्द ११ पूर्णिमा ३०।०० चित्रा ६।२७ व १५।५२ शु ११
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श २६।७ मुक्ति ३३।५३ शर याम्य ॥

शाके २०१९ ध्रुवृन्द १८९ पूर्णिमा ३।२२ अश्विनी ५१।७ ह ६।२१ चं ३
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ५९।१४ मुक्ति ६७।३० शर सौम्य ।

शाके २०२० ध्रुवृन्द ० पूर्णिमा ४७।३७ हस्त १४।३४ व्या १३।२१ मं सं
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ४३।१६ मुक्ति ५१।५८ शर सौम्य ॥

शाके २०२१ ध्रुवृन्द ३१४ पूर्णिमा ३७।२५ मघा ४६।६ अ ३२।२२ बु १०
माघी स्थित्यर्द्ध २।६ स्पर्श ३५।१९ मुक्ति ३९।३१ शर याम्य ॥

शाके २०२२ ध्रुवृन्द १२५ पूर्णिमा ५४।८ श्रवणा १८।३० सौ १५।५२ सू सं
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ११३२ स्पर्श ५२।३६ मुक्ति ५५।४० शर सौम्य ॥

शाके २०२२ ध्रुवृन्द ३१८ अमावास्या ११।५ शतभिषा ३३।१४ शि ००।५५
चं १४ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।३८ स्पर्श ५८।४६ मुक्ति ४।२ शर सौम्य ॥

शाके २०२४ द्युवृन्द १०५ पूर्णिमा २।४१ श्रावणा ५५।५२ प्री २३।२९ र ११
आषाढी स्थित्यर्द्धं ४।२ स्पर्श ५८।४४ मुक्ति ६६।४८ शर याम्य ॥
शाके २०२५ द्युवृन्द ७८ अमावास्या २१।४० आर्द्रा ४३।४९ वृ ००।३८ बु १६
आषाढी स्थित्यर्द्धं २।३६ स्पर्श २६।५२ मुक्ति ३२।४ शर याम्य ॥
शाके २०२५ द्युवृन्द २५६ अमावास्या १८।२६ मूल २६।१४ वृ ३४।४७ श ११
पौषी स्थित्यर्द्धं २।२७ स्पर्श १६।०० मुक्ति २०।५४ शर याम्य ॥
शाके २०२६ द्युवृन्द ५३ पूर्णिमा ४९।५२ अनुराधा २१।२१ सि २७।६ र २२
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।३७ स्पर्श ४६।१५ मुक्ति ५१।२९ शर सौम्य ॥
शाके २०२७ द्युवृन्द २८ अमावास्या १।२९ भरणी १।१९ शो ४९।५० वृ २८
वैशाखी स्थित्यर्द्धं १।२२ स्पर्श ५९।३५ मुक्ति २।२९ शर सौम्य ॥
शाके २०२७ द्युवृन्द ४२ पूर्णिमा ५६।५८ विशाखा १३।५९ प ८।१९ बृ ११
वैशाखी स्थित्यर्द्धं ४।१८ स्पर्श ५२।४० मुक्ति ६१।१६ शर याम्य ॥
शाके २०२७ द्युवृन्द २१९ पूर्णिमा ५२।८ भरणी २३।२३ व २४।४३ ९ श १
कार्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।२६ स्पर्श ४७।४२ मुक्ति ५६।२४ शर सौम्य ॥
शाके २०२८ द्युवृन्द ३१ पूर्णिमा ५७।१९ स्वाती ४।१२ व २७।३३ प सं
वैशाखी स्थित्यर्द्धं २।२ स्पर्श ५५।१७ मुक्ति ५९।२१ शर याम्य ॥
शाके २०२८ द्युवृन्द २१९ पूर्णिमा २८।५८ भरणी ४६।१२ व्य ३४।३ बृ २२
कार्तिकी स्थित्यर्द्धं १।५५ स्पर्श २७।३ मुक्ति ३०।५३ शर सौम्य ॥
शाके २०२९ द्युवृन्द ···· पूर्णिमा ४२।५ हस्त ४६।१५ ध्रु २८।४५ बृ २१
चैत्री स्थित्यर्द्धं १।१६ स्पर्श ४०।४९ मुक्ति ४३।२१ शर सौम्य ॥
शाके २०२९ द्युवृन्द १८२ अमावास्या २७।२८ हस्त १०।२७ वै ५२।७ र २६
आश्विनी स्थित्यर्द्धं २।१५ स्पर्श २५।५ मुक्ति २९।३५ शर याम्य ॥
शाके २०३० द्युवृन्द ३३५ पूर्णिमा १।४ उत्तरफल्गुनी ४०।३७ गं ४८।४२ र १
फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।१५ स्पर्श ५६।४९ मुक्ति ६५।१९ शर याम्य ॥
शाके २०३२ द्युवृन्द १३४ पूर्णिमा ४१।५३ धनिष्ठा २७।२२ अ ४१।२७ शु १०
श्रावणी स्थित्यर्द्धं १।४२ स्पर्श ४०।११ मुक्ति ४३।३५ शर सौम्य ॥
शाके २०३३ द्युवृन्द २७१ पूर्णिमा ५८।१३ आर्द्रा २४।१४ ऐ २४।४० बु २६
पौषी स्थित्यर्द्धं ३।५९ स्पर्श ५४।१४ मुक्ति ६२।१२ शर सौम्य ॥

शाके २०३४ द्यु वृन्द ८४ पूर्णिमा ४४।३३ मूल ७।५७ श्र २।५८ शा २१ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३८ स्पर्श ३९।५५ मुक्ति ४९।११ शर याम्य ॥

शाके २०३४ द्यु वृन्द २४७ अमावास्या ८।११ ज्येष्ठा ३।१० गं ५४।१५ चं १ पौषी स्थित्यर्द्ध १।४८ स्पर्श ६।४३ मुक्ति १०।१९ शर सौम्य ॥

शाके २०३५ द्यु वृन्द २३६ अमावास्या २३।१२ अनुराधा ३।२९ धृ ४९ २७ शु २० मार्गी स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श २१।३९ मुक्ति २६।२१ शर याम्य ॥

शाके २०३५ द्यु वृन्द २९० पूर्णिमा २६।३८ मृगशिरा ४४।५७ शु २५।४० शु ४ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।३१ स्पर्श २४।७ मुक्ति २९।९ शर याम्य ॥

शाके २०३६ द्यु वृन्द ४७ अमावास्या २८।४९ रोहिणी ५२।०० सु २३।१३ र १७ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श २५।२६ मुक्ति ३१।२८ शर सौम्य ॥

शाके २०३७ द्यु वृन्द २१ पूर्णिमा ४७।५० स्वाती ३८।३५ सि १।११ बु २१ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।४७ स्पर्श ४४।३ मुक्ति ५१।३७ शर याम्य ॥

शाके २०३७ द्यु वृन्द ३७ अमावास्या ३।२१ कृत्तिका २१।१६ सु ३३।३४ शु ७ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ०।३८ मुक्ति ६।२० शर सौम्य ॥

शाके २०३८ द्यु वृन्द १७३ अमावास्या २५।५८ हस्त ४८।१८ व १८।१७ मं १७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।१५ स्पर्श २३।४ मुक्ति २७।३४ शर सौम्य ॥

शाके २०३८ द्यु वृन्द १८८ पूर्णिमा ४१।४ रेवती २९।५९ ध्रु ५०।२६ बु २ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ३६।५२ मुक्ति ४५।१६ शर याम्य ॥

शाके २०३९ द्यु वृन्द ० पूर्णिमा ४२।११ हस्त १०।१५ व्य ९।८ शु सं चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श ३९।४४ मुक्ति ४४।३२ शर सौम्य ॥

शाके २०३९ द्युवृन्द १७७ पूर्णिमा ४२।१३ उत्तराषाढ ९०।८ ध्रु ३१।३९ र २१ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।२ स्पर्श ४१।११ मुक्ति ४३।१५ शर याम्य ॥

शाके २०३९ द्युवृन्द ३२५ पूर्णिमा ५७।२५ मघा २३।४० व्य २०।५० चं २० फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।५६ स्पर्श ५५।५७ मुक्ति ५९।४९ शर याम्य ॥

शाके २०३९ द्युवृन्द ३४० अमावास्या १२।२० पूर्वभाद्र २।३९ शु ५४।५ मं ६ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श ९।५३ मुक्ति १४।४१ शर याम्य ॥

शाके २०४० द्युवृन्द ३१४ पूर्णिमा २६।२७ मघा २९।४८ अ २२।१४ शा १० माघी स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श २२।४२ मुक्ति ३१।१२ शर याम्य ॥

शाके २०४१ द्युवृन्द १२५ पूर्णिमा ४०।३८ श्रवणा ७।५२ सौ ५।४३ र सं
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ३६।१६ मुक्ति ४५।०० शर सौम्य ॥

शाके २०४१ द्युवृन्द ३०३ पूर्णिमा ३५।५० आश्लेषा ३९।३६ सौ १२।३२ बु २९
माघी स्थित्यर्द्ध ४।०० स्पर्श ३१।५० मुक्ति ३९।५० शर सौम्य ॥

शाके २०४४ द्युवृन्द २४० पूर्णिमा ३४।२८ रोहिणी २६।३२ सा ४६।७ र २५
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ३०।२० मुक्ति ३८।३६ शर याम्य ॥

शाके २०४६ द्युवृन्द ३८ अमावास्या ११।३८ भरणी ००।५६ शो ५०।५२ र २८
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५३ स्पर्श ५८।२५ मुक्ति ४।११ शर याम्य ॥

शाके २०४६ द्युवृन्द २१९ पूर्णिमा ४९।८ भरणी १८।४६ ब २०।६ मं ३
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।४ स्पर्श ४७।४ मुक्ति ५१।१२ शर सौम्य ।

शाके २०४८ द्युवृन्द - पूर्णिमा ४०।२५ हस्त ४७।१२ ध्रु २६।५० र २१
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ३६।९ मुक्ति ४४।४१ शर सौम्य ॥

शाके २०४८ द्युवृन्द १६७ पूर्णिमा २९।५९ उत्तरभाद्र ५४।७ व्य ४४।१२ मं ११
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श २६।११ मुक्ति ३३।४७ शर याम्य ॥

शाके २०४८ द्युवृन्द १८२ अमावास्या २७।४१ हस्त १०।३१ वै ५९।८ बु २६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श २४।५६ मुक्ति ३०।१८ शर सौम्य ॥

शाके २०४९ द्युवृन्द १५६ पूर्णिमा ३५।५७ पूर्वभाद्र ४७।२५ शू २८।४६ श सं
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ३१।३८ मुक्ति ४०।१६ शर सौम्य ॥

शाके २०४९ द्युवृन्द ३१९ अमावास्या २१।३ शतभिषा ४१।०० शि ४।३३ चं १५
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।५९ स्पर्श १८।४२ मुक्ति २४।४० शर याम्य ॥

शाके २०५२ द्युवृन्द ९५ पूर्णिमा २।४६ उत्तराषाढ ३७।३७ वि ४१।२ शु २
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३४ स्पर्श ५८।१२ मुक्ति ६७।२० शर याम्य ।

शाके २०५२ द्युवृन्द २७१ पूर्णिमा ३०।४६ पुनर्वसु ६०।०० ऐ १।४० श २६
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श २६।२७ मुक्ति ३५।५ शर याम्य ॥

शाके २०५३ द्युवृन्द २६० पूर्णिमा ५९।३ मृगशिरा २०।३९ शु १३।४९ बु १५
पौषी स्थित्यर्द्ध २।३३ स्पर्श ५६।३० मुक्ति ६१।३६ शर याम्य ॥

शाके २०५५ द्युवृन्द २१० पूर्णिमा ४३।५४ भरणी ५५।५२ व्य ३८।३० बु २३
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श ३९।५१ मुक्ति ४७।५७ शर सौम्य ॥

शाके २०५६ द्युवृन्द १९८ पूर्णिमा ६०।०० अश्विनी ६०।०० व ३३।४८ चं १२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श ५६।२१ मुक्ति ६४।४९ शर याम्य ॥

शाके २०५७ द्युवृन्द १७३ अमावास्या २६।१० हस्त ४८।४८ श १८।३९ शु १७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।३५ स्पर्श २४।१८ मुक्ति २९।२८ शर याम्य ॥

शाके २०५८ द्युवृन्द ३२५ पूर्णिमा ४७।१२ मघा १०।३२ सु ७।५९ बृ २१ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ४३।०० मुक्ति ५१।२४ शर याम्य ॥

शाके २०५९ द्युवृन्द १३५ पूर्णिमा ५९।५३ धनिष्ठा ३९।५१ अ ४९।१० शु ११ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ५५।३७ मुक्ति ६४।९ शर सौम्य ॥

शाके २०५९ द्यु.वृन्द ३१३ पूर्णिमा ५६।३५ आश्लेषा ६।४० अ ५५।४२ चं ९ माघी स्थित्यर्द्ध ३।५९ स्पर्श ५२।३६ मुक्ति ६०।३४ शर सौम्य ॥

शाके २०६० द्यु.वृन्द १२५ पूर्णिमा ४०।१७ श्रवणा ८।४८ सौ ५।५२ बु १ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।१७ स्पर्श ३६।०० मुक्ति ४४।३४ शर याम्य ॥

शाके २०६२ द्यु.वृन्द २५१ पूर्णिमा ५५।५३ रोहिणी १।३६ शु ३३।४३ शु ५ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।९ स्पर्श ५१।४४ मुक्ति ६०।२ शर याम्य ॥

शाके २०६२ द्यु.वृन्द २६७ अमावास्या १३।२७ पूर्वाषाढ २७।१४ ध्रुव ५७।४१ र २२ पौषी स्थित्यर्द्ध २।४० स्पर्श ११।७ मुक्ति १६।२७ शर सौम्य ॥

शाके २०६३ द्यु.वृन्द २४० पूर्णिमा ३६।३ रोहिणी २७।३६ सा ४७।१७ बु २५ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ३१।३७ मुक्ति ४०।२९ शर सौम्य ॥

शाके २०६४ द्यु.वृन्द ३८ अमावास्या २७।५४ कृत्तिका ३३।२९ अ ४०।५८ गु ८ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श २६।१० मुक्ति ३१।४ शर सौम्य ॥

शाके २०६५ द्यु.वृन्द २०४ अमावास्या १।२८ स्वाती १४।५३ आ २३।११ बृ १८ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।३ स्पर्श ५८।४० मुक्ति ४।४६ शर याम्य ॥

शाके २०६६ द्यु.वृन्द २ पूर्णिमा १।२१ चित्रा २०।१८ हु १०।३७ श २ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श ५७।११ मुक्ति ६५।२१ शर सौम्य ।

शाके २०६६ द्यु.वृन्द १७८ पूर्णिमा ४७।५१ उत्तरभाद्र२०।२२ ध्रु. २७।२५ र २२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।४१ स्पर्श ४४।१० मुक्ति ५१।३२ शर याम्य ॥

शाके २०६७ द्यु.वृन्द ···· पूर्णिमा ४१।५२ हस्त ४०।१८ ध्रु. २७।८ बु २१ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ३७।३२ मुक्ति ४६।१२ शर याम्य ॥

शाके २०६७ द्यु.वृन्द १६६ पूर्णिमा ५४।३६ पूर्वभाद्र १८।८ गं १५।६ बृ ११ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ५०।१३ मुक्ति ५८।५९ शर सौम्य ॥

शाके २०६८ द्यु_वृन्द १४२ अमावास्या १५।५५ पूर्वफल्गुनी ६०।०० सि ४२।४४ मं १७ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।१० स्पर्श १४।४५ मुक्ति १७।५ शर याम्य ॥

शाके २०६९ द्यु_वृन्द ११६ पूर्णिमा ४१।१० श्रवणा ४६।३५ आ २७।३५ शु २२ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।३० स्पर्श ३९।१० मुक्ति ४४।१० शर याम्य ॥

शाके २०६९ द्यु_वृन्द १३१ अमावस्या २१।३८ मघा ५५।६ प २३।३५ श ६ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श १८।४४ मुक्ति २४।२६ शर सौम्य ॥

शाके २०६६ द्यु_वृन्द २६३ पूर्णिमा ३९।२ पुष्य २८।३७ आ ३९।२१ र १८ माघी स्थित्यर्द्ध ३।५७ स्पर्श ३५।५ मुक्ति ४२।५९ शर सौम्य ॥

शाके २०७० द्यु_वृन्द २८२ पूर्णिमा ५०।५३ पुनर्वसु ३२।४ वि ४४।१ बृ ७ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४६।३१ मुक्ति ५५।१५ शर याम्य ॥

शाके २०७१ द्यु_वृन्द ९४ पूर्णिमा ४८ २ पूर्वाषाढ २३।२३ वै ३२।६ र १ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श ४४।२८ मुक्ति ५१ ३६ शर सौम्य ॥

शाके २०७४ द्यु_वृन्द ३२ पूर्णिमा ४५।३७ विशाखा ५१।३६ व २९।१९ बु १ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४१।५ मुक्ति ५०।९ शर सौम्य ॥

शाके २०७५ द्यु_वृन्द ३४६ पूर्णिमा ३९।४५ उत्तरफल्गुनी २८।२७ वृ ४१।३७ शु १२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।२५ स्पर्श ३८।४० मुक्ति ४१।१० शर याम्य ॥

शाके २०७६ द्यु_वृन्द ३५० अमावास्या १।१२ उत्तरभाद्र ९।१९ ब्र १२।५४ बु १६ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श ५८।१९ मुक्ति ३।५६ शर सौम्य ॥

शाके २०७८ द्यु_वृन्द १३६ पूर्णिमा ५९।३६ धनिष्ठा ४४।११ सु ४९।१६ चं ११ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ५५।१५ मुक्ति ६३।५७ शर याम्य ॥

शाके २०७९ द्यु_वृन्द ११० अमावास्या १५।३१ पुष्य १६।३४ सि १७।२८ शु १६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श १२।२ मुक्ति १७।२६ शर सौम्य ॥

शाके २०७९ द्यु_वृन्द १२५ पूर्णिमा ४०।२९ श्रवणा ६।२३ सौ ३।३६ श १ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।२ स्पर्श ३९।२६ मुक्ति ४१।३१ शर याम्य ॥

शाके २०७९ द्यु_वृन्द २८८ अमावास्या २४।४१ उत्तराषाढ ३।१४ सि ४३।३७ चं १४ माघी स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श २१।१२ मुक्ति २७ ८ शर याम्य ॥

शाके २०८० द्युवृन्द ८५ पूर्णिमा ४०।१३ पूर्वाषाढ़ ५६।६ ऐ ४५।२० मं २२ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध २।३३ स्पर्श ३७।४० मुक्ति ४२।४६ शर याम्य ॥

शाके २०८१ द्युवृन्द ७४ पूर्णिमा ४५।२० मूल ५०।५५ शु २४।४६ श १२ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ४०।५३ मुक्ति ४६।४७ शर सौम्य ॥

शाके २०८१ द्युवृन्द २५१ पूर्णिमा ५७।५८ रोहिणी २।४१ शु ३४।४० चं ५ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ५३।३१ मुक्ति ६२।२५ शर सौम्य ॥

शाके २०८२ द्युवृन्द ६३ पूर्णिमा ४८।१० ज्येष्ठा ४०।४८ सा ५।२ बु १ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श ४४।५३ मुक्ति ५११७ शर याम्य ॥

शाके २०८२ द्युवृन्द २४१ पूर्णिमा ३१।३७ रोहिणी २२।५६ सा ४३।९ श २५ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।१० स्पर्श २९।२७ मुक्ति ३३।४७ शर सौम्य ॥

शाके २०८४ द्युवृन्द २ पूर्णिमा २।३३ चित्रा २१।२५ ह १।१९ मं ३ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ५८।८ मुक्ति ६६।५८ शर याम्य ॥

शाके २०८६ द्युवृन्द १६६ पूर्णिमा ३९।२३ पूर्वभाद्र ६।०० गं ३।३४ र ११ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श ३६।३३ मुक्ति ४२।१३ शर सौम्य ॥

शाके २०८७ द्युवृन्द १२७ पूर्णिमा ०।१५ धनिष्ठा १८।१ शो ७।१७ बृ २ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।३ स्पर्श ५८।१२ मुक्ति ६२।१८ शर याम्य ॥

शाके २०८७ द्युवृन्द ३०३ पूर्णिमा ५९।५ आश्लेषा ६०।०० सौ ३२।५ शु २९ माघी स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ५५।१० मुक्ति ६३।०० शर सौम्य ॥

शाके २०८८ द्युवृन्द ११९ पूर्णिमा ३९।३९ श्रवणा ४४।३७ आ २१।११ चं २२ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ३५।१८ मुक्ति ४४।०० शर याम्य ॥

शाके २०८८ द्युवृन्द २७९ अमावास्या १३।१९ उत्तराषाढ़ ३९।३२ ह ५।७ बु ४ माघी स्थित्यर्द्ध २।२६ स्पर्श १०।५९ मुक्ति १५।५७ शर सौम्य ॥

शाके २०८९ द्युवृन्द २६८ अमावास्या २४।५२ पूर्वाषाढ़ ३९।२७ व्या ५५।२३ र २३ पौषी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श २१।४६ मुक्ति २७।१० शर याम्य ॥

शाके २०८९ द्युवृन्द २८३ पूर्णिमा ४२।३३ पुनर्वसु १९।८ वि ३५।४७ र ७ पौषी स्थित्यर्द्ध २।३४ स्पर्श ३९।५९ मुक्ति ४५।७ शर सौम्य ॥

शाके २०९० द्युवृन्द ७९ अमावास्या २३।२१ आर्द्रा ३२।५४ ध्रु ३७।५० मं १७ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श २०।५० मुक्ति २६।३० शर याम्य ॥

शाके २०६१ द्यु वृन्द ५३ पूर्णिमा ३६।२ अनुराधा ११।५६ सि १७।८ शु २२
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।१६ स्पर्श २५।४६ मुक्ति ४२।१८ शर याम्य ॥

शाके २०६१ द्यु वृन्द ६६ अमावास्या ५८।३० मृगशिरा १।५८ गं ००।३१ र ७
आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध ३।०० स्पर्श ५५।७२ मुक्ति १।२७ शर याम्य ॥

शाके २०६१ द्यु वृन्द २३१ पूर्णिमा २६।२ रोहिणी ६०।०० शि ३।५ मं १५
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श २२।०७ मुक्ति २९।५७ शर सौम्य ॥

शाके २०६२ द्युवृन्द २०५ अमावास्या २८।१८ स्वाती २८।१० आ ३१।३२
वृ १९ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श २६।१९ मुक्ति ३०।४९ शर सौम्य ॥

शाके २०६२ द्यु वृन्द २२० पूर्णिमा २९।१ भरणी ००।५६ प ५९।१५ बु ४
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१७ स्पर्श ३४।४४ मुक्ति ४३।१८ शर याम्य ॥

शाके २०९३ द्यु वृन्द ३२ पूर्णिमा ४१।४१ विशाखा ०७।१७ व २५।५४ र २
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।१४ स्पर्श ३८।२७ मुक्ति ४४।५१ शर सौम्य ॥

शाके २०६३ द्यु वृन्द १९५ अमावास्या ००।३२ स्वाती ५३।१ प्री ४२।५५ मं ९
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध १।५८ स्पर्श ५८।३० मुक्ति २।२६ शर सौम्य ॥

शाके २०६३ द्यु वृन्द २०९ पूर्णिमा ३८।२७ भरणी ५६।२४ व्य ४१।२ मं २३
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध १।५५ स्पर्श ३६।४२ मुक्ति ४०।३२ शर याम्य ॥

शाके २०६४ द्यु वृन्द ६ अमावास्या ५।५७ अश्विनी ३९।२२ वि ६।९ बृ ७
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।५ स्पर्श ४।३६ मुक्ति ६।४६ शर याम्य ॥

शाके २०६५ द्यु वृन्द १५७ पूर्णिमा ३७।३३ पूर्वभाद्र ४३।२९ शू २२।८ मं १
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ३३।२९ मुक्ति ४१।३७ शर सौम्य ॥

शाके २०६५ द्यु वृन्द ३३५ पूर्णिमा ३४।४६ पूर्वफल्गुनी ११।२२ शू २१।५६ शु १
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।६ स्पर्श ३०।४० मुक्ति ३८।५२ शर सौम्य ॥

शाके २०६६ द्यु वृन्द १३२ अमावास्या २८।३९ मघा ५४।३१ प १८।५१ श ७
भाद्री स्थित्यर्द्ध १।४६ स्पर्श २६।३९ मुक्ति ३०।११ शर सौम्य ॥

शाके २०६७ द्यु वृन्द १३६ पूर्णिमा ५९।१५ धनिष्ठा ३९।२७ सु ४८।४४ बृ ११
श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।२३ स्पर्श ५७।५२ मुक्ति ६०।३८ शर याम्य ॥

शाके २०६८ द्यु वृन्द ९५ पूर्णिमा ५६।३५ पूर्वाषाढ़ २६।३० वै ३०।३७ र २
आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध १।५५ स्पर्श ५४।४० मुक्ति ५८।३० शर सौम्य ॥

शाके २०९८ ग्र.वृन्द २७२ पूर्णिमा ३९।३५ आर्द्रा ५।५० ऐ २।३४ मं २८ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।९ स्पर्श ३५।२६ मुक्ति ४३।४४ शर याम्य ॥

शाके २०९९ ग्र.वृन्द ८४ पूर्णिमा ६०।०० मूल १६।१६ ब्र ९।१३ बु २१ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ५५।५१ मुक्ति ६४।१३ शर सौम्य ॥

शाके २१०० ग्र.वृन्द २५१ पूर्णिमा ५२।२१ मृगशिरा ५४।३४ शु २८।४४ शु ५ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।१३ स्पर्श ५०।८ मुक्ति ५४।३४ शर सौम्य ॥

शाके २१०१ ग्र.वृन्द ४९ अमावास्या ३२।१८ रोहिणी ५३।१७ शु १६।१६ श १८ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।१३ स्पर्श ३०।३५ मुक्ति ३५।१ शर याम्य ॥

शाके २१०२ ग्र.वृन्द २२ पूर्णिमा ४१।२ स्वाती २८।३१ व्य ४३।३७ मं २३ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श ३७।१ मुक्ति ४५।३ शर सौम्य ॥

शाके २१०३ ग्र.वृन्द १८८ पूर्णिमा ३२।४८ रेवती २२।५ ह ४१।५ मं २ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श २८।१८ मुक्ति ३७।१८ शर सौम्य ॥

शाके २१०३ ग्र.वृन्द ३५१ अमावास्या २२।४७ उत्तरभाद्र १८।२२ ब्र १७।८ बु १७ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श १९।२७ मुक्ति २५।७ शर सौम्य ॥

शाके २१०४ ग्र.वृन्द १ पूर्णिमा ५३।२२ हस्त १२।५१ व्या ६।१८ बु २ चैत्री स्थित्यर्द्ध १।५२ स्पर्श ५१।३० मुक्ति ५५।१४ शर याम्य ॥

शाके २१०४ ग्र.वृन्द १७७ पूर्णिमा ५९।४० उत्तरभाद्र २८।७ ध्रु ४६।२३ शु २१ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ५६।३६ मुक्ति ६२।४४ शर सौम्य ॥

शाके २१०६ ग्र.वृन्द १२६ पूर्णिमा ५७।१३ श्रवणा १६।३५ सौ ९।०० श २ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श ५२।५८ मुक्ति ६१।२८ शर याम्य ॥

शाके २१०६ ग्र.वृन्द २०३ पूर्णिमा ३३।३१ आश्लेषा ३६।१५ सौ १०।१५ च २९ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श २९।८ मुक्ति ३७।५४ शर याम्य ॥

शाके २१०६ ग्र.वृन्द ६४ पूर्णिमा ५१।५७ ज्येष्ठा ४४।४४ सा ५।३५ बु २ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श ५३।५९ मुक्ति ५९।५५ शर याम्य ॥

शाके २१०८ ध्रु_बृन्द ८० अमावास्या २३।४५ आर्द्रा २३।१७ ध्रु ४३।४० शु १७ आषाढी स्थित्यर्द्धं १।४० स्पर्श २२।६ मुक्ति २४।२६ शर सौम्य ॥

शाके २१०९ ध्रु_बृन्द २४२ पूर्णिमा ४७।५ रोहिणी ३२।१५ सा ४७।५६ श २६ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।५५ स्पर्श ४३।१० मुक्ति ५१।०० शर सौम्य ॥

शाके २११० ध्रु_बृन्द २३० पूर्णिमा ५८।२८ कृत्तिका ३२।५३ शि ४१।१४ बु १४ मार्गी स्थित्यर्द्धं ४।१९ स्पर्श ५४।९ मुक्ति ६२।४७ शर याम्य ॥

शाके २१११ ध्रु_बृन्द ४३ पूर्णिमा ००।५० अनुराधा १९।१७ शि ६।६ श १२ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।२८ स्पर्श ५७।२२ मुक्ति ६४।१८ शर सौम्य ॥

शाके २१११ ध्रु_बृन्द २१९ पूर्णिमा ५६।५८ भरणी २१।४२ व २२।४ र ३ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं २।६ स्पर्श ५४।५२ मुक्ति ५६।४ शर याम्य ॥

शाके २११२ ध्रु_बृन्द १७ अमावास्या ३१।५० अश्विनी ७।४३ आ ५०।४० मं १७ वैशाखी स्थित्यर्द्धं २।५४ स्पर्श २८।१६ मुक्ति ३४।४ शर सौम्य ॥

शाके २११३ ध्रु_बृन्द···· पूर्णिमा ४५।५१ हस्त ४७।३० ध्रु १९।४७ श २२ चैत्री स्थित्यर्द्धं ४।०० स्पर्श ४१।५१ मुक्ति ४९।५१ शर याम्य ॥

शाके २११३ ध्रु_बृन्द १६८ पूर्णिमा ५७।३४ पूर्वभाद्र १९।४ गं १२।७ र १२ भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।५९ स्पर्श ५३।३५ मुक्ति ६१।३३ शर सौम्य ॥

शाके २११३ ध्रु_बृन्द ३४६ पूर्णिमा ५३।३८ उत्तरफल्गुनी ४३।५२ गं ४।३५ बु ११ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।८ स्पर्श ४९।३० मुक्ति ५७।४६ शर सौम्य ॥

शाके २११४ ध्रु_बृन्द १५७ पूर्णिमा ३८।२५ पूर्वभाद्र ४।५२ धृ २२।२१ शु २ भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।३० स्पर्श ३३।५५ मुक्ति ४२।५५ शर याम्य ॥

शाके २११४ ध्रु_बृन्द ३३४ पूर्णिमा ५२।३ पूर्वफल्गुनी ३२।३ धृ ४५।१० र सं फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं १।१४ स्पर्श ५०।४९ मुक्ति ५३।१७ शर सौम्य ॥

शाके २११५ ध्रु_बृन्द ३१० अमावास्या ५९।४४ धनिष्ठा ८।१२ प १२।४ शु ६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं २।१५ स्पर्श ५७।१८ मुक्ति १।४८ शर याम्य ॥

शाके २११४ द्युवृन्द १२१ अमावास्या १८।५१ आश्लेषा ३३।७ व ४६।२६ शा २६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।४६ स्पर्श १६।५५ मुक्ति २०।३३ शर याम्य ।।

शाके २११५ द्युवृन्द २८४ पूर्णिमा १।४८ पुष्य ३४।३८ प्री ३६।५१ चं ६ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श ५७।४१ मुक्ति ६५।५५ शर याम्य ।।

शाके २११६ द्युवृन्द २६६ अमावास्या १४।६ श्रवणा ८।५८ व्य ४।२३ मं २४ माघी स्थित्यर्द्ध ९।२३ स्पर्श ११।५८ मुक्ति १७।४ शर सौम्य ।।

शाके २११७ द्युवृन्द २७२ पूर्णिमा ४१।२८ आर्द्रा ८।५४ ऐ ३।१० बु २८ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ३०।१ मुक्ति ४५।५५ शर सौम्य ।।

शाके २११९ द्युवृन्द २३६ अमावास्या ६।१३ ज्येष्ठा ५०।२२ शू ३३।२६ शा २० मार्गी स्थित्यर्द्ध २।२० स्पर्श ४।४३ मुक्ति ९।२३ शर याम्य ।।

शाके २१२० द्युवृन्द २४ पूर्णिमा १।११ विशाखा १।१८ प २७।२६ चं ४ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श ५७।१८ मुक्ति ६५।४ शर सौम्य ।।

शाके २१२० द्युवृन्द २१० पूर्णिमा ४४।६ भरणी ५६।१४ व्य ३६।२५ मं २४ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।२८ स्पर्श ४०।३८ मुक्ति ४७।३४ शर याम्य ।।

शाके २१२१ द्युवृन्द २२ पूर्णिमा ४२।३ स्वाती २८।३७ व्य ४३।५४ बु २२ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ३७।२२ मुक्ति ४६।३४ शर याम्य ।।

शाके २१२१ द्युवृन्द १९८ पूर्णिमा ५२।५२ अश्विनी ५४।१९ व २७।१६ श १२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ४८।२१ मुक्ति ५७।२३ शर सौम्य ।।

शाके २१२२ द्युवृन्द १६३ अमावास्या ६।४५ उत्तरफल्गुनी २३।५७ शु २६।८ चं ७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ३।५५ मुक्ति ९।५७ शर सौम्य ।।

शाके २१२३ द्युवृन्द ३२५ पूर्णिमा ३९।३१ मघा १।४५ धृ ५८।१८ मं २१ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।५० स्पर्श ३५।४२ मुक्ति ४३।२२ शर सौम्य ।।

शाके २१२४ द्युवृन्द ३१४ पूर्णिमा ५५।८ आश्लेषा ९।३४ अ ५२।५४ शा ९ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ५०।४२ मुक्ति ५९।३३ शर याम्य ।।

शाके २१२५ द्युवृन्द १२६ पूर्णिमा २८।२ धनिष्ठा ५६।१३ धौ ४७।४६ मं २ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श ३३।५७ मुक्ति ४२।७ शर सौम्य ॥

शाके २१२५ द्युवृन्द ३०३ पूर्णिमा २६।२१ आश्लेषा २६।२ सौ ४।४६ वृ २६ माघी स्थित्यर्द्ध २।३८ स्पर्श २३।४३ मुक्ति २८।५६ शर याम्य ॥

शाके २१२८ द्युवृन्द ६४ पूर्णिमा ४०।१७ ज्येष्ठा २६।३८ शु ४७।६ श २ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ३५।४१ मुक्ति ४४।५३ शर याम्य ॥

शाके २१३१ द्युवृन्द १७ अमावास्या ५६।४४ भरणी ४६।३४ आ २८।२७ शु १७ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ५६।२ मुक्ति २।४ शर याम्य ॥

शाके २१३२ द्युवृन्द १६८ पूर्णिमा ५८।३२ पूर्वभाद्र २०।११ गं १२।४६ बु १२ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।३२ स्पर्श ५४।०० मुक्ति ६३।४ शर याम्य ॥

शाके २१३३ द्युवृन्द १४२ अमावास्या ४।१६ पूर्वफल्गुनी ५२।१८ सि ३३।१७ र १७ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।५६ स्पर्श २।५२ मुक्ति ६।४४ शर याम्य ॥

शाके २१३३ द्युवृन्द १५७ पूर्णिमा ३७।३० पूर्वभाद्र ४३।४ शू २०।१ चं २ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।२३ स्पर्श ३५।१२ मुक्ति ३६।५८ शर याम्य ॥

शाके २१३३ द्युवृन्द ३२० अमावास्या २८।२ शतभिषा ४०।२६ सि ५४।३८ बु १६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।४६ स्पर्श २५।२२ मुक्ति ३१।०० शर सौम्य ॥

शाके २१३५ द्युवृन्द १०६ पूर्णिमा ३२।३१ उत्तराषाढ २०।३८ प्री ४१।१ चं १२ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श २८।२५ मुक्ति ३६।३७ शर सौम्य ॥

शाके २१३५ द्युवृन्द २८४ पूर्णिमा ३।२३ पुष्य २५।४३ प्री ३७।३० बृ ६ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ५८।५६ मुक्ति ६७।५० शर सौम्य ॥

शाके २१३६ द्युवृन्द ९५ पूर्णिमा ३८।५ पूर्वाषाढ १३।५६ वै २२।३४ शु १ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श ३४।७ मुक्ति ४२।३ शर याम्य ॥

शाके २१३६ द्युवृन्द २७३ पूर्णिमा २४।३ पुनर्वसु ५७।३२ वै ५०।१२ चं २८ पौषी स्थित्यर्द्ध २।१५ स्पर्श ३१।४८ मुक्ति ३६।१८ शर सौम्य ॥

शाके २१३८ द्युवृन्द २२० पूर्णिमा ५९।५६ भरणी २१।५६ व १७।१५ र ४ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।२७ स्पर्श ५५।५६ मुक्ति ६२।३६ शार याम्य ॥

शाके २१३८ द्युवृन्द २३६ अमावास्या ६।१२ ज्येष्ठा ५०।३ घृ ३३।१९ मं २० मार्गी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ४।२० मुक्ति ९।४२ शार सौम्य ॥

शाके २१३९ द्युवृन्द ३४ पूर्णिमा १।३३ विशाखा १।१७ प २७।५० वृ ४ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ५६।५७ मुक्ति ६६।९ शार याम्य ॥

शाके २१४० द्युवृन्द १९९ पूर्णिमा ४०।१६ अश्विनी ४२।१९ व १५।२४ मं १२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ३६।५७ मुक्ति ४३।३५ शार सौम्य ।

शाके २१४१ द्युवृन्द ३३५ पूर्णिमा ५०।५० पूर्वफल्गुनी ३४।९ शू ४२।१७ र १ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श ५५।२ मुक्ति ६२।३८ शार सौम्य ॥

शाके २१४२ द्युवृन्द १४८ पूर्णिमा ३३।५९ शतभिषा २०।४४ धृ ३७।०० बु २३ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२ स्पर्श २९।५७ मुक्ति ३८।१ शार याम्य ॥

शाके २१४२ द्युवृन्द ३११ अमावास्या १५।४६ धनिष्ठा १४।३६ प १३।३७ शु ७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध १।५२ स्पर्श १५।७ मुक्ति १८।५१ शार सौम्य ॥

शाके २१४३ द्युवृन्द १३७ पूर्णिमा ५५।२३ धनिष्ठा २७।३५ अ ३३।४० र १२ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।११ स्पर्श ५१।१२ मुक्ति ५९।३४ शार सौम्य ॥

शाके २१४३ द्युवृन्द ३०० अमावास्या २३।३५ श्रवणा ९।१७ व्य ०।३१ मं २५ माघी स्थित्यर्द्ध ३।०० स्पर्श २०।५६ मुक्ति २६।५६ शार याम्य ॥

शाके २१४३ द्युवृन्द ३१४ पूर्णिमा ४८।३८ आश्लेषा ५।२९ सु ४७।१२ मं १० माघी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श ४६।५ मुक्ति ५१।२९ शार याम्य ॥

शाके २१४४ द्युवृन्द १११ अमावास्या १८।५३ पुष्य १३।५४ सि १०।२५ बृ १८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४ स्पर्श १६।३५ मुक्ति २०।४५ शार याम्य ॥

शाके २१४५ द्युवृन्द २६३ पूर्णिमा २८।४१ आर्द्रा ३५।४८ ब्र १३।२३ बु १८ पौषी स्थित्यर्द्ध ३।५४ स्पर्श २४।४७ मुक्ति ३२।३५ शार सौम्य ॥

शाके २१४५ द्यु वृन्द ७४ पूर्णिमा ५८।३३ ज्येष्ठा ४।२९ शु ३४।३० बृ १३
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ५४।२ मुक्ति ६३।४ शार याम्य ॥

शाके २१४६ द्यु वृन्द २५२ पूर्णिमा ९८।१६ मृगशिरा ३९।१८ शु ४।१९ र ७
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ३३।५७ मुक्ति ४२।३५ शार याम्य ॥

शाके २१४७ द्यु वृन्द ६४ पूर्णिमा ३८।३९ ज्येष्ठा २८।४ शु ४४।५१ मं २
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।५३ स्पर्श ३४।४६ मुक्ति ४२।३२ शार सौम्य ॥

शाके २१४७ द्यु वृन्द २२७ अमावास्या ५।४९ अनुराधा ३२।५३ शु १।४४ बृ ११
मार्गी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श २।१९ मुक्ति ७।४३ शार सौम्य ॥

शाके २१४७ द्यु वृन्द २४१ पूर्णिमा ३७।७ रोहिणी २६।५ सा ४७।१३ बृ २५
मार्गी स्थित्यर्द्ध २।१२ स्पर्श २४।५५ मुक्ति ३९।१९ शार याम्य ॥

शाके २१४९ द्यु वृन्द १८९ पूर्णिमा ३८।२३ रेवती २३।२० ह ३६।४२ बृ ३
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।५० स्पर्श २४।३३ मुक्ति ४२।१३ शार सौम्य ॥

शाके २१५० द्यु वृन्द २ पूर्णिमा ३०।१५ चित्रा ४९।२ ह ३४।१९ र ३
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श २५।४८ मुक्ति ३४।२४ शार सौम्य ॥

शाके २१५१ द्यु वृन्द १५३ अमावास्या २११२३ पूर्वफल्गुनी २३।११ सा २०।२४
गु २७ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।४४ स्पर्श २८।०० मुक्ति ३३।५८ शार याम्य ॥

शाके २१५१ द्यु वृन्द १६८ पूर्णिमा ५६।४३ पूर्वभाद्र १५।५१ ग ८।४ श १२
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।३८ स्पर्श ५४।५ मुक्ति ५९।२१ शार याम्य ॥

शाके २१५२ द्यु वृन्द ३०४ पूर्णिमा ४५।४९ आश्लेषा ४२।५२ सौ १३।५७ बृ सं
माघी स्थित्यर्द्ध ४।६ स्पर्श ४१।४३ मुक्ति ४९।५५ शार याम्य ॥

शाके २१५३ द्यु वृन्द ११६ पूर्णिमा ४८।३६ श्रवणा ५२।३१ आ २५।१७ श २२
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।५७ स्पर्श ४४।३९ मुक्ति ५२।३३ शार सौम्य ॥

शाके २१५३ द्यु वृन्द २९४ पूर्णिमा २४।५७ पुष्य ११।०३ आ २५।३१ मं २०
माघी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श २०।२९ मुक्ति २९।२५ शार सौम्य ॥

शाके २१५४ द्यु_वृन्द १०५ पूर्णिमा ५३।३५ उत्तराषाढ ४५।१ वि ६।२ वृ ११
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श ४६।२५ मुक्ति ५७।४५ शर याम्य ॥

शाके २१५४ द्यु_वृन्द २८३ पूर्णिमा ५७।४७ पुनर्वसु ३१।५४ वि ३८।३ शु ८
पौषी स्थित्यर्द्ध २।१ स्पर्श ५५।४६ मुक्ति ५९।४८ शर सौम्य ॥

शाके २१५५ द्यु_वृन्द ८१ अमावास्या २०।२३ आर्द्रा २७।४१ ध्रु ३४।५० चं १८
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५९ स्पर्श १७।४८ मुक्ति २३।४९ शर सौम्य ॥

शाके २१५६ द्यु_वृन्द ५४ पूर्णिमा ३९।३७ अनुराधा ६।५९ सि १०।१६ बृ २३
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।२९ स्पर्श ३६।८ मुक्ति ४३।६ शर सौम्य ॥

शाके २१५७ द्यु_वृन्द २६० पूर्णिमा ३३।१ कृत्तिका ५७।४४ प ५१।५ बु ४
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।३४ स्पर्श २८।२७ मुक्ति ३७।३५ शर सौम्य ॥

शाके २१५८ द्यु_वृन्द १८ अमावास्या १९।७ भरणी ५४।८ आ ३२।५ शु १८
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।१९ स्पर्श १७।३ मुक्ति २१।४१ शर सौम्य ॥

शाके २१५८ द्यु_वृन्द ३३ पूर्णिमा ४६।३३ विशाखा ४९।५० व २०।५९ श ३
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।४८ स्पर्श ४६।४३ मुक्ति ५२।१९ शर याम्य ॥

शाके २१५८ द्यु_वृन्द २१० पूर्णिमा १।४५ भरणी १४।२९ व ५८।२५ चं २४
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।६२ स्पर्श ५८।२३ मुक्ति ६५।७ शर सौम्य ॥

शाके २१६० द्यु_वृन्द ११८ पूर्णिमा ५२।२३ पूर्वभाद्र ५२।२३ शु २४।३६ चं ३
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ४८।२८ मुक्ति ५६।१८ शर याम्य ॥

शाके २१६० द्यु_वृन्द ३३५ पूर्णिमा ३६।६ पूर्वफल्गुनी १४।२० शू २२।५१ बृ १
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ३१।४१ मुक्ति ४०।३७ शर याम्य ॥

शाके २१६३ द्यु_वृन्द ६६ पूर्णिमा ४८।३ पूर्वाषाढ १९।४८ वै २३।३६ शु २
आषाढी स्थित्यर्द्ध १।१९ स्पर्श ४६।४४ मुक्ति ४९।२२ शर याम्य ॥

शाके २१६३ द्यु_वृन्द ११२ अमावास्या १६।८ पुष्य १२।२ सि ८।२७ र १८
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।३९ स्पर्श १३।७ मुक्ति १५।२५ शर सौम्य ॥

शाके २१६३ द्युवृन्द २७४ पूर्णिमा ५०।२९ आर्द्रा ६।४१ बै ५६।१२ चं २९
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श ४६।३८ मुक्ति ५४।२० शर सौम्य ॥

शाके २१६४ द्यु वृन्द २६२ पूर्णिमा ५९।४ मृगशिरा ३।४ ब्र ४६।५६ शु १७
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ५४।४५ मुक्ति ६३।२३ शर याम्य ॥

शाके २१६५ द्यु वृन्द ७४ पूर्णिमा ५७।२८ ज्येष्ठा ४।३१ शु २६।२५ र १२
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श ५३।२५ मुक्ति ६१।३१ शर सौम्य ॥

शाके २१६५ द्यु वृन्द २५१ पूर्णिमा ५५।२६ मृगशिरा ५६।४२ शु २७।२८ मं ६
माघी स्थित्यर्द्ध २।२२ स्पर्श ५३।४ मुक्ति ५७।४८ शर याम्य ॥

शाके २१६६ द्यु वृन्द ४६ अमावास्या २१।२७ रोहिणी ४४।२५ सु ७।१२ बृ १८
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श १८।२ मुक्ति २३।४४ शर याम्य ॥

शाके २१६७ द्युवृन्द २४ पूर्णिमा ४१।४४ स्वाती २२।२ व्य ३४।४३ चं २४
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।३० स्पर्श ३८।१४ मुक्ति ४५।१४ शर याम्य ॥

शाके २१६७ द्युवृन्द २०० पूर्णिमा ५९।२४ अश्विनी ५१।२६ ध्रु २२।१४ भं १३
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।४६ स्पर्श ५५।३८ मुक्ति ६३।१० शर सौम्य ॥

शाके २१६८ द्युवृन्द १२ पूर्णिमा ४७।४६ चित्रा १४।३३ व १७।४ शु ११
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४३।४४ मुक्ति ५२।२८ शर सौम्य ॥

शाके २१६८ द्युवृन्द १८९ पूर्णिमा ३९।५७ रेवती २४।२५ हृ ३७।२१ र ३
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ३५।२१ मुक्ति ४४।३३ शर याम्य ॥

शाके २१६९ द्युवृन्द १ पूर्णिमा ४७।१८ हस्त ४।३५ हृ ५६।५४ मं २
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।३३ स्पर्श ४४।४५ मुक्ति ४९।५१ शर सौम्य ॥

शाके २१७० द्युवृन्द १५३ अमावास्या १४।२६ पूर्वफल्गुनी ११।५१ सा ९।३५
चं २७ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।३६ स्पर्श ११।५ मुक्ति १६।१७ शर याम्य ॥

शाके २१७० द्युवृन्द ३३१ अमावास्या १३।९ पूर्वाषाढ ४५।५३ सा १३।२४
बृ २७ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।३६ स्पर्श ९।४३ मुक्ति १४।५५ शर सौम्य ॥

शाके २१७१ द्युवृन्द ३०५ पूर्णिमा ४७।१५ आश्लेषा ४४।१ सौ १४।२३ र सं माघी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ४२।४७ मुक्ति ५१।४३ शर सौम्य ॥

शाके २१७३ द्युवृन्द १०५ पूर्णिमा ३५।३४ उत्तराषाढ २८।२६ प्री ४८।५८ श ११ आषाढ़ी स्थित्यर्द्ध १।५७ स्पर्श ३३।३७ मुक्ति ३७।३१ शर याम्य ॥

शाके २१७३ द्यु वृन्द २६८ अमावास्या १५।४० पूर्वाषाढ २६।४६ व्या ४३।५ चं २३ पौषी स्थित्यर्द्ध १।२२ स्पर्श १४।२३ मुक्ति १७।७ शर याम्य ॥

शाके २१७४ द्यु वृन्द ६५ पूर्णिमा ५८।४५ ज्येष्ठा ४२।४६ सा २।२२ मं ३ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।१४ स्पर्श ५५।२१ मुक्ति ६१।५६ शर सौम्य ॥

शाके २१७४ द्यु वृन्द २४२ पूर्णिमा ४२।५२ रोहिणी २६।९ सा ४२।१ बु २६ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।२५ स्पर्श ३८।४७ मुक्ति ४५।३७ शर याम्य ॥

शाके २१७५ द्यु वृन्द ५४ पूर्णिमा ३८।४३ अनुराधा ७।५५ सि ८।३ र २३ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३८ स्पर्श ३४।५ मुक्ति ४३।२१ शर सौम्य ॥

शाके २१७५ द्यु वृन्द २३० पूर्णिमा ५२।५७ कृत्तिका २९।१० सि ३६।१४ चं १५ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ४८।२१ मुक्ति ५७।३३ शर सौम्य ।

शाके २१७७ द्यु वृन्द १८ अमावास्या १६।४५ भरणी ५१।५० आ २९।५८ चं १८ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।३० स्पर्श १४।४१ मुक्ति १९।४१ शर याम्य ॥

शाके २१७७ द्यु वृन्द १९५ अमावास्या ००।१५ स्वाती ५९।५४ प्री ४६।२३ बु ९ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५३ स्पर्श ५७।१३ मुक्ति २।५९ शर याम्य ॥

शाके २१७८ द्यु वृन्द ······ पूर्णिमा ३६।४८ हस्त ३८।१५ ध्रु १०।५ बु २३ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।३७ स्पर्श ३३।११ मुक्ति ४०।२५ शर सौम्य ॥

शाके २१७८ द्यु वृन्द १८४ अमावास्या ०८।३६ चित्रा ५२।१४ वै ३१।१० र २८ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।४५ स्पर्श ६।४० मुक्ति १०।१० शर सौम्य ॥

शाके २१७८ द्यु वृन्द ३४६ पूर्णिमा ५६।१० उत्तरफल्गुनी ४६।३३ गं १०।३८ चं १२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ५१।४० मुक्ति ६०।४० शर याम्य ॥

शाके २१७९ द्युवृन्द १५८ पूर्णिमा २९।४६ पूर्वभाद्र ३१।३ शू २।८ वृ ३
भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।२२ स्पर्श २५।२४ मुक्ति ३४।८ शर सौम्य ॥

शाके २१७९ द्युवृन्द ३३५ पूर्णिमा ३१।२ पूर्वफल्गुनी १०।१ शू १८।८ श १
फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं २।५६ स्पर्श २८।६ मुक्ति ३३।५८ शर याम्य ॥

शाके २१८० द्युवृन्द १४७ पूर्णिमा ३२।३० शतभिषा २१।५८ धृ ४३।२७
चं २२ भाद्री स्थित्यर्द्धं १।५५ स्पर्श ३०।४२ मुक्ति ३४।३२ शर सौम्य ॥

शाके २१८२ द्युवृन्द ९६ पूर्णिमा ३४।४४ पूर्वाषाढ ८।५३ वै १२।४७
चं २ आषाढी स्थित्यर्द्धं ४।२० स्पर्श ३०।२४ मुक्ति ३९।४ शर सौम्य ॥

शाके २१८२ द्युवृन्द २५९ अमावास्या ११।१२ मूल ११।११ वृ १०।४३
बु १३ पौषी स्थित्यर्द्धं १।१९ स्पर्श ९।३७ मुक्ति १२।१५ शर सौम्य ॥

शाके २१८५ द्युवृन्द ३४ पूर्णिमा ६०।०० विशाखा ५५।५ व २०।३७ श ४
वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।१५ स्पर्श ५६।४५ मुक्ति ६३।१५ शर याम्य ॥

शाके २१८६ द्युवृन्द २०१ पूर्णिमा ००।४४ भरणी ५२।३३ सि १९।३
श १५ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ४।३८ स्पर्श ५६।८ मुक्ति ६५।२२ शर याम्य ॥

शाके २१८७ द्युवृन्द १८९ पूर्णिमा ३६।२९ रेवती २०।२ ह २३।३० बु ३
आश्विनी स्थित्यर्द्धं ३।० स्पर्श ३३।२८ मुक्ति ३९।३० शर याम्य ॥

शाके २१८७ द्युवृन्द ३५२ अमावास्या २८।१ उत्तरभाद्र १६।१६ ब्र ९।३४
गु १८ चैत्री स्थित्यर्द्धं २।५१ स्पर्श २५।२ मुक्ति ३०।४४ शर सौम्य ॥

शाके २१८८ द्युवृन्द ३२६ पूर्णिमा २८।२८ पूर्वफल्गुनी ४७।४ धृ ३७।४ चं २२
फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।१३ स्पर्श २४।५ मुक्ति ३०।३१ शर याम्य ॥

शाके २१९० द्युवृन्द ३०५ पूर्णिमा ४०।२९ आश्लेषा ३६।५६ शो ५।२६ गु सं
माघी स्थित्यर्द्धं २।७ स्पर्श ३८।१२ मुक्ति ४२।२८ शर सौम्य ॥

शाके २१९१ द्युवृन्द ११५ पूर्णिमा ५४।१६ उत्तराषाढ ३।२२ आ ३९।३० बु २१
श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।२८ स्पर्श ५१।४८ मुक्ति ५६।४४ शर याम्य ॥

शाके २१९२ ध्रु वृन्द २५८ अमावास्या १८।१५ पूर्वाषाढ ३०।५४ व्या ४३।४४ बृ २३ पौषी स्थित्यर्द्धं २।५४ स्पर्श १५।१५ मुक्ति २१।३ शर सौम्य ॥

शाके २१९३ ध्रु वृन्द ९५ पूर्णिमा ५७।१९ ज्येष्ठा ४०।५२ शु ५३।३१ शु ३ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।३२ स्पर्श ५२।४७ मुक्ति ६१।५१ शर सौम्य ॥

शाके २१९४ ध्रु वृन्द २३१ पूर्णिमा ४३।४८ कृत्तिका २१।३६ शि २८।४२ बृ १५ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।२८ स्पर्श ४०।२० मुक्ति ४७।१६ शर सौम्य ॥

शाके २१९६ ध्रु वृन्द २ पूर्णिमा ५५।५२ हस्त ८।१६ हृ ५५।२६ मं २ चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।२५ स्पर्श ५२।२७ मुक्ति ५९।१७ शर सौम्य ॥

शाके २१९६ ध्रु वृन्द १८० पूर्णिमा ३११।१५ रेवती ५६।३३ व्या ५०।४७ शु २३ आश्विनी स्थित्यर्द्धं ३ ४३ स्पर्श २७।३२ मुक्ति ३४।५८ शर याम्य ॥

शाके २१९७ ध्रु वृन्द १६९ पूर्णिमा ४७।४९ उत्तरभाद्र ६०।०० वृ ४६।४७ मं १३ भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।२५ स्पर्श ४३।२४ मुक्ति ५२।१४ शर सौम्य ॥

शाके २१९७ ध्रु वृन्द ३३२ अमावास्या २१।४० पूर्वभाद्र ४६।३९ सा ८।४४ बृ २८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं २।५४ स्पर्श १८।४ मुक्ति २३।५२ शर सौम्य ॥

शाके २१९७ ध्रु वृन्द ३४६ पूर्णिमा ५१।० उत्तरफल्गुनी ४१।४७ गं ७।२३ बृ १२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ३।८ स्पर्श ४७।५२ मुक्ति ५४।८ शर याम्य ॥

शाके २१९८ ध्रु वृन्द १५८ पूर्णिमा ४८।५७ पूर्वभाद्र ५३।२९ शू २६।४५ श २ भाद्री स्थित्यर्द्धं २।२२ स्पर्श ४६।३५ मुक्ति ५१।१९ शर सौम्य ॥

शाके २१९९ ध्रु वृन्द २९५ पूर्णिमा ३१।५३ पुष्य १०।५० आ २१।४७ शु २१ माघी स्थित्यर्द्धं ३।४८ स्पर्श २८।५ मुक्ति ३५।४१ शर सौम्य ॥

शाके २२०० ध्रु वृन्द १०६ पूर्णिमा ५१।१२ उत्तराषाढ ४०।५१ वि ३।३० श १२ आषाढी स्थित्यर्द्धं ४।१३ स्पर्श ४८।५९ मुक्ति ५७।२५ शर याम्य ॥

शाके २२०० ध्रु वृन्द २८४ पूर्णिमा ३९।६ पुनर्वसु ७।८ वि १०।२० मं ९ पौषी स्थित्यर्द्धं ४।२० स्पर्श ३४।४६ मुक्ति ४३।२६ शर याम्य ॥

शाके २२०१ ग्र॰ वृन्द ६६ पूर्णिमा ३४।२६ पूर्वाषाढ ८।४४ वै १२।१५ वृ २ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ३०।७ मुक्ति ३८।४५ शर सौम्य ॥

शाके २२०१ ग्र॰ वृन्द २५६ अमावास्या १२।५६ मूल ११।५६ वृ १।१३ श १४ पौषी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श १०।३ मुक्ति १५।५३ शर याम्य ॥

शाके २२०१ ग्र॰ वृन्द २७३ पूर्णिमा ३६।४ पुनर्वसु ६०।०० वै ५१।४१ श २८ पौषी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श ३३।४० मुक्ति ३८।२८ शर याम्य ॥

शाके २२०३ ग्र॰ वृन्द ५६ अमावास्या १७।३५ मृगशिरा ५५।५७ शू ३४।२१ शु २८ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।१६ स्पर्श १५।५२ मुक्ति २०।१० शर सौम्य ॥

शाके २२०३ ग्रवृन्द २२१ पूर्णिमा ४१।१६ भरणी २।३८ प ४८।२३ श ५ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।४१ स्पर्श ३७।३८ मुक्ति ४५।०० शर सौम्य ॥

शाके २२०५ ग्र॰ वृन्द १८५ अमावास्या २०।१६ चित्रा ५४।२५ वै २६।८ शु २६ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श १७।२८ मुक्ति २३।२८ शर सौम्य ॥

शाके २२०५ ग्र॰ वृन्द २०० पूर्णिमा ५६।१५ अश्विनी ५।१५८ व २०।२८ च १४ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।८ स्पर्श ५३।७ मुक्ति ५६।२३ शर याम्य ॥

शाके २२०६ ग्र॰ वृन्द ३३६ पूर्णिमा ४६।५३ पूर्वफल्गुनी २३।४८ शू २६।५४ श २ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श ४५।५२ मुक्ति ५३।५४ शर याम्य ॥

शाके २२०७ ग्र॰ वृन्द १४८ पूर्णिमा ३८।६ शतभिषा २२।१२ धृ ३६।६ चं २३ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।२५ स्पर्श ३४।४४ मुक्ति ४१।३४ शर सौम्य ॥

शाके २२०७ ग्र॰ वृन्द ३२३ पूर्णिमा २६।४५ पूर्वफल्गुनी ४८।१४ धृ ३७।३७ वृ २२ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श २५।१५ मुक्ति ३४।१५ शर सौम्य ॥

शाके २२०८ ग्र॰ वृन्द १३७ पूर्णिमा ४६।८ धनिष्ठा १६।३२ अ २५।५ शु १२ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ४१।४० मुक्ति ५०।३६ शर याम्य ॥

शाके २२०८ ग्र॰ वृन्द ३१६ पूर्णिमा ००।४२ मघा ८।१५ सु ४२।१५ मं १२ माघी स्थित्यर्द्ध २।२७ स्पर्श ५८।१६ मुक्ति ६३।१० शर सौम्य ॥

शाके २२०९ द्यु_वृन्द ११२ अमावास्या ६।१३ आश्लेषा ६०।०० ध्य ५२।१३ बु १६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।३२ स्पर्श ३।१२ मुक्ति ८।१८ शर सौम्य ॥

शाके २२१० द्यु_वृन्द ८६ पूर्णिमा ३५।५१ पूर्वाषाढ ४७।१ ऐ २०।२७ श २३ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।२६ स्पर्श ३३।२५ मुक्ति ३८।१७ शर सौम्य ॥

शाके २२१० द्युवृन्द १०१ अमावास्या ११।१५ पुष्य ५६।५३ व ३२।२२ र ८ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।५९ स्पर्श ६।१३ मुक्ति १३।११ शर याम्य ॥

शाके २२११ द्युवृन्द २५२ पूर्णिमा ३५।११ मृगशिरा ३२।४४ शु २।४६ शु ७ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ३०।३५ मुक्ति ३९।४७ शर सौम्य ॥

शाके २२१२ द्युवृन्द ५० अमावास्या १३।५८ रोहिणी ३३।२६ धृ ४६।३५ र १९ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ०।५३ स्पर्श १२।५४ मुक्ति १४।४० शर सौम्य ॥

शाके २२१२ द्युवृन्द ९५ पूर्णिमा ४२।२५ ज्येष्ठा २४।२३ शु ३२।५५ च ३ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श ३८।५१ मुक्ति ४५।५९ शर याम्य ॥

शाके २२१४ द्यु_वृन्द १६० पूर्णिमा ५२।१६ रेवती २६।३२ ह ३८।२५ बु ४ अश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।२२ स्पर्श ४८।४४ मुक्ति ५५।४८ शर याम्य ॥

शाके २२१५ द्यु_वृन्द २ पूर्णिमा ३६।१२ चित्रा ५१।३६ ह ३७।४० शु ३ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ३१।३५ मुक्ति ४०।४९ शर याम्य ॥

शाके २२१७ द्यु_वृन्द १४४ अमावास्या ०८।१७ पूर्वफल्गुनी ४८।२८ सि २५।१७ मं १८ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ५।४९ मुक्ति ११।५१ शर सौम्य ॥

शाके २२१७ द्यु_वृन्द ३०६ पूर्णिमा ५२।५९ आश्लेषा ४३।३६ सौ ६।३३ बु १ माघी स्थित्यर्द्ध ३।४७ स्पर्श ४९।१२ मुक्ति ५६।४६ शर सौम्य ॥

शाके २२१८ द्युवृन्द २९४ पूर्णिमा ५९।४६ पुष्य ३९।४७ आ ५३।३८ र २० माघी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ५५।२६ मुक्ति ६४।६ शर याम्य ॥

शाके २२१९ द्यु_वृन्द १०६ पूर्णिमा ५३।४८ उत्तराषाढ ४१।११ चि ३।४७ मं १३ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ४९।२५ मुक्ति ५८।११ शर सौम्य ॥

शाके २२१९ द्युवृन्द २८३ पूर्णिमा ५६।१९ पुनर्वसु २७।४३ वि ३३ ४१ बृ ८ पौषी स्थित्यर्द्धं २।२८ स्पर्श ५३।४१ मुक्ति ५८।३७ शर याम्य ॥

शाके २२२० द्युवृन्द ९६ पूर्णिमा ३४।३२ पूर्वाषाढ ७।२७ वै १०।५१ र ३ आषाढी स्थित्यर्द्ध १।१८ स्पर्श ३३।१४ मुक्ति ३५।५० शर सौम्य ॥

शाके २२२० द्युवृन्द २५९ अमावास्या १।४७ मूल ३।५४ वृ ३।८ मं १४ पौषी स्थित्यर्द्धं १।५७ स्पर्श ५९।११ मुक्ति ३।५ शर याम्य ॥

शाके २२२१ द्युवृन्द ५६ पूर्णिमा ३३।५१ ज्येष्ठा ५९।३३ सा ५१।३२ बु २४ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।३३ स्पर्श ३१।१८ मुक्ति ३६।२४ शर याम्य ॥

शाके २२२२ द्युवृन्द ४४ पूर्णिमा ३८।३९ अनुराधा ५१।२८ शि ३१।३२ र १४ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ४।२६ स्पर्श ३४।१३ मुक्ति ४३।५ शर याम्य ॥

शाके २२२२ द्युवृन्द २२१ पूर्णिमा ४२।५३ भरणी ३।४२ प ४९।२ मं ५ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।४० स्पर्श ३८।१३ मुक्ति ४७।३९ शर याम्य ॥

शाके २२२३ द्युवृन्द ३३ पूर्णिमा ४१।४ विशाखा ३७।४९ व ११।४७ बृ ३ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।२२ स्पर्श ३७।४२ मुक्ति ४४।२६ शर सौम्य ॥

शाके २२२४ द्युवृन्द १८५ अमावास्या १३।४२ चित्रा ४७।२१ वै २३।४३ बु २९ आश्विनी स्थित्यर्द्धं २।३१ स्पर्श १०।३९ मुक्ति १५।४१ शर याम्य ॥

शाके २२२४ द्युवृन्द ३६३ अमावास्या ५।३० रेवती १७।१९ वै २४।३६ श २८ चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।०० स्पर्श २।१० मुक्ति ८।१० शर सौम्य ॥

शाके २२२५ द्युवृन्द १५९ पूर्णिमा ५४।४ पूर्वभाद्र ५३।१८ शू २२।१९ श ३ भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।१५ स्पर्श ५०।४९ मुक्ति ५७।१९ शर सौम्य ॥

शाके २२२५ द्युवृन्द ३३७ पूर्णिमा ५१।२२ पूर्वफल्गुनी २४।२ शू २६।२८ मं ३ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।३१ स्पर्श ४६।५१ मुक्ति ५५।५३ शर सौम्य ॥

शाके २२२७ द्युवृन्द १२३ अमावास्या ३०।१ आश्लेषा ३१।५९ व ३७।६ चं २८ द्वितीय श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।४८ स्पर्श २७।१८ मुक्ति ३२।५४ शर याम्य ॥

शाके २२२७ द्यु_वृन्द १३७ पूर्णिमा ३१।२१ धनिष्ठा ७।१० अ १२।४७ चं १२
श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।८ स्पर्श २८।१३ मुक्ति ३४।२९ शर याम्य ॥

शाके २२२७ द्युवृन्द ३०० अमावास्या २२।५५ श्रवणा ९।१५ व्य ००।३१ बु २६
माघी स्थित्यर्द्धं २।४१ स्पर्श २०।२२ मुक्ति २५।४४ शर याम्य ॥

शाके २२२८ द्यु_वृन्द ९७ पूर्णिमा ५४।३३ पूर्वाषाढ २२।५६ वै २१।२७ बृ ३
आषाढी स्थित्यर्द्धं १।४८ स्पर्श ५२।४५ मुक्ति ५६।२१ शर सौम्य ॥

शाके २२२८ द्यु_वृन्द २७४ पूर्णिमा ४२।४६ पूनर्वसु ६०।०० वै ४७।५७ श २६
पौषी स्थित्यर्द्धं ३।२२ स्पर्श ३९।२४ मुक्ति ४६।८ शर याम्य ॥

शाके २२२९ द्यु_वृन्द ८६ पूर्णिमा ३३।४३ पूर्वाषाढ ४५।१९ ऐ २७।३८ मं २४
आषाढी स्थित्यर्द्धं ४।२० स्पर्श २९।२३ मुक्ति ३८।३ शर सौम्य ॥

शाके २२२९ द्यु_वृन्द २६२ पूर्णिमा ५८।४४ मृगशिरा ५।३४ ब्र ४४।२३ बु १७
पौषी स्थित्यर्द्धं ४।३७ स्पर्श ५२।७ मुक्ति ६१।२१ शर सौम्य ॥

शाके २२३० द्यु_वृन्द ७५ पूर्णिमा ५९।८ मूल ५६।४९ शु २५।६ श १३
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ३।४७ स्पर्श ५५।२१ मुक्ति ६२।५५ शर याम्य ॥

शाके २२३० द्यु_वृन्द २५२ पूर्णिमा २७।२८ मृगशिरा २५।१६ शु ४९।५२ चं ७
मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।२९ स्पर्श २३।५९ मुक्ति ३०।५७ शर सौम्य ॥

शाके २२३१ द्यु_वृन्द ५० अमावास्या १४।८ रोहिणी ३२।४२ धृ ४८।८ बु १९
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।५९ स्पर्श ११।४ मुक्ति १७।२ शर याम्य ॥

शाके २२३२ द्यु_वृन्द २४ पूर्णिमा ३१।६ स्वाती १२।५ व्य २४।१२ श २४
वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।८ स्पर्श २७।५८ मुक्ति ३४।१४ शर सौम्य ॥

शाके २२३२ द्यु_वृन्द २१६ अमावास्या ०८।३० विशाखा २७।५ प्री ४१।२७ मंस
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ३।४६ स्पर्श ५।५६ मुक्ति ११।२८ शर सौम्य ॥

शाके २२३३ द्यु_वृन्द १२ पूर्णिमा ५४।३२ चित्रा २४।४९ व २५।२५ बु १३
चैत्री स्थित्यर्द्धं ४।४१ स्पर्श ४९।५१ मुक्ति ५९।१३ शर सौम्य ॥

शाके २२३४ ध्रु_वृन्द २ पूर्णिमा ३२।३३ चित्रा ४७।१० ह्र ३३।३६ च ३ चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।२६ स्पर्श २६।४ मुक्ति ३६।२ शर याम्य ॥

शाके २२३८ ध्रु_वृन्द १०६ पूर्णिमा ५४।३२ उत्तराषाढ ४०।४४ वि ०।५७ शु १२ आषाढी स्थित्यर्द्धं १।४० स्पर्श ५२।५२ मुक्ति ५६।१२ शर सौम्य ॥

शाके २२३६ ध्रु_वृन्द ६९ पूर्णिमा ५०।५४ ज्येष्ठा २७।३१ शु ३७।२४ च ४ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं २।२ स्पर्श ४८।५२ मुक्ति ५२।५६ शर याम्य ॥

शाके २२३६ ध्रु_वृन्द २४३ पूर्णिमा २४।५५ रोहिणी ६।४८ सा १७।१४ बु २७ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।४१ स्पर्श २१।१४ मुक्ति २८।३६ शर सौम्य ॥

शाके २२४० ध्रु_वृन्द ५५ पूर्णिमा ५३।४४ अनुराधा १६।४५ सि १५।४० शु २३ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।२१ स्पर्श ४६।२३ मुक्ति ५८।५ शर याम्य ॥

शाके २२४१ ध्रु वृन्द ४३ पूर्णिमा ५८।३३ विशाखा १०।११ वि ५६।४२ मं १३ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।३५ स्पर्श ५४।५८ मुक्ति ६२।८ शर सौम्य ॥

शाके २२४१ ध्रु_वृन्द २२१ पूर्णिमा ३७।३५ कृत्तिका ५५।५१ प ४३।५८ शु ५ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ३।१६ स्पर्श ३४।१६ मुक्ति ४०।५१ शर याम्य ॥

शाके २२४२ ध्रु_वृन्द १६ अमावास्या २२।८ भरणी ५३।३४ आ २४।१२ र १६ वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।५६ स्पर्श १६।२२ मुक्ति २५।२० शर याम्य ॥

शाके २२४३ ध्रु_वृन्द… पूर्णिमा ३१।१२ हस्त २८।१ व्या ५१।१८ बु २४ चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।५२ स्पर्श २७।२० मुक्ति ३५।४ शर याम्य ॥

शाके २२४४ ध्रु_वृन्द १४५ अमावास्या ३०।५३ पूर्वफल्गुनी ५६।१६ शि ३०।२१ मं १६ भाद्री स्थित्यर्द्धं १।४० स्पर्श २६।१३ मुक्ति ३२।३३ शर सौम्य ।

शाके २२४४ ध्रु_वृन्द ३३७ पूर्णिमा ४१।४ पूर्वफल्गुनी १२।२४ धृ १६।६ शु ३ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध. २।३४ स्पर्श ३८।३० मुक्ति ४३।३८ शर सौम्य ॥

शाके २२४५ ध्रु_वृन्द १४७ पूर्णिमा ५०।१५ शतभिषा ३९।१० सु २।५४ श २२ भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।२४ स्पर्श ४६।५१ मुक्ति ५३।३६ शर याम्य ॥

शाके २२४६ द्युवृन्द ३०० अमावास्या २४।४२ श्रवणा १०।४५ व्य १।१० श २६
माघी स्थित्यर्द्ध १।६ स्पर्श २३।३६ मुक्ति २५।४८ शर सौम्य ॥

शाके २२४७ द्युवृन्द ९७ पूर्णिमा ५१।१० पूर्वाषाढ १७।५० वै १६।३७ र ४
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।१३ स्पर्श ४६।५७ मुक्ति ५५।२३ शर सौम्य ॥

शाके २२४८ द्युवृन्द २६३ पूर्णिमा ४८।५९ मृगशिरा ७।३२ ब्र ३७।५४ श १७
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।२९ स्पर्श ४५।३० मुक्ति ५२।२८ शर सौम्य ॥

शाके २२४९ द्युवृन्द ३४ पूर्णिमा ५०।०० विशाखा ४४।५७ व १२।० बृ ४
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श ४७।८ मुक्ति ५२।५२ शर सौम्य ।

शाके २२५० द्युवृन्द २१२ पूर्णिमा ३२।२६ भरणी ३३।४० व्य ६।१० र २९
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।२४ स्पर्श २९।२ मुक्ति ३५।५० शर याम्य ॥

शाके २२५१ द्युवृन्द २०१ पूर्णिमा ४२।४९ अश्विनी ३४।३८ सि ५७।३ बृ १५
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३२ स्पर्श ३८।१७ मुक्ति ४८।२१ शर सौम्य ॥

शाके २२५१ द्युवृन्द ३६४ अमावास्या ११।२७ रेवती १६।५४ वै १९।५१ श २९
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श ८।१९ मुक्ति १४।३५ शर सौम्य ॥

शाके २२५२ द्युवृन्द १३ पूर्णिमा ५१।५८ चित्रा २३।७ व २३।५२ श १३
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५८ (२।३९) स्पर्श ४९।१९ मुक्ति ५४।३७ शर याम्य ॥

शाके २२५२ द्युवृन्द १९० पूर्णिमा ४३।१६ रेवती २३।४९ हृ ३७।४७ च ३
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श ४०।१४ मुक्ति ४६।१८ शर सौम्य ॥

शाके २२५२ द्युवृन्द ३५३ अमावास्या २३।४७ उत्तरभाद्र ७।४४ ऐ ५५।५४
बु १८ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।१६ स्पर्श २१।३० मुक्ति २५।४८ शर याम्य ॥

शाके २२५३ द्युवृन्द ३२७ पूर्णिमा ३२।५८ पूर्वफल्गुनी ४७।४७ धृ ३१।२९ र २३
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४१ स्पर्श २९।१७ मुक्ति ३६।३९ शर सौम्य ॥

शाके २२५४ द्युवृन्द १३८ पूर्णिमा ४९।३९ धनिष्ठा २०।२० सु २९।१३ चं १३
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।५० स्पर्श ४५।४९ मुक्ति ५३।२९ शर याम्य ॥

शाके २२५४ द्यु_वृन्द ३१६ पूर्णिमा ३६।२५ मघा ४४।३०.सु ४७।४७ बृ १२ माघी स्थित्यर्द्धं ४।२१ स्पर्श ३५।१४ मुक्ति ४३।५६ शर याम्य ॥

शाके २२५५ द्यु_वृन्द १२८ पूर्णिमा ३१।७ धनिष्ठा ४४।५० शो २०।२३ श ३ श्रावणी स्थित्यर्द्धं ४।३३ स्पर्श २६।३४ मुक्ति ३५।४० शर सौम्य ॥

शाके २२५५ द्यु_वृन्द २६१ अमावास्या २१।२७ श्रवणा ४८।२३ सि २१।०० चं १६ माघी स्थित्यर्द्धं ३।३ स्पर्श १८।५ मुक्ति २४।११ शर याम्य ॥

शाके २२५५ द्यु_वृन्द ३०५ पूर्णिमा ३६।५ आश्लेषा ३१।५० शो ५८।३० चं सं माघी स्थित्यर्द्धं २।३५ स्पर्श ३३।३० मुक्ति ३८।४० शर याम्य ॥

शाके २२५७ द्यु_वृन्द ६१ अमावास्या ०९।४८ पुनर्वसु ३३।३८ ह ५२।४५ र २८ द्वितीयाषाढी स्थित्यर्द्धं ३।१ स्पर्श ६।६ मुक्ति १२।८ शर सौम्य ॥

शाके २२५७ द्यु_वृन्द २५३ पूर्णिमा ४६।१५ मृगशिरा ३८।३० शु ५।२३ च ८ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।४० स्पर्श ४२।३५ मुक्ति ४९।५५ शर सौम्य ॥

शाके २२५८ द्यु_वृन्द २४३ पूर्णिमा २६।४ रोहिणी ७।२० सा १७।२६ श २७ मार्गी स्थित्यर्द्धं ४।४० स्पर्श २१।२४ मुक्ति ३०।४४ शर याम्य ॥

शाके २२५९ द्यु_वृन्द २१ अमावास्या २७।४ विशाखा ३३।४३ शो ४३।० मं १ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।२ स्पर्श २४।५ मुक्ति ३०।६ शर याम्य ॥

शाके २२५९ द्यु_वृन्द २३२ पूर्णिमा ५८।३३ कृत्तिका २४।१० शि ३१।४ बु १६ मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।११ स्पर्श ५५।२२ मुक्ति ६१।४४ शर याम्य ॥

शाके २२६१ द्यु_वृन्द ३ पूर्णिमा ५२।३५ हस्त ५।३८ ह ४३।२४ मं ४ चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।४२ स्पर्श ४८।५३ मुक्ति ५६।१७ शर याम्य ॥

शाके २२६१ द्यु_वृन्द १८० पूर्णिमा ३०।३० रेवती ५७।२२ व्या ५८।५२ बु २४ आश्विनी स्थित्यर्द्धं २।५२ स्पर्श २७।३८ मुक्ति ३३।२२ शर सौम्य ॥

शाके २२६२ द्यु_वृन्द ""पूर्णिमा ३१।५६ हस्त २८।३१ व्या ५०।४० श २४ चैत्री स्थित्यर्द्धं ४।३५ स्पर्श २७।२४ मुक्ति ३६।३४ शर सौम्य ॥

शाके २२६२ द्युवृन्द १६९ पूर्णिमा ४०।४७ उत्तरभाद्र ५५।४ वृ ३९।९ र ११
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।३५ स्पर्श ३६।१२ मुक्ति ०५।४२ शर सौम्य ।।

शाके २२६२ द्यु वृन्द ३४८ पूर्णिमा १।४ हस्त ४५।५१ ध्रु ५९।५ वृ १४
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।४५ स्पर्श ५८।१९ मुक्ति ६३।४९ शर सौम्य ।।

शाके २२६५ द्यु वृन्द २८४ पूर्णिमा ३९।२६ पुनर्वसु ९।४३ वि १९।३९ र १०
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ३४।४९ मुक्ति ४४।३ शर सौम्य ।।

शाके २२६६ द्यु वृन्द ९७ पूर्णिमा ३१।४८ उत्तराषाढ़ ६०।०० वि ५६।११ बु ४
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श २७।४० मुक्ति ३५।५६ शर याम्य ।।

शाके २२६८ द्यु वृन्द २२२ पूर्णिमा ५३।२० भरणी ४।७ प ४८।५७ शु ६
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।१५ स्पर्श ५०।५ मुक्ति ५६।२५ शर याम्य ।।

शाके २२६९ द्युवृन्द ३४ पूर्णिमा ३२।३४ विशाखा २९।३५ प ५२।५३ र ४
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३५ स्पर्श २८।५९ मुक्ति ३८।१९ शर सौम्य ।।

शाके २२६९ द्युवृन्द २१२ पूर्णिमा ३।४७ भरणी ६।५० शु ३९।४६ बु २६
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ६।३२ स्पर्श ५९।१५ मुक्ति ६८।१९ शर याम्य ।।

शाके २२७० द्युवृन्द २०१ पूर्णिमा २।१४ भरणी ६०।०० सि २०।३१ र १५
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।९ स्पर्श ५९।५ मुक्ति ६५।२३ शर सौम्य ।।

शाके २२७१ द्युवृन्द १७६ अमावास्या ४।५१ हस्त २४।३५ ऐ ३९।९ बु २०
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श १।४१ मुक्ति ७।२७ शर याम्य ।।

शाके २२७१ द्युवृन्द ३३८ पूर्णिमा ५ ।१७ पूर्वफल्गुनी १७।२८ शू १६।३९ शु ४
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।३२ स्पर्श ४९।४५ मुक्ति ५६।४९ शर सौम्य ।।

शाके २२७२ द्युवृन्द १६४ अमावास्या ३१।५१ उत्तरफल्गुनी ३२।२८ शु ३७।१९
चं ९ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४५ स्पर्श ७८।२६ मुक्ति ३४।१९ शर सौम्य ।।

शाके २२७२ द्युवृन्द ३२६ पूर्णिमा ५८।१९ मघा १०।२ धृ ६०।०० मं २२
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ५३।५५ मुक्ति ६२।४३ शर याम्य ।।

शाके २२७३ द्युवृन्द १३८ पूर्णिमा ५०।२८ धनिष्ठा २१।१ सु २१।२९ वृ १३
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ४५।५१ मुक्ति ५५।५ शर सौम्य ॥

शाके २२७३ द्युवृन्द ३१५ पूर्णिमा ५५।५० मघा ६०।०० अ ४०।४५ श ११
माघी स्थित्यर्द्ध २।४७ स्पर्श ५३।२ मुक्ति ५८।३७ शर याम्य ॥

शाके २२७५ द्युवृन्द १०२ अमावास्या ३४।३९ पुनर्वसु ८।१५ व ४३।४ शु ८
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४९ स्पर्श ३१।४२ मुक्ति ३७।८ शर याम्य ॥

शाके २२७६ द्युवृन्द २५३ पूर्णिमा ४८।११ मृगशिरा ३९।४६ शु ५।३६ वृ ८
माघी स्थित्यर्द्ध ४।४० स्पर्श ४३।३१ मुक्ति ५२।५१ शर याम्य ॥

शाके २२७७ द्युवृन्द ६५ पूर्णिमा ३२।४३ ज्येष्ठा १४।५६ शु २८।५७ श ३
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श २८।४९ मुक्ति ३६।४५ शर सौम्य ॥

शाके २२७९ द्युवृन्द १९१ पूर्णिमा ४८।३९ रेवती २४।४ ह ३३।१५ च ४
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ४५।५८ मुक्ति ५१।२० शर सौम्य ॥

शाके २२८० द्युवृन्द ३ पूर्णिमा ५५।२७ हस्त ३।४२ ह ३९।३२ वृ ४
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३५ स्पर्श ५०।५२ मुक्ति ६०।२ शर सौम्य ।

शाके २२८० द्युवृन्द १८० पूर्णिमा ००।३४ रेवती २७।१६ व्या २२।१० श २४
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।३३ स्पर्श ५६।१ मुक्ति ६५।७ शर सौम्य ॥

शाके २२८१ द्युवृन्द १५५ अमावास्या १८।५९ पूर्वफल्गुनी २।५६ शु ५१।२९ बु ९
द्वितीयभाद्री स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श १५।३२ मुक्ति २०।२२ शर सौम्य ॥

शाके २२८१ द्युवृन्द १६९ पूर्णिमा २९।३ उत्तरभाद्र ४२।४८ वृ २८।१७ बु १३।
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।४२ स्पर्श २५।२१ मुक्ति ३२।४५ शर याम्य ॥

शाके २२८१ द्युवृन्द ३३२ अमावास्या २८।२८ पूर्वभाद्र ४६।३६ सा १३।१४ शु २८
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।६ स्पर्श २५।४४ मुक्ति ३१।५६ शर याम्य ॥

शाके २२९२ द्युवृन्द १४४ अमावास्या १८।४७ पूर्वफल्गुनी ५७।३९ सि ३०।३६ र १९
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।२० स्पर्श १६।३९ मुक्ति २१।१९ शर याम्य ॥

शाके २२८२ ध्रुवृन्द ३०६ पूर्णिमा ४४।१ आश्लेषा ३४।२७ शो ५५।३५ चं २ माघी स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ४०।४२ मुक्ति ४७।२० शर याम्य ॥

शाके २२८२ ध्रुवृन्द ३२२ अमावास्या १।५ शतभिषा १५।२१ सि ४४।३६ बु १८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ५८।६ मुक्ति ४।१४ शर सौम्य ॥

शाके २२८३ ध्रुवृन्द २६६ पूर्णिमा ००।३० आश्लेषा ४१।४ सौ ४८।३६ श २१ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ५५।५३ मुक्ति ६५।७ शर सौम्य ॥

शाके २२८४ ध्रुवृन्द ९२ अमावास्या ३४।४८ पुनर्वसु ४६।८ व्या ७।२२ र २६ द्वितीयाषाढी स्थित्यर्द्ध १।३७ स्पर्श ३२।५८ मुक्ति ३६।१२ शर सौम्य ॥

शाके २२८४ ध्रुवृन्द १०३ पूर्णिमा ४८।५७ उत्तराषाढ ५६।१८ प्री ४२।२४ चं १४ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।१३ स्पर्श ४४।४४ मुक्ति ५३।१० शर याम्य ॥

शाके २२८४ ध्रुवृन्द २८४ पूर्णिमा ३३।२४ पुनर्वसु ५।६ वि ३।५२ बु १० पौषी स्थित्यर्द्ध ३।३० स्पर्श २९।५४ मुक्ति ३६।५४ शर सौम्य ॥

शाके २२८५ ध्रुवृन्द ८२ अमावास्या ६।०० आर्द्रा १४।१७ ध्रु १६।१८ शु १६ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ६।३० मुक्ति १२।१२ शर सौम्य ॥

शाके २२८६ ध्रुवृन्द २४८ अमावास्या १३।१८ ज्येष्ठा २।३२ गं ४६।४७ बु २ पौषी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श १०।३० मुक्ति १६।३२ शर याम्य ॥

शाके २२८७ ध्रुवृन्द ४४ पूर्णिमा ५२।१५ विशाखा ४।२५ वि ४२।५६ शु १४ प्रथमज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ४७।४५ मुक्ति ५६।४५ शर सौम्य ॥

शाके २२८८ ध्रुवृन्द ३४ पूर्णिमा ३२।२ विशाखा २७।५४ प ५०।२२ बु ४ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श २८।२ मुक्ति ३५।५८ शर याम्य ॥

शाके २२९१ ध्रुवृन्द ३१२ अमावास्या ५७।८ शतभिषा ५३।७ वि ४४।८ शु ८ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।०० स्पर्श ५४।३५ मुक्ति ००।३५ शर सौम्य ॥

शाके २२९२ ध्रुवृन्द १३८ पूर्णिमा ४८।३४ धनिष्ठा १७।८ श्र १७।३२ र १३ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श ४५।३४ मुक्ति ५१।३४ शर सौम्य ॥

शाके २२९३ द्युवृन्द २७५ पूर्णिमा ३०।३२ पुनर्वसु ४२।४२ वै २७।३ शु सं
पौषी स्थित्यर्द्धं ३।४० स्पर्श २६।५२ मुक्ति ३४।१२ शर सौम्य ॥

शाके २२९४ द्युवृन्द ८७ पूर्णिमा ४२।५ पूर्वाषाढ ४१।५३ ऐ ३३।१ र २४
आषाढी स्थित्यर्द्धं ३।५५ स्पर्श ३८।१० मुक्ति ४६।०० शर याम्य ॥

शाके २२९४ द्युवृन्द १०२ अमावास्या ३४।१७ पुनर्वसु ८।९ र ४१।४७ चं ८
श्रावणी स्थित्यर्द्धं २।१ स्पर्श ३१।५८ मुक्ति ३६।०० शर सौम्य ॥

शाके २२९५ द्युवृन्द ‥ ‥ पूर्णिमा ४८।२५ मूल ४६।७ शू १५।३४ बु १३
प्रथमाषाढी स्थित्यर्द्धं ४।११ स्पर्श ४४।१४ मुक्ति ५२।३६ शर सौम्य ॥

शाके २२९५ द्युवृन्द २३८ अमावास्या २।५७ ज्येष्ठा २८।१० धृ १०।३९ श २३
मार्गी स्थित्यर्द्धं १।५८ स्पर्श ००।४१ मुक्ति ४।३७ शर सौम्य ॥

शाके २२९५ द्युवृन्द २५३ पूर्णिमा ४२।१ मृगशिरा ३३।१ शु ५२।४८ र ८
मार्गी स्थित्यर्द्धं ३।१२ स्पर्श ३८।४९ मुक्ति ४५।१३ शर याम्य ॥

शाके २२९६ द्युवृन्द ५१ अमावास्या ११।८ रोहिणी ३८।३ धृ ४०।५४ मं २०
ज्यैष्ठ स्थित्यर्द्धं १।२६ स्पर्श ९।३६ मुक्ति १२।२८ शर याम्य ॥

शाके २२९७ द्युवृन्द २५ पूर्णिमा ३२।१० स्वाती ९।५० व्या १६।३८ शु २५
वैशाखी स्थित्यर्द्धं ३।२३ स्पर्श २८।४७ मुक्ति ३५।३३ शर याम्य ॥

शाके २२९७ द्युवृन्द ४० अमावास्या १९।५६ कृत्तिका २१।१० अ २३।५ श ९
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं १।४५ स्पर्श १८।३४ मुक्ति २२।४ शर सौम्य ॥

शाके २२९९ द्युवृन्द ३ पूर्णिमा ४०।९ चित्रा ५०।२४ ह ३०।८ र ४
चैत्री स्थित्यर्द्धं ३।७ स्पर्श ३७।२ मुक्ति ४३।१६ शर सौम्य ॥

शाके २२९९ द्युवृन्द १७९ पूर्णिमा ४९।३० उत्तरभाद्र १८।२६ धृ १७।४६ चं २३
आश्विनी स्थित्यर्द्धं ३।४८ स्पर्श ४५।४२ मुक्ति ५३।१८ शर याम्य ॥

शाके २३०१ द्युवृन्द १२९ पूर्णिमा ४४।४७ धनिष्ठा ५३।३८ शो ३३।३४ चं ४
श्रावणी स्थित्यर्द्धं ३।४८ स्पर्श ४०।५९ मुक्ति ४८।३५ शर सौम्य ॥

शाके २३०१ द्युवृन्द ३०६ पूर्णिमा ३१।४४ आश्लेषा १४।२१ शो २६।४४ वृ २ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श २७।१८ मुक्ति ३६।१० शर सौम्य ॥

शाके २३०२ द्युवृन्द २९५ पूर्णिमा ५५।२ पुष्य ३६।५४ आ ४७।५७ चं २० माघी स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श ५१।२८ मुक्ति ५८।३६ शर सौम्य ॥

शाके २३०३ द्युवृन्द ९२ अमावास्या ३५।४६ पुनर्वसु ४६।३३ व्या ७।४६ बु २९ द्वितीयाषाढी स्थित्यर्द्ध २।४४ स्पर्श ३३।० मुक्ति ३८।२८ शर याम्य ॥

शाके २३०३ द्युवृन्द २६९ अमावास्या २५।४५ पूर्वाषाढ ३१।४२ व्या ४०।१५शु पौषी स्थित्यर्द्ध १।४६ स्पर्श २३।५० मुक्ति २७।२२ शर याम्य ॥

शाके २३०४ द्युवृन्द ६६ पूर्णिमा ४२।५१ ज्येष्ठा २०।३७ शु २९।३७ श ४ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।२० स्पर्श ४१।३१ मुक्ति ४४।११ शर सौम्य ॥

शाके २३०४ द्युवृन्द ८२ अमावास्या ७।२८ आर्द्रा १२।३५ ध्रु १४।२५ चं २० आषाढी स्थित्यर्द्ध १।३ स्पर्श ६।१० मुक्ति ८।२२ शर सौम्य ॥

शाके २३०४ द्युवृन्द २४४ पूर्णिमा ३४।४९ रोहिणी ८।१४ सा १४।१९ मं २९ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।१२ स्पर्श ३१।३७ मुक्ति ३८।१ शर याम्य ॥

शाके २३०५ द्युवृन्द २३३ पूर्णिमा ४२।१६ कृत्तिका ४।५३ शि ३।२६ श १७ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२९ स्पर्श ३७।४७ मुक्ति ४६।४५ शर याम्य ॥

शाके २३०६ द्युवृन्द ३१ अमावास्या २।४४ कृत्तिका ५४।१८ धौ ३३।५२ चं सं ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।४० स्पर्श ५९।५८ मुक्ति ५।१८ शर सौम्य ॥

शाके २३०६ द्युवृन्द ४५ पूर्णिमा ५०।५३ विशाखा ४।२० शि ४१।४३ चं १४ प्रथमज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ४६।४८ मुक्ति ५७।५६ शर याम्य ॥

शाके २३०६ द्युवृन्द २२२ पूर्णिमा ३९।४० कृत्तिका ५९।७ ध ४५।१० बु ६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ३६।२१ मुक्ति ४२।५९ शर सौम्य ॥

शाके २३०७ द्युवृन्द १९ अमावास्या ८।१३ भरणी ४४।४५ आ १४।५२ शु २० वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श ६।३२ मुक्ति १०।४२ शर याम्य ॥

शाके २३०८ द्युवृन्द ''' पूर्णिमा ३११७ हस्त २२।४ व्या ४३।५० मं २५
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।१७ स्पर्श २८।०० मुक्ति ३४।३४ शर सौम्य ॥

शाके २३०८ द्युवृन्द १७० पूर्णिमा ४७।५८ उत्तरभाद्र ५६।१४ वृ ३६।५५ बु १४
प्रथमाश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।२३ स्पर्श ४४।३५ मुक्ति ५१।२१ शर याम्य ॥

शाके २३०८ द्युवृन्द ३४८ पूर्णिमा ३५।५२ उत्तरफल्गुनी १४।४५ वृ २७।१०श १४
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ३१।२४ मुक्ति ४०।२० शर याम्य ॥

शाके २३०९ द्युवृन्द १०७ पूर्णिमा २९।१३ पूर्वभाद्र २४।५२ गं ४७।३५ चं ४
माद्री स्थित्यर्द्ध ४।४१ स्पर्श २४।३२ मुक्ति ३३।५४ शर याम्य ॥

शाके २३०९ द्युवृन्द ३२३ अमावास्या २६।१७ शतभिषा २८।१८ सि ३२।४१ बु १९
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।३२ स्पर्श २४।४१ मुक्ति २९।४५ शर सौम्य ॥

शाके २३ ६ द्युवृन्द ३३७ पूर्णिमा ३४।५६ पूर्वफल्गुनी ४।३५ शू ८।९ बु ३
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श ३१।५३ मुक्ति ३७।५६ शर याम्य ॥

शाके २३११ द्युवृन्द १२३ अमावास्या २।३५ आश्लेषा १२।५६ व १७।३७ मं २९
द्वितीयश्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श ००।५३ मुक्ति ६।३३ शर याम्य ॥

शाके २३११ द्युवृन्द २८५ पूर्णिमा ५२।७ पुनर्वसु १८।५१ वि १५।४२ बु ११
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।४१ स्पर्श ४८।२६ मुक्ति ५५।४८ शर सौम्य ॥

शाके २३१२ द्युवृन्द ८७ पूर्णिमा ५८।२३ पूर्वाषाढ १९।५७ वै १७।३७ शु ४
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।४४ स्पर्श ५४।३९ मुक्ति ६२।७ शर याम्य ॥

शाके २३१२ द्युवृन्द २७५ पूर्णिमा ३२।३ पुनर्वसु ४३।५७ वै २७।३५ चं सं
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।४० स्पर्श २७।२३ मुक्ति ३६।४३ शर याम्य ॥

शाके २३१३ द्युवृन्द २६५ पूर्णिमा २।१८ आर्द्रा ४।९ ऐ ३३।३३ श २०
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।२० स्पर्श ५८।५८ मुक्ति ६५।३८ शर याम्य ॥

शाके २३१४ द्युवृन्द ६१ अमावास्या ३४।४१ मृगशिरा ५९।५८ शू २६।३९ व सं
आषाढी स्थित्यर्द्ध १।५० स्पर्श ३२।३६ मुक्ति ३६।१६ शर याम्य ॥

शाके २३१४ द्युवृन्द ३५ पूर्णिमा ५२।१४ विशाखा ४२।३६ ब ७।५६ बु ५ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ६।१० स्पर्श ४६।४ मुक्ति ५८।२४ शर याम्य ॥

शाके २३१५ द्युवृन्द २१२ पूर्णिमा ५७।४४ भरणी २८।२७ व ५६।२३ शु २६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श २५।१९ मुक्ति ३०।९ शर सौम्य ॥

शाके २३१६ द्युवृन्द २५ पूर्णिमा ३१।६ स्वाती ७।५२ व्य १४।३४ चं २५ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श २६।२९ मुक्ति ३५।४६ शर सौम्य ॥

शाके २३१६ द्युवृन्द २०१ पूर्णिमा ३६।२० अश्विनी ३०।२५ सि ४०।२६ मं १५ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ३४।४६ मुक्ति ४३।५१ शर सौम्य ॥

शाके २३१७ द्युवृन्द १४ पूर्णिमा ५६।२७ चित्रा २०।९ व १६।०० शु १४ चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।१३ स्पर्श ५३।१४ मुक्ति ६२।४० शर सौम्य ॥

शाके २३१९ द्युवृन्द ३१३ पूर्णिमा ४३।२१ मघा ४६।३५ ग २१।५३ मं १२ माघी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ३८।४२ मुक्ति ४२।०७ शर सौम्य ॥

शाके २३२२ द्युवृन्द २५४ पूर्णिमा ५४।२७ मृगशिरा ३९।३२ शु ५५।४ र ६ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।१० स्पर्श ५१।१७ मुक्ति ५७।३७ शर याम्य ॥

शाके २३२३ द्युवृन्द २४३ पूर्णिमा ६।१४० रोहिणी २७।६ सा ४५।४० बु २ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ५।११ मुक्ति ६०।११ शर याम्य ॥

शाके २३२४ द्युवृन्द २३२ पूर्णिमा ५६।७ कृत्तिका २५।२६ शि २।४६ मं १६ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।२४ स्पर्श ५२।४३ मुक्ति ६२।३१ शर सौम्य ॥

शाके-२३२५ द्युवृन्द ३० अमावास्या ३२।३१ भरणी १३।२९ सौ ०७।३१ बु सं द्वितीय वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श ३०।१४ मुक्ति ३६।४ शर याम्य ॥

शाके २३२५ द्युवृन्द २०८ अमावास्या ६।१० स्वाती २।१० सौ ५१।१० श २२ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२० स्पर्श ४।२२ मुक्ति ८।२ शर याम्य ॥

शाके २३२६ द्युवृन्द ४ पूर्णिमा ५०।३१ चित्रा ५५।३१ ह २९।४९ र ५ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श ४७।२३ मुक्ति ५३।२९ शर सौम्य ॥

शाके २३२७ द्युवृन्द '' पूर्णिमा ५३।३२ हस्त ४६।३० ध्रु ३।४६ वृ २४
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ४९।१ मुक्ति ५८।३ शर सौम्य ॥

शाके २३२७ द्युवृन्द १७० पूर्णिमा ४९।१८ पूर्वभाद्र १।३० वृ ३७।३४ श १४
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।३९ स्पर्श ४४।३९ मुक्ति ५३।५७ शर याम्य ॥

शाके २३२७ द्युवृन्द ३४७ पूर्णिमा ५४।३ उत्तरफल्गुनी २६।४८ वृ ५१।३८
चं १३ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।११ स्पर्श ५०।५२ मुक्ति ५७।१४ शर याम्य ॥

शाके २३२९ द्युवृन्द १३४ अमावास्या २९।२५ मघा ४४।६ प ७।२४ र ६
भाद्री स्थित्यर्द्ध ।५४ स्पर्श २७।३५ मुक्ति ३१।२३ शर याम्य ॥

शाके २३३० द्युवृन्द १२३ अमावास्या ३।२२ आश्लेषा १२।२३ व १६।३९ शु २९
द्वितीय श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।४३ स्पर्श १।५७ मुक्ति ५।२३ शर सौम्य ॥

शाके २३३० द्युवृन्द २८५ पूर्णिमा ५३।२६ पुनर्वसु १८।४७ वि १५।१२ श ११
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।४८ स्पर्श ४८।४९ मुक्ति ५८।२५ शर याम्य ॥

शाके २३३२ द्युवृन्द ८६ पूर्णिमा ४८।६ मूल ४।१ ऐ ४५।४५ श २३
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।३३ स्पर्श ४५।३६ मुक्ति ५०।४२ शर सौम्य ॥

शाके २३३३ द्युवृन्द २२३ पूर्णिमा ४५।२४ कृत्तिका ५६।४ प ४०।५९ बु ७
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श ४३।६ मुक्ति ४७।५८ शर सौम्य ॥

शाके २३३४ द्युवृन्द ३५ पूर्णिमा ५१।२५ विशाखा ४०।५३ व ४।८ श ४
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ४६।५४ मुक्ति ५५।५६ शर याम्य ॥

शाके
२३३४ द्युवृन्द १९९ पूर्णिमा ००।३१ भरणी २।४२ व ३२।५४ चं २६
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ५६।३ मुक्ति ६४।५९ शर सौम्य ॥

शाके २३३५ द्युवृन्द २०१ पूर्णिमा ३०।५८ अश्विनी २२।३८ सि ४१।५४ शु १५
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श २७।२ मुक्ति ३४।५४ शर याम्य ॥

शाके २३३५ द्युवृन्द ३६४ अमावास्या २०।३२ रेवती २७।५६ वै २८।१४ र सं
द्वितीय चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श २७।५३ मुक्ति ३३।५९ शर याम्य ॥

शाके २३३६ ध्रु_वृन्द १७६ अमावास्या ७।५० हस्त २७।१६ ऐ ४२।१८ मं २०
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श ४।११ मुक्ति १०।१५ शर सौम्य ॥

शाके २३३६ ध्रु_वृन्द ३२८ पूर्णिमा ४३।४२ पुर्वफल्गुनी ८।१४ शू ७।२ बु ४
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श ४०।४० मुक्ति ४६।४४ शर याम्य ॥

शाके २३३६ ध्रु_वृन्द ३५४ अमावास्या ४।२७ रेवती ५२।४६ ऐ ३८।४२ शु १६
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।४६ स्पर्श १।७ मुक्ति ७।५ शर याम्य ॥

शाके २३३७ ध्रु_वृन्द ३२८ पूर्णिमा ३।३३ पूर्वफल्गुनी १८।३८ धृ ४।४ चं २३
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।३८ स्पर्श ५८।५५ मुक्ति ६८।११ शर याम्य ॥

शाके २३३८ ध्रु_वृन्द १३९ पूर्णिमा ३९।२८ धनिष्ठा ०।२७ शु ५७।५२ बु १४
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ३४।५८ मुक्ति ४३।५८ शर याम्य ॥

शाके २३३८ ध्रु_वृन्द ३१९ पूर्णिमा ३८।५५ मघा ४१।५५ अ १८।१४ शु १२
माघी स्थित्यर्द्ध ३।३७ स्पर्श ३५।१८ मुक्ति ४२।३२ शर सौम्य ॥

शाके २३३६ ध्रु_वृन्द ११४ अमावास्या ४।६ आ श्लेषा ५०।४५ व्य ३५।३३ र २०
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।१२ स्पर्श २।० मुक्ति ६।३१ शर सौम्य ।

शाके २३३९ ध्रु_वृन्द १२८ पूर्णिमा ४१।१८ धनिष्ठा ५५।१६ शो ३६।४२ र ३
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ३८।३७ मुक्ति ४३।५६ शर याम्य ॥

शाके २३४० ध्रु_वृन्द २८० अमावस्या १६।२३ उत्तराषाढ ३७।१० ह ०।३९ श ५
माघी स्थित्यर्द्ध ३।३ स्पर्श १३।३८ मुक्ति १९।४४ शर याम्य ॥

शाके २३४१ ध्रु_वृन्द ७७ पूर्णिमा ५०।५ मूल ४३।२१ शु ६।४३ र १४
प्रथमाषाढी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ४५।५७ मुक्ति ५४।१३ शर सौम्य ॥

शाके २३४४ ध्रु_वृन्द १९२ पूर्णिमा २८।४२ रेवती ३।२७ हृ ८।१२ र ६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।८ स्पर्श २५।३४ मुक्ति ३१।५० शर याम्य ॥

शाके २३४५ ध्रु_वृन्द ३४४ आमावास्या ११।१७ उत्तरभाद्र ३३।६ शु ३।३१ र १०
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ५८।७ मुक्ति ४।१७ शर सौम्य ॥

शाके २३४६ द्यु_वृन्द १७० पूर्णिमा ४४।४९ उत्तरभाद्र ५२।५६ वृ ३२।१२ मं १४
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।२५ स्पर्श ४१।१४ मुक्ति ४८।२४ शर सौम्य ।।

शाके २३४७ द्यु_वृन्द ३०७ पूर्णिमा ३६।३७ आश्लेषा २३।३७ शो ३८।१६ र ३
माघी स्थित्यर्द्ध ३।२९ स्पर्श ३२।५८ मुक्ति ४०।१६ शर सौम्य ।।

शाके २३४८ द्यु_वृन्द १२४ अमावास्या २०।५२ मघा ४४।५६ प ८।७ बु १
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श २८।२२ मुक्ति ३४।४ शर सौम्य ।।

शाके २३४९ द्यु_वृन्द १०७ पूर्णिमा ३९।४७ उत्तराषाढ २०।५८ प्री ३०।२० शु १४
प्रथम श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ३५।१७ मुक्ति ४४।१७ शर सौम्य ।।

शाके २३४९ द्यु_वृन्द २७० अमावास्या ९।६ पूर्वाषाढ १४।१६ व्या १८।४६ चं २६
पौषी स्थित्यर्द्ध २।५३ स्पर्श ४।१ मुक्ति ९।४९ शर सौम्य ।।

शाके २३४९ द्यु_वृन्द २८५ पूर्णिमा ४४।५१ पुनर्वसु ७।५२ वि ४।२३ मं ११
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।१५ स्पर्श ४१।३६ मुक्ति ४८।६ शर याम्य ।।

शाके २३५१ द्यु_वृन्द ७२ अमावास्या ३।२९ आर्द्रा ५८।५ वृ २९।८ चं १०
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श ०८।५१ मुक्ति ५।५९ शर याम्य ।।

शाके २३५२ द्यु_वृन्द ३५ पूर्णिमा ३५।२३ विशाखा २४।५४ प ४५।३५ मं ५
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।३७ स्पर्श ३१।४६ मुक्ति ३९।०० शर सौम्य ।।

शाके २३५३ द्यु_वृन्द २११ पूर्णिमा ५२।४ भरणी ५४।३७ व्य ३०।१७ बु २५
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श ४८।६ मुक्ति ५६।२ शर याम्य ।।

शाके २३५५ द्यु_वृन्द १५१ पूर्णिमा ४०।५१ पूर्वभाद्र ३०।२० गं ४९।४८ वृ ५
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।७ स्पर्श ३७।४४ मुक्ति ४३।५८ शर सौम्य ।।

शाके २३५६ द्यु_वृन्द १५० पूर्णिमा ५६।९ शतभिषा ३२।१८ धृ ४३।८ चं २४
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ५१।३८ मुक्ति ६०।४० शर सौम्य ।।

शाके २३५६ द्यु_वृन्द २२७ पूर्णिमा ५९।४७ मघा १७।४७ सु ७।२६ बु २२
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४१ स्पर्श ५६।६ मुक्ति ६३।२८ शर सौम्य ।।

शाके २३५७ द्यु_वृन्द १२४ अमावास्या २१।१९ आश्लेषा २६।४९ व २६।२४ शु से
द्वितीय श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श २८।४१ मुक्ति ३४।४३ शर याम्य ॥

शाके २३५७ द्यु_वृन्द १३८ पूर्णिमा ५७।४७ धनिष्ठा २१।१६ अ २०।२६ शु १३
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ५४।४६ मुक्ति ६०।४८ शर याम्य ॥

शाके २३५७ द्यु_वृन्द ३०१ अमावास्या २५।४३ श्रवणा ३।४ व ४६।२५ र २७
माघी स्थित्यर्द्ध २।२८ स्पर्श २३।५६ मुक्ति २७।५२ शर याम्य ॥

शाके २३५८ द्यु_वृन्द ११४ अमावास्या ००।४९ आश्लेषा ४९।४५ व्य ३३।२३ बु १०
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।१८ स्पर्श ५७।४८ मुक्ति २।२४ शर याम्य ॥

शाके २३५८ द्यु_वृन्द २७६ पूर्णिमा ३६।३० पुनर्वसु ४३।५६ वि २१।१४ बृ १
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।१९ स्पर्श ३३।२१ मुक्ति ३९।३६ शर याम्य ॥

शाके २३५९ द्यु_वृन्द २६५ पूर्णिमा ४९।१ आर्द्रा ४०।३० ब्र ८।२६ बं २०
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ३७।३३ मुक्ति ४६।२९ शर याम्य ॥

शाके २३५९ द्यु_वृन्द २८० अमावास्या ५।१९ उत्तराषाढ २९।७ व ४७।११ मं ५
माघी स्थित्यर्द्ध १।८ स्पर्श ४।२९ मुक्ति ६।५५ शर सौम्य ॥

शाके २३६० द्यु_वृन्द ७७ पूर्णिमा ४८।१३ मूल ४१।३८ शु ३।३३ बु १४
प्रथमाषाढी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ४३।४९ मुक्ति ५२।३७ शर याम्य ॥

शाके २३६० द्यु_वृन्द २५४ पूर्णिमा ३८।५२ मृगशिरा २८।५२ शु ५०।३५ शु ८
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।२६ स्पर्श ३५।२६ मुक्ति ४२।१८ शर सौम्य ॥

शाके २३६२ द्यु_वृन्द २०२ पूर्णिमा ४९।३४ अश्विनी ३५।४८ शि ५०।३ शु १६
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५ स्पर्श ४६।२९ मुक्ति ५२।३९ शर याम्य ॥

शाके २३६३ द्यु_वृन्द १९२ पूर्णिमा ३०।१७ रेवती ४।४३ ह ८।५२ बु ६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श २५।४२ मुक्ति ३४।५२ शर याम्य ॥

शाके २३६३ द्यु_वृन्द ३५५ अमावास्या ३०।४३ उत्तरभाद्र ८।२६ ऐ ४८।६ शु २०
चैत्री स्थित्यर्द्ध १।२९ स्पर्श २९।४४ मुक्ति ३२।४२ शर सौम्य ॥

शाके २३६४ ध्रुवृन्द ४ पूर्णिमा ३१।२२ चित्रा ४१।५२ ह २१।१३ शु ४
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।३३ स्पर्श २७।४९ मुक्ति ३४।५५ शर याम्य ॥

शाके २३६५ ध्रुवृन्द १५५ अमावास्या ०।२४ उत्तरफल्गुनी ४८।३८ शु ३४।४४
बृ सं द्वितीयभाद्री स्थित्यर्द्ध २।२८ स्पर्श ५६।१८ मुक्ति १।१४ शर याम्य ॥

शाके २३६५ ध्रुवृन्द ३१७ पूर्णिमा ५८।२६ मघा ५५।३२ अ २७।३६ शु १३
माघी स्थित्यर्द्ध ३।३१ स्पर्श ५४।५० मुक्ति ६२।२ शर सौम्य ॥

शाके २३६६ ध्रुवृन्द १२९ पूर्णिमा ४६।२३ धनिष्ठा ५५।४ शो ३२।१८ र ४
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श ४३।२१ मुक्ति ४९।२५ शर याम्य ॥

शाके २३६६ ध्रुवृन्द २०७ पूर्णिमा ३७।२२ आश्लेषा २३।२६ शो ३८।१७ बु ३
माघी स्थित्यर्द्ध ४।४० स्पर्श ३२।४२ मुक्ति ४२।२ शर याम्य ॥

शाके २३६७ ध्रुवृन्द ११८ पूर्णिमा ५६।५२ श्रवणा ४६।४८ आ २१।६ बृ २३
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ५२।१६ मुक्ति ६१।२८ शर सौम्य ।

शाके २३६८ ध्रुवृन्द २७१ अमावास्या २।१९ पूर्वाषाढ १०।७ व्या १४।१९ बृ २६
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ५९।२२ मुक्ति ४।१२ शर याम्य ॥

शाके २३६९ ध्रुवृन्द ६७ पूर्णिमा ४९।२५ ज्येष्ठा २३।२४ शु २७।१० शु ६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।४९ स्पर्श ४७।३६ मुक्ति ५१।१४ शर याम्य ॥

शाके २३६९ ध्रुवृन्द ८२ आमावास्या ४२।३९ आर्द्रा २३।१३ ध्रु २३।४२ श २०
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।४९ स्पर्श २२।४१ मुक्ति २८।१९ शर सौम्य ॥

शाके २३६९ ध्रुवृन्द २४४ पूर्णिमा २६।५० मृगशिरा ६०।०० सा ५।२२ र २९
मार्गी स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श २४।२९ मुक्ति २९।११ शर सौम्य ॥

शाके २३७० ध्रुवृन्द २३३ पूर्णिमा ४१।२० कृत्तिका ६।४९ शि ४।३४ बृ १७
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ३९।५२ मुक्ति ४५।४८ शर सौम्य ॥

शाके २३७१ ध्रुवृन्द ४६ पूर्णिमा ५२।१७ अनुराधा ५७।६ शि ३१।३२ र १५
प्रथमज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श ४८।२९ मुक्ति ५६।४ शर सौम्य ॥

शाके २३७३ द्युवृन्द १७१ पूर्णिमा ५६।३४ पूर्वभाद्र १।३ बृ ३६।४ मं १५
प्रथमाश्विनी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श ५६।३८ मुक्ति ६२।२९ शर सौम्य ॥

शाके २३७३ द्युवृन्द २४८ पूर्णिमा ४३।१४ उत्तरफल्गुनी ३४।८ वृ ३३।५५ बु १४
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ३८।५७ मुक्ति ४८।११ शर याम्य ॥

शाके २३७६ द्युवृन्द १२४ अमावास्या २५।१६ आश्लेषा २१।४२ व २१।१३ चं सं
द्वितीय श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।४७ स्पर्श २३।२७ मुक्ति २७।१ शर याम्य ॥

शाके २३७६ द्युवृन्द २८६ पूर्णिमा ५७।४६ पुनर्वसु १३।१५ वि ४।४२ मं १२
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श ५४।४५ मुक्ति ६०।४७ शर याम्य ॥

शाके २३७७ द्युवृन्द २७६ पूर्णिमा २।२१ पुनर्वसु १२।२२ वि ५१।३४ र १
पौषी स्थित्यर्द्ध ४। ८ स्पर्श ५७।५३ मुक्ति ६६।४९ शर याम्य ॥

शाके २३७८ द्युवृन्द २६४ पूर्णिमा ५८।८ आर्द्रा ५६।५६ ब्र २१।४७ बु १९
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।२२ स्पर्श ५४।३६ मुक्ति ६१।४० शर सौम्य ॥

शाके २३७९ द्युवृन्द ६२ अमावास्या २३।१९ मृगशिरा ५०।२३ शू १८।२५ शु सं
आषाढी स्थित्यर्द्ध ०।३१ स्पर्श २१।२ मुक्ति २६।२० शर सौम्य ॥

शाके २३७९ द्युवृन्द ७७ पूर्णिमा ४८।४७ मूल ४१।२४ शु ७।११ श १४
प्रथमाषाढी स्थित्यर्द्ध १।४२ स्पर्श ४७।५ मुक्ति ५०।२९ शर याम्य ॥

शाके २३८० द्युवृन्द ३६ पूर्णिमा ४३।४७ विशाखा २७।५० व ४४।८ मं ६
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।५४ स्पर्श ४१।५२ मुक्ति ४५।४० शर सौम्य ॥

शाके २३८० द्युवृन्द २२८ अमावास्या २३।२५ अनुराधा २६।३९ सु ४६।१० शु
१३ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श २०।५२ मुक्ति २६।४४ शर याम्य ॥

शाके २३८१ द्युवृन्द २५ पूर्णिमा ४६।१६ स्वाती १७।२४ व्य २३।२६ श २५
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ४१।५८ मुक्ति ५०।३४ शर सौम्य ॥

शाके २३८१ द्युवृन्द २०२ पूर्णिमा ५१।४५ अश्विनी ३७।११ सि ५१।१४ चं १६
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।३३ स्पर्श ४७।१२ मुक्ति ५६।१८ शर याम्य ॥

शाके २३८१ द्युवृन्द २१७ अमावास्या १६।५१ विशाखा २६।३८ शो ३८।२ मं १ मार्गी स्थित्यर्द्ध १।२४ स्पर्श २१।२४ मुक्ति २४।१२ शर सौम्य ॥

शाके २३८२ द्यु्वृन्द १४ पूर्णिमा ४९ ३२ चित्रा १०।३० व ६।१३ बु १४ प्रथम वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।४३ स्पर्श ४५।४६ मुक्ति ५३।१५ शर याम्य ॥

शाके २३८४ द्यु्वृन्द १५५ अमावास्या ०।४४ उत्तरफल्गुनी ४८।२ सु ३३।२३ रसं द्वितीयभाद्री स्थित्यर्द्ध २।२२ स्पर्श ५८।२ मुक्ति २।४६ शर सौम्य ॥

शाके २३८४ द्यु्वृन्द ३१७ पूर्णिमा ५९।१० मघा ५५।५६ अ २६।१६ चं १३ माघी स्थित्यर्द्ध ४।४० स्पर्श ५४।३० मुक्ति ६३।५० शर सौम्य ॥

शाके २३८५ द्यु्वृन्द ३०७ पूर्णिमा २७।२४ आश्लेषा १२।५५ शो २८।५५ श ३ माघी स्थित्यर्द्ध ३।१८ स्पश २४।६ मुक्ति ३०।४२ शर याम्य ॥

शाके २३८६ द्यु्वृन्द ११८ पूर्णिमा ४३।२२ श्रवणा ४०।१० आ १०।४८ र २३ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।३२ स्पर्श ३९।५० मुक्ति ४६।५४ शर सौम्य ॥

शाके २३८७ द्यु्वृन्द २५५ पूर्णिमा ४५।४४ मृगशिरा ३०।३६ शु ४७।३ शु ६ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श ४३।२३ मुक्ति ४८।५ शर सौम्य ॥

शाके २३८८ द्यु्वृन्द ६७ पूर्णिमा ४५।५७ ज्येष्ठा १८।३१ शु २२।२६ चं ६ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१३ स्पर्श ४१।४४ मुक्ति ५०।१० शर याम्य ॥

शाके २३८८ द्यु्वृन्द २४४ पूर्णिमा ३।६ मृगशिरा ३८।११ शु ४०।५६ बु २९ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ५८।३८ मुक्ति ६७।३४ शर सौम्य ॥

शाके २३८९ द्यु्वृन्द २३३ पूर्णिमा ३४।४५ कृत्तिका १।५५ सि ५२।४९ र १७ मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१ स्पर्श ३०।४४ मुक्ति ३८।४६ शर याम्य ॥

शाके २३९० द्यु्वृन्द ३१ अमावास्या ३२।४३ भरणी ९।४७ शो ४६।११ मं १ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श २९।२९ मुक्ति ३४।५१ शर याम्य ॥

शाके २३९० द्युवृन्द २०८ अमावास्या ८।१३ विशाखा ६०।० सौ ५१।१२ बृ २२ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श ५९।४६ मुक्ति ५।४० शर सौम्य ॥

शाके २३३१ द्युवृन्द ५ पूर्णिमा ४०।१६ चित्रा ४५।६ ह २०।४७ शु ५
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२६ स्पर्श ३७।४७ मुक्ति ४२।४५ शर याम्य ॥

शाके २३६१ द्युवृन्द २१ अमावास्या ३।२८ भरणी ३३।१४ आ १।४२ र २१
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।४८ स्पर्श ००।५० मुक्ति ६।२६ शर याम्य ॥

शाके २३६२ द्युवृन्द १७१ पूर्णिमा ३।१६ उत्तरभाद्र ३५।४६ वृ ६।२७ शु १५
प्रथमाश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श २६।४२ मुक्ति ३५।३० शर सौम्य ॥

शाके २३६२ द्युवृन्द ३४८ पूर्णिमा ४१।५६ उत्तरफल्गुनी २२।३६ वृ ३१।५८ र १४
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।५० स्पर्श २८।६ मुक्ति ४५।४६ शर सौम्य ॥

शाके २३६३ द्युवृन्द १६० पूर्णिमा ३१।५१ पूर्वभाद्र २५।०० गं ४६।५७ मं ४
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।२८ स्पर्श २८।२३ मुक्ति ३५।१९ शर याम्य ॥

शाके २३६४ द्युवृन्द ३१२ अमावास्या २२।४१ धनिष्ठा १४।४६ प १०।२६ चं ८
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ६।४२ स्पर्श १९।५५ मुक्ति २५।१९ शर सौम्य ॥

शाके २३९५ द्युवृन्द १०९ पूर्णिमा ४३।०० उत्तराषाढ २१।१० प्री २८।३४ मं १५
प्रथम श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।४५ स्पर्श ३६।१५ मुक्ति ४६।४५ शर सौम्य ॥

शाके २३९८ द्युवृन्द २२४ पूर्णिमा ३१।४५ कृत्तिका ३९।२७ प १९।५३ मं ८
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श २८।५० मुक्ति ३४।४० शर याम्य ॥

शाके २४०० द्युवृन्द ११ अमावास्या १।२४ अश्विनी १२।५७ प्री १६।३१ मं १३
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ५८।१६ मुक्ति ३।५८ शर सौम्य ॥

शाके २४०० द्युवृन्द २०२ पूर्णिमा ४४।४१ अश्विनी २६।३६ सि ४४।२० बृ १६
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५० स्पर्श ४०।५१ मुक्ति ४८।३१ शर सौम्य ॥

शाके २४०१ द्युवृन्द ३३९ पूर्णिमा ४१।४ पूर्वफल्गुनी ५।५ गं ५१।४४ मं ५
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।२७ स्पर्श ३७।३७ मुक्ति ४४।३१ शर सौम्य ॥

शाके २४०२ द्युवृन्द १६६ अमावास्या २८।३७ उत्तरफल्गुनी २४।१२ शु २३।४९
शु १० आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।२ स्पर्श २५।३७ मुक्ति ३१।४१ शर याम्य ॥

शाके २४०३ द्युवृन्द १३९ पूर्णिमा ३८।२६ शतभिषा ५६।२७ सु ४८।५९ चं १४
प्रथमाभाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श २७।५५ मुक्ति ३६।५९ शर याम्य ॥

शाके २४०३ द्युवृन्द ३०२ अमावास्या १३।२५ धनिष्ठा ५०।४१ व २८।६ वृ २८
माघी स्थित्यर्द्ध २।५९ स्पर्श १०।१९ मुक्ति १६।१७ शर सौम्य ॥

शाके २४०३ द्युवृन्द ३१७ पूर्णिमा ४८।१३ मघा ४५।१९ आ १३।४० वृ १३
माघी स्थित्यर्द्ध ३।१६ स्पर्श ४४।५७ मुक्ति ५१।२९ शर याम्य ॥

शाके २४०४ द्युवृन्द १२९ पूर्णिमा २।१ धनिष्ठा ११।५२ अ ४७।१६ श ४
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।४२ स्पर्श ५८।१९ मुक्ति ६५।४३ शर सौम्य ॥

शाके २४०६ द्युवृन्द २५५ पूर्णिमा २४।४ मृगशिरा १०।५९ शु २७।२२ चं ९
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श १९।३७ मुक्ति २८।३१ शर सौम्य ॥

शाके २४०७ द्युवृन्द २४३ पूर्णिमा ५७।४ रोहिणी ३३।३९ मा ४०।११ शु २८
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२ स्पर्श ५३।२ मुक्ति ६१।६ शर याम्य ॥

शाके २४०९ द्युवृन्द १५ पूर्णिमा ५८।३५ चित्रा १६।१ व ७।२१ बु १५
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।१४ स्पर्श ५६।२१ मुक्ति ६०।४३ शर याम्य ॥

शाके २४०९ द्युवृन्द ३१ अमावास्या ३१।१९ भरणी ८।२१ शो ४५।४९ शु १
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।६ स्पर्श २९।३५ मुक्ति ३३।४७ शर सौम्य ॥

शाके २४०९ द्युवृन्द १९३ पूर्णिमा ३८।४७ रेवती ५।२८ ह ५।१० श ७
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।३४ स्पर्श ३६।१३ मुक्ति ४१।२१ शर सौम्य ॥

शाके २४१० द्युवृन्द १८२ पूर्णिमा ४९।४६ उत्तरभाद्र २।३८ व्या ५४।२१ बु २६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ४५।२६ मुक्ति ५४।६ शर सौम्य ॥

शाके २४११ द्युवृन्द........पूर्णिमा २।१७ चित्रा ५०।५४ व्या १४।३६ श २५
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ५८।२२ मुक्ति ६६।१२ शर सौम्य ॥

शाके २४११ द्युवृन्द १५६ अमावास्या २३।५३ पूर्वफल्गुनी ५।३२ शु ४४।३३ र १
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।५९ स्पर्श २४।४० मुक्ति ३२।३८ शर सौम्य ॥

शाके २४११ द्युवृन्द १७० पूर्णिमा ४९।८ उत्तरभाद्र ५२।४९ वृ ३२।५४ र १४
प्रथमाश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।३७ स्पर्श ४५।३१ मुक्ति ५२।४५ शर याम्य ॥

शाके २४११ द्युवृन्द ३३३ अमावास्या २४।१५ पूर्वभाद्र ३९।४० शु ५५।३६ मं २९
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।३४ स्पर्श २१।४५ मुक्ति २७।३ शर याम्य ॥

शाके २४१२ द्युवृन्द ३०८ पूर्णिमा ३८।५७ आश्लेषा १८।१ शो २६।४२ श ४
माघी स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श ३६।०० मुक्ति ४१।५४ शर याम्य ॥

शाके २४१३ द्युवृन्द १२० पूर्णिमा २।७ धनिष्ठा ५०।१ सौ १२।२० चं २५
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।३३ स्पर्श ५८।३४ मुक्ति ६५।४० शर सौम्य ॥

शाके २४१३ द्युवृन्द २९७ पूर्णिमा ४१।५९ पुष्य १०।३५ आ १४।३८ बु २२
माघी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ३७।३४ मुक्ति ४६।२४ शर याम्य ॥

शाके २४१४ द्युवृन्द १०९ पूर्णिमा ४४।३ उत्तराषाढ २१।५९ प्री २८।५६ शु १५
प्रथम श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३९ स्पर्श ३९।२४ मुक्ति ४८।४२ शर याम्य ॥

शाके २४१४ द्युवृन्द २८३ पूर्णिमा ३९।०० पुष्य ६०।०० प्री ५५।५५ र ११
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श ३५।२६ मुक्ति ४२।३४ शर सौम्य ॥

शाके २४१६ द्युवृन्द ७२ अमावास्या २८।३९ मृगशिरा ८।५५ वृ ४८।४८ श १०
आषाढी स्थित्यर्द्ध १।५२ स्पर्श २६।१७ मुक्ति ३०।१ शर याम्य ॥

शाके २४१६ द्युवृन्द २३४ पूर्णिमा ५३।१ कृत्तिका १५।१७ शि ८।१२ र १८
मार्गी स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श ५०।४ मुक्ति ५५।५८ शर याम्य ॥

शाके २४१७ द्युवृन्द २२४ पूर्णिमा ३३।२८ कृत्तिका ४०।४९ प २०।२७ शु ८
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।३९ स्पर्श २८।५७ मुक्ति ३८।१५ शर याम्य ॥

शाके २४१९ द्युवृन्य १८७ अमावास्या ०।१८ चित्रा २७।४० वि ४८।८ श १
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श ५७।४३ मुक्ति २।३१ शर याम्य ॥

शाके २४२० द्युवृन्द......पूर्णिमा १।५६ हस्त ३२।३८ ध्रु ३३।३० चं १६
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।२० स्पर्श ५८।३६ मुक्ति ६५।१६ शर सौम्य ॥

शाके २४२० द्युवृन्द १६१ पूर्णिमा ३६।५९ पूर्वभाद्र २५।१० गं ४५।२० मं ५ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।५४ स्पर्श ३५।५ मुक्ति ३८।५३ शर याम्य ॥

शाके २४२० द्युवृन्द ३३६ पूर्णिमा ४०।५३ पूर्वफल्गुनी ३।३ गं ५१।१० शु ५ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।३७ स्पर्श ३६।१६ मुक्ति ४५।३० शर याम्य ॥

शाके २४२१ द्युवृन्द १५० पूर्णिमा ४६।३६ शतभिषा २७।३० ध्रु ३६।३ श २४ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।२९ स्पर्श ४५।७ मुक्ति ५४।०५ शर याम्य ॥

शाके २४२२ द्युवृन्द ३०३ अमावास्या ९।५४ धनिष्ठा ४६।२७ व २५।०० श २८ माघी स्थित्यर्द्ध ००।५८ स्पर्श ८।१९ मुक्ति १०।१५ शर याम्य ॥

शाके २४२३ द्युवृन्द ११४ अमावास्या ७।५३ आश्लेषा ५९।५६ व्य ३६।५५ चं २० श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४४ स्पर्श ५।१५ मुक्ति १०।४३ शर याम्य ॥

शाके २४२३ द्युवृन्द २७६ पूर्णिमा २७।३२ पुनर्वसु ३४।४७ वै ११।३७ मं १ पौषी स्थित्यर्द्ध २।१९ स्पर्श २५।१३ मुक्ति २६।५१ शर सौम्य ॥

शाके २४२४ द्युवृन्द २६५ पूर्णिमा ४४।५२ आर्द्रा ४२।२७ व्र १२।४६ श २० पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ४०।२४ मुक्ति ४६।२० शर सौम्य ॥

शाके २४२५ द्युवृन्द ७८ पूर्णिमा ४२।५७ मूल ३०।२० व्र ४६।२६ मं १६ प्रथमाषाढी स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श ३८।४३ मुक्ति ४७।११ शर सौम्य ॥

शाके २४२७ द्युवृन्द २०३ पूर्णिमा ५६।१५ अश्विनी ३७।३४ सि ४७।५८ वृ १७ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।१३ स्पर्श ५७।२ मुक्ति ६१।२८ शर सौम्य ॥

शाके २४२८ द्युवृन्द १५ पूर्णिमा ४४।६ चित्रा ४।३६ सि ५०।२१ श १५ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ३९।४२ मुक्ति ४८।३६ शर याम्य ॥

शाके २४३० द्युवृन्द १५६ अमावास्या १८।१७ उत्तरफल्गुनी ५७।३० शु ३६।५८ बु १ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श १५।४५ मुक्ति २१।९ शर याम्य ॥

शाके २४३० द्युवृन्द ३१८ पूर्णिमा ५८।२६ मघा ४९।५० अ १२।४४ वृ २४ माघी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श ५५।३५ मुक्ति ६१।१७ शर याम्य ॥

शाके २४३१ द्युवृन्द ३०७ पूर्णिमा ६०।०० आश्लेषा ४३।७ शो ५७।४६ चं ३
माघी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ५७।४५ मुक्ति ६६।२३ शर याम्य ।।

शाके २४३२ द्यु वृन्द १२० पूर्णिमा ३।१६ धनिष्ठा ५०।१७ सौ १२।३५ बृ २५
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।४२ स्पर्श ५८।३४ मुक्ति ६७।५८ शर सौम्य ।।

शाके २४३२ द्यु वृन्द २६६ पूर्णिमा ५६।२१ पुष्य ३२।२५ आ ३८।५५ बु २१
माघी स्थित्यर्द्ध ३।३६ स्पर्श ५०।४५ मुक्ति ६२।५७ शर सौम्य ।।

शाके २४३३ द्यु वृन्द ६४ अमावास्या १०।४२ पुनर्वसु २५।१८ ह ३६।१४ र १
प्रथम श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।३७ स्पर्श ८।४६ मुक्ति १२।०० शर सौम्य ।।

शाके २४३३ द्यु वृन्द १०६ पूर्णिमा ४१।२६ उत्तराषाढ १८।२३ प्री २५।३७ चं १५
प्रथम श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।६ स्पर्श ३८।५० मुक्ति ४५।८ शर याम्य ।।

शाके २४३४ द्यु वृन्द २६० अमावस्या २४।४। मूल १०।२ बृ ०।५४ र १५
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श २१।१२ मुक्ति २७।१८ शर सौम्य ।।

शाके २४३५ द्यु वृन्द ५७ पूर्णिमा ३५।५६ ज्येष्ठा ५४।११ सा ३६।१० चं २६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ३२।४ मुक्ति ३६।५४ शर सौम्य ।।

शाके २४३५ द्यु वृन्द २३४ पूर्णिमा ५४।५६ कृत्तिका १५।३६ शि ८।१ बु १८
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ५०।२६ मुक्ति ५६।२६ शर याम्य ।।

शाके २४३५ द्यु वृन्द २४६ अमावास्या १७।४८ मूल ६०।०० गं ४२।५२ बृ ४
पौषी स्थित्यर्द्ध १।२६ स्पर्श १८।५३ मुक्ति २१।५१ शर सौम्य ।।

शाके २४३६ द्यु वृन्द ४६ पूर्णिमा ४१।१५ अनुराधा ४६।१८ शि २१।४० शु १५
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४ १२ स्पर्श ३७।३३ मुक्ति ४५।५७ शर याम्य ।।

शाके २४३७ द्यु वृन्द २२४ पूर्णिमा २६।२७ कृत्तिका ३४।२५ प १२।४५ चं ८
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।०० स्पर्श २२।३० मुक्ति ३०।१७ शर सौम्य ।।

शाके २४३७ द्यु वृन्द २२ अमावास्या ०।४६ भरणी २८।२४ सौ ४८।४२ बु २२
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।५७ स्पर्श ५८।२३ मुक्ति २।१७ शर याम्य ।।

शाके २४३८ द्युवृन्द १७१ पूर्णिमा ५४।१७ उत्तरभाद्र ५६।३६ वृ ३८।५५ र १६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।४० स्पर्श ५३।३७ मुक्ति ५५।५७ शर याम्य ॥

शाके २४३८ द्युवृन्द १८७ अमावास्या १।४४ चित्रा २८।५५ वि ४८।१९ मं १
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।३६ स्पर्श ५६।१९ मुक्ति ४।३१ शर सौम्य ॥

शाके २४३८ द्युवृन्द ३५० पूर्णिमा १।२७ हस्त ३२।५७ घ्र ३३।३० वृ १६
प्रथम चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।३५ स्पर्श ५६।५२ मुक्ति ६६।२ शर सौम्य ॥

शाके २४३९ द्युवृन्द ३३६ पूर्णिमा २७।५४ उत्तरफल्गुनी ५०।३ गं ४०।३ चं ५
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।२८ स्पर्श २४।२६ मुक्ति ३१।२२ शर याम्य ॥

शाके २४४० द्युवृन्द १५० पूर्णिमा ४०।१५ शतभिषा १६।२७ धृ २७।४ मं २४
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।० स्पर्श ३६।१५ मुक्ति ४४।१५ शर सौम्य ॥

शाके २४४१ द्युवृन्द १२५ अमावास्या ३०।४० आश्लेषा२५।४२ व्य २३।४२ श सं
भाद्री स्थित्यर्द्ध ०।५६ स्पर्श २६।५८ मुक्ति ३१।५० शर याम्य ॥

शाके २४४१ दयुवृन्द २८७ पूर्णिमा ४७।४२ पुनर्वसु ३।४९ प्री ५४।११ र १२
पौषी स्थित्यर्द्ध २।१५ स्पर्श ४५।२७ मुक्ति ४६।५७ शर सौम्य ॥

शाके २४४२ द्युवृन्द ९६ पूर्णिमा २८।५४ उत्तराषाढ ५४।१४ वि ४१।४ बु ६
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।४४ स्पर्श ३५।१० मुक्ति ४२।३८ शर याम्य ॥

शाके २४४३ द्युवृन्द ८८ पूर्णिमा ५८।६७ पूर्वाषाढ ६०।०० ऐ ३५।५ र २५
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ५४।३५ मुक्ति ६३।१६ शर सौम्य ॥

शाके २४४३ द्युवृन्द २५१ अमावास्या ३।१८ मूल ४४।२३ गं २५।६ मं ६
पौषी स्थित्यर्द्ध १।४६ स्पर्श १।१९ मुक्ति ४।५१ शर सौम्य ॥

शाके २४४३ द्युवृन्द २६५ पूर्णिमा ३९।४३ आर्द्रा ३७।२१ ब्र ८।५८ मं २०
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श ३५।४० मुक्ति ४३।४६ शर याम्य ॥

शाके २४४४ द्युवृन्द ६३ अमावास्या २६।२१ मृगशिरा ४६।५६ शू १३।१४ वृ १०
आषाढी स्थित्यर्द्ध १।४२ स्पर्श २७।२३ मुक्ति ३०।४७ शर याम्य ॥

शाके २४४४ द्युवृन्द २४० अमावास्या ११६ ज्येष्ठा ३३।२६ शु ५७।४६ श २४ मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।३ स्पर्श ५८।२५ मुक्ति ४।३१ शर याम्य ॥

शाके २४४५ द्युवृन्द ३७ पूर्णिमा ३५।४५ विशाखा २०।४५ प ३६।३ र ६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।८ स्पर्श ३४।३७ मुक्ति ३६।५३ शार याम्य ॥

शाके २४४५ द्युवृन्द ५३ अमावास्या ०।१७ रोहिणी १२।३२ घृ १९।४५ मं २१ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।१३ स्पर्श ५७।२० मुक्ति १।४६ शर याम्य ॥

शाके २४४६ द्युवृन्द २६ पूर्णिमा ३।३२ विशाखा ३३।४२ व ३३।१९ शु २६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ५९।९ मुक्ति ६७।५५ शर याम्य ॥

शाके २४४६ द्युवृन्द २०३ पूर्णिमा २७।३६ अश्विनी ६।४३ सि १९।२५ र १७ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श २३।२१ मुक्ति ३१।५१ शर सौम्य ॥

शाके २४४७ द्युवृन्द १५ पूर्णिमा ४२।५३ चित्रा ४।९ सि ४८।२४ मं १५ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।९ स्पर्श ३८।४४ मुक्ति ४७।२ शर सौम्य ॥

शाके २४४८ द्युवृन्द ३४४ अमावास्या २४।१४ उत्तरभाद्र ५१।३० शु २२।५० बु १० चैत्री स्थित्यर्द्ध २।०० स्पर्श २२।१ मुक्ति २८।४१ शर सौम्य ॥

शाके २४४९ द्युवृन्द १४१ पूर्णिमा ३९।२१ धनिष्ठा ०।२६ सु ४५।५९ वृ १५ भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।६ स्पर्श ३६।१५ मुक्ति ४२।२७ शर सौम्य ॥

शाके २४५१ द्युवृन्द १०४ अमावास्या ३४।७ पुष्य ५७।१५ व २४।११ शु १० श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।३ स्पर्श ३१।५६ मुक्ति ३८।२ शर सौम्य ॥

शाके २४५१ द्युवृन्द ११९ पूर्णिमा ५९।०० श्रवणा ५०।२० आ १४।११ श २५ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।२५ स्पर्श ५५।२५ मुक्ति ६२।१५ शर याम्य ॥

शाके २४५२ द्युवृन्द २५६ पूर्णिमा ३६।५६ मृगशिरा १९।१२ शु २९।४७ वृ १० मार्गी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श ३४।११ मुक्ति ३९।५१ शर याम्य ॥

शाके २४५३ द्युवृन्द ६८ पूर्णिमा ५१।५८ ज्येष्ठा २०।२६ शु २४।१ श ६ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।४४ स्पर्श ४८।१४ मुक्ति ५५।४२ शर सौम्य ॥

शाके २४५४ द्यु वृन्द ५६ पूर्णिमा ५६।२० अनुराधा १७।१ सि ८।१३ बु २५
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ५४।४२ मुक्ति ६३।१८ शर याम्य ।।

शाके २४५४ द्युवृन्द २३४ पूर्णिमा ५२।४७ कृत्तिका ६।२६ शि १।१३ श १६
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।४६ स्पर्श ४९।१ मुक्ति ५६।३३ शर सौम्य ।।

शाके २४५५ द्युवृन्द ३२ अमावास्या २५।५१ कृत्तिका ६०।० शो ३४।२१ चं २
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श २३।६ मुक्ति २८।५० शर सौम्य ।।

शाके २४५६ द्युवृन्द ६ पूर्णिमा ४३।८ चित्रा ४२।३० ह १५।३७ बृ ६
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श ४०।१६ मुक्ति ४६।०० शर सौम्य ।।

शाके २४५७ द्युवृन्द ३३४ अमावास्या १८।६ पूर्वभाद्र २६।२१ शु ४०।३ शु सं
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श १६।१३ मुक्ति २१।३ शर सौम्य ।।

शाके २४५७ द्यु वृन्द ३४६ पूर्णिमा ४७।१३ उत्तरफल्गुनी १९।४६ वृ २५।१० श १५
प्रथमचैत्री स्थित्यर्द्ध ३।३४ स्पर्श ४३।३६ मुक्ति ५०।४७ शर याम्य ।।

शाके २४५८ द्युवृन्द १६० पूर्णिमा ५६।२२ पूर्वभाद्र ५०।५२ शू १७।३ र ४
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।६ स्पर्श ५५।१६ मुक्ति ६३।२८ शर याम्य ।।

शाके २४६० द्युवृन्द ११० पूर्णिमा ५८।८ उत्तराषाढ २८।१३ प्री ३०।५१ चं १६
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।२६ स्पर्श ५४।४२ मुक्ति ६१।३४ शर याम्य ।।

शाके २४६० द्यु वृन्द २८७ पूर्णिमा २७।४३ पुष्य ४६।३७ प्री ४१।५१ बु १२
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श २३।१६ मुक्ति ३२।१० शर सौम्य ।।

शाके २४६१ द्यु वृन्द २७६ पूर्णिमा २।९ पुनर्वसु ६।३४ वि ४२।३७ चं २
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२ स्पर्श ५८।७ मुक्ति ६६।११ शर याम्य ।।

शाके २४६३ द्यु वृन्द ६३ अमावास्या २६।१६ मृगशिरा ४५।५७ शू १०।६ र १
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।४४ स्पर्श २३।४१ मुक्ति २६।६ शर सौम्य ।।

शाके २४६३ द्यु वृन्द २२५ पूर्णिमा ३८।४७ कृत्तिका ४१।१४ प १४।१३ चं ६
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध १।५८ स्पर्श ३६।४९ मुक्ति ४०।४५ शर सौम्य ।।

शाके २४६४ द्यु वृन्द २१४ पूर्णिमा ४६।४० भरणी ३८।५४ वृ १।३८ शु २८ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१३ स्पर्श ४२।२७ मुक्ति ५०।५३ शर सौम्य ॥

शाके २४६५ द्यु वृन्द २६ पूर्णिमा ३।२ विशाखा ३२।३ व ३१।२६ चं २६ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श ५८।४८ मुक्ति ६७।१६ शर सौम्य ॥

शाके २४६५ द्यु वृन्द १८८ अमावास्या २८।३७ चित्रा ४२।७ वै ३।५२ मं २ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।०० स्पर्श २५।५० मुक्ति ३१।५० शर सौम्य ॥

शाके २४६५ द्युवृन्द २०२ पूर्णिमा ४४।४० अश्विनी २७।१२ सि ४२।३२ मं १६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५४ स्पर्श ४०।४६ मुक्ति ४८।३४ शर याम्य ॥

शाके २४६६ द्युवृन्द ०० अमावास्या २१।९ रेवती १४।२७ वै ६।५१ वृ १ वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।६ स्पर्श २१।५ मुक्ति २३।१७ शर याम्य ॥

शाके २४६६ द्युवृन्द ३४० पूर्णिमा ३७।५७ उत्तरफल्गुनी ५४।५८ गं ३९।५५ चं ६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।३३ स्पर्श ३५।२४ मुक्ति ४०।३० शर याम्य ॥

शाके २४६७ द्युवृन्द १५१ पूर्णिमा ५९।४ शतभिषा ३२।५० धृ ३६।२२ मं २५ भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५४ स्पर्श ५६।१० मुक्ति ६१।५८ शर सौम्य ॥

शाके २४६७ द्यु वृन्द ३२९ पूर्णिमा ४०।१६ पूर्वफल्गुनी ४७।२९ धृ २२।४५ शु २५ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श ३५।५५ मुक्ति ४४।३७ शर याम्य ॥

शाके २४६८ द्यु वृन्द १४१ पूर्णिमा ४०।५३ धनिष्ठा १।३१ सु ४६।४ र १५ प्रथमभाद्री स्थित्यर्द्ध ४।३४ स्पर्श ३९।१९ मुक्ति ४५।२७ शर सौम्य ॥

शाके २४६८ द्यु वृन्द ३१८ पूर्णिमा ४०।१० मघा ३७।१९ अ ४।५१ मं १३ माघी स्थित्यर्द्ध ३।४० स्पर्श ३६।३० मुक्ति ४३।५० शर सौम्य ॥

शाके २४७० द्यु वृन्द १०४ अमावास्या १९।३० पुष्य ४५।११ व १४।३५ चं ११ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श १८।१६ मुक्ति २३।५६ शर याम्य ॥

शाके २४७० द्यु वृन्द २६६ पूर्णिमा ५९।३६ आर्द्रा ५१।१२ ब्र १८।९ मं २१ पौषी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श ५६।४० मुक्ति ६२।३२ शर याम्य ॥

शाके २४७१ द्युवृन्द २५६ पूर्णिमा ३८।१७ मृगशिरा१६।३३ शु २९।५५ र ११
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ३३।४७ मुक्ति ४२।४७ शर याम्य ॥

शाके २४७२ द्यु वृन्द ५६ पूर्णिमा ४२।२४ अनुराधा ३।५७ सा ४९।२० श २५
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।३३ स्पर्श ३९।५१ मुक्ति ४४।५७ शर याम्य ॥

शाके २४७३ द्यु वृन्द २१९ अमावास्या ४।८ विशाखा ६।५६ शो ६।४६ चं ३
मार्गी स्थित्यर्द्ध १।५ स्पर्श २।५७ मुक्ति ५।७ शर याम्य ॥

शाके २४७५ द्युवृन्द ६ पूर्णिमा ४२।१७ चित्रा ४१।१६ ह १२।३७ द ७
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ३७।५३ मुक्ति ४६।४५ शर सौम्य ॥

शाके २४७५ द्यु वृन्द १८२ पूर्णिमा ४७।३ उत्तरभाद्र ३।५४ व्या ४९।५४ चं २६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ४२।४५ मुक्ति ५१।२१ शर याम्य ॥

शाके २४७५ द्यु वृन्द १९८ अमावास्या २५।१६ स्वाती ५७।२२ प्री ३३।१५ बु १२
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध १।५१ स्पर्श २३।४९ मुक्ति २७।३१ शर सौम्य ॥

शाके २४७६ द्यु वृन्द ३३५ अमावास्या १६।५८ पूर्वभाद्र २७।४० सु ३८।१३ चं सं
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श १४ २७ मुक्ति १९।१७ शर याम्य ॥

शाके २४७७ द्यु वृन्द ३०८ पूर्णिमा २९।२९ आश्लेषा ८।३४ शो १९।५६ वृ ४
माघी स्थित्यर्द्ध २।८ स्पर्श २७।२१ मुक्ति ३१।३७ शर सौम्य ॥

शाके २४७८ द्यु वृन्द १३५ अमावास्या ७।२४ मघा २५।१० शि ३७।५८ र १०
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।१६ स्पर्श ५।१५ मुक्ति ९।४७ शर सौम्य ॥

शाके २४७८ द्यु वृन्द २९७ पूर्णिमा ४७।२४ पुष्य १९।१७ आ २१।२८ चं ३
माघी स्थित्यर्द्ध ४।२९ स्पर्श ४२।५५ मुक्ति ५१।५३ शर सौम्य ॥

शाके २४७९ द्यु वृन्द ११० पूर्णिमा ३२।०६ उत्तराषाढ ०२।७ प्री ६।२० वृ १६
प्रथमश्रावणी स्थित्यर्द्ध ४ ३३ स्पर्श २७।३३ मुक्ति ३६।३९ शर सौम्य ॥

शाके २४८० द्यु वृन्द ९९ पूर्णिमा ३४।५४ उत्तराषाढ ५७।७ वि ४५।३४ चं ५
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।४८ स्पर्श ३२।६ मुक्ति ३७।४२ शर सौम्य ॥

शाके २४८१ द्यु वृन्द ३२४ पूर्णिमा ६०।०० कृत्तिका १०।५० सि ५७।३ श २० मार्गी स्थित्यर्द्ध १।४५ स्पर्श ५८।५२ मुक्ति ६२।२२ शर सौम्य ।।

शाके २४८२ द्यु वृन्द ४७ पूर्णिमा ४१।२८ अनुराधा ४१।१३ शि १४।२७ चं १६ ज्येष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ३७।१६ मुक्ति ४५।४० शर याम्य ।।

शाके २४८२ द्यु वृन्द ६३ अमावास्या १।४१ मृगशिरा ३१।५८ गं ५२।३७ बु १ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।३४ स्पर्श ५८।३९ मुक्ति ३।४७ शर सौम्य ।।

शाके २४८४ द्यु वृन्द १८९ अमावास्या १६।२५ चित्रा ३५।९ वि ५१।४९ शु २ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध २।३१ स्पर्श १४।२३ मुक्ति १९।२५ शर याम्य ।।

शाके २४८५ द्यु वृन्द ...पूर्णिमा ५६।५४ उत्तरफल्गुनी २३।१५ वृ २४।१८ श १६ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।१४ स्पर्श ५४।४६ मुक्ति ५९।१४ शर याम्य ।।

शाके २४८५ द्यु वृन्द ३३९ पूर्णिमा ५८।४८ पूर्वफल्गुनी १३।२० शु ४।५९ बु ५ फल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ५४।२९ मुक्ति ६३।७ शर याम्य ।।

शाके २४८६ द्यु वृन्द १५२ पूर्णिमा ०।१९ पूर्वभाद्र ३०।६ शू २९।३८ श २६ भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ५५।४८ मुक्ति ६४।५० शर सौम्य ।।

शाके २४८६ द्यु वृन्द ३२८ पूर्णिमा ५८।४८ मघा ५।२५ धृ ४७।३६ र २४ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४८ स्पर्श ५५।० मुक्ति ६२।३६ शर सौम्य ।।

शाके २४८७ द्यु वृन्द १४१ पूर्णिमा ३६।९ शतभिषा ५४।११ सु ४२।०६ बु १५ प्रथमाभाद्री स्थित्यर्द्ध ३।४७ स्पर्श ३२।२२ मुक्ति ३९।५६ शर याम्य ।।

शाके २४८८ द्यु वृन्द २९२ अमावास्या २३।४७ श्रवण ४६।१८ सि ६।५८ मं १८ माघी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श २१।२४ मुक्ति २७।८ शर सौम्य ।।

शाके २४८९ द्यु वृन्द २६७ पूर्णिमा ०।३३ पुनर्वसु ४८।३९ ऐ १०।२७ श २२ पौषी स्थित्यर्द्ध ४।३० स्पर्श ५६।३ मुक्ति ६५।३ शर याम्य ।।

शाके २४९० द्यु वृन्द ७८ पूर्णिमा ३३।५५ मूल २१।४५ ब्र ३९।४७ र १६ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श २९।२४ मुक्ति ३८।२६ शर याम्य ।।

शाके २४९० द्यु वृन्द २५६ पूर्णिमा २८।५६ मृगशिरा ८।३९ शु २०।५ बु ११
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श २४।३५ मुक्ति ३२।१७ शर सौम्य ॥

शाके २४९१ द्यु वृन्द २६८ पूर्णिमा ००।४९ मूल ३३।१९ शु ३४।५८ शु-६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।५७ स्पर्श ५७ ५२ मुक्ति ६३।४६ शर याम्य ॥

शाके २४९२ द्यु वृन्द २१९ अमावास्या ६।४९ विशाखा ८।३५ शो ७।५७ बृ ३
मार्गी स्थित्यर्द्ध ३।४ स्पर्श ३।१६ मुक्ति ९।२४ शर सौम्य ॥

शाके २४९३ द्यु वृन्द १७ पूर्णिमा १।११ स्वाती १२।३७ व्य ४९।३९ श १७
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२५ स्पर्श ५६।४६ मुक्ति ६५।३६ शर सौम्य ॥

शाके २४९४ द्यु वृन्द १८२ पूर्णिमा ३९।२६ रेवती ५५।४ व्या ४२।१३ बृ २६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१४ स्पर्श ३५।१२ मुक्ति ४३।४० शर सौम्य ॥

शाके २४९५ द्यु वृन्द १५७ अमावास्या १७।२८ उत्तरफल्गुनी ६०।० शु ३६।५२
चं १ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।१६ स्पर्श १५।५० मुक्ति १८।२८ शर याम्य ॥

शाके २४९५ द्यु वृन्द ३१९ पूर्णिमा ४८।२१ मघा ४०।१४ अ ४।३७ मं १५
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।१५ स्पर्श ४६।३ मुक्ति ५०।३६ शर सौम्य ॥

शाके २४९६ द्यु वृन्द १३१ पूर्णिमा ३३।११ धनिष्ठा ३१।४६ शो ११५८ शु ७
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५२ स्पर्श ३०।१९ मुक्ति ३६।३ शर याम्य ॥

शाके २४९६ द्यु वृन्द १४५ अमावास्या २८।२६ पूर्वफल्गुनी ५७।० सि २५।९ शु २०
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५३ स्पर्श ३०।१७ मुक्ति ३६।३ शर याम्य ॥

शाके २४९७ द्यु वृन्द १२० पूर्णिमा ४८।५९ श्रवणा ३४।४ सौ ५१।३५ मं २६
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ४४।३१ मुक्ति ५३।२७ शर याम्य ॥

शाके २४९७ द्यु वृन्द २८३ अमावास्या ३।६ उत्तराषाढ़ १३।५७ ब २०।४० बृ ८
माघी स्थित्यर्द्ध २।२३ स्पर्श ००।२३ मुक्ति ५।९ शर सौम्य ॥

शाके २४९७ द्यु वृन्द २९७ पूर्णिमा ४५।३२ पुष्य १७।४१ आ १९।३४ बृ २३
माघी स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श ४१।२७ मुक्ति ४९।२७ शर याम्य ॥

शाके २४९८ द्यु वृन्द १०६ पूर्णिमा ५०।५२ उत्तराषाढ २३।५ प्री २९।६३ श १५
प्रथमश्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।६ स्पर्श ४७।४३ मुक्ति ५४।१ शर सौम्य ॥

शाके २४९८ द्यु वृन्द २७२ अमावास्या ५।२३ पूर्वाषाढ ४।२ व्या २।५२ चं २७
पौषी स्थित्यर्द्ध २।४३ स्पर्श ५९।६ मुक्ति ४।३५ शर याम्य ॥

शाके २५०० द्यु वृन्द ५८ पूर्णिमा ०।१८ ज्येष्ठा १३।३५ शु ५१।५६ र २७
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२ स्पर्श ५६।१६ मुक्ति ६४।२० शर याम्य ॥

शाके २५०० द्यु वृन्द २३५ पूर्णिमा २५।३५ रोहिणी ४२।२० सि २३।४ मं २०
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श २१।२५ मुक्ति २९।४५ शर सौम्य ॥

शाके २५०१ द्यु वृन्द ४७ पूर्णिमा ४२।६ अनुराधा ४१।२८ शु १४।३६ बृ १६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ३७।४२ मुक्ति ४६।३० शर सौम्य ॥

शाके २५०३ द्यु वृन्द १२ अमावास्या २२।६ अश्विनी २९।१६ प्री ३७।१३ शु ११
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।४० स्पर्श १९।४३ मुक्ति २५।३ शर सौम्य ॥

शाके २५०३ द्यु वृन्द १७३ पूर्णिमा ३७।४७ उत्तरभाद्र ३६।१२ बृ ८।३० श १७
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श ३५।२६ मुक्ति ४०।८ शर सौम्य ॥

शाके २५०५ द्यु वृन्द १३६ अमावास्या २५।५७ मघा ३२।५ शि ४०।१ र ११
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।२८ स्पर्श २३।४७ मुक्ति २८।४३ शर सौम्य ॥

शाके २५०५ द्यु वृन्द १५१ पूर्णिमा ५४।४३ शतभिषा २६।४४ धृ ३०।९ चं २५
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ५०।४८ मुक्ति ५८।३८ शर याम्य ॥

शाके २५०६ द्यु वृन्द १८८ पूर्णिमा ४३।१३ पुष्य ५५।२४ प्री ४०।२ श १३
पौषी स्थित्यर्द्ध २।५३ स्पर्श ४०।२० मुक्ति ४६।६ शर याम्य ॥

शाके २५०७ द्यु वृन्द १०० पूर्णिमा ३९।५६ उत्तराषाढ ५६।४९ वि ४१।० चं ६
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५५ स्पर्श ३७।१ मुक्ति ४२।५१ शर सौम्य ॥

शाके २५०८ द्यु वृन्द ८८ पूर्णिमा ५०।४८ पूर्वाषाढ ५३।३९ वै २७।४९ शु २५
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ४६।१२ मुक्ति ५५।२४ शर याम्य ॥

शाके २५०८ द्यु वृन्द २६६ पूर्णिमा ५०।३७ आर्द्रा ४१।२७ ब्र ४।२५ चं २१
पौषी स्थित्यर्द्ध ३।४३ स्पर्श ४६।४८ मुक्ति ५४।२६ शर सौम्य ॥

शाके २५०९ द्यु वृन्द ६४ अमावास्या १२।५२ मृगशिरा ३४।५ गं ५१।२७ बु २
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।३१ स्पर्श ९।३२ मुक्ति १४।३४ शर सौम्य ॥

शाके २५१० द्युवृन्द ३८ पूर्णिमा ४२।५३ विशाखा २३।३३ प ३३।९ श ७
वैशाखी स्थित्यर्द्ध १।४० स्पर्श ४१।१३ मुक्ति ४४।३३ शर सौम्य ॥

शाके २५१० द्यु वृन्द ५३ अमावास्या १६।२७ रोहिणी २४।२ धृ ३०।३२ र २२
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।१ स्पर्श १४।८ मुक्ति १८।१० शर याम्य ॥

शाके २५११ द्यु वृन्द २०४ पूर्णिमा २७।२८ अश्विनी८।४ सि १८।५८ शु १७
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१३ स्पर्श २३।१५ मुक्ति ३१।४१ शर याम्य ॥

शाके २५१२ द्यु वृन्द १६ पूर्णिमा ४३।४५ स्वाती ५७।२९ सि ३९।३६ चं १६
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ३९।५० मुक्ति ४७।४० शर याम्य ॥

शाके २५१२ द्यु वृन्द १९३ पूर्णिमा ००।३३ अश्विनी २७।१९ व २४।१३ बु ७
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१७ स्पर्श ५६।१६ मुक्ति ६४।५० शर सौम्य ॥

शाके २५१३ द्यु वृन्द १८२ पूर्णिमा ४०।५९ रेवती ५६।९ व्या ४२।५३ र ६
आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।१५ स्पर्श ३९।४४ मुक्ति ४२।१४ शर सौम्य ॥

शाके २५१४ द्युवृन्द १४२ पूर्णिमा ५०।५५ धनिष्ठा २।४५ सु ४६।४२ बु १७
भाद्री स्थित्यर्द्ध २। ३१ स्पर्श ४८।२४ मुक्ति ५३।२६ शर याम्य ॥

शाके २५१४ द्युवृन्द ३१९ पूर्णिमा ३१।९ मघा २४।२० सु ४५।१० शु १५
माघी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श २६।४१ मुक्ति ३५।३७ शर सौम्य ॥

शाके २५१७ द्यु वृन्द ९५ अमावास्या १६।१७ पुनर्वसु २२।५७ ह २८।५६ मं २
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श १२।५० मुक्ति १८।५२ शर याम्य ॥

शाके २५१७ द्युवृन्द २५७ पूर्णिमा ४०।४८ मृगशिरा १४।१७ शु २०।१० बु १२
मार्गी स्थित्यर्द्ध १।३३ स्पर्श ३९।११ मुक्ति ४२।१७ शर सौम्य ॥

शाके २५१९ द्युवृन्द ५८ पूर्णिमा ००।५५ ज्येष्ठा १३।२६ शु ५०।३९ बु २७
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।३१ स्पर्श ५६।२४ मुक्ति ६५।२६ शर सौम्य ॥

शाके २५१९ द्यु वृन्द २३४ पूर्णिमा ४२।८ रोहिणी ६०।० सि ४८।४० वृ १९
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।३ स्पर्श ३८।५ मुक्ति ४६।११ शर याम्य ॥

शाके २५२० द्यु वृन्द ४७ पूर्णिमा ४१।११ अनुराधा ४०।१३ शि १२।२२ र १६
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।३ स्पर्श ३९।८ मुक्ति ४३।१४ शर सौम्य ॥

शाके २५२० द्यु वृन्द २२३ पूर्णिमा ५३।१४ भरणी २।५६ प ४।२९, चं १७
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध १।२१ स्पर्श ५१।५३ मुक्ति ५४।३५ शर याम्य ॥

शाके २५२१ द्यु वृन्द ७ पूर्णिमा ३४।३ चित्रा २८।२१ व ५३।२६ बु ८
चैत्री स्थित्यर्द्ध १।१५ स्पर्श ३२।४८ मुक्ति ३५।१८ शर याम्य ॥

शाके २४२१ द्यु वृन्द १८३ पूर्णिमा ५८।२५ उत्तरभाद्र १२।८ व्या ५०।४२ वृ २७
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।६ स्पर्श ५६।१९ मुक्ति ६०।३१ शर याम्य ॥

शाके २५२१ द्यु वृन्द १९९ अमावास्या २।१९ स्वाती ४१।२४ प्री ११।१३ श १३
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध १।२० स्पर्श १।० मुक्ति ३।४० शर याम्य ॥

शाके २५२२ द्यु वृन्द .... पूर्णिमा ३४।५४ हस्त १७।२४ व्या ३३।१ र २७
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ३०।४२ मुक्ति ३९।६ शर याम्य ॥

शाके २५२२ द्यु वृन्द १७३ पूर्णिमा ३९।४८ उत्तरभाद्र ३७।३१ वृ ९।५६ मं १७
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ३५।२५ मुक्ति ४४।११ शर सौम्य ॥

शाके २५२३ द्यु वृन्द... पूर्णिमा ३८।१० उत्तरफल्गुनी १०।२५ बृ १६।० वृ १५
चैत्री स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ३४।१५ मुक्ति ४२।५ शर सौम्य ॥

शाके २५२४ द्युवृन्द १३६ अमावास्या १५।३९ मघा २४।२८ शि ३२।१२ बु ११
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।१ स्पर्श १२।२२ मुक्ति १८।२४ शर सौम्य ॥

प्री
शाके २५२५ द्यु वृन्द ११० पूर्णिमा ५६।६ उत्तराषाढ २३।८९ प्रीति २५।४८ श १६
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।३० स्पर्श ५३।३६ मुक्ति ५८।३६ शर सौम्य ॥

शाके २५२५ द्युवृन्द २८८ पूर्णिमा ४३।४२ पुष्य ५४।५६ प्री ३६।३६ मं १३
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।२८ स्पर्श ३६।१४ मुक्ति ४८।१० शर याम्य ॥

शाके २५२७ द्युवृन्द ७४ अमावास्या ३१।१७ आर्द्रा ६०।०० वृ ३६।२२ चं १२
आषाढी स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श २८।३१ मुक्ति ३४।२७ शर याम्य ॥

शाके २५२७ द्युवृन्द ८८ पूर्णिमा ३७।२७ पूर्वाषाढ ४०।३८ ऐ १६।५२ चं २५
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।३५ स्पर्श ३३।५२ मुक्ति ४१।२ शर सौम्य ॥

शाके २५२८ द्युवृन्द ३८ पूर्णिमा ३८।५९ विशाखा १८।३४ प २८।३५ मं ८
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ३४।४७ मुक्ति ४३।११ शर सौम्य ॥

शाके २५२९ द्युवृन्द २१४ पूर्णिमा ४७।३९ भरणी ३६।४८ व्य ५।२८ बु २८
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ४३।२७ मुक्ति ५१।५१ शर याम्य ॥

शाके २५२८ द्युवृन्द २३० अमावास्या २६।३४ अनुराधा ३३।२९ सु ४३।०० शु १४
मार्गी स्थित्यर्द्ध १।५१ स्पर्श २४।४३ मुक्ति २८।२५ शर सौम्य ॥

शाके २५३० द्युवृन्द २७ पूर्णिमा ६०।०० स्वाती २६।३ व्य २५।१० श २७
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।०० स्पर्श ५७।५७ मुक्ति ६५।५७ शर याम्य ॥

शाके २५३१ द्युवृन्द १ अमावास्या २०।३४ रेवती ६।३७ वै १।४४ बु २
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।५ स्पर्श १७।१४ मुक्ति २३।२४ शर सौम्य ॥

शाके २५३२ द्युवृन्द १६७ अमावास्या १।१० हस्त ६०।०० ब्र ५१।५८ मं ११
आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।४८ स्पर्श ५८।१४ मुक्ति ३।५० शर सौम्य ॥

शाके २५३२ द्युवृन्द ३२९ पूर्णिमा ५१।४२ पूर्वफल्गुनी ५६।१९ घृ ३३।३४ बु २५
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२६ स्पर्श ४७।१६ मुक्ति ५६।८ शर सौम्य ॥

शाके २५३३ द्युवृन्द ३१९ पूर्णिमा २९।२४ मघा २२।२७ सु ४२।४१ चं १५
माघी स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श २५।१७ मुक्ति ३३।३१ शर याम्य ॥

शाके २५३६ द्युवृन्द ७९ पूर्णिमा २७।३२ मूल २१।३८ ब्र ३४।१५ बु १६
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।४४ स्पर्श २३।४८ मुक्ति ४१।१६ शर याम्य ॥

शाके २५३७ द्युवृन्द २४६ पूर्णिमा २।३२ मृगशिरा ३४।३ शु ३०।४७ वु सं मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।० स्पर्श ५८।३२ मुक्ति ६६।३२ शर याम्य ॥

शाके २५३८ द्यु वृन्द ५८ पूर्णिमा ५९।२७ अनुराधा १४।१७ सि २।१ शु २६ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।२१ स्पर्श ५७।६ मुक्ति ६१।४८ शर सौम्य ॥

शाके २५३८ द्यु वृन्द २२१ अमावास्या १८।२० विशाखा ६।४१ शो ३।५५ श ५ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।४ स्पर्श १५।५८ मुक्ति २०।६ शर याम्य ॥

शाके २५४० द्यु वृन्द ६ पूर्णिमा ५३।३१ चित्रा ५०।३७ ह १७।३१ शु ७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श ४९।२६ मुक्ति ५७।३६ शर याम्य ॥

शाके २५४० द्यु वृन्द १८३ पूर्णिमा ५९।५८ उत्तरभाद्र १२।३१ व्या ५१।२३ र २७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ५५।३८ मुक्ति ६४।१८ शर सौम्य ॥

शाके २५४१ द्यु वृन्द......पूर्णिमा ५४।४२ हस्त ४१।७ धृ ०।४६ मं २६ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श ५०।३७ मुक्ति ५८।४७ शर सौम्य ॥

शाके २५४१ द्यु वृन्द १७३ पूर्णिमा ३२।२४ उत्तरभाद्र ३०।१८ वृ ०।४३ शु १७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श २८।१७ मुक्ति ३६।३१ शर याम्य ॥

शाके २५४२ द्यु वृन्द ३१० पूर्णिमा २८।० आश्लेषा ४।५३ शो १०।४१ बु ५ माघी स्थित्यर्द्ध २।५० स्पर्श २५।१० मुक्ति ३०।५० शर याम्य ॥

शाके २५४२ द्यु वृन्द ३२५ अमावास्या २२।३३ शतभिषा १७।११ सि १५।८ वृ २० फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।४६ स्पर्श १९।३२ मुक्ति २५।४ शर सौम्य ॥

शाके २५४४ द्यु वृन्द २८८ पूर्णिमा ३१।५३ पुष्य ४५।४७ प्री २८।१६ शु ३३ पौषी स्थित्यर्द्ध ३।५१ स्पर्श २८।२ मुक्ति ३५।४४ शर सौम्य ॥

शाके २५४५ द्यु वृन्द ९९ पूर्णिमा ५५।५६ पूर्वाषाढ १६।० वै ७।४७ श ५ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।४७ स्पर्श ५२।९ मुक्ति ५९।४३ शर याम्य ॥

शाके २५४६ द्यु वृन्द २५१ अमावास्या १३।४२ मूल ४४।१४ गं १७।२४ श ६ पौषी स्थित्यर्द्ध २।३७ स्पर्श ११।३५ मुक्ति १६।४९ शर याम्य ॥

शाके २५४७ द्युवृन्द ४८ पूर्णिमा ५७।१३ अनुराधा ५०।४६ शि १७।२८ र १८ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्धं ४।८ स्पर्श ५३।९ मुक्ति ६१।१७ शर सौम्य ॥

शाके २५४८ द्युवृन्द २१४ पूर्णिमा ४२।५ भरणी ३४।३५ व्य १।४२ श २८ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्धं ४।२१ स्पर्श ३७।४४ मुक्ति ४६।२६ शर सौम्य ॥

शाके २५५० द्युवृन्द पूर्णिमा ४७।२० उत्तरफल्गुनी १५।३२ वृ १६।१५ वृ १६ चैत्री स्थित्यर्द्धं १।३५ स्पर्श ४५।४५ मुक्ति ४८।५५ शर सौम्य ॥

शाके २५५० द्युवृन्द १७७ अमावास्या २८।३६ हस्त ३२।८ ऐ ३८।४२ र २१ आश्विनी स्थित्यर्द्धं २।१२ स्पर्श २६।३२ मुक्ति ३०।५६ शर याम्य ॥

शाके २५५१ द्युवृन्द १५२ पूर्णिमा ३६।४१ शतभिषा ४।२८ धृ ४।५४ वृ २७ भाद्री स्थित्यर्द्धं ४।११ स्पर्श ३५।३० मुक्ति ४३।५२ शर याम्य ॥

शाके २५५१ द्युवृन्द ३१५ अमावास्या १।४८ शतभिषा ५०।५३ शि २७।३५ श ११ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं २।२६ स्पर्श ५६।३६ मुक्ति ४।३७ शर सौम्य ॥

शाके २५५१ द्युवृन्द ३२६ पूर्णिमा ५०।१५ उत्तरफल्गुनी ५४।७ धृ ३२।३ श २५ फाल्गुनी स्थित्यर्द्धं ४।११ स्पर्श ४६।४ मुक्ति ५४।२६ शर याम्य ॥

शाके २५५२ द्युवृन्द १४१ पूर्णिमा ३९।५३ शतभिषा ५८।४२ सु ४४।१४ चं १६ भाद्री स्थित्यर्द्धं ३।४६ स्पर्श ३६।४ मुक्ति ४३।४२ शर सौम्य ॥

शाके २५५२ द्युवृन्द ३०४ अमावास्या ३।५६ धनिष्ठा ४०।३८ व १०।५१ वु सं माघी स्थित्यर्द्धं २।२२ स्पर्श १।२४ मुक्ति ६।८ शर याम्य ॥

शाके २५५४ द्युवृन्द ८९ पूर्णिमा ५६।६ पूर्वाषाढ ५३।५३ ऐ २५।२५ चं २६ आषाढी स्थित्यर्द्धं ३।३१ स्पर्श ५२।३५ मुक्ति ५६।३७ शर याम्य ॥

शाके २५५४ द्युवृन्द १०५ अमावास्या ९।५६ पुष्य ३५।५२ सि ५६।२८ बु १२ श्रावणी स्थित्यर्द्ध १।५२ स्पर्श ७।२६ मुक्ति ११।१३ शर याम्य ॥

शाके २५५४ द्युवृन्द २६७ पूर्णिमा २५।१५ आर्द्रा ११।४८ ऐ ३१।१३ वृ २२ पौषी स्थित्यर्द्धं ४।७ स्पर्श २१।८ मुक्ति २६।२२ शर याम्य ॥

शाके २५५५ द्युवृन्द ७६ पूर्णिमा २८।३५ मूल २२।२५ ब्र ३४।३३ श १७ आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।३६ स्पर्श ३३।५५ मुक्ति ४३।१३ शर सौम्य ।।

शाके २[illegible]५ द्युवृन्द २४२ अमावास्या ८।५ ज्येष्ठा २४।३७ शू ३७।२० चं २७ मार्गी स्थित्यर्द्ध २।११ स्पर्श ६।६ मुक्ति १०।३१ शर सौम्य ।।

शाके २५५६ द्युवृन्द २४५ पूर्णिमा ३५।५९ रोहिणी ७।५ सा ६।४३ शु २६ मार्गी स्थित्यर्द्ध १।२६ स्पर्श ३४।३३ मुक्ति ३७।२५ शर याम्य ।।

शाके २ ५७ द्युवृन्द ४३ अमावास्या १६।२० कृत्तिका ६।८ अ १।५ र १२ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।५८ स्पर्श १६।२३ मुक्ति २८।१६ शर सौम्य ।।

शाके २५५७ द्युवृन्द २०५ पूर्णिमा ४०।२ अश्विनी १६।२७ सि २१।५२ चं १६ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध १।४७ स्पर्श ३८।१५ मुक्ति ४१।४६ शर सौम्य ।।

शाके २५५९ द्युवृन्द १६८ अमावास्या २०।२९ उत्तरफल्गुनी ८।०० ब्र ५४।२६ मं १२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध १।४२ स्पर्श १८।४५ मुक्ति २२।६ शर सौम्य ।।

शाके २५५९ द्युवृन्द १८३ पूर्णिमा ५३।६ उत्तरभाद्र २।२४ व्या ४४।११ बु २७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।७ स्पर्श ४८।५९ मुक्ति ५७।१३ शर याम्य ।।

शाके २५६० द्युवृन्द ३२० पूर्णिमा ४९।३१ मघा ३७।०० सु ५२।२० चं १६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ४६।५० मुक्ति ५२।१२ शर याम्य ।।

शाके २५६१ द्युवृन्द ३१० पूर्णिमा २७।३८ आश्लेषा ३।१६ शो ६।०० श ५ माघी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श २३।११ मुक्ति ३२।५ शर याम्य ।।

शाके २५६२ द्युवृन्द १२० पूर्णिमा ४३।४२ श्रवणा २६।२५ सौ ४५।१७ र २६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२४ स्पर्श ३६।१८ मुक्ति ४८।६ शर सौम्य ।।

शाके २५६२ द्युवृन्द २६८ पूर्णिमा ५२।३२ पुष्य १५।१७ आ १२।१४ बु २४ माघी स्थित्यर्द्ध ३।५२ स्पर्श ४८।४० मुक्ति ५६।२४ शर सौम्य ।।

शाके २५६५ द्युवृन्द २३६ पूर्णिमा २६।३० रोहिणी ४३।३५ सि २८।१६ र २० मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श २५।२० मुक्ति ३३।४० शर याम्य ।।

शाके २५६६ द्युवृन्द ४८ पूर्णिमा ३६।३४ अनुराधा ३०।४७ सि ५५।४७ बु १७
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श ३२।१९ मुक्ति ४०।४९ शर याम्य ॥

शाके २५६६ द्युवृन्द २२५ पूर्णिमा ३।२९ कृत्तिका ६।३६ शि ३७।४० शु ९
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ५९।१७ मुक्ति ६८।१ शर सौम्य ॥

शाके २५६७ द्युवृन्द २१४ पूर्णिमा ४४।४ भरणी ३६।०० व्य २।२२ मं २८
कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श ४२।९ मुक्ति ४५।५९ शर सौम्य ॥

शाके २५६९ द्युवृन्द ...... पूर्णिमा ३३।२१ उत्तरफल्गुनी ३।५६ वृ ४।५८ र १७
चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।२१ स्पर्श २९।०० मुक्ति ३७।४२ शर सौम्य ॥

शाके २५६९ द्युवृन्द १६३ पूर्णिमा ५६।१६ पूर्वभाद्र ३५।५९ गं १३।१३ मं ७
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श ५२।११ मुक्ति ६०।२१ शर याम्य ॥

शाके २५७० द्युवृन्द १५१ पूर्णिमा ५६।४० शतभिषा ३४।५३ वृ २७।३३ श २६
भाद्री स्थित्यर्द्ध ३।५८ स्पर्श ५२।४२ मुक्ति ६०।३८ शर सौम्य ॥

शाके २५७१ द्युवृन्द १२७ अमावास्या ६।४७ मघा ५८।४४ प ४५।४५ वृ २
भाद्री स्थित्यर्द्ध २।२४ स्पर्श ४।१३ मुक्ति ९।१ शर याम्य ॥

शाके २५७१ द्युवृन्द २८९ पूर्णिमा ४२।१६ पुष्य ५०।३७ प्री २७।५७ शु १४
पौषी स्थित्यर्द्ध १।२९ स्पर्श ४०।४७ मुक्ति ४३।४५ शर सौम्य ॥

शाके २५७२ द्युवृन्द ११६ अमावास्या ३२।३ पुष्य ३।१४ व्य ४१।५२ चं २१
श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श २९।३७ मुक्ति ३५।२९ शर सौम्य ॥

शाके २५७२ द्युवृन्द २७८ पूर्णिमा ४४।३१ पुनर्वसु ४३।२९ वै १२।०० मं ३
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।६ स्पर्श ४०।२५ मुक्ति ४८।३७ शर सौम्य ॥

शाके २५७३ द्युवृन्द ८९ पूर्णिमा ५७।२७ पूर्वाषाढ ५४।५७ ऐ २६।७ वृ २६
आषाढी स्थित्यर्द्ध ४।४१ स्पर्श ५२।३६ मुक्ति ६१।५८ शर याम्य ॥

शाके २५७३ द्युवृन्द २६६ पूर्णिमा ४३।१० आर्द्रा ३३।२६ ऐ ५४।४५ श २१
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ३९।६ मुक्ति ४७।१४ शर याम्य ॥

शाके २५७४ द्यु वृन्द ७६ पूर्णिमा .३६।२४ मूल ११.४ व्र ३१।४४ मं १७ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।१० स्पर्श ३३।१४ मुक्ति ३६।३४ शर सौम्य ॥

शाके २५७४ द्युवृन्द २५४ पूर्णिमा ५६।३६ मृगशिरा ३८।४३ शु ४०।५६ बु १० मार्गी स्थित्यर्द्ध १।२६ स्पर्श ५५।७ मुक्ति ५८।५ शर याम्य ॥

शाके २५७६ द्यु वृन्द २०५ पूर्णिमा ४१।४३ अश्विनी १६।५८ सि २२।५ बृ २६ कार्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श ३७।२७ मुक्ति ४५।५६ शर सौम्य ॥

शाके २५७७ द्यु वृन्द १६ पूर्णिमा ३३।२८ स्वाती ४६।२६ .सि २६।१७ र १७ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श २६।१२ मुक्ति ३७।४४ शर सौम्य ॥

शाके २५७८ द्यु वृन्द ५ पूर्णिमा ५७ २६ चित्रा ५६।४९ ह ३०।४२ बु ६ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।०० स्पर्श ५५।२६ मुक्ति ५९।२६ शर सौम्य ॥

शाके २५७८ द्यु वृन्द १६८ अमावास्या १३।४८ उत्तरफल्गुनी ३।४५ व्र ४८।२ शु १२ आश्विनी स्थित्यर्द्ध २।५४ स्पर्श १०।६ मुक्ति १५।५४ शर सौम्य ॥

शाके २५७९ द्यु वृन्द ३२० पूर्णिमा ४९।३८ मघा ३५।३८ सु ४१।५१ बृ १६ फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ४५।१५ मुक्ति ५४।१ शर याम्य ॥

शाके २५८० द्यु वृन्द १३२ पूर्णिमा ०।५५ धनिष्ठा ०।४३ अ २८।५६ श ७ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ५६।३७ मुक्ति ६५।१३ शर सौम्य ॥

शाके २५८१ द्यु वृन्द १२० पूर्णिमा ३३।३३ श्रवणा २०।२६ सो ३५।२५ बु २६ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।५ स्पर्श २९।२८ मुक्ति ३७।३८ शर याम्य ॥

शाके २५८२ द्यु वृन्द ९५ अमावास्या २१।४५ पुनर्वसु २६।५४ ह ३२।१० र २ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५१ स्पर्श २०।२ मुक्ति २५।४४ शर याम्य ॥

शाके २५८३ द्यु वृन्द ७० पूर्णिमा ३३।२४ मूल ५५।३३ शु ४७।४ बृ ८ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।४४ स्पर्श २९।४० मुक्ति ३७।८ शर सौम्य ॥

शाके २५८३ द्युवृन्द २४६ पूर्णिमा ५१।५६ रोहिणी १६।१२ सा १४।०० शु सं मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श ४८।४६ मुक्ति ५६।६ शर याम्य ॥

शाके २५८४ द्युवृन्द ५६ पूर्णिमा ५२।३८ ज्येष्ठा ६०।०० सा ४१।१७ चं २७ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४८।१६ मुक्ति ५७।०० शर याम्य ॥

शाके २५८४ द्युवृन्द २३६ पूर्णिमा २४।५६ रोहिणी ३८।१६ सि २३।३८ बु २० मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श २०।३३ मुक्ति २६।१९ शर सौम्य ॥

शाके २५८५ द्युवृन्द ३३ अमावास्या ११।४१ कृत्तिका ४६।४९ शो १८।४२ शु ३ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श १७।१९ मुक्ति २२।४३ शर सौम्य ॥

शाके २५८५ द्युवृन्द ४७ पूर्णिमा ५६।४५ अनुराधा ५३।३५ शि २०।१३ शु १७ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।४२ स्पर्श ५५।३ मुक्ति ५८।२७ शर याम्य ॥

शाके २५८६ द्युवृन्द १६९ अमावास्या ०।७ स्वाती ३०।२५ प्री ७।३७ बृ १३ कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ३।० स्पर्श ५६।५८ मुक्ति २।५८ शर सौम्य ॥

शाके २५८७ द्युवृन्द ... पूर्णिमा ५३।१ हस्त ३६।०० व्या ४७।३६ शु २७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१८ स्पर्श ४८।४३ मुक्ति ५७।१९ शर सौम्य ॥

शाके २५८८ द्युवृन्द ...... पूर्णिमा ३२।३५ उत्तरफल्गुनी ३।३६ वृ ४।२० बु १७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१६ स्पर्श २८।१९ मुक्ति ३६।५१ शर याम्य ॥

शाके २५९० द्युवृन्द १११ पूर्णिमा ३३।४ उत्तराषाढ १।२८ प्री ०।२० शु १७ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श ३०।७ मुक्ति ३६।१ शर याम्य ॥

शाके २५९२ द्युवृन्द ६० पूर्णिमा ५३।३५ पूर्वाषाढ ५०।५९ ऐ २०।५७ र २६ आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।२७ स्पर्श ५०।८ मुक्ति ५७।२ शर सौम्य ॥

शाके २५९२ द्युवृन्द २५३ अमावास्या १६।२१ मूल ४५।३० गं ११।३४ मं ७ पौषी स्थित्यर्द्ध २।२ स्पर्श १७।४३ मुक्ति २१।४७ शर याम्य ॥

शाके २५९४ द्युवृन्द ३८ पूर्णिमा ४५।३६ विशाखा २१।३५ प ३१।३५ र ८ वैशाखी स्थित्यर्द्ध ३।४२ स्पर्श ४१।५७ मुक्ति ४६।२१ शर याम्य ॥

शाके २५९४ द्युवृन्द २१६ पूर्णिमा २।५६ कृत्तिका ४६।१ व ३।१८ बु सं कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१५ स्पर्श ५८।४४ मुक्ति ६७।१४ शर सौम्य ॥

शाके २५९५ द्यु_वृन्द २७ पूर्णिमा ५११२० स्वाती१७।१२ व्य १६।१० वृ २७
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।२० स्पर्श ४७।०० मुक्ति ५५।४० शर सौम्य ॥

शाके २५९५ द्यु_वृन्द २०५ पूर्णिमा ३२।५० अश्विनी ६।३२ सि १२।१९ र १९
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श २८।३८ मुक्ति ३७।२ शर याम्य ॥

शाके २५९६ द्युवृन्द ३४२ पूर्णिमा ३२।१६ उत्तरफल्गुनी ४२।१ गं ४२।१६ शु ७
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।२२ स्पर्श २९।५४ मुक्ति ३४।३८ शर याम्य ॥

शाके २५९६ द्युवृन्द ३५७ अमावास्या १५।२५ रेवती ५४।५ ऐ २५।२० श २२
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।५६ स्पर्श १२।२४ मुक्ति१८।२६ शर याम्य ॥

शाके २५९८ द्युवृन्द ३२० पूर्णिमा ३३।४० मघा २०।२ सु ३७।२२ र १६
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।५६ स्पर्श २९।४४ मुक्ति ३७।३६ शर सौम्य ॥

शाके २५९९ द्युवृन्द १३१ पूर्णिमा ५१।३५ धनिष्ठा ५१।५२ शो २५।३५ चं ६
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ४७।२३ मुक्ति ५५।४७ शर याम्य ॥

शाके २६०० द्यु_वृन्द २८३ अमावास्या १५।३७ उत्तराषाढ २३।३३ व ३१।२० चं ९
माघी स्थित्यर्द्ध २।२३ स्पर्श १३।११ मुक्ति १७।५७ शर याम्य ॥

शाके २६०१ द्यु_वृन्द ८० पूर्णिमा ५२।२७ मूल २९।२ व्र ३७।५९ मं १८
आषाढी स्थित्यर्द्ध ३।२४ स्पर्श ४९।३ मुक्ति ५५।५१ शर सौम्य ॥

शाके २६०२ द्यु_वृन्द २४६ पूर्णिमा ४६।३३ रोहिणी १३।५२ सा ११।३० चं सं
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।२३ स्पर्श ४२।१० मुक्ति ५०।५६ शर सौम्य ॥

शाके २६०३ द्यु_वृन्द २३६ पूर्णिमा २६।४१ रोहिणी ३९।३८ स २६।२४ श २०
मार्गी स्थित्यर्द्ध २।५ स्पर्श २४।३६ मुक्ति २८।४६ शर सौम्य ॥

शाके २६०४ द्यु_वृन्द ३३ अमावास्या १६।४६ कृत्तिका ४६।२० शो १६।३० चं ४
ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध १।५० स्पर्श १५।५ मुक्ति १८।४५ शर याम्य ॥

शाके २६०४ द्युवृन्द २०९ अमावास्या २८।४७ स्वाती ८।२२ सौ ४९।३८ मं २३
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।२२ स्पर्श २६।४९ मुक्ति ३१।३३ शर याम्य ॥

शाके २६०५ द्यु वृन्द १८४ पूर्णिमा ३२।३४ रेवती ४०।४ व्या १५।५३ श २८ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।५५ स्पर्श २८।३९ मुक्ति ३६।२९ शर याम्य ॥

शाके २६०६ द्यु वृन्द ... पूर्णिमा ५३।२७ हस्त ३६।१३ व्या ४७।२५ चं २७ चैत्री स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ४९।१९ मुक्ति ५७।५७ शर याम्य ॥

शाके २६०६ द्यु वृन्द १७३ पूर्णिमा ३१।२७ उत्तरभाद्र २८।१८ ध्रु ५५।५५ बु १७ आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।१० स्पर्श २७।१७ मुक्ति ३५।३७ शर सौम्य ॥

शाके २६०६ द्यु वृन्द ३३६ अमावास्या ३।४९ पूर्वभाद्र १४ २३ शु १९।६ बु २ चैत्री स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श ०।५० मुक्ति ५।४० शर याम्य ॥

शाके २६०७ द्यु वृन्द १६२ पूर्णिमा ४२।१२ पूर्वभाद्र २८।१३ गं ४४।२३ र ६ भाद्री स्थित्यर्द्ध १।४० स्पर्श ४०।३२ मुक्ति ४३।५२ शर सौम्य ॥

शाके २६०८ द्यु वृन्द १२१ पूर्णिमा ५१।४७ श्रवणा ३३।३३ सौ ४३।५२ बु २७ श्रावणी स्थित्यर्द्ध २।४० स्पर्श ४९।७ मुक्ति ५४।२७ शर याम्य ॥

शाके २६०९ द्यु वृन्द ११९ पूर्णिमा ३४।३६ उत्तराषाढ २।३३ प्री १।२ चं १७ श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।३२ स्पर्श ३०।४ मुक्ति ३९।८ शर याम्य ॥

शाके २६०९ द्यु वृन्द २७४ अमावास्या १६।२२ पूर्वाषाढ ३।२१ ह ४६।५५ बु २९ पौषी स्थित्यर्द्ध २।४३ स्पर्श १४।४ मुक्ति १९।३० शर सौम्य ॥

शाके २६१० द्यु वृन्द २७७ पूर्णिमा ३९।३५ पुनर्वसु ४२।५३ वै १७।५९ र १ पौषी स्थित्यर्द्ध १।३३ स्पर्श ३८।२ मुक्ति ४१।८ शर याम्य ॥

शाके २६११ द्यु वृन्द ७५ अमावास्या १२।७ आर्द्रा ४५।४७ वृ २०।२७ मं १२ आषाढी स्थित्यर्द्ध २।४५ स्पर्श ९।३६ मुक्ति १५।६ शर याम्य ॥

शाके २६११ द्यु वृन्द २३७ पूर्णिमा ४४।३१ रोहिणी ५२।७ सि ३२।४३ बु २१ मार्गी स्थित्यर्द्ध १।२७ स्पर्श ४३।४ मुक्ति ४५।५८ शर सौम्य ॥

शाके २६१२ द्यु वृन्द ४९ पूर्णिमा २१९ ज्येष्ठा ५९।४५ सि १७।९ श १९ ज्यैष्ठी स्थित्यर्द्ध ३।२८ स्पर्श ५८।५१ मुक्ति ६५।४७ शर याम्य ॥

शाके २६१३ द्युवृन्द २०० अमावास्या २११२ स्वाती ४४।४४ प्री १२।५ वृ १४
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।१५ स्पर्श १९।२५ मुक्ति २३।५५ शर सौम्य ॥

शाके २६१३ द्युवृन्द २१५ पूर्णिमा ५७।३० भरणी ४२।२२ व्य ०।४६ शु ....
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध ४।११ स्पर्श ५३।१९ मुक्ति ६१।४१ शर याम्य ॥

शाके २६१४ द्युवृन्द २७ पूर्णिमा ३५।२ स्वाती ३।५२ व्य ३।२३ ''
वैशाखी स्थित्यर्द्ध २।४१ स्पर्श ३२।२१ मुक्ति ३७।४३ शर सौम्य ॥

शाके २६१४ द्युवृन्द .....पूर्णिमा ५३।१० उत्तरफल्गुनी १८।४ वृ १३।५३.......
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध २।२ स्पर्श ५१।८ मुक्ति ५५।१२ शर याम्य ॥

शाके २६१५ द्यु वृन्द ३४२ पूर्णिमा ३०।४० पूर्वफल्गुनी ४०।४३ गं २१।३१.......
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श २६।२१ मुक्ति ३४।५९ शर याम्य ॥

शाके २६१६ द्युवृन्द १५२ पूर्णिमा ३७।५५ शतभिषा ५।१० धृ ४।४५ मं
भाद्री स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श ३३।२६ मुक्ति ४१।४४ शर सौम्य ॥

शाके २६१६ द्युवृन्द ३३० पूर्णिमा ५३।५४ पूर्वफल्गुनी ५२।४५ धृ २२।४ शु २६
फाल्गुनी स्थित्यर्द्ध ३।४६ स्पर्श ४९।५८ मुक्ति ५७।५० शर सौम्य ॥

शाके २६१९ द्यु वृन्द २६८ पूर्णिमा ३३।२५ आर्द्रा २०।२२ ऐ ३६।३२ मं २३
पौषी स्थित्यर्द्ध ४।१९ स्पर्श २९।१६ मुक्ति ३७।३४ शर याम्य ॥

शाके २६१९ द्यु वृन्द २८४ अमावास्या ५।१६ उत्तराषाढ १३।२८ व १७।५७ वृ ९
माघी स्थित्यर्द्ध २।२५ स्पर्श ३।१६ मुक्ति ८।६ शर सौम्य ॥

शाके २६२१ द्यु वृन्द २४६ पूर्णिमा ४९।४० रोहिणी १५।४६ सा १२।५३ वृ १
मार्गी स्थित्यर्द्ध ११।५९ स्पर्श ४७।४१ मुक्ति ५१।३९ शर सौम्य ॥

शाके २६२३ द्यु वृन्द १८ पूर्णिमा ३३।१९ स्वाती ४१।५ सि २१।२० मं १८
वैशाखी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श २९।११ मुक्ति ३७।२७ शर सौम्य ॥

शाके २६२३ द्यु वृन्द १९५ पूर्णिमा ५१।९ रेवती ५।५३ व ५९।५७ वृ ८
अश्विनी स्थित्यर्द्ध ३।४९ स्पर्श ४७।२० मुक्ति ५४।५८ शर याम्य ॥

शाके २६२३ द्यु_वृन्द २१० अमावास्या २०।८ स्वाती २।४६ सौ ४२।२७ शु २३
कार्त्तिकी स्थित्यर्द्ध २।४२ स्पर्श १७।४६ मुक्ति २३।१३ शर सौम्य ॥

शाके २६२४ द्युवृन्द १८३ पूर्णिमा ५०।०० रेवती ६०।०० व्या ३६।१४ चं २७
आश्विनी स्थित्यर्द्ध ४।२२ स्पर्श ४५।३८ मुक्ति ५४।२२ शर सौम्य ॥

शाके २६२४ द्यु_वृन्द ३४६ अमावास्या २९।४७ उत्तरभाद्र ४५।४५ शु ५।४६ बु १२
चैत्री स्थित्यर्द्ध २।४६ स्पर्श २७।२० मुक्ति ३२।५८ शर सौम्य ॥

शाके २६२५ द्यु_वृन्द...... पूर्णिमा ५३।११ हस्त३५।५ व्या ४६।१८ ....
चैत्री स्थित्यर्द्ध ११२६ स्पर्श ५१।४२ मुक्ति ५४।४० शर याम्य ॥

शाके २६२६ द्यु_वृन्द १४८ अमावास्या १६।३१ पूर्वफल्गुनी ३८।०० सा ५६।२६
......भाद्री स्थित्यर्द्ध २।५७ स्पर्श १७।१३ मुक्ति २३।७ शर सौम्य ॥

शाके २६२६ द्यु_वृन्द ३१० पूर्णिमा ४३।५४ आश्लेषा १३।४६ शो १८।४०......
माघी स्थित्यर्द्ध ४।४ स्पर्श ३६।५० मुक्ति ४७।५८ शर सौम्य ॥

शाके २६२७ द्यु_वृन्द १२२ पूर्णिमा ५३।४० श्रवणा ३४।५० सौ ४५।६ श २७
श्रावणी स्थित्यर्द्ध ४।२७ स्पर्श ४९।१३ मुक्ति ५८।७ शर याम्य ॥

शाके २६२७ द्युवृन्द २६६ पूर्णिमा ४३।१६ पुष्य ५।४८ आ २।४३ चं २४
माघी स्थित्यर्द्ध ४।८ स्पर्श ३९।११ मुक्ति ४७।२७ शर याम्य ॥

शाके २६३० द्युवृन्द ७५ अमावास्या १३।४६ आर्द्रा ४८।५८ वृ २०।११ शु १२
आषाढी स्थित्यर्द्ध १।४७ स्पर्श ११।३३ मुक्ति १५।७ शर सौम्य ॥

शाके २६३० द्यु_वन्द २३७ पूर्णिमा ४६।१ रोहिणी ५३।२५ सि ३२।५२ श २१
मार्गी स्थित्यर्द्ध ४।१२ स्पर्श ४१।४६ मुक्ति ५०।१३ शर सौम्य ॥

